

जैमिनीय साम प्रकृति गान्म्

Version 1.0 1st November 2025

Contents

आग्रेयपाठः	28
प्रथम खण्डः	29
॥गौतमस्यपर्कः ॥	29
॥कश्यपस्यबर्हिषीयम् ॥	29
॥गौतमस्यचैवपर्कः ॥	29
॥सौपर्णञ्च ॥	30
॥वैश्वमनसञ्चादित्यसामवा ॥	30
॥श्रौतर्षाणित्रीणि ॥	30
॥औशनञ्च ॥	31
॥शैरीषेच ॥	31
॥इन्द्रस्यसंवर्गीवात्रद्वे ॥	32
॥साकमश्वस्यशौनःशोपेःसामनी द्वे ॥	32
॥वत्सस्यकाणवस्यसामनीद्वे ॥	33
॥अग्नेश्ववैश्वानरस्यार्षेयम् ॥	33
॥सुमित्रस्यचवार्द्धेस्साम ॥	34
द्वितीय खण्डः	35
॥अग्नेश्वसंवर्गः ॥	35
॥वैश्वमनसञ्च ॥	35
॥शाभाश्रौष्टेद्वे ॥	35
॥वैश्वामित्रञ्च ॥	36
॥अग्नेश्वजराबोधीये ॥	36
॥मारुतञ्च ॥	36
॥भार्गवेच ॥	37
॥अग्नेश्ववारवन्तीयम् ॥	37

॥ौर्वस्यवैधारेस्सामनीद्वे ॥	38
॥अत्रेश्वासङ्गम् ॥	38
॥प्रजापतेश्वनिधनकामम् ॥	39
तृतीय खण्डः	40
॥सैन्धुक्षितानित्रीणि ॥	40
॥अग्नेहरसीद्वे ॥	40
॥इहवद्वामदेव्यंतृतीयम् ॥	41
॥यामेद्वे ॥	41
॥अग्नेराक्षोद्भेद्वे ॥	42
॥वैश्वम्नसञ्च ॥	42
॥अग्नेश्वार्षेयम् ॥	42
॥सोमसामच ॥	43
॥गोपवनञ्च ॥	43
॥सूर्यसामनीद्वे ॥	43
॥कावञ्च ॥	44
॥वसुरोचिषस्सौर्यवर्चस्यसामनीद्वे ॥	44
॥गौराङ्गिरसस्यसामनीद्वे ॥	45
चतुर्थ खण्डः	46
॥भारद्वाजस्यौपहवौद्वौ ॥	46
॥श्रुष्टीगवम् ॥	46
॥अग्नेश्वयज्ञायज्ञीयम् ॥	47
॥कार्तवेशञ्च ॥	47
॥नार्मधञ्च ॥	47
॥महाकार्तवेशञ्च ॥	48
॥भारद्वाजस्यपृशीद्वे ॥	48
॥उरोराङ्गिरसस्यसाम ॥	49
॥गौतमस्यपौरुमुद्भेद्वेपुरुमुद्भस्यवा झीरसस्य देवानांवा ॥	49
॥मण्डोर्जामदग्न्यस्यसामनीद्वे ॥	50
॥भारद्वाजस्यगाधम् ॥	51
॥गौतमेद्वे ॥	51
॥अग्नेरायुः ॥	52

॥अश्वेहरसीद्वे ॥	52
॥दैर्घश्रवसेद्वे ॥	53
पञ्चम खण्डः	54
॥अग्नेराग्नेयेद्वे ॥	54
॥गौतमस्यमनार्येद्वे ॥	54
॥दैवोराजञ्च ॥	55
॥गाधिनश्चकौशिकस्यसाम ॥	55
॥बार्हदुत्थेद्वे ॥	56
॥पौरुषीढञ्च ॥	56
॥कार्णश्रवसम् ॥	57
॥दैवोदासञ्च ॥	57
॥सौकृतवञ्च ॥	57
॥काण्वेद्वे ॥	58
॥मानवेद्वे ॥	59
षष्ठ खण्डः	60
॥अग्नेश्चद्रविणम् ॥	60
॥बार्हस्पत्यञ्चब्राह्मणस्पत्यंवा ॥	60
॥वसिष्ठस्यचवीङ्कम् ॥	60
॥विस्पर्धञ्च ॥	61
॥ऐतवृधञ्च ॥	61
॥मनसश्चदोहः ॥	62
॥समन्तानित्रिणिअग्नेरेकमिन्द्राग्न्योर्वाप्रजापतेर्वावरुणस्येद्वे ॥	62
॥वमृस्यवैखानसस्यसाम ॥	63
सप्तम खण्डः	64
॥श्यावांश्चञ्च ॥	64
॥ऋतुसामनीच ॥	64
॥यामञ्च ॥	65
॥अग्नेश्चाग्नेयम् ॥	65
॥अग्नेवैश्वानरस्यसामनीद्वे ॥	66
॥ऐटतेद्वे ॥	67
॥वामदेव्यञ्च ॥	67
॥वैश्यज्योतिषेच ॥	68
॥यामेद्वे ॥	69

॥प्रजापतेराशिमरायेद्वेमरायराशिनिवा ॥	70
अष्टम खण्डः	71
॥श्येनञ्च ॥	71
॥वासोकञ्च ॥	71
॥पौष्णञ्च ॥	71
॥कौत्सञ्च ॥	72
॥काश्यपद्वे ॥	72
॥घृताचेराङ्गिरसस्यसामनीद्वे ॥	73
॥भारद्वाजस्यप्रासाहम् ॥	74
नवम खण्डः	75
॥पाथेद्वे ॥	75
॥बृहच्चाग्रेयम् ॥	75
॥कौन्मुदम् ॥	76
॥बृहचैवाग्रेयम् ॥	76
॥कौन्मुदञ्चैव ॥	76
॥अग्नेर्यद्वाहिषीयेद्वे ॥	77
॥अग्नेश्वविशोविशीयम् ॥	77
॥प्रजापतेःकनीनिकेद्वेअत्रेवा ॥	78
॥श्रौतर्वणञ्च ॥	78
॥कश्यपस्यसयोनिः ॥	79
दशम खण्डः	80
॥बाहस्पत्यञ्च ॥	80
॥ऐषञ्चारुढवदाङ्गिरसम् ॥	80
॥आसीतेद्वे ॥	80
॥त्वाष्ट्रीसामच ॥	81
॥मानवञ्च ॥	81
॥अगस्तस्यचराक्षोग्नम् ॥	82
एकादश खण्डः	83
॥तौदेद्वे ॥	83
॥दैर्घतमसानित्रीणि ॥	83
॥श्यावाश्वस्यप्रहितौद्वौ ॥	84
॥प्रजापतेःश्रुधीयेद्वे ॥	84
॥प्रजापतेःसदोहविर्धानानित्रीणिसदःपूर्वहविर्धाने उत्तरे ॥	85

॥त्वषुश्चातिथ्यम् ॥	86
॥अदितेश्वसाम ॥	86
॥अगस्तस्यचराक्षोभ्नम् ॥	86
॥वाक्जंभञ्च ॥	86
॥बृहदाग्नेयञ्चसङ्कृतवा ॥	87
॥अगस्तस्यचैवराक्षोभ्नम् ॥	87
द्वादश खण्डः	88
॥वसिष्ठस्यप्रमहिषीयानिचत्वारि ॥	88
॥भरद्वाजस्यवाजभृत् ॥	89
॥सौभराणित्रीणि ॥	89
॥पथस्यसौभरस्यसामनीद्वे ॥	90
॥दैवानीकञ्च ॥	90
॥साधञ्च ॥	91
॥जमदग्नेश्वसंवर्गः ॥	91
॥अगस्तयस्यचराक्षोभ्नम् ॥	91
॥अग्नेश्वश्रैष्ट्यम् ॥	91
॥आदित्यस्यचरुचिरोचननंवा ॥	92
तद्वपाठः प्रथमं खण्डः	93
॥मर्गीयवञ्च ॥	94
॥रौद्रेद्वे ॥	94
॥मार्गीयवञ्चैव ॥	94
॥आश्वञ्च ॥	95
॥ऐटतेद्वे ॥	95
॥श्रौतकक्षेद्वे ॥	96
॥तन्वस्यपाथस्यसामनीद्वे वसोवार्षेः ॥	96
॥अडगिरसान्निवेष्टौद्वौ इल्ला नांवासङ्घारौ ॥	97
॥शथ्यातानित्रीणि ॥	97
॥इन्द्राण्यास्साम ॥	98
॥गोषूक्तम् ॥	98
॥आश्वसूक्तञ्च ॥	99
॥गौरीवितम् ॥	99
॥गौराणित्रीणि ॥	99

द्वितीय खण्डः	101
॥सौपर्णानि त्रीणि ॥	101
॥शाकलम् ॥	101
॥आभरद्वसवेद्वैन्द्रकग्रेर्वा ॥	102
॥तान्वेद्वे ॥	102
॥रौहितकूलियेद्वे ॥	103
॥इन्द्राण्यास्सामनीद्वे ॥	103
॥इन्द्रस्यसहस्रबाहवियम् ॥	104
॥धृषतोमारूतस्यसामनीद्वे ॥	104
॥भारद्वाजस्यदारसन्तित्रीणि ॥	104
॥ऐधमवाहानि त्रीणि ॥	105
॥अहेऽपैष्वस्यसाम अहिहनोवाबैल्वस्य ॥	106
तृतीय खण्डः	107
॥ऐषञ्च ॥	107
॥पौषञ्च ॥	107
॥मरुताञ्चसंवेशीयम् ॥	107
॥हाविष्मतेद्वे ॥	108
॥हाविष्कृतेद्वे ॥	108
॥काक्षीवतञ्च ॥	109
॥उषसश्च साम ॥	109
॥भारद्वाजस्यमौक्षेद्वे ॥	109
॥भारद्वाजानित्रीणि ॥	110
॥शौक्तसामनीद्वे ॥	110
॥वार्षाहरेद्वे ॥	111
॥कूत्सस्यप्रतोदौद्वौ ॥	112
चतुर्थ खण्डः	113
॥सौश्रवसेद्वे ॥	113
॥त्वाद्रीसामच ॥	113
॥त्वष्टुरातिथ्येद्वे ॥	114
॥पौष्णेद्वे ॥	114
॥श्यावाश्वेद्वे ॥	115

॥प्रजापतेस्सुतंरविष्टीयेद्वे ॥	115
॥आप्सरसञ्च इष्टाहोत्रीयंवा आपांवानिधि ॥	116
॥प्रजापतेर्निधन कामम् ॥	116
॥वाजिदापर्यञ्च ॥	116
॥सोमापौष्णञ्च ॥	117
पञ्चम खण्डः	118
॥वैतहव्यानि त्रीणि ॥	118
॥शौक्तानित्रीणि ॥	118
॥गौरीवितानित्रीणि ॥	119
॥काण्वेद्वे ॥	120
॥सौमित्रेद्वे दैवोदासं तृतीयं श्रौतकक्षणिवा ॥	121
॥वैष्णवानि त्रीणि इहद्वाम दैवोदासन्तृतीयं और्ध्वसद्बनानिवा ॥	122
॥औदलेद्वे वैणवेद्वे वैणव औदलइतीवा ॥	122
॥दैवोदासानित्रीणि आर्षभाणिवायदिवावार्ध्यश्वानि ॥	123
॥कौत्सेद्वे पाञ्चवाजेवा ॥	124
॥सौमेधानित्रीणि पौर्वतिथानिवा ॥	125
॥दैवातिथमैधातिथं वा ॥	126
षष्ठ खण्डः	127
॥माधूच्छन्दसङ्कौञ्चसौपर्णवा घृतश्चुन्निधनंआङ्गिरसानिवा ॥	127
॥प्रैयमेधानित्रीणि शौक्त सामानिवा उत्तातृदमनंवातृतीयम् ॥	127
॥गौरीवितेद्वे ॥	128
॥आपालवैणवेद्वे ॥	129
॥धुरशम्येद्वे ॥	129
॥महागौरीवितं तृतीयम् ॥	130
॥वाचस्सामनीद्वे ॥	130
॥महावामदव्यंतृतीयम् ॥	131
॥इन्द्रस्यसत्रासाहीयेद्वे ॥	131
॥महावामदेव्यञ्च ॥	132
॥वैर्यश्वञ्च ॥	132
॥गौतमस्यच भद्रम् ॥	133
॥अश्विनोश्च साम ॥	133

सप्तम खण्डः	134
॥त्वाष्ट्रीसामच ॥	134
॥गोधासामच ॥	134
॥सवितुश्वसाम ॥	134
॥उषसश्वसाम ॥	135
॥त्वष्टुरातिथ्येद्वे ॥	135
॥सौमित्रञ्च ॥	135
॥इन्द्रस्यचमाया ॥	136
॥वैश्वामित्रेच ॥	136
॥शौनशेषपञ्च ॥	136
॥प्रतीचीनेषञ्च काशीतम् ॥	137
अष्टम खण्डः	138
॥सौमित्रञ्च ॥	138
॥इयावाश्वेद्वे ॥	138
॥शैखण्डिनञ्च ॥	138
॥वैतहव्यञ्च ॥	139
॥भारद्वाजञ्च ॥	139
॥अरुणस्यचवैददश्वेस्साम ॥	139
॥सौभरञ्च ॥	140
॥पाष्ठौहेच ॥	140
॥साकमश्वन्धुरांवासाम ॥	141
नवम खण्डः	142
॥यामञ्च ॥	142
॥आङ्गीरसञ्चइन्द्रस्यवा हरिश्रीर्निधनम् ॥	142
॥वैरूपञ्च ॥	142
॥असीतञ्चसिन्धुसामवा ॥	143
॥यमस्याकोद्घौ ॥	143
॥सौमित्रेद्वे ॥	143
॥इन्द्रस्याभयम् ॥	144
॥त्वाष्ट्रीसामनीद्वे ॥	144
॥इन्द्राण्यास्सामा ॥	145
दशम खण्डः	146
॥इयावाश्वञ्च ॥	146
॥वैरूपञ्च ॥	146

॥सौमित्रञ्च ॥	146
॥स्तौभञ्च ॥	147
॥श्रौतञ्च ॥	147
॥आभीशवञ्च ॥	147
॥ऐषञ्च ॥	148
॥इन्द्रस्यचक्षुरपवी ॥	148
॥सौमित्रे ॥	148
एकादश खण्डः	150
॥कौत्सञ्च ॥	150
॥ऐषञ्च ॥	150
॥उषसश्वसाम् ॥	150
॥बार्हदुकथञ्च ॥	150
॥वरुणसामच ॥	151
॥उषसश्वैवसाम् ॥	151
॥मित्रावरुणयोश्वसंयोजनम् ॥	151
॥ऋतुसामच ॥	152
॥विष्णोश्वसाम् ॥	152
द्वादश खण्डः	153
॥कौत्सञ्च ॥	153
॥काश्यपञ्चआप्सुरसंवा ॥	153
॥बार्हदुकथेद्वे ॥	153
॥और्ध्वसद्गनेद्वे प्रहितोर्वा संयोजने ॥	154
॥कौत्सानिचत्वारि ॥	154
॥अभिवादस्यचौदलस्यसाम् ॥	155
॥सोमसामच ॥	155
बृहतिपाठः	156
प्रथम खण्डः	157
॥इन्द्रस्याकौद्बौ ॥	157
॥भारद्वाजेद्वे ॥	157
॥सन्ततेद्वे ॥	158
॥शैतन्त्रृतीयम् ॥	158
॥नाविकञ्च ॥	159
॥प्रजापतेश्वाभीर्वतः ॥	159

॥भागञ्च ॥	160
॥इन्द्रस्याभीवर्तः ॥	160
॥नौधसम् ॥	160
॥लौशद्धे ॥	161
॥धानाकेद्धे ॥	161
॥कालेयानित्रीणि ॥	162
॥ऐषिरेद्धे ॥	163
॥गौशृङ्खेद्धे ॥	163
॥प्रष्ठमकम् ॥	164
॥शुक्लएकम् ॥	164
॥जमदग्नेरभिवर्तएकम् ॥	165
॥कौन्मुलबहिषेद्धे ॥	165
॥वसिष्ठस्यजनित्रेद्धे ॥	165
॥मैधातिथम् ॥	166
द्वितीय खण्डः	167
॥वैखानसम् ॥	167
॥प्राकर्षम् ॥	167
॥सात्यम् ॥	167
॥भारद्वाजानिचत्वारि कण्वब्रहद्वाद्वितीयम् ॥	168
॥वाम्पाणित्रीणि ॥	169
॥गौङ्गवम् ॥	169
॥साध्राणि त्रीणि ॥	169
॥विरूपस्य समिचीन प्राचीनेद्धे ॥	170
॥योक्तास्त्रजमिन्द्रस्येन्द्रियंवा ॥	171
॥आत्राणित्रीणि ॥	171
॥वासिष्ठानित्रीणि ॥	172
॥वत्सस्यकाण्वस्य सामनीद्धे गौतमस्यवामनार्ये ॥	173
तृतीय खण्डः	174
॥हारायणानि त्रीणि ॥	174
॥वाम्पाणित्रीणि ॥	174
॥वरुणसामानित्रीणि ॥	175
॥वषद्वारनिधनञ्च साकमथम् ॥	176

॥बृहतश्चमारूपतस्यसाम ॥	176
॥संश्रवसे वीश्रवसे सत्यश्रवसे श्रवस इतिवार्यानां सामानिचत्वारी सांशानानिवा ॥	177
॥वासिष्ठानि त्रीणि भार्गवं वा तृतीयम् ॥	178
॥स्ववस आञ्जीकस्यसामनीद्वे ॥	178
॥काण्वम् ॥	179
॥वैष्टम्भेद्वे ॥	179
॥काण्वच्चैव ॥	180
॥शुष्टिगच्छ ॥	180
चतुर्थ खण्डः:	182
॥इन्द्रस्यचवृष्टकम् ॥	182
॥द्वैगतेच ॥	182
॥कार्तवेशच्च ॥	183
॥इन्द्रस्यच शरणम् ॥	183
॥श्रावन्तीयच्च ॥	183
॥आक्षीलन्चबाध्रंवा ॥	184
॥शौक्तानि त्रीणि शुक्लानिवा आधानिवा ॥	184
॥प्रजापतेर्निधन कामम् ॥	185
॥गौतमस्यमनार्याणित्रीणि ॥	185
॥वैरूपाणित्रीणि ॥	186
पञ्चम खण्डः:	188
॥पौरुहन्मनच्च ॥	188
॥प्राकषच्च ॥	188
॥इन्द्रस्यचाभयङ्करम् ॥	188
॥कावर्षेद्वे ॥	189
॥सूर्यसामच ॥	189
॥नैपातिथेद्वे वाशेवा ॥	189
॥कौन्मुदेद्वेस्वर्जोतिषीवा ॥	190
॥अनूपेद्वे ॥	191
॥वैरूपच्च ॥	191
॥वाचश्चसाम ॥	192
॥आक्षीलेद्वे ॥	192
षष्ठ खण्डः:	193
॥गौरीवितेःप्रहितौद्वौ ॥	193

॥आत्रेद्वे ॥	193
॥गौतमेद्वे ॥	194
॥वामदेव्यञ्च ॥	195
॥अश्विनोश्वसाम ॥	195
॥वसिष्ठस्य वज्राणि त्रीणि ॥	195
॥सौब्रवेद्वे ॥	196
॥वैर्यश्वम् ॥	197
॥इन्द्रस्यसहस्रायुतेद्वे प्रजापतेर्वा महोविशीये ॥	197
॥इन्द्राण्यास्साम ॥	198
सप्तम खण्डः	199
॥सौभरञ्च ॥	199
॥गात्समदञ्च ॥	199
॥वाचश्वसाम ॥	199
॥बार्हदुकथञ्च ॥	200
॥नैपातिथञ्च ॥	200
॥तौरश्रवसञ्च ॥	200
॥त्वष्टार्याश्वसाम ॥	201
॥अदितेश्वसाम ॥	201
॥आजीक्तञ्च ॥	201
॥माधुच्छन्दसञ्च ॥	202
अष्टम खण्डः	203
॥उषसंश्वसाम ॥	203
॥अश्विनोश्वसाम ॥	203
॥अश्विनोश्वसंयोजनम् ॥	203
॥अश्विनोश्वैवसाम ॥	204
॥सोमसामच ॥	204
॥आजामायवञ्च ॥	205
॥समुद्रस्यच प्रैयमधस्य साम ॥	205
॥वैरूपेच ॥	205
॥वैश्वदेवञ्च ॥	206
॥पुरीषञ्चार्थर्वणम् ॥	206
असाविपाठः	207
प्रथम खण्डः	208
॥प्राकर्षञ्च ॥	208

॥वसिष्ठस्यचनिन्हवम् ॥	208
॥गृत्समदस्ययोनिनीद्वे ॥	209
॥औरुक्षयेद्वे ॥	209
॥पाथेद्वे ॥	210
॥सौमित्रेद्वे ॥	210
॥वात्सप्राणित्रीणि ॥	211
॥वैदन्वतञ्च ॥	212
॥सौपर्णञ्च ॥	212
॥यामञ्च ॥	212
॥ऋतुसामनिच ॥	213
॥इन्द्रस्यवारवन्तीयम् ॥	214
द्वितीय खण्डः	215
॥इन्द्रस्यचक्षुरपविनीद्वे ॥	215
॥सौरश्मेद्वे ॥	215
॥बृहतोमारूतस्यसामनीद्वे ॥	216
॥सोमसामनीद्वे ॥	217
॥इन्द्रस्यवज्रेद्वे ॥	217
॥भृष्टिमतस्यस्सौर्यवर्चस्यसामनीद्वे ॥	218
॥वसिष्ठस्यां कुशोद्धौ ॥	219
॥भारद्वाजञ्च ॥	219
॥वासिष्ठञ्च ॥	220
॥पुरीषञ्चार्थवर्णम् ॥	220
तृतीय खण्डः	221
॥आदित्याः सामनीद्वे ताक्ष्यसामनिवा ॥	221
॥इन्द्रस्यचत्रात्म् ॥	221
॥वाक्तत्रुतरम् ॥	222
॥द्युतानस्य मारूतस्य सामनीद्वे ॥	222
॥आत्रम् ॥	223
॥गृत्समदस्यसमिधौदौ ॥	223
॥वैश्वामित्रम् ॥	224
॥सावित्राणिषद्वैय्यमेधानिवा ॥	224

॥कूतिवारस्यवैरूपस्यसाम ॥	225
॥वामदेव्यम् ॥	225
चतुर्थ खण्डः	227
॥शैखण्डिनेद्वे ॥	227
॥उद्धंशीयन्तृतीयम् ॥	227
॥शैखण्डिनीत्रीणि ॥	228
॥आष्टादंष्ट्रेद्वे ॥	229
॥महावैश्वामित्रेद्वे ॥	229
॥गृत्समदस्यवींकानिचत्वारिवसिष्ठस्यवाप्रियाणी ॥	230
॥वसिष्ठस्यवींकानिचत्वारिइन्द्रस्यवाप्रियाणिआकूपाराणिवा ॥	231
॥तिरश्चेराङ्गिरसस्यसामनीद्वेदेवानांवादेवपुरे ॥	232
॥वैश्वामित्रम् ॥	233
॥काण्वेद्वे ॥	233
॥वैश्वामित्रञ्च ॥	234
॥इन्द्रस्यशुद्धाशुद्धयेद्वे ॥	234
॥गौतमस्यरयिष्ठेद्वे ॥	234
पञ्चम खण्डः	236
॥कौलमलबर्हिषेद्वे ॥	236
॥नानदन्तृतीयम् ॥	236
॥शाकपूतञ्च ॥	237
॥कौलमलबर्हिषेद्वे ॥	237
॥मधुश्वन्निधनञ्च प्राजापत्यम् ॥	238
॥उषसश्वसाम ॥	238
॥गौतमम् ॥	238
॥अग्नेश्वदधिक्रम् ॥	239
॥मारूतंवैश्वामित्रंवा आङ्गीरसानांवा साम मैथातिथंवा ॥	239
षष्ठ खण्डः	240
॥वामदेव्यञ्च ॥	240
॥काश्यपञ्च ॥	240
॥अग्नेवैश्वानरस्यसामनीद्वे ॥	240
॥शाकपूतेद्वे ॥	241

॥प्रैय्यमेधञ्च ॥	241
॥बार्हदुकथञ्च ॥	242
॥वरूणान्याश्वसाम ॥	242
॥उषसश्वसाम ॥	242
॥देवानाञ्चरुचिरोचनंवा ॥	243
॥ऋक्सामयोस्सामनीद्वे ॥	243
ऐन्द्रपाठः	
प्रथमं खण्डः	244
॥त्रैशोकम् ॥	245
॥शैखण्डिनेद्वे ॥	245
॥अत्रेविवक्तोद्वौ ॥	245
॥महासावेदसेद्वे ॥	246
॥शैरीषेद्वे ॥	247
॥इन्द्रस्येन्द्रियाणीत्रिणि ॥	248
॥वैरूपाणित्रीणि ॥	248
॥बार्हदुकथञ्च ॥	249
॥त्रासदस्यवेच ॥	249
॥सौभरेद्वे ॥	250
॥वरूणसामनीद्वे द्यावापृथिव्योर्वासामनी ॥	250
॥इन्द्रस्यचश्येनः ॥	250
॥वैरूपम् ॥	251
द्वितीय खण्डः	252
॥यामम् ॥	252
॥गृत्समदस्यमदौद्वौ ॥	252
॥आभीशवेद्वे ॥	252
॥आभीकेद्वे ॥	253
॥बार्हगिराणित्रीणि ॥	253
॥इन्द्रस्यचस्वाराज्यम् ॥	254
॥कश्यपस्यचधृष्णुम् ॥	254
॥वैदन्वतम् ॥	254
॥यामेद्वे ॥	254
॥त्रैतानित्रीणि ॥	255

॥सौपर्णद्वे ॥	255
॥लौशम् ॥	256
तृतीय खण्डः	257
॥इन्द्रस्यसञ्चयेद्वे सेनुदेवा वामदेव्येवा ॥	257
॥अङ्गिरसान्निवेष्टौद्वौ ॥	257
॥सत्यश्रवसोवार्यश्वसाम ॥	258
॥उषसश्वसाम ॥	258
॥लौशञ्च ॥	258
॥यामञ्च ॥	258
॥अङ्गिरसाञ्चैवनिवेष्टः ॥	259
॥गौरयश्वाङ्गिरसस्यसाम ॥	259
चतुर्थ खण्डः	260
॥वसिष्ठसङ्क्लौद्वौसौहविषाणित्रीणि सर्वाणिवासौहविषाणि ॥	260
॥वाकानित्रीणि ॥	261
॥प्रजापतेर्धर्मविधर्माणिचत्वारि ॥	261
॥भागञ्च ॥	262
॥वाजिनाञ्चसाम ॥	262
॥प्रजापतेर्हिंकनिकविकानित्रीणि ॥	263
॥आश्वेद्वे ॥	263
॥वाजिनाञ्चसाम ॥	264
॥आदित्यानाञ्चपवित्रम् ॥	264
पञ्चम खण्डः	265
॥इन्द्रस्यक्रोशानुक्रोशेद्वे ॥	265
॥कौत्सन्तृतीयम् ॥	265
॥प्रहितोःसंयोजनेद्वे ॥	265
॥दैवोदासेद्वे ॥	266
॥हारिवर्णानिचत्वारि ॥	266
॥त्रैतानिचत्वारि ॥	267
॥सराधसःप्राधस्यश्वाङ्गिरसयोस्सामानित्रीणि ॥	268
॥वैश्वमनसम् ॥	268
॥सौमित्राणित्रीणि ॥	268
॥त्रैककूभानित्रीणि ॥	269

॥ौक्षोरन्धराणित्रीणिौक्षोनिधनानिवा ॥	269
षष्ठ खण्डः	
॥इन्द्राण्यास्सामनीद्वैइन्द्रस्यवासांवर्त्ते संवर्तस्यवाङ्गीरसस्य ॥	271
॥देवोदासानिचत्वारि ॥	271
॥रंवञ्च ॥	271
॥आक्षारञ्च ॥	272
॥रेवञ्चैव ॥	272
॥आक्षारञ्चैव ॥	272
॥यामम् ॥	272
॥भारद्वाजस्यशुन्ध्यु ॥	273
॥आदित्यानाञ्चापामीवम् ॥	273
॥वसिष्ठस्यचवैराजे ॥	273
सप्तम खण्डः	
॥इन्द्रस्याभ्रांतृव्यंम् ॥	274
॥शार्करेद्वे ॥	274
॥बृहत्कम् ॥	274
॥सौयवसानिचत्वारिपुनरीळवातृतीयम् ॥	275
॥मरुताञ्चसंवेशीयंकूभंवा ॥	275
॥इन्द्रस्याभरेद्वे ॥	275
॥ऐषिराणित्रीणि ॥	276
॥प्रजापतेस्सीदन्तीयेद्वे ॥	276
॥पथस्यसौभरस्यसामनीद्वे ॥	277
अष्टम खण्डः	
॥वसिष्ठस्याभरेद्वे ॥	278
॥वासुमन्दद्वे ॥	278
॥कावर्षाणित्रीणि ॥	278
॥प्रजापतेःश्योकानुश्योकानित्रीणि ॥	279
॥वाचस्सामनीद्वे ॥	280
॥मरुताञ्चसाम् ॥	280
॥वैश्वामित्रञ्च ॥	280
॥मारुतञ्चैव ॥	281
॥उद्धशपुत्रञ्च ॥	281
नवम खण्डः	
॥धुरशशम्येद्वे ॥	282

॥प्रजापतेर्गूदः ॥	282
॥विश्वामित्रस्यचार्दः ॥	282
॥प्रजापतेश्वैवगूदः ॥	282
॥विश्वामित्रस्यचैवात्यर्दः ॥	283
॥प्रजापतेस्सन्तनीकेद्वे ॥	283
॥प्रजापतेर्धनधमेद्वे ॥	283
॥उषसश्वसाम ॥	283
॥वैश्वामित्रञ्च ॥	284
॥भारद्वाजञ्च ॥	284
॥इन्द्रस्यचरातिः ॥	284
॥भारद्वाजञ्चैव ॥	284
॥इन्द्रस्यचैवराजे ॥	285
दशम खण्डः	286
॥प्रजापतेर्वाजसनी ॥	286
॥गौराङ्गीरसस्यसामनीद्वे ॥	286
॥प्रयस्वच्छप्राजापत्यम् ॥	287
॥अक्षय्यञ्चरेत् ॥	287
॥सवितुश्वसाम ॥	287
॥वाक्तुरञ्च ॥	288
॥ऐषञ्च ॥	288
॥यामम्मरुताञ्चसाम ॥	288
॥भारद्वाजस्यविषमाणित्रीणि इन्वकंवातृतीयम् ॥	288
॥पारुच्छेपेद्वे ॥	289
॥बाह्यस्पत्येद्वेअग्नेर्वाराक्षोऽन्ने ॥	290
पवमानपाठः	291
प्रथम खण्डः	292
॥आजीकञ्च ॥	292
॥आभीकञ्च ॥	292
॥ऋषभश्पपवमानः ॥	292
॥आभीकञ्चैव ॥	293
॥बाभ्रवेद्वे ॥	293
॥इन्द्राण्यास्साम ॥	293
॥शैशवेद्वे ॥	294
॥प्रजापतेदोहर्णदोहीयेद्वे ॥	294

॥इन्द्राण्याश्वैवसाम् ॥	295
॥आमहीयवञ्च ॥	295
॥आजीकञ्च ॥	296
॥सूरुपेद्वे ॥	296
॥जमदग्नेशिराल्पेद्वे ॥	296
॥संहितञ्च ॥	297
॥वसिष्ठस्यशकूनः ॥	297
॥जमदग्नेश्वरगम्भीरम् ॥	297
॥संहितञ्चैव ॥	298
॥सोमसामनीद्वे ॥	298
॥आशुभार्गवंतृतीयम् ॥	299
॥वैश्वदेवेद्वे ॥	299
॥इन्द्रसामनीद्वे ॥	300
॥यौक्ताश्वेद्वे ॥	301
॥भासञ्च ॥	301
॥सोमसामच ॥	302
॥प्रजापतेश्वसहोरयिष्ठीयम् ॥	302
॥मादिलम् ॥	302
॥सोमसामचैव ॥	303
॥प्रजपतेश्वैवसहोरयिष्ठीयंसोमसामवा ॥	303
॥वैष्टम्भेद्वे ॥	303
॥पाष्ठौहेद्वे ॥	304
॥वैष्टम्भञ्चैव ॥	304
॥पाष्ठौहञ्चैव ॥	304
॥इषोवृधीयञ्च ॥	304
॥इन्द्रसाम ॥	305
॥वैश्वदेवेच ॥	305
॥इन्द्रसामचैव ॥	305
॥आग्नेयानित्रीणि ॥	305
॥आश्वानिचत्वारि ॥	306
॥च्यावनानिचत्वारि ॥	306
॥प्राजापत्येद्वे ॥	307

॥वैदन्वतानिचत्वारि ऋषभोवावैदन्वतश्तुर्थः ॥	307
॥रजेराङ्गीरसस्यपदस्तोभौद्धौ ॥	308
॥और्णायवेद्वे ॥	308
द्वितीय खण्डः	309
॥सौभरेद्वे ॥	309
॥इन्द्रस्यवृषकाणित्रिणि ॥	309
॥ब्रोःकुम्भस्यसामानित्रीणि ॥	309
॥ब्रोःकार्तवेशानित्रीणि ॥	310
॥शार्मदे द्वे ॥	310
॥वसिष्ठस्यजनित्रेद्वे ॥	310
॥मरुताम्पकीलाख्यःसङ्कीलावानिक्रिलावा ॥	310
॥औशनम् ॥	311
तृतीय खण्डः	312
॥यामानित्रीणि ॥	312
॥अङ्गतवैररूपस्यसाम ॥	312
॥औशनेच ॥	312
॥सोमसामच ॥	313
॥काण्णेच ॥	313
॥भारद्वाजश्च ॥	313
॥वैश्वामित्रश्च ॥	313
॥इन्द्रस्यवात्रम्भम् ॥	313
॥सोमसामानित्रीणि ॥	314
॥भारद्वाजश्चैव ॥	314
चतुर्थ खण्डः	315
॥वार्षाहरम् ॥	315
॥वार्षानित्रीणि ॥	315
॥वैरूपेचदेवानांवाङ्सायिनी ॥	315
॥तरन्तस्यचवैददश्वेस्साम ॥	316
॥सोमसामच ॥	316
॥सूर्यसामच ॥	316
॥दाढ्यच्युतानित्रीणि ॥	316
॥इन्द्रस्यचवृषकम् ॥	317

॥ऐषञ्च ॥	317
॥श्यावाश्वञ्च ॥	317
॥सोमसामच ॥	317
॥आग्नेयञ्च ॥	317
॥आयास्येच ॥	318
॥भारद्वाजञ्च ॥	318
पञ्चम खण्डः	
॥आयास्यञ्च ॥	319
॥वसिष्ठस्यचापदासे ॥	319
॥माण्डवञ्च ॥	319
॥उद्धञ्च ॥	319
॥माण्डवञ्चैव ॥	320
॥प्रजापतेश्वसदोविशीयम् ॥	320
॥जमग्रेस्सवासिनी द्वे ॥	320
॥आयास्येद्वेसोमसामनीवा ॥	321
॥कण्वरथन्तरम् ॥	321
॥आयास्यञ्च ॥	321
॥रौरवम् ॥	321
॥यौधाजयञ्च ॥	322
॥वसिष्ठस्यचपूवम् ॥	322
॥अच्छिद्रञ्च ॥	322
॥रयिष्ठञ्च ॥	322
॥भारद्वाजेद्वे ॥	323
॥आभिशब्दे ॥	323
॥अङ्गिरसामधीवासपरीवासौद्वौ ॥	323
॥माण्डवेद्वे ॥	324
॥वैनसोमकृतवेद्वे ॥	324
॥प्रजापतेर्गूर्दौद्वौ गौतमस्यवाप्रतोद्वौ ॥	324
॥मरुताङ्गोष्ठापुंसिनिद्वे ॥	325
॥महारौरवञ्च ॥	325
॥महायौधाजयञ्च ॥	325
॥आश्वानिचत्वारि ॥	326
॥आग्नेयञ्च ॥	326
॥सोमसामच ॥	326

॥द्विहङ्कारञ्चवामदेव्यम् ॥	327
॥अङ्गिरसामुत्सेधनिषेधौ द्वौ ॥	327
॥सोमसामानिषट् ॥	327
॥विष्णोररणीद्वे ॥	328
॥आङ्गिरसानित्रीणि ॥	329
॥औक्षणोरन्धाणित्रीणि ॥	329
॥औक्षणोनिधनानित्रीणि ॥	329
॥वाजजिञ्चा ॥	330
॥द्रुभ्यासञ्चसौहविषंवसिष्टस्यवापिप्पलि ॥	330
॥वैश्वदेवेच ॥	330
॥इन्द्रसामच ॥	331
॥वैश्वदेवञ्चैव ॥	331
॥इन्द्रसामानित्रीणि ॥	331
॥स्वःपृष्ठमाङ्गिरसम् ॥	332
॥सोमसामच ॥	332
॥आदित्यानाञ्चपवित्रम् ॥	332
॥सोमसामनीद्वे ॥	332
॥स्वःपृष्ठञ्चैवाङ्गिरसम् ॥	333
॥सोमसामचैव ॥	333
षष्ठ खण्डः	334
॥औरानानित्रीणि ॥	334
॥प्रशस्यजानस्याभीवत्तोद्वौ ॥	334
॥प्रजापतेर्वजसनिनीद्वे वाजजितौद्वौ वाराहाणिवा ॥	335
॥अङ्गिरसांसङ्गोशास्त्रयःदेवानांवा सामसुरसे द्वे ॥	335
॥वेणोर्विशालेद्वे ॥	336
॥गौतमस्यतन्त्रातन्त्रेद्वे ॥	337
॥अगस्तयस्ययमिकेद्वे ॥	338
॥मरुताङ्गालकाक्रन्तौ ॥	338
॥वासिष्ठानिषट् ॥	339
॥आश्वञ्च ॥	340
॥सोमसामनीद्वे ॥	341
॥ऐषञ्च ॥	341

॥माधुच्छन्दसम् ॥	341
॥सोमसामानिचत्वारि ॥	342
॥मरूतांत्रतोपोहस्सम्पद्वा ॥	342
सप्तम खण्डः	343
॥कूत्सस्याधिरथ्यानित्रीणि ॥	343
॥वैश्वज्योतिषाणित्रीणि ॥	343
॥वाचस्सामनीद्वे ॥	344
॥दाशस्पत्यानिषट् ॥	344
॥कश्यपस्यचशेभनम् ॥	345
॥आत्रम् ॥	345
॥अपांसाम ॥	346
॥शौष्टाणित्रीणि ॥	346
॥वासिष्ठम् ॥	347
अष्टम खण्डः	348
॥नकूलस्यवामदेवस्यप्रेक्षौद्वौ ॥	348
॥महाकर्त्तवेशञ्च ॥	348
॥और्ध्वसद्गनञ्ज ॥	348
॥श्यावाशञ्च ॥	348
॥आन्धीगवञ्च ॥	349
॥क्रौञ्चानित्रीणि ॥	349
॥गृत्समदस्यसूत्राणि चत्वारि ॥	349
॥आकुपारम् ॥	350
॥त्वाष्ट्रीसामनीद्वे ॥	350
॥सोमसामानिचत्वारि वासिष्ठानिवा मदाईनिधनानिवा त्वाष्ट्रीसामानी ॥	350
॥त्वाष्ट्रीसामनीचैव ॥	351
॥क्रौञ्चेद्वेशार्मदेवा ॥	351
॥सोमसामानि त्रीणि ॥	352
॥क्रौञ्चञ्चैव उद्घद्वा ॥	352
॥सोमसामचैव ॥	352
॥प्रैय्यमेधानि त्रीणि ॥	352
॥औशनंवैरूपम् ॥	353
नवम खण्डः	354
॥कांवम् ॥	354

॥प्रजापतेर्वाजसनिनीद्वे ॥	354
॥वाजिजितौद्वौ ॥	354
॥कावञ्चैव ॥	355
॥सामराजानित्रीणि विशालानिवा उद्भन्तिवा सम्पद्वा तृतीयम् ॥	355
॥आङ्गीरसानित्रीणि ॥	356
॥औशनम् ॥	356
॥प्रवत्भार्गवम् ॥	356
॥विरुपस्यचतन्त्रे ॥	357
॥भार्गवञ्चैव ॥	357
॥यामम् ॥	358
॥दार्शशीर्षद्वे ॥	358
॥सैन्धुक्षितानित्रीणि ॥	358
॥यामानित्रीणि ॥	359
॥मरुतान्धेनुनीद्वे ॥	359
॥वसिष्ठस्यापामीवेद्वे वायोर्वाभिकृन्दौ ॥	360
॥अञ्जतेव्यञ्जतेस्समञ्जतइति काक्षीवतानांसामानि त्रीणि शार्ङ्गाणिवा ॥	360
॥आदित्यस्यार्कपुष्पे देवानांवा ॥	360
दशम खण्डः	362
॥वसिष्ठस्यपदेद्वे ॥	362
॥वसिष्ठस्यानुपदेद्वे ॥	362
॥पौष्कलम् ॥	362
॥ऐषिराणिपञ्च ॥	363
॥शौक्तानिपञ्च ॥	363
॥कार्णश्रवसानित्रीणिगौलोमानिवा ॥	364
॥वैश्वदेवेद्वे ॥	364
॥इन्द्रसामनीद्वे ॥	365
॥मरुताम्पेह्नःवसिष्ठस्यवा ॥	365
॥आग्रेयञ्च ॥	365
॥सोमसामच ॥	366
॥सुज्ञानद्वे ॥	366
॥द्यौतेद्वे ॥	366
॥आतीषातीयेद्वे ॥	367

॥सोमसामानिचत्वारि ॥	367
॥सोमस्ययशांसित्रीणि ॥	367
॥औशनंवासिष्ठंवा ॥	368
एकादश खण्डः	369
॥वासिष्ठेद्वे ॥	369
॥सभानित्रीणि ॥	369
॥ऐषिराणिचत्वारिच्यावनानिवा ॥	369
॥शैक्तानित्रीणि ॥	370
॥वाचस्सामानित्रीणि ॥	370
॥कौन्मलबहिषाणिपञ्च शंकुतृतीयसीदन्तीयंवा तृतीयेतराणिपञ्चा त्वर्थः ॥	371
॥दीर्घेद्वे ॥	372
॥सोमसामानित्रीणि ॥	372
॥शैतेष्याणिचत्वारि ॥	372
॥सोमसामानित्रीणि ॥	373
॥गायत्रपार्श्वञ्च ॥	373
॥सन्तनिच ॥	373

आग्नेयपाठः

प्रथम खण्डः

॥गौतमस्यपर्कः ॥

ओग्नाइ ।आया हीवाइ ।तायाइतायाइ ।
 त त श थ च च श ट ट श
 गृणानोहव्यादा ।तायाइतायाइ ।
 च श च ट ट श
 नाइहोता ।सात्साइबा औहोवा ।
 कि च ट ट ख शि
 हीषि ॥१ ॥
 ख श

॥कश्यपस्यबर्हिषीयम् ॥

अग्नआयाहीवी ।तायाइगृणानोहव्यदाता
 तु षू टी
 याइ ।नीहोतासत्सीबर्हाइषी ।बर्हाइ
 त श च टी ता टा
 षा औहोवा ।बर्हाषी ॥२ ॥
 ख शि च खा

॥गौतमस्यचैवपर्कः ॥

अग्नआयाहीवाइतायाइ ।गृणानोहव्यदाताये ।
 तु ति श यु प श
 निहोतासात् ।साइबात्रुहाआइषो ।हाइ ॥३ ॥
 खिण ट ता पा छि शा

॥सौर्पणञ्च ॥

त्वमग्नेयज्ञानांत्वमग्नाइ । यज्ञानांहोता
 षु ति श
 विश्वेषांहाइताः । देवाइभाइर्मा ।
 षु टा ता क टि ता
 नुषे । जनाओहोवा । होइला ॥४ ॥
 ताच् क टा खपु फु शा

॥वैश्वमनसञ्चादित्यसामवा ॥

अग्निन्दूताम् । वृणीमहाइहोतारांवी । धा
 टि त षु टि त
 वे दसाम् । अस्ययज्ञाओओहोवा ।
 चा चा टि त का त त
 स्यासूकृतूमिलाभा । ओइला ॥५ ॥
 चा टी खण प ष्णा

॥श्रौतर्षाणित्रीणि ॥

अग्निवृत्रा । णाइजाओहोवा । धा
 ती ट खा शि ख
 नात् । द्रविणास्युर्वीप न्यायाओइसमि
 शा चशक कि टा
 द्वाशशू । क्रायाहुताइलाभा । ओइला ॥६ ॥
 दु त चा टी खण प ष्णा
 अग्नीरौहोवाहाइवृत्राणी । जङ्गा
 खा शि षु टा
 नादौहोवाइ । द्रविणास्यूः । ओइवाइ
 त टा त श पि ण षी

पन्याया । सामाइद्वा शशू औहोवा । क्राया
टि टीटख शि
हूताः ॥७ ॥
टिख
ओग्नीः । वृत्राणीजघ्ननादौहोओहो
तत कि की खि
वा । द्रवीणास्युर्वीप न्ययाओहोओहो
श चाक कि चाक
होवा । समिद्वाशशुक्रयाओहोओहो
खिश खि खिक खि
बाहूतो । हाइ ॥८ ॥
प्ल प्ला शा

॥ औशनञ्च ॥

प्रेषंवाः । अताइथीम् । स्तुषे मित्रमिव
ति टा ता चा
प्रायाम् । अग्नाइराथान्नावाहा इ । दा
टु त भीत टा खणश प
आयाम् । हाइ ॥९ ॥
प्ला शा

॥ शैरीषेच ॥

प्रेषंवयोहाइ । अताइथीम् । स्तूषा
तीत श टा ता ता
इमीत्रामीवाप्रायाम् । औहोइ । अग्नेराथा
श ता टा खण थ च श था टा
न्नावे । दायाम् । हाइ ॥१० ॥
प श ख श शा

प्रेषं वो हाबु । आतिथा इंस्तूषेमि

ति त श षु

त्रामीव प्रायाम् । अग्नाइरा था औ होवा ।

दू त टीट्ख शि

नावे दीयाम् ॥११॥

टि ख

॥इन्द्रस्य संवर्गौ वात्र घ्नेद्वे ॥

त्वन्नोया । ग्रेमाहोभिः पाहाइवीश्वा ।

ति च था दु त

स्याआराते रूताद्वाइषाः । मार्त्या

च थिच् चाय टा क थ

स्याइळ्लाभा । ओइळ्ला ॥१२॥

टि खण् प शा

त्वां त्वन्नो अग्नेमहोभाइः । पाहिविश्वा

षि तीत श क

औ हो । स्याऔ हो । त) आराते रूता

टी त या किच् चा

द्वाइषाः । मर्तो या औ होवा । स्या ॥१३॥

य या टाट्ख शि ख

॥साकमश्वस्य शौनः शेपेः सामनी द्वे ॥

ए ह्युषु ब्रावा णाइताइ ।

फा खि शी

अग्नाइत्थेतरागाइराः । एभाइर्वाधा । सयाहा इ ।

षी टि चा या चि टा खण् श

दोभो । हाइ ॥१४॥

प लु शा

एह्यूषु ब्रवौ होणाइताइ । अग्नित्थेतरागीरा: । एभिर्वार्द्धा । सयाहा
 षि ती ता श यूप श खि ण टा खण्
 इ । दोभोहाइ ॥१५॥
 श प फु शा

॥वत्सस्यकाण्वस्यसामनीद्वे ॥

आतेवत्साः । मानोयमत्पारा माच्चित्साधा
 ती च श चीथ टि

स्थात् । अग्नाइत्वाङ्का । मयोबागाइरो
 त भी त पाफु फ़ि
 हाइ ॥१६॥
 शा

आतेवत्सोमनोयमदय्याहाइ । पारामा
 षि तू त श षि

च्छित्सधस्थादय्याहो इया । अग्नेत्वाङ्का
 दू कच शा षि
 मायाअय्याहो इया । गीरा इळाभा ।
 दूच कच शा क टा खण्
 ओइळा ॥१७॥
 प शा

॥अग्नेश्वैश्वानरस्यार्षेयम् ॥

त्वामग्नेपुष्कारादधी । आथर्वानाइरा
 तु ति च च
 मान्धाता । मूर्धनोवाइश्वा । स्यावोबाधातो । हाइ ॥१८॥
 टी खण ख फु ख णा पाफु फ़ा शा

॥सुमित्रस्यचवार्द्धश्वेस्साम ॥

अग्रेविव स्वदाभरोवाहाइ । अस्माभ्या
 षी तू त श च
 मू तायाइमहाओवाहाओवाहाइ । दा
 काच् चा टि टात टात श च
 इवोहियाओवाहाओवाहाइ । साइ
 या टा टात टात श ट
 नाऔहोवा । दशे ॥१९ ॥
 खा शि ताच्

द्वितीय खण्डः

॥अग्रेशसंवर्गः ॥

नमस्तौहोश्चाइ ।ओजासाइगृणान्ताइ
 ति त श कि टि ख
 दे ।वाकारिष्टायाः ।आमाइरा माऔहो
 णा च य टि टीट् ख
 वा ।त्रमर्दया ॥१ ॥
 शि खी

॥वैश्वमनसञ्ज ॥

दूतांवोविश्ववेदसाम् ।हाव्यावाहाम
 ण फ ख सु थ
 मार्दतायम् ।याजिष्ठमृज्ञसेहोइ ।गीराौहोबा ।होइला ॥२ ॥
 दु ख ण च दु त श च टा ख ल पु शा

॥श्राभाश्वैष्टेद्वे ॥

उपत्वाजा ।मयोगीराः ।ओइयायूर्दा
 ती टा टा षु
 इदिशतीर्हाविष्कृताः ।ओइयायू र्वायो
 तू टि क टिच्क
 रानी ।कयास्थाइरान् ।अश्वागावाः ॥३ ॥
 टा त खि त्रा थ ट ख
 उपत्वाजामा ।योगीराः ।दाइदिशा
 तू टि च श क
 ताइर्हाविष्कार्ताः ।वायोरनाहाइका
 टी ख ण ती

या ।स्थाइराओहोवाइला ॥४ ॥
ती टि खा शि

॥वैश्वामित्रञ्च ॥

ऊपात्वाग्नेदिवेदिवाइ ।दोषावास्ताद्वी
पि शु टा य
यावाय म् ।नामोभारा न्ताएमासा इ ।
चा चा या टच्च कट खण्श
ओइला ॥५ ॥
प शा

॥अग्नेश्वजराबोधीये ॥

जारा ।बोधाबोधाताद्वीविह्नाइ ।वी
ता टा या चा चाश
शेवाइशेयज्ञोयाया औहोवा ।
का टि टा खा शि
स्तोमं रूद्रायदशीकाम् ॥६ ॥
का कूच
जराबोधोवा ।ताद्वीविह्नाइ ।वीशाइवा
ती त च चिश टी
इशे ।याज्ञीयायास्तोमांरूद्रायाद् ।शीकोइला ॥७ ॥
ता थ श किच्च य प ण श खा शा

॥मारूतञ्च ॥

प्रातित्याञ्चारूमध्वराम् ।
पि शु

गोपीथायाप्राहुयासाइ । मारूत्मीराश्चायागहा
 था चिकखणश चाक टि च
 औहोबाहोइला ॥७ ॥
 टाखङ्गङ्ग शा

॥भार्गवेच ॥

आश्वाओहोवा । नात्वाओहोवा ।
 टा खा श टा खा श
 वारवन्तंवन्दध्यै । आग्नाओहोवा ।
 षी ति टा खा श
 नमोभिस्सम्माजन्ताम् । आध्वरा णामौहो
 षि तु कि पा
 बाहोइला ॥८ ॥
 श्लाङ्ग शा
 अश्वन्त्वावारवन्ताम् । वन्दध्याअग्निन्मोभा
 षी ती षि तु
 इः । सम्माज न्तामाध्वरा औहोवाइ हो
 श क थाच चा खा खु
 हाइ । औहोया औहोवा । णाम् ॥९ ॥
 ण श क ट ख षि ख

॥अग्नेश्वारवन्तीयम् ॥

अश्वन्त्वाबुहोहाइ । वारावान्तंवन्द
 तु त श खिश का
 ध्योहाइ । अग्नाइन्माओहोवाइहोहाइ ।
 प ण श पु खु ण श
 उहुवाभीः । सम्माजन्तामाध्वरा औ
 खिण क थ पी

होवाइहोहाइ । उहुवाणामेहि
 चुणश पि
 याहा । होइला ॥१० ॥
 प्लीश फु शा

॥ और्वस्यवैधारेस्सामनीद्वे ॥

और्वभृगुवदोहाइ । शोचिम् । आमा
 चूतश खश
 वानावादाहुवाइहुवायोइ । अग्रा
 टिक टाटा चीश टा
 इंसामू सामूओद्रावासासाबु । बा ॥११ ॥
 टिच्च चि चाकतश ख
 और्वभृगुवच्छुचिमेशुचिम् । आमवाना
 षु तिता किच
 वादाहुवाइहुवाइहुवाए । अग्राइं
 टाटा टि टित
 सामूसामूसामूए । द्रावाओहो
 टीत टाटा इख
 वा । सासामे ॥१२ ॥
 शि चटख

॥ अत्रेश्वासङ्गम् ॥

अग्निमिन्धानोमनसौहोओहोवाहाइ ।
 षि तेतश
 धीयंसचेतमौहोहाहोवार्त्याः ।
 दूटतटाता
 अग्राइमा इन्धाओहोवा । वीवास्वाभीः ॥१३ ॥
 टीट खा शि टि ख

॥प्रजापतेश्चनिधनकामम् ॥

आदिप्रत्नास्यरे तसाः ।ज्योतिःपश्यन्ति वा
 फी शा का षी
 साराम् ।पारोयातिध्यताइ ।दिविहोइ
 टि च टि विश
 होओहोओहोवाहाबु ।बा ॥१४ ॥
 कू का पाष श ख

तृतीय खण्डः

॥सैन्धुक्षितानित्रीणि ॥

अग्निंवोवृधान्ताम् । आध्वाराणां पूरु

तु त चा थाच् का

तामौहोवाहाइ । आच्छानासरे । सा

य ट टात श टा टा क

होबास्वातोहाइ ॥१ ॥

प फ़ फ़ा शा

अग्निंवाए । वृधन्तामध्वराणां पुरुतमम्

ति त षि कू

च्छाहोइनासरे । साहास्वाताइ । ई ति ॥२ ॥

टीच् य टा त पि त्र श खश

अग्निंवोहाइ । वृधान्ताम् । आध्वराणां

ति त श टा त

पुरुतामाम् । अच्छानसरोहाइ । साहोहाइ । स्वाताओहोबा । होइला ॥३ ॥

यू प श स्वीण श क प च श क टा ख फ़ फ़ शा

॥अग्नेहरसीद्वे ॥

आग्नाउवोवा । तिग्मे नाशोचाइषा

टा खा श थाच् क टी

उवोवा । यंसाउवोवा । वाइश्वान्या

खा श टा खा श

त्राइणाउवोवा । अग्निर्नोवंसते

दू खा श टि किच्

रायीम् ॥४ ॥

चा

ओहायायीः । ताइग्मेनाशोचाइषा । यं

ती ख श स्वि णा

साद्वाइश्वानीयात्राइणम् । अग्निर्णो
 टा ख शा खि णा टि
 वंसाताओहोवा । रायिम् ॥५ ॥
 टा ख शि ख श

॥इहवद्वामदेव्यंतृतीयम् ॥

अग्निस्तिग्मेनशोचिषाइहा । यंसद्विक्षन्य
 षी तु षी
 त्रीणामिहा । अग्निर्णोवंसताइहा ।
 टि ता दू ता
 राआयाइं । हाइ ॥६ ॥
 प छि शा

॥यामेद्वे ॥

अग्नाइमृलामहंयासी । आयआदाइवयु
 दु खिण टी
 न्जानम् । ईयेथाबार्हिरासादाम् ॥७ ॥
 खी ण टी खि त्र
 आग्नेमृलामाहंयासिओहा ओहा । आया
 ण फ कि कि खाख श ण फ
 आदेवायुन्जनामोहा ओहा । ईयाइथा
 कि कि ख ख श टी
 बर्हिरासा । दाम् ॥८ ॥
 खा त्र

॥अग्नेराक्षोद्भेदे ॥

अग्नेराक्षणोअंहसः ।प्रातिस्मदे वारीषाताः ।तापाइष्टाइरा ।जरोदाहा ।ओइळा ॥९ ॥

खी श हि की टि त टी ता टि खण् प शा

अग्नेयूङ्क्ष्वाहीयेतावा ।अथासोदे
खी श हि ची

वासाधावाः ।आरंवाहान्तीयाशावाः ।
टि त टि त क टा खण्

ओइळा ॥१० ॥
प शा

॥वैश्वम्ब्रसञ्च ॥

नित्वाहोइनक्ष्या ।वाइस्पाताइ धूम
खि शि च चिशक

न्तन्धाइमाहे वायम् ।सुवोहाइ ।
था चिक्खण तात श

रामग्नाओबाहूतोहाइ ॥११ ॥
चिप हि शा

॥अग्नेश्वर्षेयम् ॥

अग्निर्मूर्धदीवःककूत् ।पातीःपार्तथी
तु ति टा टा

व्याअयाम् ।आपांराइतांसीजिन्वाता
चि टा टि क टा खण्

इ ।ओइळा ॥१२ ॥
श प शा

॥सोमसामच ॥

इममूषू ।त्वामास्माकाम् ।सानिंहोइ
 ती टि त टा
 गायाहोतृन्नव्यांसाम् ।आग्नेहोइ
 टी कथ टा ता या
 देवाहो षुप्रावोचाः ।ओइळा ॥१३ ॥
 टी कथ् टि खण् प षा

॥गोपवनञ्च ॥

तन्त्वागोपा ।वानोगाइराः ।जना
 ती टा ख णा चा
 इष्टादग्न्यायाङ्गाइराः ।सपौवाउवोवा
 दू ख णा खु श
 कौवाउवोवा ।श्रुधीहवांहोइळा ॥१४ ॥
 स्विण फ्ली प शा

॥सूर्यसामनीद्वे ॥

परियौहोइवाजा ।पाताइःकावीः ।
 शी ति चा या ट
 अग्नीर्हव्यान्नायःक्रमीत् ।दधाद्रा ल्ता
 चा था टि टि टि
 औहोवा ।निदाशूषे ॥१५ ॥
 शि ता टाख
 उदुत्यमोहाइ ।जातावे दासम् ।दे.
 ती त श किखण क
 वंवहन्तीकेतावाः ।दार्शोहाइ ।वाइ
 कुखण पाण श

श्वा यासूर्यामौहोवा । होइला ॥१६ ॥
किच्चक पि ष्ठा ष्ठ शा

॥कावञ्च ॥

कविमग्नीम् । उपास्तूहाौहोवा ।
ती टिख शि
सत्याधर्माणमाध्वारे । देवाममी । वाचा
चा क चि चा ती
ताना म् । ओइला ॥१७ ॥
टि खण् प ष्ठा

॥वसुरोचिषस्सौर्यवर्चस्यसामनीद्वे ॥

शन्नोदेवीः । आभीष्टायाइशन्नोभुवाम् ।
ती टि ख शु
तूपीतायाइशय्योरभीः । श्रावान्तूना
टि ख शु टिख
औहोवा । ऊपा ॥१८
शि ख श
हुवाहोइशन्नोदेवीरभिष्टयाइ ।
ता प षु डि श
हुवाहोइशन्नोभुवान्तूपीतायाइ ।
ता प षु डी श
हुवाहोइशय्योरभीख्वन्तुनाः ।
ता प षु डि श
हुवाहोयाऔहोवा । ऊपा ॥१९ ॥
ता ट ख शि ख श

॥गौराङ्गिरसस्यसामनीद्वे ॥

कस्यानुनाम्पारीणासी ।धीयोजिन्वा
टी खि ण टी

सीसात्पाताइ ।गोषातायास्याता
खि ण श च चा टाद ख

औहोवा ।उप्गीरा: ॥२० ॥
शि खा श

ओहोवाइहुवाइहुवाए ।कस्यनू
क था टि चित

नाम्पारीणासी ।ओहोवाइहुवाइहुवा
खी चा फा क था टि चि

ए ।धीयोजिन्वासीसात्पातीम् ।ओ
त त खी चा फा क

होवाइहुवाइहुवाए ।गोषाता
था टि चित ष

यस्यतागाइरा: ॥२१ ॥
खू शत्र

चतुर्थ खण्डः

॥भारद्वाजस्यौपहवौद्वौ ॥

यज्ञायज्ञा । वोग्याईगीरागिरा हा
 ती त ता टि खा श्ल
 हाइचादक्षासाइ । प्रप्रा वायममृत
 त चा खाण श टाच्क की
 न्जातावे दासम् । प्रीयाम्मित्रान्नाशांसिषा
 यि टा चा कि कि
 मे । हियाओहोओहोइला ॥१ ॥
 की ख ला
 यज्ञायज्ञा । होइवोग्यायाए हिया ।
 ती त ता काख णा
 गीरा गीराचादक्षासाइ । प्रप्रा वा
 काच्च टाच चा श थाच्च
 यामामृतन्जातावेदासम् । प्रीय म्मित्रान्ना
 चाक दुखण चा कि
 शंसिषामे हियाओहो । इला ॥२ ॥
 की खा श्ला

॥श्रुष्टीगवम् ॥

याज्ञायाज्ञावोअग्नायाइ । गाइरागाइ
 टी टी श
 राचादक्षासाइ । प्रप्रावाया मामृतन्जा
 दु टी श टीच्क कि
 तावे दासम् । प्रायाम्माइत्रान्नाशांसा
 टाखण चय चीय ट
 इषा म् । ओइला ॥३ ॥
 खाण प श्ला

॥अग्नेश्वरज्ञायज्ञीयम् ॥

यज्ञायज्ञावोअग्नायाइ ।गाइरागीरा
 णा णा फ खा ण श
 चादाक्षासाइ ।प्रप्रा वायममृतन्जाता
 दू पा शा टाच्क पू
 वा ।हिम्माइ ।दासाम् ।प्रायम्मित्रान्नाशां
 श चा श त त कू
 सिषाबु ।बा ॥४ ॥
 का श ख

॥कार्तवेशम् ॥

पाहिनोआग्नाएकया ।पाह्युतचिताइयाया ।पाहीगीर्भिस्तिसृभीरुज्जापाता
 खी प्ली च ची याट टि त्रुक्यट
 इ ।पाहीचातौहोवा ।स्वभिर्वासा
 श का कात त टि खण्
 बु ।ओइला ॥५ ॥
 श प ल्ला

॥नार्मधम् ॥

पाहिनोअग्नएकयाए ।पाहाउताद्वि
 षि तु त क टि
 ताइयाया ।पाहाइगाइर्भः ।ताइसृभी
 पी श टा खा णा
 रुज्जाम्पाताओहोओहोवा ।पाही
 कु टि खीण प
 हाइ ।चातासृभाओहोओहोवा ।
 चा श क टि खीण

वासावेहियाहा । होइला ॥६ ॥
प षु पु शा

॥महाकार्तवेशश्च ॥

पाहिनोअग्नेकयापाद्यूतद्वीतीया
फू ता प स्त्री ड
या । पाहिगीर्भीषी)स्तिसृभिरुज्जाम्पाताइ ।
श खू ण श
पाहाइ । चाताहाओवा । सृभिर्व
चाश ख शी
सो । ऊपा ॥७ ॥
ती ट ख

॥भारद्वाजस्यपृश्नीद्वे ॥

बृहत्भीरग्नेरच्चिभीर्हाबु । शुक्राइणा
पि श्रु
देवाशोचिषाभाराद्वाजेहोवाहाइ ।
कु ची काय ट टात श
समीधानोयावीष्टियाहोवाहाइ ।
चा थाच य ट टात श
रेवात्पावाहोवाहाइ । कादीदिहीइला
चाय ट टात श कि दि

भा । ओइला ॥८ ॥
खण् प शा

बृहत्भीरग्नेरच्चिभीरे । शुक्राइणा
षु तित
देवाशोचिषाभारद्वाजेओवा ।
कु चीक चय ट का

समीधानोयावीष्टियाओवा ।रेवात्पावाओ
 चा थाच य टा का चाय ट
 वा ।कादीदिहीइळाभा ।ओइळा ॥९ ॥
 का कि टि खण् प ष्टा

॥उरोराङ्गिरसस्यसाम ॥

त्वय्याग्रेस्वाहुताहाबु ।प्रियासा
 पा शृ
 सन्तुसूरायोयन्तारोयाई माधावा
 ची का चा का य प फ
 नोजनानाम् ।ऊर्वान्दयाहा न्तागोना
 फी तात च य टा तच्क का
 मीळाभा ।ओइळा ॥१० ॥
 टा खण् प शा

॥गौतमस्यपौरुमुद्देष्टेपुरुमुद्दस्यवा झीरसस्य देवानांवा ॥

अग्नेरितर्विस्पतिरौहोवाएहिया
 षृ तू
 हाबु ।तपानोदेवारक्षसा ।
 त श का टा च चि
 अप्रोषाइवान् ।गार्हपाताइर्मा
 काय टा टी
 हं यासी ।दीवास्पायौवाउवोवा ।हा
 कि खण चा का खिण त
 हाइ ।दुरोण्यूः ।होइळा ॥११ ॥
 त श ष्टी ष्टा शा
 अग्नेरितर्विस्पतीस्तापानोदेव
 फू ता प

रक्षसाः । तापानोदेवरक्षसाअप्रोषी
 शु षु दू
 वान् । गृहापताइर्महंयासी । ओहा
 त चा चीकखण खफ़
 हाहाइ । दीवस्पायूः । ओहाहाहाइ ।
 ततश विट खफ़ततश
 दुरोणायूः । ओहाहाहा इ
 टाच्कच खफ़ खाण्श
 ओइळा ॥१२ ॥
 प शा

॥मण्डोर्जामदग्न्यस्यसामनीद्वे ॥

अग्नेवीवाहाबु । स्वादूषासा
 तीतश क टात
 श्वाइत्रांहाइराधोहाअमार्तायम् । आ
 टित टित टाखण च
 दाशुषेजातावेदो वाहातूवाम् ।
 य टा चा थाच्च कायट
 अद्याहोइदाइवम् । ऊषार्बुधा
 दु ला क टाद्ख
 औहोवा । हुवेवासूः ॥१३ ॥
 शि ता टाख्
 अग्नेविवस्वदुषासाः । चित्रंराधो
 षी ति त की
 अमात्तर्यामादाशूषे । जातावेदो
 का काय टा चा थाच्च
 वाहातूवाम् । अद्यादाइवम् । ऊषार्बु
 कायट टिता क टाद्
 धाऔहोवा । विदावासूः ॥१४ ॥
 ख शि ता टाख्

॥भारद्वाजस्यगाधम् ॥

त्वन्नाश्चित्रकृत्या । वासोराधां
 पा शी चाकच
 सिचोदाया । आस्यारायाइ । त्वामा
 कायट काखण श च
 ग्रे राथाइरासीवीदागाधम् । तुचो
 काच कायट काखण ता
 हाइ । तूनाऔहोबा । होइला ॥१५ ॥
 तश क टाखळ फ शा

॥गौतमेद्वे ॥

हाबुत्वमित्सप्रथायसिहाबु । अग्ने
 षी तू श
 त्रातान्त्रिताः कवाइर्हाहाइ । त्वांवि
 चिक का पा फ्लड श च
 प्रासस्सामीधानदीदीवाहाहाइ । आवीवा
 का चा का पी फ्लड श
 साहाहा न्तीवोबाधासो । हाइ ॥१६ ॥
 पी फ्ल तच्क प फ्ल फ्ल शा
 त्वन्त्वामे । इत्साप्राथायासो
 ति की चा का
 यासी । (अग्ने त्रातान्त्रिताः च) कावाइः कावीः ।
 खण चाकच का खण
 त्वांविप्रासस्सामीधानदीदीवोदाइवाः ।
 च का कीच किखणा
 आवीवासाहा न्तीवेधासाः । ओइला ॥१७ ॥
 किट तच्क टाखण प शा

॥अग्नेरायुः ॥

आनोअग्नेवयोवृधमेरायाइम् ।पा वा
षी तु खा श तच्
काशांसायाम् ।रास्वाचनउपामाते पू
का य ट त चा ची था
रूस्पृहाम् ।सूनाइताइसूहाइ ।या
या टा टू त श
शास्तारामौहोबा ।होइळा ॥१८ ॥
चा क पा ष्ठा ष्ठ शा

॥अग्नेर्हरसीद्वे ॥

योवीस्वादायातेवासु ।होता
खी शी टा
मन्द्रो जनानाम् ।माधोर्नापा
टच् चाश टा टा
त्राप्रथमान्यस्मै ।प्रास्तोमाया न्तु
चू टा टचक
वोबाग्नायो ।हाइ ॥१९ ॥
प ष्ठ ष्ठ शा
योविश्वादयतेवसुहाबु ।होताम
षु ति श टा
न्द्रो जनानामोवाओवा ।माधोर्नापा
टच् चीक का टा टा
त्राप्रथमान्यस्माओवाओवा ।प्रास्तोमा
चू का का टा
या न्तुवोबाग्नायो ।हाइ ॥२० ॥
टचक प ष्ठ ष्ठ शा

॥दैर्घश्रवसेद्वे ॥

योविश्वादयतेवस्वोहाओहाए ।

षू तु त

होतामन्द्रोजनानामोहाओहाए ।

टा कि टा त ट खा

मधोर्नपा ।त्राप्राथमान्नायास्माओ

खा ता का काच का ट

हाओहाए ।प्रास्तोमाया न्तूवोवोबान्नायो ।हाइ ॥२१ ॥

त ट खा खा ताच्क प प ष्ठ ष्ठा शा

योविश्वादयतेवसूए ।होता

तु त चा

मन्द्रोजनाम्माधोर्नपौवा ।

चीक च तित्

त्राप्रथमान्यस्मैप्रास्तोमायौवा ।

चू क त तित्

त्वग्नायाइळाभा ।ओइळा ॥२२ ॥

चा टि खण् प शा

पञ्चम खण्डः

॥अग्नेराग्नेयेद्वे ॥

एनावोअग्निन्नाओमसा ।ऊर्जोनपातामा

तु ति की या

हुवे ।प्रायन्चेतिष्ठामारतिंसूआध्वारं ।विश्वाचा)स्यादू ।तामामृतामिळाभा ।ओइला ॥१ ॥

टा चि टा चि मि य ट च चाक टा खण् प शा

एनावोअग्निन्नामसाहाबु ।ऊर्जोन

षु तु त श

पातामाहुवे हाबु ।प्रायन्चेतिष्ठा

की या टात श चि टा

मारतिंसूआध्वारांहाबु ।विश्वास्या

चि ट भित श चाय

दूहाबु ।तामामृतामिळाभाखण्) ।ओइला ॥२ ॥

टत श च चाक टा प शा

॥गौतमस्यमनार्येद्वे ॥

एनावोअग्निमेनमसा ।ऊर्जोनपा

तु ति क टिच्

तामाहुवे प्रायाम् ।चाइतीष्ठामारतिं

चा काट त चि का टाच्

सूआध्वाराम् ।विश्वाका)स्यादू ।तामामृता

का य ट य ट च चाक

मिळाभा ।ओइला ॥३ ॥

टा खण् प शा

एनावोअग्निन्नमसऊर्जोनपोवा ।ता

षु तु त

माहुवे प्रायाम् ।चाइतीष्ठामारातीं ।

चा काट त चि का टत

स्वाध्वारंविश्वस्यादू | तामामृतामिळाभा ।
 थ टु त च चाक टा खण्
 ओइळा ॥४ ॥
 प शा

॥दैवोराजन्म ॥

शेषेवनाइषुमातृषु । सान्तवामार्ता
 फी कु का काच्
 साइन्धाताइ । आतन्द्रो हव्यंवहासाइ
 क टा त श किच् चा का
 हावीष्कार्ता: । आदिदे वाइ । षूराजाजा
 टी ख ण किच श टि टि
 सा इ । ओइळा ॥५ ॥
 खण् श प शा

॥गाधिनश्चकौशिकस्यसाम ॥

अदर्शिगातुवित्तमाए । यास्मिन्वरा तान्या
 षी तु त की टाच्
 दधुरूपोषूजाहाहाइ । तामार्या
 किय टा त त श चाक
 स्यावार्धानामग्राइन्नक्षाहाहान्तुनो
 चा का का टि त
 गीराइळाभा । ओइळा. ॥६ ॥
 ची टि खण् प शा

॥बार्हदुत्थेदे ॥

अग्निरुक्थाइ पुरोहाइताः । ग्रावा
 ती श स्वि ण क
 णोबर्हीराध्वराइ । ऋचायामिमरुतो
 काच स्वि ण श षी
 ब्रह्माणास्पाताइ । दाइवं आवो वा
 चु य टा श टि टाच्क
 रोबाणायाम् । हाइ ॥७ ॥
 पङ्ग ङ्गा शा
 अग्निरुक्थाबुहोहोहाइ । पुरौवाउ
 तू त त श
 वोवाहितः । ग्रावाणोबर्हीरौ वाउ
 खु शि क का कि
 वोवाध्वराइ । ऋचौहोयामिमरुतो
 स्वि शी टा त षु
 ब्रह्माणास्पाताइ । दाइवं आवो वा
 यि टा श टि टाच्क
 रोबाणायाम्हाइ ॥८ ॥
 पङ्ग ङ्गा शा

॥पौरुमीढञ्च ॥

अग्निमीळिष्वाऔहोवा । अवसेगाधाभी
 फि खा ण फश कि चि
 इशीराशोचाइषाम् । अग्निरायाइपुरूषा
 थ क टा ता ष टि
 इढा । श्रूतन्नरोअग्निस्सूदीतायाइच्छार्दी ।
 ता टा दू त पी त्र
 दक्षाया ॥९ ॥
 ता टाख

॥कार्णश्रवसम् ॥

श्रुधीश्रूधिश्रुत्कर्णवन्हिभाइः । दे
 ता प श्रु क
 वैराग्ये सायावाभीः । आसीदतुबर्हिषि
 कि टि त क षू
 मित्रोअर्यामा । प्रातर्यावा । भाइरा
 टी त क टा ट खा
 औहोवा । एध्वराया ॥१० ॥
 शि त ताख

॥दैवोदासम्ब ॥

प्रदैवोदासोअग्नीः । देवइन्द्रो
 ष तू क कि
 नामज्जमानाम् । आनूमा तारं पृथिवीं
 ची टिच्कच टि
 विवावृताइ । तस्थौनाका । स्याशर्मणि
 ची श भित का
 इळाभा । ओइळा ॥११ ॥
 टि खण प शा

॥सौकृतवम्ब ॥

अधज्जमाओवा । आधावादाइवाः । बृहतो
 तु च काय टा
 रोचानादाधि । आयौहोओहोवा ।
 तु य टा कि तात
 वार्धस्वातन्वागाइराममा । आजातासौ
 चि थाच्य टा कि

होओहोवा । हाहाउवा । कृतोपृणा ॥१२ ॥
 ति त फ ति खी

॥काण्वेद्वे ॥

कायमानोवनातुवाम् । यन्मातृराजाग
 फी की क टा कि

न्नापाः । नतत्तयाग्नाइ । प्रमृष्टे हाइ ।
 खण तीत श टित श

नीवार्तानम् । यद्युराइसान् । इहा भू
 टाखण टि ता काच्चक

वाओहोबा । होइला ॥१३ ॥
 टाखफ्ल फ्ल शा

एकाया । मानोवनातूवामोइतू
 ति का काखफ्ल खी

वामुहुवाहाइ । औहोइयन्मातृराजा
 शूटत टी

ग न्नापाआपाउहुवाहाइ । औहो
 किख फ्ल ख शूटतच्च

इनातत्तयाग्नाइप्रमृष्टाइनीवार्ताना
 का टि टी टीखफ्ल

आन्तानामुहुवाहाइ । औहो इयद्यूरे
 खा शूटतच्च की

सन्निहाभूवाआभू वाउहुवाहाइ ।
 टिखफ्ल खा शू

औहोया औहोवा । ऊपा ॥१४ ॥
 टतटख शि खश

॥मानवेद्वे ॥

नित्वामग्नाइ । मनुर्दाधाइ । ज्योतिर्जना
 ती श खिण श की
 याशाधाताइ । दीदाइथाकण्वाक्रतजातऊ
 चय दाश क की दी टा
 क्षाइताः । यन्नामास्यान्ताइकृ औहो
 ख णा टि त टद् खा
 वा । षायाः ॥१५ ॥
 शि ख छ
 होवाइनित्वामग्नेमनुर्दधेहोवाइ ।
 षू तूत श
 ज्योतिर्जनायशस्वतेदाइदेथाकण्वाक्रत
 उ चू कि
 जाओतऊक्षाइताः । यन्नामास्यान्ताइकृ
 टि टि ख णा चित टद् ख
 औहोवा । षायाः ॥१६ ॥
 शि ख छ

षष्ठ खण्डः

॥अग्नेश्वद्रविणम् ॥

देवो वोद्रविणोदाः । पूर्णाविव
 णफख शी क
 ष्ट्वा सीचमूद्वासिन्चा । ध्वामुपावापृ
 टीच्क यि टा टी
 णाध्वामादीद्वोदे । वाओहताइल्लाभा ।
 का चाय टा चा टी खण
 ओइल्ला ॥१ ॥
 प ल्ला

॥बार्हस्पत्यञ्चब्राह्मणस्पत्यंवा ॥

प्रैतूब्राह्मणास्पातीः । प्रादाइ
 स्त्रि ल्ली
 व्ये तूसूनृताअच्छावाइर म् । नर्यंप
 टीच्क कि टा ख णा तिच
 न्तीराधासाम् । देवायाज्ञम् । नायाऔहो
 चाय ट टाख ण ट ख
 वा । तूनाः ॥२ ॥
 शि खश

॥वसिष्ठस्यचवीङ्गम् ॥

ऊर्ध्वऊषुणाऊतायाइ । तिष्ठादेवो
 कु पाणश
 नसःविताऊर्ध्वोवाजा । स्यासानिता
 षु दुत च क का

या

च

दान्जीभीः ।वाघात्भीर्भायामाहा इ ।

य टा क ट क च टि खण् श

ओइळा ॥३ ॥

प शा

॥विस्पर्धञ्च ॥

प्रयोगयाइनिनीषताइ ।मर्त्तोयस्ते

फी तु श की

वासोदाशात्सावीरान्धा ।तायग्नेउकथाशं

कु टा त कु

सीनं त्मानासाहा ।स्वापोषाइणा म् ।

था टि त टि खाण्

ओइळा ॥४ ॥

प शा

॥ऐतवृथञ्च ॥

प्रवाः ।यम्भंपुरूणाम् ।वीशान्देवाय

ता टी त क टा

ताइनाम् ।अग्निंसूक्तेभिर्वचोभिर्वृणी

टि ता षी की

माहाइ ।यांसामाइदान्याइ न्धताइ

टि ता श टा टि का

लाभा ।ओइळा ॥५ ॥

टी खण् प शा

॥मनसश्वदोहः ॥

अयमग्निस्मुवीर्यस्यहाबु । आइशे हीसौभ
 षी तु श किच्
 स्याहोवाहाइ । रायई शेस्वाप
 चु टात श कि
 त्यास्यागोमाताहोवाहाइ । ईशे
 की क य टा टात श क
 हाइवृ होवाहाइ । त्राहाथानामि
 टा ता टात श चाथ
 लाभा । ओइला ॥६ ॥
 टा खण् प षा

॥समन्तानित्रिणिअग्नेरेकमिन्द्राश्योर्वप्रजापतेर्वावरुणस्यद्वे ॥

त्वमग्नेर्गृहपताइः । त्वंहोतानो
 षि ती श कि
 अध्वराइत्वाम्पोता । वाइश्वावाराप्रचाइ
 दू त कु
 ताऔहोवाहाइ । यक्षाइयासीहो
 भी क फङ ण श टी त
 वाहाइ । चावाराया म् । ओइला ॥७ ॥
 टा त श टी खण् प षा
 त्वमाग्नेर्गृहपताइः । त्वंहोता
 खा शु क का
 नोअध्वरे त्वाम्पोताओहोऔ
 की प फा फा
 होवाहाइ । वाइश्वावाराप्रचाइता
 फात त श कु पी
 औहोओहोवाहाइ । यक्षाइयासा
 फा फत त श यी प

औहोओहोवाहाइ । ॥चावाराया म् ।

फा फततश टिखण्

ओइळा ॥८ ॥

प स्ला

त्वमग्रेगृहापतीः । त्वंहोतानोअध्वा

तु ता खा श स्वि

राइ । त्वाम्पोताविश्वावारा । प्राचेता

ण श खा श स्विण किथ्

यक्षाइयाटीट्)साौहोवा ।

ख श

चावारीयाम् ॥९ ॥

टिख

॥वमृस्यवैखानसस्यसाम ॥

सखायस्त्वाबुहोहोहाइ । ववृमाहा

तु त त श स्विण

इ । देवम्मर्क्ताहासऊतायाइ । अपान्न

श क टि त टा खण श चा

पातम् । सुभगौवाहाइ । सूदं सासम् ।

खा श ती त श काखण

सुप्रातूर्क्तीम् । आनेहासा म् । ओइळा ॥११ ॥

टि त टि खण् प स्ला

सप्तम खण्डः

॥३्यावाश्च ॥

आजुहोता । हविषामर्जया ध्वांवा ।
 ती दूचय ट
 निहोतार द्वृहापातिन्दधा इध्वांवा
 षी दूचचय प
 इळास्पाताइ नामसाराताहाओव्याम् ।
 खा ता श चि टि टा
 सापरीयातायाजत म्पास्त्योबा ।
 की कीप प्ला
 ओनाम् । हाइ ॥१ ॥
 प्ला शा

॥४तुसामनीच ॥

ओइचित्रइच्छाइशोस्तरुणास्यावाक्षा
 षा यू पि कि
 थाः । ओइनयोमातारावनुवाइतीधाता
 फ यू पि की
 वे । ओअनुधायादजीजनादधाचीदा ।
 फ यु पी चाक फ
 ओइववक्षसाद्योमाहीद्यूत्यान्वारान् ।
 ष यू टा स्वि त्र
 दुत्यन्वरन्माही । ॥२ ॥
 टु ख
 चित्राए । एएइच्छिशोस्तरुणस्य
 ता त तप
 वक्षथक्षथोहीहीयाहाबु । एए
 षे तू त श तप

नयोमातरावन्वेतिधातवेतवेहीहीहीया
षे तू

हाबु ।एएनूधायदजीजनदधाचिदा
त श त प षे

चिदाहीहीहीयाहाबु ।एएववक्षस्सद्यो
तू त श त प

महिद्युत्यन्वरन्वरन्हीहीहीयाहाउवा ।
षे तू ति

एऋतू ॥३ ॥
त टाख्

॥यामञ्च ॥

ओहा हाहाइ ।ईदन्तआइकांपाराऊत
ख शङ्क त त श दू कि

ए कम् ।तृतीयेनज्योतीषासंवीशास्वा ।
खाश डु चा खि श

संवेशनास्तान्वेचारुरे धि ।ओहा हा
क टी का खाश ख शङ्क त

हाइ ।प्रियोदेवानांपरमाइजानाइ ।
त श डु पि खि श

त्राइ ॥४ ॥
त श

॥अग्नेश्वाग्नेयम् ॥

इमंस्तोमामर्हते जा ।तावे दसे
खि श खि ण का चा

होये ।रथामीवा ।सम्माहे मा ।मानीष
टा खि श खि ण का

याहोये भद्राहीनः प्रमातीरा । स्या
 चा टा खि शि खि ण
 संसदीहोये अग्नाइसारव्याइ । माराइ
 का चा टा खि ण शि
 षामा । वाय न्तवावहोइला ॥५ ॥
 खि ण का टा खि ण शि

॥ अग्नेवैश्वानरस्यसामनीद्वे ॥

मूर्धाहोहाइ । नन्दाइवाः । आरताइमृ
 ति त श खा णा
 थीव्यावैश्वानरमृतआजातामाग्निम् ।
 टूक थष कु टात
 काविंसम्म्राजमातिथाइ न्जनानाम् । आ
 षी कु टत क
 सन्नापात्रन्जनयान्तादाइ । वाः ॥६ ॥
 टी पि खाश त्र
 होवाइमूर्धाहोहाइ । नन्दाइवो
 तूत श का टा
 आरातिंपृथीव्याः । इहोइहाइ
 कि खाल्ल का काट
 यावै श्वानरमृतआजातमाग्निम् । इहोइ
 थाष कु खाश का
 हाइयाकाविंसम्म्राजमातिथिन्जनानाम् ।
 का ट था की कि खाश
 इहोइहाइयाआसन्नापात्रं जानाय
 का काटक थ की कि
 न्तदे वाः । इहोइहाइयाओहोवा
 खाल्ल का काटखा शि
 । ई ॥७ ॥
 ख

॥ऐटतेद्वे ॥

वित्वदोहाइ ।आपोनपर्वतास्यापा
 ति त श कृ टा
 ष्ठात् ।उत्थेभीरग्नेजनायन्तादाइवाः ।
 ता शु की ट ता
 तन्त्वागीर स्सुष्टुतयोवाजयान्ती ।आजिन्नगा
 षी कु टा त क
 इर्ववाहोजाइग्नूरा औहोवा ।
 दू त टिद्ख शि
 अथाः ॥८ ॥

हायायाइदीवोहाइवित्वात् ।आपोना
 फ खु शी का
 पार्वातस्यपारिष्ठात् ।हायायाइदि
 का खी शा फ
 वोहाइउकथाइ ।भीरग्नेजानाय न्तदे
 खु शु टि कि खा
 वाः ।हायायाइदीवोहाइतन्त्वा ।गीरा
 पु फ खु शी का
 स्सुष्टुतयोवाजयान्ति ।हायायाइदीवो
 कु खाश फ खु
 हायाजिम् ।नागाइर्ववाहो ।जाइग्नूरा
 शि दू त टिद्ख
 औहोवा ।अथाः ॥९ ॥

शि टाख

॥वामदेव्यञ्च ॥

आवोराजा ।नमध्वारस्यरूद्रम् ।होता
 ती खु श क

राम् । सत्ययजंरोदसीयोः । अग्निंपूरा
 च ष खू ष चा च
 तनइत्नोराचीक्तात् । हिरण्यस्त्रपामव
 खू श चा टि
 साइकार्ण् । ध्वाम् ॥१० ॥
 पि खि त्र

॥वैश्यज्योतिषेच ॥

इन्धाओइहाबुहाबुहाबु । राजासम
 ता प णा शु
 योनमोभीयोभीयोभीः । यस्याओहा
 षु तू ता प ण
 बुहाबुहाबु । प्रतीकमाहुतझृता
 शु षै
 इनाइनाइना । नराओहाबुहाबुहा
 तू ता प ण
 बुहव्येभीरिढतेसबाधाबाधाबाधाः ।
 शु षु तू
 अग्राओहाबुहाबुहाउवा । अग्रामूष
 ता प ण तू चा
 सामशोउवा । ची ॥११ ॥
 टि का ता ख
 हाबुहोवाहाबुहोवाहाबुहो
 की की
 वा । इन्धेराजासमर्योनामोभीयोभी
 की षी चिककट या
 योभीः । यस्यप्रतीकमाहुतझृताइ
 टा षु क्लक
 नाआइनाआइना । नरोहव्येभीरिढते
 टा टि टि षु चि

साबाधाबाधाबाधाः । हाबुहो
 क क ट ट य
 वाहाबुहोवाहाबुहोवा । अग्निरा
 की की की
 ग्रामूषसामशोउवा । ची ॥१२ ॥
 ची टि का ता ख

॥यामेद्वे ॥

प्राकेतुनाबृहतायातीयग्राइ होइ
 की की शी
 होवाहोइ । आरोदसाइ । वृषा
 कीच श था चा श
 भोरो राविताइ होइहोवाहोइ । दी
 की शी टी च श क
 वश्चिदान्तादूपामासुदानाद्वौइहोवाहोइ ।
 की कि षि कीच श
 अपामुपास्थेकि)माहीषोवावर्धहोइ
 चा कि षु
 होइहोवा हाउवा । देदिवा म् ॥१३ ॥
 कीच य टा त टाख
 हाहायौहोवाइप्राके । तुनाबृह
 षु खाण का
 तायातियाग्निः । हाहायौहोवाआरो ।
 खू ष्टु षु ख ण
 दसाइवृषभोरोरवीति । हाहायौ
 चा खू श
 होवाइदीवाः । चिदान्तादूपामासुदानाट् । हाहायौहोवाआपाम् । उपास्थे
 षु खाण मि कि खाश षु ख ण मि
 माहीषोवावार्धा । हाहायौहोवा
 कि खाश षु

हाौहोवा । एदिवा म् ॥१४ ॥
ख शि त टाख

॥प्रजापतेराशिमरायेद्वेमरायराशिनिवा ॥

हाृबुहाृबुहावाग्नीम् । नरोनरोनरोदी
षी ती षी कि
धितिभीरराण्योः । हाृबुहाृबुहाृ
कि ताच षी
हास्तात् । च्युतान्चुतान्चुतान्जनायातप्रा
ति त षी कि कि
शा म् । हाृबुहाृबुहाृदूराइ ।
त स्त(च) षी ति त श
द्वशान्दशान्षी) द्वशान्गृहापतीमाथा
कि कीत
व्यूम् । हाृबुहाृबुहाउवा । ई । ॥१५ ॥
च षी ति ख
हाृबुहाृबुहावाग्नीम् । नरोदीधीतिभीररा
षी ति ति कि ता
ण्योण्योण्योः । हाृबुहाृबुहाृ
ट ट च षी
हास्तात् । च्युतान्जनायातप्राशास्तंस्तं
ति त चाक कीत ट ट
स्तम् । हाृबुहाृबुहाृदूराइ । द्वशान्
च षी ति त श
गृहापतीमाथाव्यूव्यूव्यूम् ।
की कीत ट ट च
हाृबुहाृबुहाउवाति) । ई ॥१६ ॥
षी ख

अष्टम खण्डः

॥श्येनञ्च ॥

अबोधिया । श्राइस्समीधाजनानाम् । प्रताइ
 ती कु भात
 धे नूम् । इवायातीमूषासंयह्वाई वा ।
 भीत का चाक था भित
 प्रवयामुज्जिहानाःप्रभान्नावाः । सक्षा
 चु था भित
 ते नाकामाच्छाइल्लाभा । ओइला ॥ १ ॥
 कि का च टि खण् प शा

॥वासोक्रञ्च ॥

प्रभूर्जयन्ताम् । माहां विवोधाम् । मू
 तु णाफ् खाश क
 रैरमूरम्पुरान्दर्माणाम् । नाया न्तज्जी
 षु टात णाफ् खा
 र्भिः । वाणा धियान्धाः । हरिश्मश्वन्नवर्मणा
 श णाफ् खाष्टु पु कि
 हाउवा । धनार्च्चीम् ॥ २ ॥
 शि ता ख

॥पौष्णञ्च ॥

शुक्रन्ते अन्यद्यजतन्ते अन्यात् । विषुरूपे
 षु तु षी
 अहनीद्यौरीवासी । विश्वाहिमाया अवसा
 की टात षु

इस्वधावान् ।भद्रातेपुषान्नीहा
 टू त टि य
 रातीरा स्तु ।तीरास्तुहाबु ।बा ॥३ ॥
 कि खा श प्ली श श

॥कौत्सन्न ॥

इळामग्राइ ।पुरुदंसंसनीज्ञोः ।शश्वत्तमं
 ती श खू फ षी
 हवमानायसाधाः ।स्यानस्सूनुस्तनयो
 खू फ षि
 वीजावाग्राइसाताइ ।सूमा तिर्भु
 कू ख शु णाफ ख
 तुहाउवा ।स्माइ ॥४ ॥
 षी ख श

॥काश्यपेद्वे ॥

प्रहोताजाताः ।माहान्नभोवाइनृषद्ग्रा
 तु षु टि
 सी ।दा दपांविवर्ताइदध्योधा ।याइ
 त तच्चक षु टि त
 सूतेवयांसियन्ताउवा ।वासूनीवीधा
 षी कु ता कीच
 तोयाओहोवा ।तनूपा ॥५ ॥
 टट्ख षि ताख
 प्रहोताजातउहुवाहाइ ।माहान्न
 षु टि त श टा
 भोवाइनृषद्ग्रासीददपांवीवार्ताइ ।ओ
 टा टु की टा त श

औहोइहा ।दाधाद्योधायाइसुते
 का त ता टा टा शी
 वयांसियन्तावासूनी ।ओऔहोइहा ।
 कु द् त का त ता
 वीधाताइतनू पाऔहोवा ।हाविष्मा
 का टीट्ख शि टि
 ते ॥६ ॥
 ख

॥घृताचेराङ्गिरसस्यसामनीद्वे ॥

प्रसम्माजाम् ।आसुरस्यप्राशास्तम् ।पुंसः
 ती खू श

कृष्टाइनामानुमादीयास्या ।इन्द्रस्येवा
 दू कि खा श खी

प्रातावासःकृतानि ।वन्दद्वीरावन्दमाना
 खू श चा था चा था

विवाष्टू औहोवा ।दीशआः ॥७ ॥
 टा ख शि ख छा

अरण्योः ।निहितोजातवे दाः ।गर्भई
 ति खी खा फ्ल

वेत्सुभृतोगर्भिणाइभीः ।दीवेदीवई
 षी फु खा छा षी

ढ्योजागृवात्भीः ।हावीष्मात्भीः ।मनुष्ये
 कि टा त खफ्ल ख ण

भीरग्निरेहियाहा ।होइला ॥८ ॥
 षू षू फ्ल शा

॥भारद्वाजस्यप्रासाहम् ॥

अहा॒वोऽहा॒वोऽहा॑ | सा॒ना॒दग्ना॒इ ।

षू॒ ता॒ कु॒

मृणा॒सीया॒तूधा॒ना॒न् | न॒त्वा॒रक्षांसी॒
की॒ खा॒श कु॒

पार्ता॒ना॒सुजी॒ग्युः | अनु॒दहा॒सहमू॒
कि॒ खा॒ष्ट की॒

रा॒ङ्ग्या॒दा॒ः | अहा॒वोऽहा॒वोऽहा॑ | मा॒
की॒ खा॒ष्ट षू॒ ता॒ क

ता॒इहे॒ त्या॒मुक्षतदा॒इवीया॑ | या॒ः ॥९ ॥

कि॒ पु॒ खि॒ त्र

नवम खण्डः

॥पाथेद्वे ॥

आग्राउवोवा ।ओजीष्ठामाभाराउवो
 य खा श चा य खा
 वा ।द्युम्नमस्माभ्यमधिगोओइप्राना
 श क चि ती टी
 उवोवा ।रायेपानीयसे ।ओइरात्सा
 खा श क कि ता
 उवोवा ।वाजा यापन्धाम् ॥१ ॥
 खा श थाच्क टख
 अग्रे हाबु ।ओजीष्ठामाभारा औहोवा ।
 तात श वी टा खा श
 द्युम्नमस्मभ्यामाधीगा औहोवा ।प्रा
 यू टा खा श
 नोरायेपानीयासा औहोवा ।रात्सी
 यू टा खा श टा
 वाजा यापोबान्धायां ।हाइ ॥२ ॥
 टाच्क प फ़ा शा

॥बृहच्चाग्रेयम् ॥

यदिवीरो अनुष्यादय्याई या ।अग्निमिन्धीतमौ
 षी खु खश चू
 होहाहोवार्त्याः ।आजुबाक्ताव्या
 ट त टा त टा टा
 मानूषात् ।शर्मभक्षाइतादाहाइवा ओ
 टा खण क दू त ता प
 बा ।व्याम् ॥३ ॥
 फ़ ख

॥कौन्मुदम् ॥

त्वेषास्तेधूमक्रिणवतीहाबु । दिविसन्शू
 क पा श्रु ची
 क्राआतातासूरोनहिहाबु । द्युता
 कावप शु चा
 तूवाङ्कुपापवाहाबु । कारोचासा
 यप श्रु टि खण्
 इ । ओइळा ॥४ ॥
 श प छा

॥बृहचैवाग्नेयम् ॥

त्वंहिक्षैतवद्यशाइयइथ्याहाइ । अग्नाइमि
 षु तु त श
 त्रोनापात्यासाइ । ओओहोइया
 क्रु खा ण श का ख छा
 हाइ । त्वंविचार्षणेश्रावाः । ओओहोइयाहाइ
 ण श कु ख ण का ख छा ण श
 वासोआपुष्टाइन्नापूष्यासी । ओओौ
 का प कु ख ण का
 होइयाहोइळा ॥५ ॥
 ख फिष्ठ शा

॥कौन्मुदञ्जैव ॥

प्रातरग्नाइःपूरुषीयाः । वीशास्तवे
 तु ति का टा
 ताअतिथाइः । वाइश्वेयास्मिन्नामार्ता
 ती श की टि ख

याइ । हाव्यांहोइमर्ताहो साइन्धा
 ण श टा टी कथ् टि
 ता इ । ओइळा ॥६ ॥
 खण् श प ष्ठा

॥अग्नेर्यद्वाहिष्ठीयेद्वे ॥

यद्वाहिष्ठन्तदा । ग्नायाइ बृहदर्चावीभावा
 तु षि तु टा
 साबु । माहीषाइवात्वद्रयिस्त्वाद्वाजाः ।
 त श टा टि दूत
 ऊदीराता इ । ओइळा ॥७ ॥
 टि खण् प शा
 यद्वाहिष्ठन्तदग्नयेयद्वाहिष्ठोवा । तादग्नया
 षु तु त
 इबृहदर्चावीभावासाबु ।
 षु टि तच्क च चा श
 महीषाइवात्वद्रयीस्त्वाद्वाजाः । ऊदीरा
 टि ता दूत टि
 ता इ । ओइळा ॥८ ॥
 खण् प ष्ठा

॥अग्नेश्विशोविशीयम् ॥

विशोविशोहिंवो अतिथाइम् । वा जय
 तु खिश तच का
 न्ताः पूरुषीयाम् । अग्निंवोदूरायाहि
 टा प श टि पाश
 म्माइ । वाचास्तुषेहाइ ।
 चा श तत प णाश

ओहोवाइशूषा । हिम्माइ । स्या
 का खिण चा श त
 मान्माभाएहियाहा । होइळा ॥९ ॥
 त ख शी श पु शा

॥प्रजापतेःकनीनिकेद्वे अत्रेर्वा ॥

बृहद्वयाः । हीभानावाइ । अर्चदेवाया
 ती टि त श
 ग्रायाइ । यम्मित्रन्नप्राशास्तायाइ ।
 दू त श यु टा श
 मर्तासोदा । धीरो बापूरो हाइ ॥१० ॥
 पि श खाप्ल फ्ल शा
 बृहद्वयोहिभानवाए । अर्चदेवा या
 षी ती त चा थच्क
 अग्रायाइ । यम्मित्र न्नप्राशास्ता
 टा त श कि काय टा
 इ । मार्क्तसोदधाइरे पुरा औहो
 श क था यी टा
 हा औहोवा । वाहाः ॥११ ॥
 खि शि त टख

॥श्रौतर्वणञ्च ॥

अग्नमवृत्राहन्तामम् । ज्याइष्ठामाग्निमा
 तीत पा श कि
 नावम् । यास्माहोइश्रु
 पी श टाच्क का
 तर्वन्नाक्षाइबृहा द्वोयानीक्याआउवाए । ध्याते ॥१२ ॥
 षी टूच्च का ता भी ख श

॥कश्यपस्यसयोनिः ॥

जाताःपरे णाधाई हा माणाई हा
 च टाच्क टाकथ॒ टि
 योनिम् ।योनिमिन्द्रा श्व गच्छथो
 खा श की कथ॒ की
 यस्तावृद्धिसाहाई हा भूवाई हा
 टा टा क टाकथ॒ टि
 योनिम् ।योनिमिन्द्रा श्व गच्छथाः ।
 खा श की कथ॒ कि
 पितायात्काश्यापाई हा स्याग्नाई हायो
 टि क टिकथ॒ टि खा
 निम् ।योनिमिन्द्रा श्वगच्छथाश्रद्धामाता
 श की कू थाच्क
 मानाई हा कावाई हायोनिम् ।
 क टा कथ॒ टि खा श
 योनिमिन्द्रा श्वगच्छथाः ॥१३ ॥

की खी

दशम स्वण्डः

॥बार्हस्पत्यञ्च ॥

सोमंराजानंवरुणाम् । अग्नीमन्वारभाम
 षी ती की
 हे । होवाहाइ । आदित्यंविष्णुंसूर्यं
 ची टात श थ की का
 होवाहाइ । ब्रह्माणाञ्चाहोवाहाइ ।
 टात श टि त टात श
 बृहात्वा । स्पातिम् ॥१ ॥
 टा ता ख श

॥ऐषञ्चारूढवदाङ्गिरसम् ॥

आरू हन्नारूहन्नारू हन् । इतए
 टाच्क टाक टाच्क
 ताऊदा रुहान् । दीवाःपृष्ठान्ति
 ची काच्चय ट चा
 यारूहान् । प्राभुर्जयो यथा
 कीय ट का काच्च का
 पाथा । उद्यामङ्गी रासोयायूः ।
 य ट चा काच्च काय ट
 आरू हन्नारूहन्नारू हाओहोवाऊपा ॥२ ॥
 टाच्क टाक टाट्ख शिख श

॥आसीतेद्वे ॥

रायेअग्नेमाहाइ । त्वादानायसमीधीमाही
 तू श कू टात

आइळिष्वाहीमाहेवृषान् । द्यावा
 टि टाक च चा टा
 होत्रा याप्रोबाथावाइ । हाइ ॥३ ॥
 टाच्चक प फु फ्लाश शा
 रायायाग्नेमहेत्वाहाबु । दानायसमी
 काप शु कु
 धीमाहाइ । आइळिष्वाहाइ ।
 टा त श दू त श
 माहे वार्षान् । द्यावा होत्रायाप्रोबाथावाइ । हाइ ॥४ ॥
 काखण भित क प फु फ्लाश शा

॥त्वाष्ट्रीसामच ॥

दधन्वेवायदीमनू । वोचत्व्रह्येतीवेरुतत्पा
 फी की षी तु
 रीविश्वा नीकाव्या । नाइमीचक्राउवा ।
 टिच्च चा शि षि क्ष
 मीवा । भूवादौहोबाहोइळा ॥५ ॥
 ख शि षि फ्लाफ्ल शा

॥मानवञ्च ॥

त्ववमग्रेत्वमग्नाइ । वासुंरिहारुद्रंआदीत्यं
 तु श षी टि त च
 ऊतायाजासूआ । ध्वारन्जनामानुजा
 का टि त क चि टि
 ताम् । धृतपूषामिलाभा । ओइळा ॥६ ॥
 त चि टि खण प फ्ला

॥अगस्तस्यचराक्षोद्धम् ॥

प्रत्यागे होइहरसाहराए ।श्रुणा
फिल खु फि
हिवाइश्वताः ।प्राती ।यातूधानाचि) ।
टी खाणफङ्ग खश ट
स्यरक्षसोबालाम् ।न्युञ्जाओबा ।रीयम् ॥७ ॥
चीटत त प फु खश

एकादश खण्डः

॥तौदेहे ॥

पुरुष त्वादाशिवं वोचा एदारीरग्नाइ ।

ता क पू शु

तोदसेयवशरणयाहोइ । महाहोये

क दू च श टा टा

स्योया औहोवा ई ॥ १ ॥

खा शि ख

पुरुष्वत्वादाशिवं वोचेत् । आरीरा ग्राइ

षी तु खि शा

तावास्वाइदा । तोदसेयवशरणयाहोइ

खि णा षी खीण श

माहाहोये स्योया औहोवा ई ॥ २ ॥

टा टा खा शि ख

॥दैर्घ्यतमसानित्रीणि ॥

पुरुष्वत्वादाशिवं वोचेत् । आराइरग्नाइ ।

षी तित पी शा

तावास्वाइदा । तोदास्याइवाशाराणा

खि णा खि शा खि

या । माहास्या । ए ॥ ३ ॥

ण खा त्र तच्

पुरुष्वत्वादाशिवं वोचेत् । अरिरग्नाइतवा

खि शु षी टि

स्वाइदा । तोदास्याइवा

ख णा ख फु ख शा

शाराणाया । माहास्या । ॥ ४ ॥

खि ण खा त्र

पुरुत्वादाशिवंवोचेद्वाबु । हाबुहो
पि शृ क टा
हाउवोवा । अरिरग्रे तवास्वीदा । हा
स्विण की कि च क
बुहोहाउवोवा । तोदस्येवशराणाया
टा स्विण क का कि चा
। हाबुहोहाउवोवा । ए माहास्या ॥५ ॥
क टा स्वित्र तचकटख

॥३यावाश्वस्यप्रहितौद्वौ ॥

प्रहोत्रेपूव्यंवचोग्रया । इभाराता
ती दु चाकच
बृहात् । वीपान्जोतीम् । षीबाइभ्राताख)
चा टि त टीट
औहोवा । नवे धासे ॥६ ॥
शि ताच्छ ख
प्रहोत्राइपूर्वीयंवाचाः । आग्रये भारता
खु प्ली टिच काच
बृहात् । वीपान्जोतीषीबीभ्रताइ ।
कट फू ताश
नावे धासोहाइ ॥७ ॥
प शख प्ल शा

॥प्रजापतेःश्रुधीयेद्वे ॥

अग्रेवाजास्यागेमातोवा । ईशानस्साहसो
फी चीश क कु
याहोअस्मेदेहीजातावेदोमहा
का का का चा था टा

इश्रवाउवा । श्रोधियाएहिवा । ओ
टि ता च टा ट खाण् प

इळा ॥८ ॥
शा

अग्नेवाजस्यगोमतोहोवा । ई शान
षी ती त त क

स्साहसोयाहो । आस्मेदाइहीजाता
कु ख श च य पि शा

वेदो । माही । श्रावो । हाइ ॥९ ॥
ता प श ख प्ल शा

॥प्रजापतेःसदोहविर्धानानित्रीणिसदःपूर्वहविर्धने उत्तरे ॥

अग्नेयजिष्ठोअध्वराए । देवान्देवायाता
षु तित ची का

इयाजा । हुवाहोवा । होतामन्द्रो
या ट ता का चा थाच्

वीरा जासीहुवाहोवा । आतिस्ताइधाः । ओइळा ॥१० ॥
काय ट ता का टि खाण प शा

आग्नाइयाई यायाजिष्ठोअध्वाराइदेवान्दे
फा खा ख श षु ती

वायतेहाबुहोवा । याजाहोतामन्द्रो
टि की टा टा था

वीराजासी । आतीया औहोवा । स्त्रीधाः । ॥११ ॥
क पा श ट ख शि ख प्ल

अग्नियाओवा । याजिष्ठोअध्वराइदेवान्दाइवा ।
तु षु टी ता

आयाते याजाहोताउवा । मन्द्रो
चि टा पा शा थाच्

वीरा जासाऔहोवा । आतिस्तीधाः ॥१२ ॥
काट ख शि थ टिख

॥त्वष्टुश्चातिथ्यम् ॥

जज्ञानस्सा । समा तृभाइर्मेधामाशा
 ती काच्चक कीख ण
 सातस्यायाअयान्ध्रुव)वाः । रयाइणाम्
 चिट टा ण टा ता
 चिकाइता दाओहोवा । ऊपा ॥१३ ॥
 टीट्ख शि ख श

॥अदितेश्वसाम ॥

उतस्यानोदीवामातिः । आदीतिरूतियागामात्साशान्ताता ।
 खी ह्ली क कि चायट टि त
 मायास्कराउवोवा । अपास्तिधाः । होइळा ॥१४ ॥
 फा खी श ह्ली प्लु शा

॥अगस्तस्यचराक्षोघम् ॥

ईळाइष्वाहिप्रतिव्याम् । याजस्वा
 का पा शि कि
 जातावे दसाम् । चरिष्णुधूमामग्रभाइ । ताशोओहोवा । चीषम् ॥१५ ॥
 कि टा खु ति श ट ख शि ख श

॥वाकर्जभञ्च ॥

नतोवा । स्यामा । यायाचानारी
 ता त ख श टी च
 पुरीशीतमाआउवा । र्तीयाः ।
 कि ता टि ख ह्ल

योअग्नयेददाशहव्यदोबा ।ताये ॥१६ ॥
 षी पू फु ख श

॥बृहदाग्नेयञ्चसङ्कृतंवा ॥

अपत्यंत्रजिनंरिपुंस्तेनामग्नाइ ।दूराधा
 षु खी ता श टि
 यान्दिविष्टमत्स्यासात्पताइ ।कार्द्धी ।
 ख फु ता श प श
 सूगाम् ।हाइ ॥१७ ॥
 खफु शा

॥अगस्तस्यचैवराक्षोघम् ॥

हाबुशुष्ट्याग्नेनवस्यामेहाबु ।स्तो
 षु तत श क
 मास्यवार्इरविस्पतायेऽहिहाबुहोवा
 कि पू शु
 नीमार्इनास्तापसाराएहिहाबुहोवा ।
 का का पी शु
 क्षासाएहीहाबुहोवा ।
 प शु
 दहएहियाहा ।होइळा ॥१८ ॥
 फु श फु शा

द्वादश खण्डः

॥१॥ वसिष्ठस्यप्रमंहिषीयानिचत्वारि ॥

प्रमंहा इष्टायगायता ।ऋतान्ने बृहते
खि शु टिच् कि

शुक्राशोचाइषाइ ।उपाओहो
पा श त ता श पि श

स्तुतासोआ ।ग्रायोहाइ ॥१ ॥
पि श ख प्ल शा

प्रमंहिष्टायगा ।याताऋतान्ने बृहाता
तू च टिट्च् काय

इशुक्राशोचाइषाइ ।ऊपा
टाक टा ता श चा

स्तुतौ हुवाए होवा ।सावोबाग्रायो ।हाइ ॥२ ॥
टाव्वक टा का कप प्ल शा

प्रमंहिष्टायगाइय्याई या ।या
फु खा खश थ

ताऋतान्ने बृहतेशुक्राशौहौहुवा
की टी टा ट टी

इचाइषाइ ।उपाहोइस्तुताहोसो
टी श का कीक थ

अग्राया इ ।ओइ ॥३ ॥
टा खण्श प शा

प्रमंहिष्टायगायतप्रमंहिष्टोवा ।यागा
शु तू त का

यताऋतान्ने ईबृहते शुक्राशोचा
टी ख णी फि त

इषाइ ।उपौहोवाहाइ ।स्तुतौ
ता श फा ता त श फा

होवाहाइ ।सओबाग्रायो ।हाइ ॥४ ॥
ता त श श्ल शा

॥भरद्वाजस्यवाजभृत् ॥

प्रासोहाआग्नेहाइ ।तवाआउवा
 टा त टा त श ता टि
 तीभीः ।सूरीराभिस्तारातीवाजक
 ख पु चा श चि चा का
 मार्भिर्यास्याहाइ ।त्वंसाख्यमोबावाइथो ।हाइ . ॥५ ॥
 चिट त श पा ष्ठि ष्ठि शा

॥सौभराणित्रीणि ॥

तज्जूर्धयास्वर्णरोवा ।देवासो
 णारु खा प्लाडश क चा
 देवामाराताइन्दधाहोइन्वाइराइ ।
 क टी टि टि ताश
 देवात्राहव्यमूहाहाइ ।हाइषा
 थ दुत त श ट खा
 औहोवा ।ऊक् ॥६ ॥
 शि ख
 तज्जूर्धयास्वर्णराम् ।देवासोदा
 तू त क का क
 इवामाराताइन्दधन्विराउवाइ ।देवा
 चि टा शृ ख शशू
 त्राहाव्यमोबाहाइषोहाइ ॥७ ॥
 त प ष्ठि ष्ठि शा
 तज्जूर्धयास्वौहोआर्णराम् ।देवा
 कु ति त टा
 सोदे ।वामाराताइन्दाधान्वा
 ख ण टी खा पु ख
 इराइ ।हाहोहाइ ।देवा
 शि खाण श टा

त्राहा । व्यमूहा । इ । षाइ ॥८ ॥
 ख ण स्विणफङ् श ख श

॥पथस्यसौभरस्यसामनीद्वे ॥

मानाः । हृणीथा आतिथिं वासुरा
 ता का ट कि टा ख

ग्निः । पुरौ होवाहाइ । प्रशौ
 श फा ता त श फा
 होवाहाइ । स्तओबा आइषोहाइ ॥९ ॥
 ता त श छि छि शा

मानोहाबु । हार्णीथा आतिथि ।
 ता त श प णा ण फाङ्

वासुरा ग्नाइः । पूरो हहोइ प्राशो
 स्विण श चा चाशक थ
 हहो स्तायेषाणहियाहा । होइळा ॥१० ॥
 काथू पा छी श फु शा

॥दैवानीकञ्च ॥

भद्रोनोओहोअग्निराखी)हुताए । भा
 फि फु छि क

द्राराताइ । सुभगाभद्रोअध्वा
 थाच श क टा टा खा

राः । भद्राऊता । प्राशास्तायो । हाइ . ॥११ ॥
 ण टि त प श ख फु शा

॥साध्वि ॥

याजीष्टन्तवावावृमहाइ । दे
 णा फाख शी क
 वन्देवत्राहोताराम् । आमार्कत्यामास्ययाज्ञा
 दूच चाक टी
 स्यासुक्रातूम् । हाइ . ॥१२ ॥
 प शख प्ल शा

॥जमदग्नेश्वसंवर्गः ॥

तदग्नेद्यूम्नामाभारोवा । यत्सासाहा
 र्षी चीश टी त
 सादानाइ । कञ्चिदत्राइणाम् ।
 टात श थ टि ता
 मन्यूञ्जनास्यदू होढायामेहियाहा । होइळा ॥१३ ॥
 का चा टाच्चय प छीश प्ल शा

॥अगस्तयस्यचराक्षोम्बम् ॥

यद्वाऊविश्पतिशितः । सुप्रीतोमानुषो
 पि शु कि किच
 वीशेवीथेदाग्नीः । प्रातिरक्षांसिसे धाताऔहोबा । होइळा ॥१४ ॥
 चा टित कुच्चक टाख प्ल शा

॥अग्नेश्वश्रैष्ठ्यम् ॥

आयं अग्निश्वेष्टातमोहो आय म् ।
 चा चिक चाटच्च चा

वामधुमत्तमोहो आय म् । साहासासा
ट कु टच चा चा चा
तमोहो आय म् । अस्मिन्नास्तु सुवी)
टा टच चा की काथ
र्यमौहो । ओइळा ॥१५ ॥
टा त प शा

॥आदित्यस्यचरुचिरोचनंवा ॥

आदित्यरशू । क्राउदगात्पुरुरास्तात् ।
ती च खूश
ज्योतिःकृण्वान्वितमोबाधमानाः । आ
क कि खूफु क
भासमानाः । प्रादीशोनुसार्वाः ।
टी कि खा फु
भद्रस्यकार्तारूचयान्नायागात् ॥१६ ॥
की त पि खा त्र

तद्वपाठः

प्रथम खण्डः

॥मर्गीयवञ्च ॥

तद्वैहोवा ।गायासुताइ चा ।पुरुहू
ती ता खिण कि
ता यासात्वानाइ ।शत्यदोओ
तच् काय ट श की
होइगावाइ ।नाशाओहोवा ।ए कीने ॥१ ॥
खिण श ट्ख शि तच् ट ख

॥रौद्रेद्वे ॥

तद्वोगाया ।सुताइसचापुरुहुताहा
ती ता ति टा खाश्छ
हाइयासत्वानाइ ।शंयत्वावे ।
त चा खा ण श क टा त
नाशौहौ हू वोबाकाइनोहाइ ॥२ ॥
टा टच्कप फ्ल फ्लि शा
तद्वोगायसुतेसाचाए ।पुरुहू तायसत्वाने ।
षी ती त कि कु
पुरुहूतायासात्वानाइशंया
चा थाच्य ट ख फ्लि
त्वौवाउवोवा ।नाशाकाइनो ।हाइ . ॥३ ॥

॥मार्गीयवञ्चैव ॥

तद्वैगायसुतेसाचाए ।पूरुहु तायसत्व
षी ती त कि

नाइशंयत्वावे । ऐहायाएहि । नाशा
 षू टि त चयट ता
 काइना औहोवा । ई ॥४ ॥
 टिद् खा शि ख

॥आश्वच्छ ॥

यस्तेनूनांशताकृताबु । इन्द्रघुम्नीतामोमा
 की कीश जी टि
 दाः । तेननूनाम्मादाइमाउवा । देः ॥५ ॥
 च क भित टि ता ख

॥ऐटतेढे ॥

गावएगावाः । उपावदावादाऔहोवा ।
 तु तीट ख शि
 वाटे । महीयज्ञा । स्यरास्यारा
 ख श खिण ताट ख
 औहोवा । प्सुदाउभाकार्णाहिरा
 शि ख श खिण ता
 हाइरा औहोवा । ण्याया ॥६ ॥
 ट खा शि ख श
 ओइगावाः । उपा वादावाटा
 खिण ताच का टा
 उवोवा । माहीयज्ञास्याराप्सूदाओ
 खा श चा का ता टा
 यू भा । कर्णाउवोवाहिर ण्याया ॥७ ॥
 खा श टा खा श का टाख

॥श्रौतकक्षेद्वे ॥

अरा मध्यायगायाता । श्रूताकक्षाराङ्गा
 खा प्ली ड श टी य
 वाआर म् । हाहाइन्द्रास्याधा ।
 काख ण त त पि श
 होयेम्नोया औहोवा । ईति ॥८ ॥
 कट खा शि खश
 अरमध्यायगायतरमध्योवा । यागाया
 षु तू त काच
 ताश्रूताकक्षाहाहा । आरा झावा
 कि टा त त काखण
 इ । आरामिन्द्राटी)हाहास्याधाम्ना औहोबा । होइळा ॥९ ॥
 श त त क थ टा खफ्ल प्ल शा

॥तन्वस्यपाथस्यसामनीद्वे वसोवार्षे ॥

तामिन्द्रांवाजयामसि । माहे वृत्रा याहा
 पि शु चा थाच का
 न्तावे । सावार्षावृ । षाभोबा
 य ट चाय ट कप प
 बाभूवात् । हाइ । ॥१० ॥
 प्ल प्ला शा
 तामिन्द्रांवाजयामसिहाबु । माहे वृत्रा याहा
 पि शु चा थाच का
 न्तावेहोवाहाइ । सावार्षावृ
 य ट टात श चाय ट
 होवाहाइ । षाभोभू वाऔहोवा ।
 टा त श टिद ख शि
 एदावासू ॥११ ॥
 ता टाख्

॥अङ्गिरसान्निवेष्टौद्वौ इळा नांवासङ्घारौ ॥

तमिन्द्रं वाजयामसीए । महाहाइवृत्राया
 षि तु त ता चिक
 होवाहन्तवे ओवाई या ।
 चकक टा काट्टत
 ओमोवासहेवार्षाओवाई या । ओमोवा
 कु टा काट्टत
 वृषाभोयाओहोवा भूवात् ॥१२ ॥
 की टा ख शि खश
 औहोवाइहुवाहोइतमिन्द्रंवाजायामासी ।
 तु की खा का फा
 औहोवाइहुवाहोइमहे वृत्रायाह न्तावे ।
 तु की चा का फा
 औहोवाइहुवाहोइसवार्षावृ । षाभोभू
 तु की खण टिद्
 वादिलाभाएहिला । होइला ॥ १३ ॥
 त प्ला श्ली फ्ल शा

॥शथ्यातानित्रीणि ॥

हाबुत्वमिन्द्रा । बलादधिहाबुहाबु । सहा
 तु कु ता श का
 साजाताओजासाहाबुहाबु । त्वांसान्वार्षान्हाबुहाबु । वृषाइदा साओहोवा । वृधे ॥१४ ॥
 था ट भि ति श च य टा ति श टीट्ख शि ताच
 त्वमिन्द्र बलादधीए । सहासाजाता
 षि ती त का था ट
 ओजसाइयाहोइयाइयोवा ।
 भि का कि खाश
 त्वांसान्वार्षान्हायाहोइयाइयोवा ।
 च य टा का कि खाश

वृषाइदा साऔहोवा । महे ॥१५ ॥

टीद ख शि ताच्

त्वमिन्द्रंबलादधीसहसा । जाताओजासा

षू तु का का ख

इहोइहा । त्वांसा न्वार्षानिहोइहा ।

शी काच् क ख शी

वृषाइदा साऔहोवा । ई हा ॥१६ ॥

टीद ख शि ख श

॥इन्द्राण्यास्साम ॥

यज्ञइन्द्र मवर्धयात् । यत्भूमिंवायवा

षी ति त दू

र्त्यात् । चाक्राणाओ । पाश

ख ण ख प्ल ख ण काच्

न्दीवीचक्रा णाओपाशाओहोवा । दीवि ॥१७ ॥

क किच् का खा शि ख श

॥गोषूक्तम् ॥

यदिन्द्राहं यथौहोओहोवाहाइतुवाम् । ई शीया

षी तू ती क

वास्वायौहुवाइहुवाइकाई त् । स्तो

कि य ट टि टि क

तामेगोसाखौहुवाइहुवाइ । साया

टि य ट टि श य

द्वोयाओहोवा । अग्निराहुताः ॥१८ ॥

ट ख शि कि टाख्

॥आश्वसूक्तञ्च ॥

आबुहौहोवाहायदिन्द्राहाम् ।याथात्वामै
 ख श्रु टी
 हीऐही ।आइशीयावास्वाआइकइदै
 तिच्च कि का दू
 हीऐही ।ओइस्तोतामाइगो साखा
 तिच्च ट टि टिच्च का
 सायाओहोवा ।शुक्रआहुताः ॥१९ ॥
 टट्ख शि कि टाख्

॥गौरीवितम् ॥

पन्यम्पन्यमित्सोताराः ।पन्यम्पन्यमित्सोता
 षी ति त यू प
 राः ।आधावतमाद्यायासोमं वीरा
 श का खीश का टा
 यशूरा या. ॥२० ॥
 खित्र

॥गौराणित्रीणि ॥

इदंवसाबु ।सूतमान्धाः ।पीबासुपू
 ती श टि त चा का
 र्णामुदारामनाभयाई न् ।ररोबा
 टि ख खा ता श ष्टा
 मातोहाइ ॥२१ ॥
 ष्टि शा
 इदां वसोसूतमन्धाः ।पीबासुपू
 णाफ् खा शी टित

र्णमूदारम् ।आनाभायाइन् ।रराहाउवा ।माते ॥२२ ॥

ट ा ख ण ट त ट च ट टा ति टाख्

इदंवसोसुतमन्धाए ।पीबासुपूर्णा

षी ती त का काक

मूदरौहोवा ।पीबासुपूर्णा

क टा त त त्रु

मूदरौहोवा ।आनाभाईन् ।ररिमा

थित त भित चि

ताओहोबा ।होइला. ॥२३ ॥

टा ख प्ल ष्ट शा

द्वितीय खण्डः

॥सौपर्णानि त्रीणि ॥

उत्थेद्धयोवा ।श्रूतामाघम् ।वृषाभन्नार्यापासम् ।आस्तारामे ।षाइ
 ती त का ख ण दु ख ण ट टात

सूर्याओै ।होबाहोइला ॥१ ॥
 कि टा ख प्लु प्लु शा

उत्थेदभिश्रूतामाघाम् ।वृषाभ न्नर्या
 षी त त चिकफ्लु

हिं ।पासम् ।आस्ताउवा ।रा
 च प श प्ला शा क

माइषिसूओबारायोहाइ ॥२ ॥
 कीप प्लु प्ला शा

उत्थेदभिश्रूतामघमियइयाहाइ ।वृषा
 षू तु त श

भ न्नर्या हाहाइ पासम् ।
 चिकफ्लु त त शप श

आस्ताउवा ।रामाओैहोवा ।षिसूर्या ॥३ ॥
 प्ला शा ट ख शि टिख्

॥शाकलम् ॥

यद्यकाञ्चवृत्रहान् ।ऊदगाआभीसूराया
 फी की कु टात

सार्वान्तादिन्द्रतायेहिं ।वाशोहाइ . ॥४ ॥
 की टिच ख प्लु शा

॥आभरद्वसवेद्वेन्द्रकग्रेर्वा ॥

ययाहाबु ।आनायादानायात्पारा
ता त श टि टि का
वाताः ।सूनीतीतू सूनीतीतू वर्वां
खण टीच्क टिच्क का
यादूम् ।इन्द्रास्सानो इन्द्रास्सानो यू
खण टीच्क टिच्क टि॒च्क
वाओहोवा ।साखा ॥५ ॥
ख शि ख श
यआनयत्परावाताः ।सूनीतितुर्वशां
षि ती त यू
यादूम् ।इन्द्रस्सनोयूवासाखा ।इन्द्रो
पश यू पश खा
ग्निः ।इन्द्राओहोग्नाइः ।
श क का खण श
आइन्द्रोग्नायाओहोवा ।ईन्द्राः ॥६ ॥
किट ख शि ख प्ल

॥तान्वेद्वे ॥

मानइन्द्राभ्यादाइशाः ।सूरोआत्तु ष्वायामा
षी ती की टा ख
तुवायूजा ।वानाइमाता त् ।ओइल्ल ॥७ ॥
खा ता टी खण प शा
मानाइन्द्रा भ्यादिशः ।सूरोआत्तु
ण फ खा शि खि श
ष्वायामात् ।त्वायुजावानौहोमातौ
खा ण कि टा थ का
हूवादौहोवा ।एययूः ॥८ ॥
कि ख त्र त टाख

॥रौहितकूलियेद्वे ॥

एन्द्रसा । नासिर्यिं सजित्वानं सादासाहाम् ।

ति पी की टि त

वार्षीष्टामू तयाआउवाए । भारा ॥९ ॥

टत का ता भी खश

एन्द्रसानसा । इंरायाइं सजित्वानं सादासाहाम् ।

तु टि कु टि त

वार्षीष्टामू तायोबाभारोहाइ ॥१० ॥

टा टाच्चप फ़ झा शा

॥इन्द्राण्यास्सामनीद्वे ॥

इन्द्रामिन्द्रं वायामा हमहाधानाइ । इन्द्रा

दू दू श

मिन्द्रं मर्भाइ हवावाहवामा हाइ । यूजायु

दू ष दू श

जं वृत्राइषु वाषु व ग्रीणाम् । ओइला ॥११ ॥

दू पण् प शा

इन्द्रं वायाम् । माहा महाधाना ओओ होइहा ।

ती दू का त ता

ईही बालाउ वो वा । ईहा । इन्द्रमर्भाइ ।

टी खा श खश शू

हा वाहवामा हा ओओ होइहा । ईही बाला

दू का त ता टी

उ वो वा । ईहा । यु जं वृत्राइ । षू वाषु व ग्रीणां ओओ होइहा । ईही बालाउ वो वा । ईहा ॥१२ ॥

खा श खश शू दू का त ता टी खा श खश

॥इन्द्रस्यसहस्राहवियम् ॥

अपि बत्काद्रूवस्मुताम् । इन्द्राहो इसा
 तु ति मि का
 हा हो वास्त्रावं भे । तत्रादादीष्टापौ
 क कि य टि त कट
 हौहुवाईयाम् । सीयामौ हो बाहो इला ॥ १४ ॥
 ट ट ट त पा प्लाष्ट शा

॥धृष्टोमारूपस्यसामनीद्वे ॥

वयमा इन्द्रा । त्वाया वा औ हो वा ।
 पि णा टादख शि
 आभिप्रनोनुमो वृषान् । विद्धाइ तु वा ।
 टि खी खा ति
 स्याना औ हो वा । वासो ॥ १५ ॥
 टद ख शि खश
 वयमि न्द्रा त्वाया वा: । आभिप्रनोनु
 ती प्लाश
 मो वार्षा न् । विद्धितू वा आओ हा
 प्लुप शि प्लु खाण
 इ । स्यानो बावा सो हाइ ॥ १६ ॥
 श पि प्लाप्लु श

॥भारद्वाजस्यदारसन्तित्रीणि ॥

वयमौ हो इन्द्रा । त्वाया वा: । आभिप्रनोनुमो वा
 तु प्लश युप
 र्षा न् । विद्धितु वो हाइ । स्यानो हाइ ।
 श खीण श प्लाशा

वासाौहोवाहोइळा ॥ १७ ॥

क टा ख प्लु प्लु शा

वायामौहोवाहा । इन्द्रत्वाऔहोवाहायावाः ।

खा शी खि शू

आभीप्रानो । ओइनुमोवार्षान् । वा

ट त ट त दु त ट

इद्धीतूवा । स्यानोौहोवा ।

ता ट त ट ख शि

वासो ॥ १८ ॥

ख श

हाबुवयमिन्द्रात्वावायाः । आभिप्रनोनुमो

तू ट य दू

वार्षान् । विद्धाइतुवास्यानोवा सा

टा टा टि टिख

औहोवा । अस्माभ्यज्ञातुवित्त माम् ॥ १९ ॥

शि चा क त किख

॥ ऐधमवाहानि त्रीणि ॥

आघाये आश्रिमिन्धाताइ । स्तृ

षु ता त श क

णन्तिबर्हिरानुषाग्येषामिन्द्रो युवा ।

टि कु चि शा

इहाउवाउवोबासाखोहाइ ॥ २० ॥

पु प्लु प्ला शा

आघाये इहा । श्रीमाइन्धाताउवोवा । ई

तु दु खा श ख

हा । स्तृणन्तीबर्हिरानुषाउवोवा ।

श कि त टी खा श

ई हा । एषामाइन्द्राउवोवा ।

ख श क टी खा श

ई हा । यूवायुवासाखा । ई हा. ॥२१ ॥

खश टि ख त्र खश

औहोआघायाए । ग्नीमाइन्धाताओहोवा

तु त दु खाश

स्तृणन्तीबर्हीरानुषा औहोवा । ए

कि थ टी खाश क

षामाइन्द्रा औहोवा । यूवासाखाउवाहाबु वा ॥२२ ॥

टी खाश काप झीश श

॥अहे: पैण्वस्यसाम अहिनोवाबैल्वस्य ॥

भिन्धियोहाइ । वाइश्वा आपाद्वाइषा

ति त श किच् का टि

उवोवा । पारा

खाश टा

उवोवा । बाधोजहाइमार्द्धाउवोवा । वासुस्पार्हन्तदाभरा. ॥२३ ॥

खाश षु टा खाश कि कि खा

तृतीय खण्डः

॥ऐषञ्च ॥

ईहेवाश्रुणवएषाम् । काशाहस्तेषुया
 पि शी यू
 द्वादान् । नियामैश्वीत्रामृ न्जताइ ।
 प श स्वी कि क फ श
 नीयामैश्वाइत्रामान्जाताइ । एहियाओौ
 षि टी ख ण श खि
 हो । एहियौहोए हियौहोवा । एहि. ॥१ ॥
 ता क की की ख श

॥पौषञ्च ॥

इमाउत्वाविचक्षते सखायाः । इन्द्रसोमाइ
 षी खी खा श भी
 ना । होयेहोवा । पुष्टावान्तो ।
 ता टाट त टित
 होयेहोवा । याथोबापाशुम् । हाइ ॥२ ॥
 टाक त क प षु षा शा

॥मरुताञ्चसंवेशीयम् ॥

सामस्यामान्यावेवीशाः । विश्वेनामान्ताकृष्टायाः । सामुद्राये वासिन्धावाः । ओइला. ॥ ३ ॥
 टी त चि टी त चि टीचक टा खण् प शा

॥हाविष्मतेद्वे ॥

देवानामिदाउवोवा ।आवाउवोवा

फि खीश टा खाश

माहात् ।तादावृणाइमाहाउवोवावायम् ।

ख श ष टा खा श ख श

वृष्णामस्माभ्यामाउवोवाताये ॥४ ॥

दू खा श ख श

हाबुदेवानामिदवोमहद्धाबु ।तादावार्णाइ

षु तू श का टा

माहेवायम् ।ऐ हायाएही

चाकखण टचयट ता

वृष्णामास्मा ।भ्यामूता याऔहोवा ।हावीष्माते ॥५ ॥

मि त टिख शि टि ख

॥हाविष्कृतेद्वे ॥

देवानामिदवोहाबुमाहात् ।तादावृणाइ

षु ति त षु

माहाइवायाम् ।वृष्णांहोयास्मा ।

टी त टचयट त

भ्यामूता याऔहोवा ।हाविष्कार्ते ॥६ ॥

टिख शि टि ख

देवानामिदवोमाहात् ।तादावृणी मा

षु त त कीचक

हाइवायाम् ।वृष्णामास्माभ्यामो

टि त भि तचक प

बातायोइ ॥७ ॥

झ झा शा

॥काक्षीवतञ्च ॥

सोमानांस्वरणम् । कृणूहिब्रह्मणस्पताये
 खा शी वि की टा
 ओहाहाइ । कक्षाइवान्ताम् । यऔ
 ख प्लु त श भी त
 हो औहोबाशाइजोहाइ . ॥८ ॥
 तिच्छक खप्लु ड्लि शा

॥उषसश्च साम ॥

बोधन्मनाः । इदास्तूनोवृत्रहा
 ती टा द कि
 भूर्यासूतीः । श्रणोओहो । तुशा
 द खण खा ता चा
 क्राआशिषामौहोबाहोइळा. ॥ ९ ॥
 क पी प्लाप्लु शा

॥भारद्वाजस्यमौक्षेद्वे ॥

अद्यनोदेवसवितरौहोवाइ । इहश्रुधाइ
 षु तु त श षु
 प्रजावत्सा । वीस्सौभगाम्पारादूष्वा ।
 टि त टा चाय टात
 होवाहाइ । मियंसूवा । दक्षाया ॥१० ॥
 टा त श पि त्र ता टख
 अद्यानोदेवसवितः । प्रजावत्सावीसौ
 खा शू का की
 भगाम्पारादूष्वा । मियंसुवाउवाओ
 टि खाण कूटट्

वाौहोवा ।अस्माभ्यङ्गातुवित्तमाम् ॥११ ॥

ख शि चित कख

॥भारद्वाजानित्रीणि ॥

कोवस्यवार्षभोयूवा ।तुविग्रीवो

प कि शी चिक

आनानतोब्रह्माकास्ताम् ।ऐ हाया

क कि टि त टच्यट

ऐही ।सापर्याता इ ।ओइला ॥ १२ ॥

ता क टा खण्श प शा

कूवाकूवा ।स्यावृषाभोयूवा ।ओहा

ती चा टी ख फु

हाइ ।तुवीग्रीवो आनानताओहा

त श का थाच टी ख फु

हाइ ।ब्रह्माकास्ताओहोवा ।सपर्याती

त श टिख शि खी

ऐहीऐही ।क्वास्यवृषभोयूवाऐहीऐही ॥१३ ॥

ती पु तु

तुविग्रीवोआनानताऐहीऐही ।ब्रह्माकस्तंसपर्याताऐही

षु तु षु

ऐही ।आइहा औहोवा ।

तु ट खा शि

आइही. ॥१४ ॥

ख शा

॥शौक्तसामनीद्वे ॥

उपाह्वारा ईगिरा ईणाम् ।स

चा का टिच्कच क

ज्ञमेचानादाईनाम् । धीयाविप्रो आ

थि टाकच य टाच्

जायातायामाया आउवा । ऊपा ॥१५ ॥

का कि ता टि खश

इदामीदंईदामिदकमीदामीदम् । उपह्वारे गीरा इणांइदामीदंईदा

खिश चा खूश ची चा टा खिश चा

मिदकमीदामीदम् । संगमेचानादाई

खूश ची

नाम॒इदामीदंईदामिदकमीदामीदम् ।

टी खिश चा खूश

धियाविप्रो आजायाता । इदामीदंईदामिदकमिदामाइदाम् । गो

टा काच् का का खिश चा खूत्र च

ष्पादे प्रट् ॥१६ ॥

चाश

॥वार्षाहरेद्वे ॥

प्रसम्भाजाम् । चर्षणाइनाम् । आइन्द्रामस्तोतानव्याङ्गाइर्भीः । नारान्ना

ती टा टि टि टा य ख णा टा

र्षा हम्मोबाहाइष्ठाम् । हाइ ॥१७ ॥

टाच् कप झी शा

प्रसम्भाजोहाइ । चर्षणीनाम् । आइन्द्रां

ती त श मि त

स्तोतानव्याङ्गाइर्भीः । नारमोइ

टी त टा ख णा णि श

नृषाहमोइ । मंहाइष्ठाहोइला ॥१८ ॥

णी श झी झ शा

॥कृत्सस्यप्रतोदौद्धौ ॥

प्रसम्प्राजञ्चक्तः ।षाणाइनाम् ।इन्द्रां
तु खा शा

स्तोतानव्यांगाइर्भीः ।नरनृषाह
मि त टा ख णा षी

म्मंहियाहाउवा ।षाम् ॥१९ ॥
फी प्ल शा ख

प्रसम्प्राजञ्चर्षणीनामिन्द्रंस्तोतानव्यं
षु

गाइर्भीः ।इन्द्रंस्तोतानव्यज्ञाइर्भी
तु ता षी टि खा

नरनृषाहम्मांहिष्ठाम् ।साह मैहा
शृ चा का

इहोयाऔहोवा ।मंहीष्ठा म् ॥२० ॥
टा ख शि थ टाख्

चतुर्थ खण्डः

॥सौश्रवसेद्वे ॥

आपादुशी । प्रियन्धसास्सूदक्षास्या ।
ती ती टि त

प्रहोषीणाः । इन्दोराइन्द्राः । यावाशाइराः । ऐहियाइहियाऔहोवा ।
का चा का ट ता टि ता क टा खि शि
ए ऊपा ॥१ ॥

तच्छट ख

अपादुशिप्रियान्धसाः । सूदक्षस्या
फा खी शा षी

प्रहोषिणाइन्दौहौहुवाइन्द्रो
की टि पा

यवाशाइराः । ऐहाएहिया
फीङ् शा कट ट खा

औहोवा । एऊपा . ॥२ ॥
शि त टाच्

॥त्वाष्ट्रीसामच ॥

इमाउत्वा । पुरोवसाबु । आभिप्र
ती य टाश

नोनवूल्गाइराः । औहोइ । गावो
दू टि थ चश था

वात्सान्नाधे । नावो । हाइ . ॥३ ॥
टा प श खङ् शा

॥त्वष्टुरातिथ्येद्वे ॥

अन्नाहगोरमन्वताउवाहाउवा

ता क ष दू टि

होइ ।नामत्वष्टुरपीच्यामुवाहाउवाहो

च श षी ड टि च

इ ।इत्थाचन्द्रमसोगृहाउवाहाउवाहोया

श षी टी टि टद्ख

औहोवा ।ऊपा ॥४ ॥

शि ख श

हावत्रा ।हागोर मन्वताउवाहोइयाहोवाउ

ति क षा ड टि था

वोइ ।नामत्वष्टुरपीच्यमियाउवाहोइयाहोवा

चाश षु दू टि था

उवोइ ।इत्थाचन्द्रमसोगृहाउवाहोइयाहोवा

चाश षु टी टि था

उवोयाऔहोवा ।ऊपा. ॥५ ॥

टा ख शि ख श

॥पौष्णेद्वे ॥

यदिन्द्रोया ।नायादोऽओवा ।रीतो

ती टा च ट ख श

महीरापाओऽओवा ।वृषावृषान्तमा

टू ट ख श टी खा

औहोवा ।तत्रापूषाभुवा ।त्साचा. ॥६ ॥

शि किच ता ट ख

यदिन्द्रोआनायद्रीताए ।माहीरापो माहीरा

षु ती त टीच्क

पोवार्षान्तामाः ।तत्रापूषापूषा

टि काख ण टि टाद्ख

ॐ होवा । भुवात्साचा ॥७ ॥
शि ता ट ख

॥ श्यावाश्वेद्वे ॥

गौर्धयाए । तिमरुतां श्रावस्यु
ति त तीच्छ
मार्तामधोनाम् । युक्तावन्हाइ ।
टि खिश ची श
रथानामाौहोवा । ऊपा ॥८ ॥
काट ख शि ख श
गौर्धयतिमरुतामे । श्रावस्युर्मतामधोना मुहु
षी ति त टी टीच्छ
वाहाइ । युक्तावान्हीरुवाहा
टि त श चिथ टि त
इ । रथानामौहोबाहोइला ॥. ॥९ ॥
श का पा छाष शा

॥ प्रजापतेस्सुतंरयिष्ठीयेद्वे ॥

उपानोहरिभीस्सूतोवा । याहिमदा
पि छि डा श टी
नाम्पाताउपनोहाौबाराइभीः
टि ति त प छ ख शा
सूतामौहोबाहोइला ॥ १० ॥
पि छाष शा
उपनोहाबुहोराइभीः । सूताम् ।
षि ती ता ट त
याहिमदानाम्पाताउपानोहा ।
की टा खीण

राइभाओौहोवा ।सूतं राइषाः ॥११ ॥
ट खा शि का च टाख्

॥आप्सरसञ्च इष्टाहोत्रीयंवा आपांवानिधि ॥

इष्टाहोत्राआसृक्षाता ।इन्द्रंवृधान्तो
ती च खा ण क टी
अध्वाराइ ।अच्छावाभार्थमोजा
खा ण श खि श खि
सा ।एऊदधिर्निधीः ॥१२ ॥
त्र तक टीख्

॥प्रजापतेर्निधन कामम् ॥

अहमिद्धाइपितुःपराइ ।मेधामृतस्यजग्रहा
फी कुश क षृ
आहंसूर्याइवाहाहाइ ।
की पा षु ङ् श
जनिहोइहोओहोओहोवाहावु ।
कू का पा ष्टा
बा. ॥१३ ॥
श

॥वाजिदापर्यञ्च ॥

रेवतीर्णाः ।सधामादाइ ।इन्द्रा
ती टा खा ण श टा
इसान्तू ।तूविवाजाः ।क्षुमान्तो
खा ण टि च टत ट

या ।भिर्मोबादाइमोहाइ . ॥१४ ॥
क क प श्री शा

॥सोमापौष्णञ्च ॥

सोमःपूषा ।चाचाई ततूरया
ती षि की
वयोवा ।वाइश्वासांसुक्षीतीनामया
खाश की दू
वयोवादाइवात्राराथीयोहर्वा
खाश च या टा खि
'इताः ।गावोअश्वाः ॥१५ ॥
त्रा था टाख्

पञ्चम खण्डः

॥वैतहव्यानि त्रीणि ॥

पान्तमावोअन्धसाः । इन्द्रामाभिप्रागाया

षी ति क का

ताहाहाइ । विश्वासाहं शाताक्रातुं

दु तत श कीच का टा

हाहाइ । मंहाइष्ठाञ्चाहाहाइ

त त श क टी त त श

र्षणाइनामौहोवा । उऊपा ॥१ ॥

टा खा शि खा श

पान्तमाओअन्धसइहा । इन्द्रामभाइप्रगाय

षी तु थ कू

ताइहा । विश्वासाहंशाता क्रातूमिहा

टा ता कि टिच टा ता

मंहाइष्ठाञ्चाइहा । र्षणा ईनामिहा ॥२ ॥

क चि टि टाच का टाख

पान्तमावोअन्धसाः । आइन्द्रामभाइप्र

णा फ ख शि षू

गायाता । विश्वासाहम्

टा खण टा खण

शाताक्रातुम् । मंहिष्ठञ्च र्षणाइना

त पा श कीथ चा शत

मा औहोवा । ओकाः ॥३ ॥

टख शि त ख

॥शौक्तानित्रीणि ॥

प्रावाइन्द्रायामादानम् । प्रवाइन्द्रा

टी खिण टा

औहो ।यामादानम् ।हराअ
 पि श ख प्ल ख ण टा
 श्वाओहो ।यागायाता ।सखा
 पि श ख प्ल ख ण टा
 यास्सोओहो ।मापोबावान्नोहाइ ॥४ ॥
 पि श स्लाप्ल स्ला शा
 प्रवाइन्द्राओहो ।यामादानम् ।
 टा पि श ख प्ल ख ण
 हराआश्वाओहो ।यागायाता ।
 टा पि श ख प्ल ख ण
 सखायास्सोओहो ।मापोबावान्नो
 टा पि श स्लाप्ल स्ला
 हाइ ॥५ ॥
 शा
 प्रावाई याईया ।इन्द्रोई याईया
 टित टत टित ट
 यामादानम् ।हराईयाईया
 खाप्ल ख ण टत टत
 आश्वोई याईयायागायाता ।साखा
 टित ट खाप्ल ख ण
 ईयाईया ।यास्सोई याईया ।
 टित टत टित टत
 मापोबावान्नो ।हाइ ॥६ ॥
 पा प्ल स्ला शा

॥गौरीवितानित्रीणि ॥

प्रवौहोवाइन्द्राओहोवा ।यामा
 का टा कि टा ख प्ल
 दानम् ।हरौ होवाआश्वाओहोवा ।
 ख ण का का कि टा

यागायाता । सखौहोवायास्सोअौ
 ख प्लु खण का टा कि
 होवामापोबावान्नोहाइ ॥७ ॥
 टा पा प्लु शा शा
 प्रावाददाओहो । इन्द्रोददाओहो ।
 चा टि त पु श
 यामादानम् । हारीददाओहो ।
 ख प्लु खण चा टि त
 आश्वोददाओहो । यागायाता । स
 पु श ख प्लु खण
 खाददाओहो । यास्सोददाओहो । मापोबावान्नो । हाइ ॥८ ॥
 चा टि त पु श शा शा शा
 प्रवप्रवाः । इन्द्राएन्द्रायामादानाम्
 ती ताक थ काय ट
 हराइहरियश्वायागायाता । साखा
 ता दुच काय ट
 यास्सो । मापोबावान्नो । हाइ ॥९ ॥
 मि त शा शा प्लु शा

॥काण्वेद्वे ॥

वयंवायामूलत्वा । तादीदार्त्थाः ।
 ती ख श खि ण
 इन्द्रत्वायन्तस्सखायाः । कण्वाऊ
 षी खि प्लु ता प
 कथेभिर्जरन्तेएहियाहा । होइळा ॥ १० ॥
 प्लु शि प्लु शा
 वयमूलत्वातदिदार्त्थाःएहीहोइ ।
 खि शु टि श
 वायमुत्वातदिदर्थाइन्द्रत्वायन्तस्सखायाः ।
 षु कू टि त

काण्वा: | उकथाइभीर्जोबा | रन्ताया . ||११ ||

ख ण कीप ष्ट ता टाख्

॥सौमित्रेद्वै दैवोदासं तृतीयं श्रौतकक्षाणिवा ॥

इन्द्रायमद्वनाइ ।

तू श

सूतामिन्द्रायमद्वने सूताम् ।
षी ची शा

पाराइष्टोभा न्तूनोगिराः | अर्कमा
च टि तिच चा शा टि

र्च्चान्तुकारावाः | ओइला ॥ ||१२ ॥
तच्क टाखण् प शा

इन्द्रायमद्वनेहाबु | ओइसूताम् ।
तूत श टित

पारिष्टोभान्तुनोहाइगाराः | पारिष्टोभान्तुनो
कि टि त ती दू

हाइगाइराः | अर्कमार्च्चाओहोवा | ए
त टी टि ख शि त

न्तुकारावाः ||१३ ॥
चा टाख्

इन्द्रायमद्वनेसुतमिन्द्रायमोवा ।
षू तू त

द्वानाइसूताम् | पारिष्टोभाहा
त पिश किट त त

न्तुनोगाइराः | अर्कमार्च्चाहा
टा ख णा मि त तच्

न्तुकारावाः | ओइला. ||१४ ॥
क टाखण् प ष्टा

॥वैष्णवानि त्रीणि इहद्वाम दैवोदासन्तृतीयं और्ध्वसद्गनानिवा ॥

अयन्तया ।

ती

द्रासोमोहोवाहोइ ।नीपू

टि काच श का

तोआधीबर्हा इषी ।आईहि

टा च खा णा च था

मस्याद्रा वाऔहोवा ।पिबा ॥१५ ॥

टिख शि खश

अयन्तइन्द्रसोहोमाः ।नीपूतोआधीबर्हा इ

तु तत की टि

षी ।ऐहाइमास्या ।द्रावापाइबा

टा टा चि का टि

आइहिमास्याद्रवापाइबा ।पीबा. ॥१६ ॥

षि की टि खश

अयन्तइन्द्रसोमोनाइपूतोआधी

फू त प णि ण्य

बर्हिषी ।नीपूतोआधीबर्हा इषी ।

णि की टि ता

ऐहाइमास्या ।द्यावापाइबाई हा ॥१७ ॥

क टी त का प ना खश

॥औदलेद्वे वैणवेद्वे वैणव औदलइतीवा ॥

सुरूपाकृत्तुमूतयाइ ।सुदूधा

ता च चि चा श चि

मिवगोदुहयाआउवा ।ऊपा ।जुहूमा

टि ति टि खश टि

सी ।द्यवीद्यवियाआउवा ।उऊपा ॥१८ ॥

त चा ति टि खा श

सुरूहाहाइ । पक्तुल्मू तायाइ ।

ति त श टीच टा श

सुदुघामिवगोदुहाएहीएही । जुहौ

चि टि त्व टा

हुवाइमासी । द्यवीद्यवीएहीएही ॥१९ ॥

टी ट चा चा टीच

सुरूपकृत्तुमूतायाइ । ओइसुरूपकृ

तु पा ण श षा

त्तुमूतायाइ । ओइसुदुघामिवागोदू

यू टा श षा यू

हाइ । जुहू मसाइद्यविद्यवैही । जुहु

टा श का पा शू टा

मासी द्याविद्यवीआबुहोआबुहोवा ।

टाच्क पि श्र

एद्यवी ॥२० ॥

त ताच्च

सुरूपकृ । त्तुमूतायाइ । सुदुघामी

ती टा चा श कि ट

वागो दूहाइसुदुघामा । वागो दूहा

टाच्चख कु श टाच्च का

इ । जुहूमासी । द्यावी । द्यावो

श टि त प श ख फ्ल

हाइ ॥२१ ॥

शा

॥दैवोदासानित्रीणि आर्षभाणिवायदिवावार्ध्यशानि ॥

अभित्वावृषभासूताइ । सुतंसृजा मी

शू ता श कीच

पाइतायाइ । तृम्पावाया ।

का या ट श का य ट

श्रुहाआउवाए मादम् ॥२२ ॥

ता भीख श

अभित्वावृषभासुतेभ्याहाबु ।

षु ति त श

त्वावृषाभासूताइ ।सूतंसृजा

तच काय टा श कीच्

मीपाइतायाइ ।तृंपाहोइविया

का या ट श का की

हो श्रुहीमादा म् ।ओइळा ॥२३ ॥

कथ टि खण प ष्ठा

अभित्वावृषभासुतेसुतंसृजोवा ।मीपीता

षु तू त काट

याइ ।सुतं सृजा मीपीतायाइ

त श का काच्क टा त श

तृम्पावायाओहोवा ।श्रुहीमादाम् ॥२४ ॥

टत टद्ध शि था ट ख

॥कौत्सेद्धे पाञ्चवाजेवा ॥

याइ न्द्राचमसेष्वाइया ।सोमाश्चामूषु

था प शु का

ते सूतसोमश्चमू षुताइसूताः ।

कीच्क कुच्क टित

पाइबाहाइदास्योहाइ ।त्वामीशा

टि त टि त श टि

इषा इ ।ओइळा ॥ ॥ २५ ॥

खण् श प शा

यइन्द्रचामासेष्वा ।सोमश्चमूषुताइसूताः ।

तु ता थु पाश

सोमश्चमूषु ।ताइसूताः ।ओइपिबेदस्यो

तीत पिश ट खु

हाइ ।

ण श

त्वमाइशा इ |षाइ. ||२६ ||

स्वीणफङ्गु श ख श

॥सौमेधानित्रीणि पौर्वतिथानिवा ॥

योगेयोगेतवस्ताराम् ।वाजेवाजे हवामहे
षी ती की चा काच्

साखायाई ।न्द्रामोबातायोहाइ ॥२७ ॥
टि त कप ष्ठि शा

योगेयोगेतवस्ताराम् ।वाजेवाजे हवा
षी ति त की चा

महे होवाहाइ ।साखायाई ।हो
काच् टात श टि त

वाहाइ ।न्द्रामूतायाऔहोवा ।
टात श टि ख शि

उऊपा । ॥२८ ॥
खा श

योगेयोगेतवहाबुस्ताराम् ।वाजेवाजे हवा
षी तु त की टा

माहाए हूवाऔहोवा ।साखा या
कि कि त त थाच् क

इन्द्रमूतायाए ।हूवाऔहोवा ।सखा
कि कि कि त त का

ययाहुवाऔहोवा ।न्द्रमूतये ॥२९ ॥
दा कि त त का टाख्

॥दैवातिथमैधातिथं वा ॥

आतू एतानिषीदाता ।इन्द्रामभाइप्रगा
 खा प्लीड श थ षु
 यतासाखा यस्तोमवाओहोमवाहा
 कीच का पि श टाख
 साः ।हायाईसाखायस्तोमवाओहो ।
 ण टुच का पि श
 हिम्माहासो ।हाइ . ॥३० ॥
 टा खफ्ल शा

षष्ठ खण्डः

॥माधूच्छन्दसङ्कौञ्चसौपर्णवा घृतश्चुन्निधनंआङ्गिरसानिवा ॥

इदामे ।ह्यनूओजासा ।सूतं राधा
ति टा भि का का

नाम्पाताइ ।पीबात्वस्यागीर्वाणाः ।
चय टश यु पा

पीबातुवा ।स्यागाओहोवा ।र्वाणाः ॥१ ॥
खा ता ट ख शि खङ्ग

इदंह्याओहो ।नूओजासा ।सूतं
ति ता क खाण का

राधानाओंपाताइ ।पीबात्वस्या
का ट खाण श पी

गाहाइ ।र्वाणाएहियाहाहो
प्ल उ श प ली श प्ल

इळा ॥ २ ॥
शा

इदंह्यनूओजसा ।सूतं राधाना
ती ति का काच

म्पातौहोवाहाइ ।पीबात्वस्या
य ट तात श चा

गाइर्वाणौहोवाहाइ ।पीबातुवौ
वि या ट तात श टी

होवाहाइ ।स्यागाइर्वा णाओहोवा ।घृताश्वूताः ॥३ ॥
ता त श टीट्ख शि ता टाख

॥प्रैयमेधानित्रीणि शौक्त सामानिवा उत्तातृदमनंवातृतीयम् ॥

महंइन्द्राः ।पूरश्चनोमाहीत्वामा ।
ती कीय ट य ट

स्तुवज्ञिणाइ । दायूर्णप्राथी

क चिश यटय टक

नाशावाः । ओइळा ॥४ ॥

ट खाण् प ष्ठा

महंहाइन्द्राः । पूराश्वनाः । महाइत्वा

तु त पा श टा खा

मा । स्तुवौहौहाहोवाज्ञिणाइ । द्यौन्नर्मप्रथी

ण टा खि शी ती

नाशावाः । द्यौन्ननाप्रा

ति खाण

थिनौहौहाहो

टा खि

बाशावो । हाइ ॥५ ॥

ष्ठ ष्ठा शा

महंहिन्द्राः पूराश्वनाः । माहीत्वामा ।

फी की था टट् त

स्तुवज्ञा इणाइ । द्यौन्नना प्रा ।

च टाट् ता श क टट् त

थिनाशावाः । ओइळा ॥६ ॥

कट खण् प ष्ठा

॥ गौरीवितेद्वे ॥

आतूनया । इन्द्रक्षुमान्ताम् । चाइत्रंराभंहा ।

ती टी त टु त

इसङ्घुभायामाहाहस्तोहाइ । दक्षा

कि टी खा ण श टाच्

इणाइना । महाहा स्ताऔहोवा । दक्षिणेना ॥७ ॥

का चा टिख शि किटख

आतून इन्द्रक्षुमान्ताम् । चित्रंराभम्

षि ती त टाखण

संगृभायमाहाहास्ताओहोवादक्षिणेना ॥८ ॥
 क पा शट त टद्ध शि खी

॥आपालवैणवेदे ॥

आतून इन्द्रक्षुमान्ताम् । चित्रंराभंसङ्घृ
 षि ती त दू
 भायाचित्रंराभंसङ्घृओहोइभाया ।
 कथष कू खिण
 ऐहाइमहाहस्तीदक्षाहोइ । ओहो
 क षु टाचश क
 वाहोबाणाइनोहाइ ॥९ ॥
 काप स्ला स्ला शा
 आतू नाइ न्द्राक्षुमान्ताम् । चित्रंराभंस
 णा णा फ खाश
 ङ्घभायाचाइत्रंराभंसङ्घृई हाभाया ।
 षे कूख्फुखण
 ऐहाइमहाहस्तीदक्षाहोइ । ओहोवा
 क षु टाचश क का
 होबाणाइनोहाइ ॥१० ॥
 पफु ष्ठि शा

॥धुरशस्येदे ॥

अभ्येआभी । प्रागोपातीज्जीराः । इन्द्रम
 ती का था टा
 च्छायाथाविदाइसूनूम् । ओइसत्योहाइ
 यू पा ति पी ण श
 स्यासा ओहोवा । पातीमे ॥११ ॥
 ट ख शि चट ख

अभ्येआभी । प्रगोपतीङ्गिराः । इन्द्रमर्चूचा
 ती की टा टी
 याथा । हिंहिंओईवीदाइसनुं
 खण टतपण णि
 सात्यास्यासात् । हिंहिंओबापाताइं । हाइ ॥१२ ॥
 फा ता टतप षु ष्ठाश शा

॥महागौरीवितं तृतीयम् ॥

आभीप्रगोपतीङ्गिराः । इन्द्रमर्चूचयथाविदाए । सूनुंसात्याओस्यासा
 फा खा खा शा षी डु की प श फ
 त्याताइं । सूनुंसात्याओस्यासोबा
 शि की प ष्ठाषु
 त्याताइं । हाइ . ॥१३ ॥
 ष्ठाश शा

॥वाचस्सामनीद्वे ॥

क्यानश्ची । त्रायाभूवात् । ऊताइ
 ती त पाश क
 सदावार्धस्साखा । क्याशाचाइ ।
 कु खा ण टित श
 ष्ठायावार्तोहाइ ॥१४ ॥
 प श ख षु शा
 होवाइहोवाइक्यानश्ची । त्रायाभूवात् ।
 षु ती त पाश
 होवाइहोवाइऊतीस्सादा वृधास्साखा
 षु चा काच्च काप श
 होवाइहोवाइक्याशाचाइ । ष्ठायावा
 षु ता ता श टिद्

तांओहोवा ।ऊपा. ॥१५ ॥

ख शि ख श

॥महावामदेव्यंतृतीयम् ॥

कायानश्चाइत्रायाभुवात् ।ऊती

ण फ फा खा शि का

स्सादावृधस्सखाओहोहाइकयाशचाइ
का कु ता टि ता श

ष्ठ्यौहोहिम्मावार्तो ।हाइ ॥१६ ॥

ति टा टख त्रश

कास्त्वासत्योमादानाम् ।मंहिष्ठो

ण फ फा ख शा कि

मत्सद न्धसाओहोहाइद्वदाचिदा
की कि ता टि ता

रुजौहोहिम्मा ।वासो ।हाइ ॥१७ ॥

ति टा टख त्रश

आभीषूणास्साखीनाम् ।अविता

ण फ फा ख शा कि

जराइतृणामाओहोहाईशातांभवा ।सियौ

की कि ता टि ता

होहिम्मा ।तायो ।हाइ. ॥१८ ॥

ति टा टख त्रश

॥इन्द्रस्यसत्रासाहीयेद्वे ॥

त्यमूवाः ।सत्रासाहाम् ।विश्वासुगीरिषू

ति था टा दू

आयाताम् ।आच्यावा याओहोवास्यूतये ॥१९ ॥

टि टिख शि क टाख

त्यामूवस्सत्रासाहम्मोवा । विश्वासुगीरिष्वाया
 ख शृ षि टी
 ताम् । आच्यावाया । सियौहोवाहा
 च टि त टा खाण
 इ । तायो । हाइ . ॥२० ॥
 श ख प्ल शा

॥माहावामदेव्यञ्ज ॥

सादा । सस्पताईमात्भूताउवोवा ।
 ता चि या टा खाश
 प्रायाउवोवा । आइन्द्रास्याकामायाम्
 टा खाश क्ल ख त्र
 सानिमेधामयासिषाम् ॥२१ ॥
 चि टि खा

॥वैर्यश्वञ्ज ॥

हावाप्सूदाक्षाआप्सूदाक्षाः
 खीश खिण
 एते पन्थाआथोदीवाःहावाप्सूदाक्षा
 का थाच टी खीश
 आप्सूदाक्षाःएभिर्व्या श्वामाइराया ।
 खिण का थच डु
 हाउताश्रोषान् । तूनोभू वाओहोवा । ईति. ॥२२ ॥
 खीण टिख शि खश

॥गौतमस्यच भद्रम् ॥

भद्रंभाद्राम् ।नाआभाराइषामूर्जम् ।

ति त क टा ख शी

शाताक्राताबूयादिन्द्रामृढाया

टि ख शुट ख

औहोवा ।सीनः ॥२३ ॥

शि ख श

॥अधिनोश्च साम ॥

अस्तिसोमोअयंसुतोअस्तेआस्ती ।

पू तू

सोमोअयंसुतःपिबन्त्यस्यामारुतोहाइ ।

पू फु खणश

उतस्वराजोअश्वाइनो ।हाइ . ॥२४ ॥

पु झी शा

सप्तम खण्डः

॥त्वाष्ट्रीसामच ॥

ईङ्ग्ययन्तीः । अपास्यूवा: । आइन्द्रन्जा
 ती ता ता कीचू
 तामू पासाताइ । वन्वानासाः ।
 चाय टा श क टा त
 सूवीर्याउवा । वृधे . ॥१ ॥
 कि शि ताच्

॥गोधासामच ॥

नकिदेवा: । ईनाइनीमासाइ मासीया
 ती दू श का ख
 नक्यायो । पायापयामासाइ । मासी
 शि दू श का
 यामन्दश्रुत्यम् । चाराचरामासाइ । मासीया ॥२ ॥
 ख शी दू श खाण

॥सवितुश्चसाम ॥

दोषोआगात् । बृहद्दायद्युमत्तामा ।
 ती षि टि त
 अथ वंणस्तुहीयौहोइदेवाम् ।
 चा दु ख ति
 सावोबातारं । हाइ . ॥३ ॥
 क प फ्ल ष्ण शा

॥उषसश्वसाम ॥

एषोऽूषाः । आपू व्युव्यूच्छतीहो
ती का की
वाहाइ । प्रीयादाइवास्तुषाइवामा ।
टात श टि खा खा ति
श्वीनोबाबृहात् । हाइ .. ॥४ ॥
कप प्ल ष्टा शा

॥त्वष्टुरातिथ्येद्दे ॥

इन्द्रोदधीचोअस्थभिरीयाईया । वृत्राण्य
षु दु टत षि
प्रतिष्कृतइयाईयाजघाननवतीर्नवइया
दू टत षी दू
ईयाऔहोवाऊपा ॥५ ॥
टख शिख श
इन्द्रोदधाइचोअस्थाभीः । वृत्राण्यपा
ती खी ण की
तिष्कृताः । जघानानावती नृनावाऔहोबा । होइला ॥६ ॥
चि टि त काच्र क टाखप्ल ष्ट शा

॥सौमित्रञ्च ॥

इन्द्रेहिमाहाबु । स्तीयान्धासाः ।
ती त श पि श
वाइश्वेभिस्सोहामापर्वाभीः ।
चि था त क खाण
महं आभाऔहोवा । इरोजासा ॥७ ॥
टाट ख शि टि ख

॥इन्द्रस्यचमाया ॥

आतू औहोआतू औहो ।नाइन्द्रवृ
खा प्ला खा प्ला
त्राहा न्नस्माकामाद्वामागाही ।माहा
टु कथ की टि त त
न्माही भीरोबाताइभोहाइ . ॥८ ॥
टाच्क प फ़ प्लि शा

॥वैश्वामित्रेच ॥

हाहाउवा ।ओजस्तदस्यतिद्विषे हा
फ ति षी कीखुफ
हाउवाऊभेयत्सामवर्त्या त् ।हाहाउवा ।
ति षु किखु फ ति
इन्द्राश्वर्मे वारोदासी ॥ ९ ॥
कीच्क टाख
ओजस्तदास्यतिद्विषाइ ।ऊभेयत्समवर्त्त
फी कीश षू
यादाइन्द्राश्वार्माऔहोवा ।ए वारो
टूट ख शि तच्
दासी. ॥१० ॥
टी ख

॥शौनशेपञ्च ॥

आयामूता इसामातसाइ ।कापोताइ
णा णाफ़ खा शी
वागार्भाधीम् ।वाचास्ताची न्ना
कुच्यट टा टाच्क

ओबाहासो ।हाइ . ॥११ ॥
प प्ला शा

॥प्रतीचीनेषञ्च काशीतम् ॥

वातआवातुभाइषजाम् ।शंभूमयो
तु ति क किञ्
भूनोहृदाइहाहाइ ।प्रानआयुं
का पा प्लाङ श
षितारिषादौहोबाहोइला. ॥ १२ ॥
पु श पि प्लाप्ल शा

अष्टम खण्डः

॥सौमित्रञ्च ॥

यंक्षन्तिप्रचेतसाः ।वारूणोमित्रो
 षी ती षु
 अर्यामा ।नाकाइस्सादा ।हिम्माइभ्या
 टात टी त टीद्
 ताओहोवा ।जानाः ॥१ ॥
 ख शि ख षु

॥श्यावाश्वेद्वे ॥

गव्योषुणोयथापुरा ।अश्वयो
 षी ती कि
 तरथायावारी वस्यामहोमाहोनाओहोवा ।ऊपा ॥२ ॥
 की का ड खा शि ख श
 गव्योषुणोयथापुराए ।अश्वयोतरथा
 षी तीत कि टि
 या वारीवास्यामहोमाहोनाओहोवा ।
 कथ टा दूख शि
 ई ॥३ ॥
 ख

॥शैखण्डिनञ्च ॥

इमास्तया ।न्द्रापृश्योघृतन्तूहाबु
 ती की टि त
 होहाहाइतयाशाइर म् ।एनामृ
 टात टि ख णा खा

तास्यापोबाप्यूषाइ ।हाइ . ॥४ ॥
ता क प षु ष्टा श शा

॥वैतहन्त्रञ्च ॥

अयाधियाचगव्ययाए ।पुरुनामन्पू
षु ति त कि खा
रु ।ष्टूतौवा ।
ण का तत्
यत्सोमेसोमया ।यत्सोमे
तु टि
सोमयोबाभूवो ।हाइ ॥५ ॥
पि षु ष्टा शा

॥भारद्वाजञ्च ॥

पावकानर्ईया ।सारास्वाती ।वाजेभि
तु चाय ट चा
र्वा जीनाइवाती ।यज्ञांवा ष्टू
थाच् का याट टिद्धख
औहोवा ।धियावासूः ॥६ ॥
शि ता ट ख

॥अरुणस्यचवैददश्वेस्साम ॥

कइमुहुवाहाइ ।ना हूषाइषूवा ।
तु त श तच् का याट
आइन्द्रं सोमास्यातार्पायात् ।सनो
कि का यिट या

वसू नीयाभारात् । सनोवसूनि

टाच् काय ट टा का

याभराउवा । आगद्वेहीतइमे . ॥७ ॥

टा का ता षी टिख्

॥सौभरञ्ज ॥

आयाहिसू । षूमाहाइते षूमाहाइते ।

ती चाय टाच् काय टा

आइन्द्रासोमं पिबाआइमां पिबाआइमां ।

चि था काय टाच् काय टा

एदम्बर्हाइस्सादोमामा । ओइळा ॥८ ॥

कि कि टाखण् प छा

॥पाष्ठौहेच ॥

महाइत्राइणम् । आवारस्तुद्युक्षार्मा

खी णा टा की ख

इत्रा । स्यार्यम्नादुरा धार्षम् । वा

णा ट टा काखण क

रोबाणास्यो । हाइ ॥९ ॥

प छु छा शा

महित्रीणामवरस्तुए । द्युक्षर्मित्रस्यार्यम्णा

षी ती त षी कि

दुराधार्षम् । वारौहोवाहिम्णा

टि त की टा

स्योयाऔहोवा । हाओवाओवा . ॥१० ॥

टाख् ख शि त टा टाख्

॥साकमश्वन्धुरांवासाम ॥

त्वावातोहाबुहोओइ ।पुरोवसो
कि किच श की
हाबुहोओइ ।वायमिन्द्रा हाबुहो
किच श की कि
ओइ ।प्रणेतऋहाबुहोओइ ।
च श की किच श
स्मसिस्थातऋहाबुहोओइ ।हारीणांहाबुहोओइला ॥११ ॥

कु किच श कि किप शा

नवम खण्डः

॥यामञ्च ॥

उत्वामन्दन्तुसोहोमाः । कृणौहो
 तू त त कि
 ष्वारौहोधोअद्रिवाः । आव्राह्णा ।
 की चि कथ टात
 द्विषाहोवाओहोइजाहाओहो
 टाकथटय टादख
 वा । एययूः ॥१ ॥
 शि त टाख

॥आङ्गीरसञ्चइन्द्रस्यवा हरिश्रीर्निधनम् ॥

गिर्वणः पहिनस्सुतज्जिर्वणः पा । हीनास्सुता म् । माधो
 षू तू टीच् का
 धारा भीराहोवाज्यासेहाउवा । इन्द्रत्वादा
 का की टा ति टि त
 तामाइद्या शाओहोवा ।
 टीदख शि
 हारिश्रीः ॥२ ॥
 च टाख

॥वैरूपञ्च ॥

सादा । वइन्द्रश्वकृषाता । उपोनुसा ।
 ता खूश ती
 सापर्यन्नदेवाः । क्रिताशशूरा । इन्द्राः ॥३ ॥
 कुच णाफ ख श त्र

॥असीतञ्चसिन्धुसामवा ॥

आत्वाविशत्विन्दावाः । सामूद्रमीवासिन्धावाः ।
 तु त की की
 सामूद्रमीवासिन्धावाः । नत्वामिन्द्रा
 कीक टा त षी
 तिरिच्यते । नत्वामाइन्द्रातिरिच्याता इ । ओइळा. ॥४ ॥
 की का ट ता टि खण् श प शा

॥यमस्याकौद्धौ ॥

इन्द्रमित्वा । थीनोबृहादिन्द्रमार्के । भी
 ती षी टि तच् क
 रक्षणाः । इन्द्रंवाणी । रानूषता
 वि क टा त का
 इळाभा । ओइळा ॥५ ॥
 टि खण् प ष्ठा
 इन्द्रा मित्वाथिनोबृहात् । इन्द्रामर्का
 फा खी शा क
 इभीरक्षणाः । आइन्द्रंवाणीर्हाहा ।
 कु टि दु तत
 आनूषताहोइळा ॥७ ॥
 फा ष्ठि शा

॥सौमित्रेद्वे ॥

इन्द्रइषे ददातुनाए । ऋभुक्षाणामृभूं
 षी ती त की खणफप्त
 रायिम् । वाजीददातू वोबाजाप्ला)
 ट त च थ किप

इनाम् । हाइ ॥८ ॥

श्ल शा

इन्द्रहेददातुनओहा । ऋभुक्षणामृभुंरा

षी तू त च टि खि

यीम् । वाजीददातुवा । वाजीददातुवो

ण तू क टि पा

वाजाइनाम् । हाइ . ॥९ ॥

श्ल शि शा

॥ इन्द्रस्याभयम् ॥

इन्द्रोअङ्गामाहात्भायाम् । आभीषाद्

ती टि त का चा

पाच्युच्यावात्सहाइस्थिराः । वीचो

टि ख स्वा ति कप

बार्षणाइ । हर्षाइ . ॥१० ॥

श्ल श शा

॥ त्वाष्ट्रीसामनीद्वे ॥

इमाउत्वा । सूताइसूताइ नक्षन्ताइ

ती ता षी टि

गीर्वाणोगाइराः । गावोवात्सा

खा षु ख णा मि तच्

न्नाधोबानावो । हाइ ॥११ ॥

कप ष्ठ ष्ठ शा

इन्द्रानूपू । षाणावायाम् । सारव्या

ती टि त का

यसूवस्तायाइ । हुवे मावा जा

टी त श का टाच्क

सोबातायो ।हाइ . ॥१२ ॥
प छ प्ला शा

॥इन्द्राण्यास्सामा ॥

नक्येनाकी ।आइन्द्रत्वदुत्वरात्रा
ती च चूक
ज्यायोअस्ताइवृ ।हिंहिंत्राहन् ।
था पा शा ट खाण
नक्येवय्याथा ।हिंहिंतूवां ।हाइ . ॥१३ ॥
टा पा प श खप्ल शा

दशम स्वण्डः

॥श्यावाश्च ॥

तरणिंवाः । जनानामम् । त्रादंवाजाहा ।

ती य त ती त

स्यागोमाताः । समानामूपशांसिषाः

काख ण टि त छी

होइळा ॥१ ॥

छ शा

॥वैरूपञ्च ॥

असुग्रमाइन्द्रातेगिराः । प्रातीत्वाम्

तू ति य या

दहासता । साजोषावृषभां ।

का शा य टा काच्

पातिमोइळा ॥२ ॥

पि छा

॥सौमित्रञ्च ॥

सुनीथोधासमार्क्त्याः । यम्मरूतो

फी शा क टीच्

यम यामामित्राः पान्त्यद्रुहाउउवा

चा चा चि टि टिच्

हाउवा । आतिद्वीषाः ॥३ ॥

य य थ टिख्

॥स्तौभञ्च ॥

औहोवा औहोवा ओहाइ । यद्विलावी
 खुश प्लाश खी
 न्द्रायास्थीरा इ औहोवा औहोवा ओहा
 कि फाश खुश प्ला
 इ । यत्पर्शने पारा भृतं औहोवा औहोवा
 श खुका फा खुश
 ओहाइ वसुस्पाहा न्तादाभारा ।
 प्लाश खी का फ
 औहोवा औहोवा ओहाइ । होइला ॥४ ॥
 खुश प्लाश फुशा

॥श्रौतञ्च ॥

श्रूतामवोवृत्रहन्तमंप्रशद्भन्नक्षणा
 ता श्रू कुटा
 इनान् । आशाइषाइरा । धसे मा
 ता का टा ता काचक
 हा औहोवा । होइला ॥५ ॥
 टा खफु फुशा

॥आभीशवञ्च ॥

अरन्तइन्द्र श्रवसेए । गमाइ माशुर
 षु तित चाशथ
 त्वावतोहोवाहाइ । आरंशाक्राहोवाहाइ । पारेमाणा इ । ओइला ॥६ ॥
 कि टा टातश चायट टातश टिखण्श प्ला

॥ऐषञ्च ॥

धानावन्तङ्करा म्भिण म् । आपूपवन्तमू
 फा खी शा यू
 त्थीनाम् । इन्द्राप्राता ओहाइ ।
 प श वि शद् ख ण श
 जुषोबास्वानो । हाइ ॥७ ॥
 षि छा शा

॥इन्द्रस्यचक्षुरपवी ॥

अपाम्फेनेननमुचेः । शीरइ न्द्रोदवा
 षी ती चि टि
 कृतायाः । वाइश्वाया दाओहोवा ।
 खण टीटख शि
 जयास्पाधार्धाः ॥८ ॥
 ताट ख

॥सौमित्रे ॥

इमेतया । न्द्रासोमोहोवाहोइ ।
 ती टि काच श
 सूतासोये । चासोतूवाः । तेषां
 क टि का खण खफ
 हाहाइ । मात्स्वप्रभू ओबावासोहाइ ॥९ ॥
 त त श कीप छ षा शा
 तुभ्यांहाबु । सूतासस्सोमास्तीर्णा
 ता त श षु
 बार्हीवीभा होहवासो । स्तोतृ
 टि त टाच्य टा त पा

आम्याइन्द्रमृ औहोवा ।डाया ॥१० ॥

श ट खि शि ख श

एकादश खण्डः

॥कौत्सञ्ज ॥

आवइन्द्राम् । कृवींथावाजयान्ताश्शाता
 ती शी टि तच्च चा
 क्रातुं । मंहिषांसी । आयाउवा । दूभिः ॥१ ॥
 शा टि त या ता खण्ड

॥ऐषञ्ज ॥

अतश्चिदिन्द्रनउपाए । आयाहिशातावा
 षु तात चाश
 जायाईषासहा । स्वावोबाजायो । हाइ ॥२ ॥
 टी ख खा ता क प फ्ल शा शा

॥उषसश्चसाम ॥

आबुन्दंवृ । त्राहाददाइजाताः । पाच्छर्द्धिमा
 ती च कू क टि
 तारम् । काउग्राके । हाश्रुण्विराइला
 खण टि त चा यी
 भा । ओइला ॥३ ॥
 खण् प शा

॥बाहृदुकथञ्ज ॥

ब्रबदुकथंहावामहाइ । सप्राकारास्ता
 तु तिश य या

मू तायाइ । साधा : कार्णवा न्ता
 क चा श ट ा टच्क
 मोबावासो । हाइ ॥४ ॥
 प फु छा शा

॥ वरुणसामच ॥

ऋजुनीतीनोवरुणइहा । मित्रोनाथा
 षु तु चा चा
 तीविद्वांसाइहा । अर्यामादाइवाइहा ।
 टि ति था टा ती
 साजोषाउवा ईहा ॥५ ॥
 टि ता खश

॥ उषसश्वैवसाम ॥

दूरा दीहेवयत्सातः । आरुणाप्सूराशि
 काप षु चाच
 श्वाइतात् । वीभानूंवी । श्वाथा
 टी ता टित चा
 तनादिल्लाभा । ओइळा ॥६ ॥
 टी खण् प छा

॥ मित्रावरुणयोश्वसंयोजनम् ॥

आनोमित्रावरुणाओहोवा । घृतै
 कू था टा ता
 गन्यूतिमुक्षातामौहोवा । माध्वाराजां
 कु था टा था टा

सीसुअौहोवा ।कृतूइळाभा ।ओइळा ॥७ ॥
 क थ ठ का टा खण् प ष्टा

॥ऋतुसामच ॥

उदुत्येसूनावोगिराः ।काष्ठा यज्ञा
 तु ति थाच् का
 इषुवात्नाता ।वाश्राआभी ।जू
 टि खण क टा त प
 यातावो ।हाइ ॥८ ॥
 श खष्ट शा

॥विष्णोश्वसाम ॥

इदामे ।विष्णूर्विचाक्रामाइ ।त्राइ
 ति टा खि ण श
 धानिद धाइपादाम् ।समूहो
 चि काच याट टाय
 ढामा ।स्यापाअौहोवा ।एंसूले ॥९ ॥
 ट त ट ख शि त ताच्

द्वादश खण्डः

॥कौत्सञ्च ॥

अतीहिमा ।न्यूषावाइणां ।सूषूवां
 ती ता टि चि
 साहोउपैराया ।आस्यराताबु
 टचक या टा कि
 सूताओहोवा ।पीबा ॥१ ॥
 टि खि शि खश

॥काश्यपञ्चआप्सुरसंवा ॥

कदूप्राचेतासे ।महाइवाचो
 चिक फ ता पा श
 देवाहाबुवचोदेवा ।याशस्याताइतदाइधिया
 श्रु टि खि खि ति
 स्यावोवार्धनां ।हाइ ॥२ ॥
 क प छ षा शा

॥बार्हदुकथेद्वे ॥

उकथञ्चनोहाइ ।शस्यमानान्नागोरा इराचिकेता ।नागायात्रांगीयामा
 ती त श षी टिच च खा श टि त क टा
 नाओहोवा ।ऊपा ॥३ ॥
 खि शि खश
 इन्द्रउकथाइ ।भ्यर्मन्दाइष्ठोवाजाना
 ती शु क टी खि
 आ ।वाजपातिर्हर्गाइवान्सू ।
 ण च चा टि खाण

तानां साख्वा औहोवा । होइला ॥४ ॥
 काच्क टा खफ्ल फ्ल शा

॥५॥ और्ध्वसद्गनेद्वे प्रहितोर्वा संयोजने ॥

ब्राह्मणादी । न्द्रा धसाः पिबासोमामृतं
 ती का की टा का
 रन् । तावे दूसाख्यामा । स्तार्ताहाइ ॥५ ॥
 चा का टा प श ख फ्ल शा
 वयझाते अपीस्मसाइ । स्तो
 फी शा का श क
 तारइन्द्रगिर्वणाउवउवाहोइ । तूवान्नो
 षु टी च श च य
 जीउवउवाहो न्वासोमा पा औहोवा । एऊपा ॥६ ॥
 टा टी कथ श टाद्ख शि त टाख

॥७॥ कौत्सानिचत्वारि ॥

आयाही । ऊपानास्सूतं होवाहाइ
 ति च चा शा टात श
 वाजेभिमाहृणीयथाहोवाहाइ माहं ईवायुवाहोवाहाइ
 कि कि ता टात श चा टी टात श
 जानाऔहोवा । उऊपा ॥७ ॥
 टद्ख शि खा श
 ओहोइ । कादावसोस्तोत्रां
 टच्च श का फा टा
 हर्यताया । ओहोइ । यावाश्माशारूधादू वा: । ओहोइ ।
 खिश टच्च श का फा खिण टच्च श
 दीर्घ सूतं वातापीयाया । ई ॥८ ॥
 का फा पा खात्र ख

कादा औहोवावासोस्तोत्रांहर्यताया ।

खा क था टी खि श

अवा औहोवाशमशारूधादु वाः ।

खा क था का खि ण

दीर्घा औहोवासूतां वातापीयाया ॥९ ॥

खा क था टा खा खा त्र

औहोवाइ कादावासोस्तोत्रां

च शि किफ टा

हर्यताया औहोवाइ यावाशमाशारूधा

खि श च शि का फा

दु वाः औहोवाइ दीर्घ सूतं वातापीयाया ।ए ॥१० ॥

खि ण च शि का फा पा खा त्र तच्

॥ अभिवादस्य च औदलस्य साम ॥

एन्द्रपृष्ठुकासुचीदे । नृमणातनू

षी ति त चा काच्

षूधाहाइनाः । सात्राजिदू

काय टा च श चा

ग्रापापुंसियाउवा । ऊपा ॥११ ॥

टा कि ता ख श

॥ सोमसामच ॥

अयमेनं सचतांहाबु । ओइसूतोमन्दिमिन्द्राय मान्दाइनाइ । चक्राइंवा इश्वा औहोवा । नीचाक्राये ॥१२ ॥

षी ति त श टि त कि टि ख णा श टीट खा शि टि ख

बृहतिपाठः

प्रथम खण्डः

॥इन्द्रस्याकोद्धौ ॥

अभित्वाशू |रानोनूमाओनूमाः ।
ती टित टात

आदुग्धाइवाधाइनावाओइनावाः ।
कि चा टिख टित

आइशा नमस्यजगतास्सूवाद्रशामोह
किच चू चा का टा

शाम् |आइशाकि)नमिन्द्रातस्थूषाः |ओस्थूषाओहोवा |स्थुषास्थूषाः ॥१ ॥
त का चि क टादख शि ता टाख

आभित्वाशूरानोनूमाः |आदुग्धाइवाधा
खी ष्टी चि का ट

ईनावाः |आइशानमस्यजगतास्सुवा
टा त कि चू टा

द्रशाम् |ईशानामी |द्रातास्थूषा
खण क टा त चा

इळाभा |ओइळा ॥२ ॥
टी खण् प ष्टा

॥भारद्वाजेद्वे ॥

त्वामिद्दी |हवामाहाआओहोवाहाउवा |ऊपा |सातौवाजस्याकारा
ति टा चाच क शु ख श चि क टा

वाआओहोवाहाउवाऊपा |त्वांत्रत्राइ
टाच क शु ख श

षूडन्द्रासात्पातीमाओौ
टुथ टट काच क
होवाहाउवाऊपा |णरस्त्वाङ्का
शु ख श कि कथ

ष्टासुवार्वाता आौहोवाहाउवा ।उऊपा ॥३ ॥

टि काच क शु खा श

त्वामिद्धिहवामहेसातौवाजोवा ।स्याका

षू तु त च य

रावाः ।त्वांब्रत्राइषूइन्द्रासात त्पातीन्नाराः

ट षु कीच य ट

तूवाङ्काष्टा ।सूवर्वाताः ।ओइळा ॥४ ॥

टि त टि खण प ष्टा

॥सन्ततेद्वे ॥

अभिप्रवाः ।सूराधासाम् ।इन्द्रमर्चयथावि
ती टि त यू

दाइयोजारितृभ्योमधवापूरोवासूः ।

पा खि ता यू टा

साहस्त्राइणाओौहोवा ।वाशीक्षाती ॥५ ॥

टि ख शि टि ख

आभाइप्रवाससुराधासम् ।इन्द्रमर्चया

डु खि ण डु

थाओौहोवावीदे ।योजरितृभ्योमाघ

ख शि ख श कुच

वापुरोवासूः ।सहाश्रेणेवाशाइ

टि ता टाख ताक का

क्षाताओौहोवा ।सुभूतये ॥६ ॥

टि ख शि का टाख

॥शैतन्त्रृतीयम् ॥

अभिप्रवस्सुराधसाओौहोवा ।आइन्द्रा

षू खाण फङ्ग

मार्चायाथाविदाओहाइ ।योज

टी चि टाखणश च

रीतुभ्योमाधावापुरोवासूः ।

का चा पाश टाखण

साहसेणाइवाशा ।हिम्माइक्षाताओहोवा ।वासू ॥७ ॥

फित पा श

टीट्ख शि ख श

॥नाविकञ्च ॥

तंवएदास्माम् ।ऋतीषाहांहोवाओऔ

तु का चा का का

होइहावासोर्मन्दानमन्धसाओऔ

त ता कीच्र की का

होइहाआभीवत्सन्नस्वासरे षुधे नवा ।

त ता की टी चा टा

ओओहोइहा ।इन्द्रं ओओहोइहा ।गीर्भाइर्ननाओहोवा ।वामाहे ॥८ ॥

का त ता का का त ता खी शि टाख

॥प्रजापतेश्वाभीर्वतः ॥

तंवोदास्मामृतीषाहोवा ।

णाफ ख छि डा

वासोर्मन्दानामान्धासा ।आभीवत्सा

कीच्र क्यय ट की

ओनास्वासरे ।षूधाइनावाः ।

प फ फाष्ट चा या ट

इन्द्रोज्ञाइर्भिर्वामा ।हाइ ॥९ ॥

काय टा ता खणफू ख श

॥भागञ्च ॥

तंवोदस्ममृतीषहाउवोवा । वासोर्मन्दान
 फू खीश की
 मन्धासा । आभीवत्सन्नस्वसराइषूधाइना
 चा का षु यु प
 वाः । ओवाइ न्द्रज्ञाइर्भी नवामाहाइ । भगाया ॥१० ॥
 श कि टा ताच् ताप त्रश ता टख्

॥इन्द्रस्याभीवर्तः ॥

तंवोदस्मामृतीषहांवासोर्मन्दानमन्धासा ।
 फू ताप षुड श
 आभीवत्सन्नास्वासारे षूधाइनावाः ।
 षी कीच् का पा श
 इन्द्रज्ञीर्भाइर्ननावा । हिंहिंहिंहिं ।
 यी पा श ट त ट ख
 नवानवोवामामो । हाइ ॥११ ॥
 षीष्ठ ष्ण शा शा

॥नौधसम् ॥

तांवोदस्मामृतीषाहाम् । वासोर्मन्दानाम
 प षुड श टी ट
 न्धासा । आभीवत्सन्नस्वसराइषूधे
 पा श ट त षु याक
 नावाः । आइन्द्रा । गाइर्भिर्ननावोओबा । माहे ॥ १२ ॥
 खण ट ता कीप ष्ण ख श

॥लौरोद्वे ॥

ताराःभाइर्वाविदाआउवाटि)द्वासुम्
ता च का ता खश

इन्द्रां साबाधऊतये बृहात्बृहा
टाच्च कि टा चा ता

आउवा |गाय न्तास्सूतासोमेआध्वा
या चाक कि चा

रे |हुवेभारा |न्नाकारिणामिळा
चा टि त चा टी

भा |ओइळा ॥१३ ॥

खण् प ष्ठा

ताराः |भाइर्वाविदाआउवा |द्वा
ता च शा ता टि ख

सुम् |इन्द्रा साबाधऊका)तये बृहा
श टाच्च चा टाच्च चा

त्याया |न्तस्सूतासोमेआध्वराइ |हुवे
य ट टी त चिश

भारान्नाकारिणामिळाभा |ओइळा ॥१४ ॥

टि त चा टी खण् प ष्ठा

॥धानाकेद्वे ॥

तरोभिर्वाविदद्वासुम् |इन्द्रामिन्दरं
षी ति त ता चा

सबा धाऊतायाइ |बृहा
काच्चक च य ट श ता

त्वृहत्गायन्तस्सूतसो मायाध्वाराइ ।
तू काच्च च टाश

हूवाइ |हुवेभरन्नाकारिणामिळाभा ओइळा ॥१५ ॥

चाश चू टी खण् प ष्ठा

तरोभिर्विदाओद्वासूम् । इन्द्रंसबाधऊ
 षी तु ची य
 तायाइ । बृहत्बृहाआउवा ।
 खणश चा ता टि
 गायन्तास्सूतासोमेआध्वारे हूवे
 चि चि चा चा का
 होइभारान्नाकारिणामिळाभा । ओइळा ॥१६ ॥
 टि त चा टी खण् प ष्ठा

॥कालेयानितीणि ॥

तरोभिर्विदाद्वसूम् । इन्द्रंसबाधाऊ
 टा खी शा चीट
 तायाओवा ओवा । बृहत्गायन्तः
 चाक ख शष्ठु खण् षु
 सूतसोमायाध्वाराओवा ओ
 कि च य टाख शष्ठु ख
 वाहूवाइभरन्नाकाराइणम् । ओवा । ओइळा ॥१७ ॥
 ण चू क ख णा ख शष्ठु ख शा
 तारोभिर्विदाद्वसूम् । इन्द्रं सबा
 टी खा शा चा काच्
 धाऊताया । औहोवाऔहोवा
 काय ट ट त टात त
 बृहत्गायन्तस्सूतसोमायाध्वाराऔहो
 षु चि क य टाट त
 वाऔहोवा । हूवाइभाराऔ
 टा त त चा या ट ट
 होवाऔहोवा । नाकारिणामिळाभा । ओइळा ॥१८ ॥
 त ट त त चा टी खण् प शा
 तरोभाइर्वीदद्वसूम् । इन्द्रंसबा
 खु ष्ठी क चि

धऊ तायाइबृहात्यायान्तासूतासोमेआध्वाराइ ।हूवा
 काच्चक प ष्टि त अ ण फ ा त त श चा
 इभरौवाओवा ।नकारिणां ।होइला ॥१९ ॥
 कि ख ख ण श्ली छ शा

॥ऐषिरेद्वे ॥

तरणिरीत् ।सिषासाती ।वाजंपुरा
 ती खिण कच चा
 न्धियायुजा ।आवाइ न्द्र म् ।पुरुहू
 ता टा टाख ण
 तान्मे गाइराः ।नाइमिन्ताष्टे ।वासुद्रवा म् ॥२० ॥
 ची का टि टिख ण क टिख
 ताराहाबु ।णीरित्सीषासतीहायाइहा
 तात श ची कु
 याइ ।वाजंपुर न्धीयायुजौ ।
 ति श चा काच चायट
 होवाहाइ ।आवइन्द्रंपरुहूत न्नामाइ
 तात श कू था का
 गाइरौहोवाहाइ ।नेमिन्ताष्टे वा
 या टा तात श चा काच
 साऔहोवाहा औहोवा ।द्रूवम् ॥२१ ॥
 चा क खि शि खश

॥गौशृङ्गेद्वे ॥

तरणिरित्सीषासतीवाजम्पुरन्धयायूजा ।
 फू त अ ष्टि ड श
 वाजंपुर न्धयायूजावाइन्द्रां पुरुहूतन्नमे गाइराः ।नेमाइन्ताष्टेवसुदू वामिला
 शी टी खा फूहूत ता क टि त चि टि

भा ।ओइळा ॥२२ ॥

खण् प छा

तरणिरित्सीषासतीवाजंपुरन्धयायूजा ।

फू ता प छी डश

वाजंपुरन्धयायूजावइन्द्रपुरहूतन्माइगाइराहोवाउउवोइ इ ।नेमिन्तष्टेवसाउवाओबा
बै टे कु त ची श चू का प ल

द्रूवां ।हाइ ॥२३ ॥

छा शा

॥प्रष्ठमेकम् ॥

पिबा सुतस्यरसिना: ।मत्स्वानइन्द्रगोमता ।

ताच् चू षि ड

होइया ।आपिन्नोबोधिसधमाद्येवृधा

क चा क पी कि टि

होइया ।अस्मंआवा ।न्तूताइधा याः ।ओइळा ॥२४ ॥

क चा टि त टीटखण् प छा

॥शुक्लएकम् ॥

पिबासुतस्यरसिनोहाबु ।मत्स्वानइ

तु त श ची

न्द्रागोमातोहाउवोवा ।आपिन्नोबो

टि खी श क कि

धीसाधमाद्येवार्धेहाउवोवा ।अस्मंआव

की टा खी श ची

न्तूतेधायोहाउवोवा ।ई ॥२५ ॥

टि खी श ख

॥जमदग्नेरभिवर्तएकम् ॥

पिबासुतस्यरसिनोमत्स्वाहाबु । नाइन्द्रा
षी तृतश टा

गोमतोहाबु । आपिन्नोबो धी
टि त श क किच्क

सधमाद्येवृधाहाइ । अस्मंअवाहान्तु
टि टि त श चा चा

तेहोयाऔहोवा । धियऊ ॥२६ ॥
टि ट ख शि खि

॥कौन्मुलबर्हिषेद्वे ॥

तूवां हाएहिचेरवाइ । वीदाभागंवसूक्ताया
णाक ख शू दू पा

उद्धावृषस्वमाघवान् । ऐहाइगाविष्टयाइ ।
शृ क टि चिश

ऊदिन्द्रोअश्माउवाओवाष्टयो । हाइ ॥२७ ॥
षि कुप ष्टि शा

त्वंहोहीचेरवाइ । वीदाभागंवसूक्ताया
तु त श यू पा

उद्धावृषस्वमाघवान् । आइहीओइ गविष्टयाइ
शृ च चिश टी श
याइ । ऊदिन्द्रोआश्मीओंओंओवाष्टयो । हाइ ॥२८ ॥
टि चित च ख फ़ ष्टा शा

॥वसिष्टस्यजनित्रेद्वे ॥

नहिवाश्चारामन्चाना । हुवे होवाइ ।
ची ष्टी टा काश

वसिष्ठः पराइमांसाताइ । अस्माकामद्यामरु

षि यी टा श षु

तास्सूताइसाचा । वाइश्वेहोइपिबा

टि खिण कि की

हो न्तूकामा इना औहोवा । जनित्रा म् ॥२९ ॥

कथ टिद खा शि त टाख

नहिवाश्वारामद्वनावसिष्ठाः । होइहोइ पराइ

फू खा कि षी

मांसाताइ । आस्माकामाद्यामरुतासुताइसाचा । वाइश्वेपीब न्तू

यी पा श फा फा फा खिण कि टाच्क

कौहोमाइना औहोवा । जनित्रा म् ॥३० ॥

ट त टद खा शि त टाख

॥ मैधातिथम् ॥

माचिदन्यदोहाइ । विशांसाता ।

तु त श खिण

साखायो होइमाऔहो । राइषाउवा

टिच्य पि श कि का

ण्याताउवा । इन्द्रमित्स्तोतावृषणा औहो ।

का का षु पी श

साचाउवासूताउवामुहूरुत्था औहो ।

का का का का पु श

चाशा औहोवाहोबांसातो । हाइ ॥३१ ॥

कि काख छ छा शा

द्वितीय खण्डः

॥वैखानसम् ॥

नकिष्टाङ्कमर्मणानाशात् । यश्चकारा सदा वृधांसदावृधाम् । इन्द्रा
 खी प्ली खी काच्चकप प्ला ता क च
 न्नयाज्ञैर्विश्वागूर्क्तमृभ्वासान्तामृभ्वासाम् ।
 चा की का पा फा ता
 आधारिष्टन्धाष्णुमो जासाष्णुमोजसा । ओइळा ॥१ ॥
 चु काच्च पा प्ला खण् प प्ला

॥प्राकर्षम् ॥

नकिष्टाङ्कमर्मणानशद्वोइ । यश्चकारा सादावृ
 षू ति श खी
 धाम् । आइन्द्रान्नायाज्ञैर्विश्वागूर्क्तमाभ्वासाम् ।
 प्ली टि टा यू टा
 आधृ होष्टान्धर हाओवा । ष्णुमो । जासा ॥२ ॥
 टाच्च खि शि ता ट ख

॥सात्यम् ॥

यात्रःताइचीदाभीश्रीषाः । पुराजात्रू
 चु प्ली टा टा
 भ्याआतृदाहोवाहाइ । सन्धातासा
 ची टा त श टा टा
 न्धाइमाघवापुरोवासुहर्षोवाहाइ । नाइष्काटि
 उ खि टि त श
 त्तर्क्तीहुतम्पूनाहर्षोहोवा । ऊपा ॥३ ॥
 टा कि टा ख शि ख श

॥भारद्वाजानिचत्वारि कणवब्रह्मद्वितीयम् ॥

आत्वासहा ।स्नामाशाताम् ।युक्तारथे
ती चायट चा काच्

हिरण्यये ब्रह्मायूजो ।हारयइ न्द्राका
ची कायट किच्च क्य

इशाइनाः ।वाहान्तूसो ।मापा
या टा कायट टख

औहोवा ।ताये ॥४ ॥
शि खश

औहोआत्वासहाए ।स्नामाशातांहाहाइ ।
षा तीत चायप प्लडश

युक्तारथे हिरण्यये ब्रह्मायूजो
का का कीच्च कायप

हाहाइ हारयइ न्द्राकाइशाइनाः
प्लडश कीच्च कायप

हाहाइ ।वाहान्तूसोहाहाइ ।
प्लडश चायप प्लडश

मापीतायाउहुवाहाबु ।बा ॥५ ॥
काप श्लीप्लश श

आत्वासहस्रमाशतमा ।युक्तारथे हिरण्यये ब्रह्म
षू ति

यूजोहरयइ न्द्राकेहाशाइनाहाउवा ।वाह
षो ची टि टि ति

न्तुसोमपौहोहिम्मा ।तयाओबा ।ऊ ॥६ ॥
ची कात टा ताप प्लख

आत्वासहस्रमाशतमामात्वासाहा ।स्नामाशतमा
फ खा शी टु

इहियोहाइ ।युक्तारथे हिरण्यये ब्रह्मायूजो ।आइहियोहाइ ।हारय
खिण श चा का कीच्च कायट ट खिण श

इ न्द्राकाइशाइनाआइहियोहा
कीच्च कायट खिण

इ ।वाहान्तूसोआइहियोहाइ ।मापीताया इ ।ओइला ॥७ ॥
 श चाय ट ट खिण श टि खण् श प ष्ठा

॥वाम्राणित्रीणि ॥

आमन्द्रैराइन्द्रहरिभाइः ।याहीमयू रारोमभाइम्मात्वाकाइचीत् ।नीयेमू वी ।नापाशिनोतीधन्वे वातंआइ
 ती तु श क किच्कक पा श कि श खिश क चि टिच्कटट
 हा औहोवा ।वायाः ॥८ ॥
 खा शि ख प्ल

आमन्द्रैरिन्द्रहरिभाइः ।याहीमयू रारोमभाइम्मात्वाकाइचीत् ।नीये मुर्वी
 तू ता श क चिक षि टी ता का का
 न्नापाशाइनाः ।आताइधान्वे ।वातंआइहा औहोवा ।वयोभीः ॥९ ॥
 क टा ता टी तच्च कटट खा शि ता ख

आमन्द्रैरिन्द्रहरीभीः ।याहिमयू रा
 रोमभीराउवा ।मात्वाकेचिन्नियेमुविन्नापाशिनोउवा ।आतीधन्वेवतं आउवा ।ईहि ॥१० ॥
 शु टाच्क कु दू टा चा ता टि खश

॥गौडवम् ॥

त्वमाङ्गप्राशंसीषाः ।दाइवाशशविष्टमार्कृतायम् ।नत्वादन्योमाघव न्नास्तिमार्धाइता ।आइन्द्रा बृवाओहो ।मीतो
 खि ष्ठी चि खुण ची चिट खि णा खिश पा श क प
 बावाच्यो ।हाइ ॥११ ॥
 ष्ठ ष्ठ शा

॥साध्राणि त्रीणि ॥

त्वमिन्द्रा ।याशायसीऋजीषीशावा
 ति ची का चि

सस्पताइ । त्वंव्रत्राणीहंस्या । प्रातीनाये

चिश ती ता कीच्

काईत्पूरुरानू । होक्ताश्चार्षाणा

कि भ टा टि टद्ध

औहोवा । धार्क्तिः ॥१२ ॥

शि ख फु

त्वमाइन्द्रा याशायसाइ । ऋजाइषीशावासा । स्पातिः । त्वंव्रत्राणी

खी छी श क कि ट खाणफ्ल ख श क कि

हंस्याप्रातीन्येकाई त । पुरुरानाउवोवा । क्ताश्चाउवोवार्षणाइधृतिः । होइळा ॥१३ ॥

चा चा श चा भी खा श टा खा श फु फु शा

हाबुत्वमिन्द्रा । याशायासीहाबु ऋजीषीशा

तु खि शि खि शि

वासस्पातीर्हाबु । त्वंव्रत्राणीहंस्याहाबुप्रातीनाये । काईत्पूरुर्हाबु

खि शि क क भी श खि ण पि फ्ल ड श

आनुक्ताश्चार्हाबु । षाणाौहोवा । धार्क्तिः ॥१४ ॥

पि फ्ल ड श ट ख शि ख फु

॥ विरूपस्य समिचीन प्राचीनेद्वे ॥

हाबुत्वमिन्द्रायाशायसीहोइहोइहोये

तु चा का पू

हाबुहाबुहाबु । ऋजीषीशावासस्पाति

शु का चि चि

होइहोइहोयेहाबुहाबुहाबु । त्वंव्रत्राणि

पू शु की

हंस्याप्रातीन्येकाई तपुरुहोइहोइ

चा चा श चा का

होयेहाबुहाबुहाबु । आनुक्तश्चर्षाणिधृतीहोइहोयेहाबुहाबुहाउवा । स्वर्महाः ॥१५ ॥

पू शु कू चक पू फु शा क टाख्

होत्वमिन्द्रा । याशायसीहोयेहो ।

ती चा का टाख्

ऋग्वेदार्थात् शब्दोऽस्यापि न्युनं विवरणं ।

का चि चा ट टाख

वृत्राणीहंस्याप्रातीन्येकाई त । पुरुहोये हो आनुक्तश्चर्षाणिधृतीहोये हो हाउवा । स्वर्मयाः ॥१६॥

की चा चि चा का टाख पि ड टाख ति क टाख

॥ यौक्तास्त्रजमिन्द्रस्येन्द्रियं वा ॥

इन्द्रमिदेवता । तायाइन्द्रप्रायातीयध्वाराइ ।

तु कू टि तश

आइन्द्रासमीकेवानीनोहावामाहाइ । आइन्द्राधानास्यसोबा । ताये ॥१७॥

टि का ची टि तश टि पी फ खश

॥ आत्राणित्रीणि ॥

इमाउत्त्वापुरोवसोगिरएगिराः । वार्धन्तुया

षु तु ता की

ममा । पावकवर्णश्चुचयोवीपा । हिंहिंश्चाइताः । आभिस्तोमैरनू हूवाए होवा । षाताओहोबा । होइला ॥१८॥

य तु पी श ट खा णा की टाच् काक टा क टाख फ फ शा

इमाउत्त्वापुरोवसोहाबु । गीरोवर्ध

षी तु श चा का

न्तुयाममा । इहाहाहोइहोवा । पावकवर्णश्चुचयोवीपश्चीतो ।

च य टा ता त च खा श थ की कि ची

आभिस्तोमैरिहाहाहोइहोवा । आनू

की ता त च खा श

षा ताओहोवा । ऊपा ॥१९॥

टिंख शि खश

इमाउत्त्वापुरोवसाबुगाइरोवर्धन्तुयामामा । पावकवर्णश्चुचयो वीपश्चिताओ

फु ता पा फु ल श थ की टिच् भू

हो । आओहो । आभिस्तोमैरनू हूवा

त टा त ची टाच् का

एहोवा ।षाताऔौहोबा ।होइला ॥२० ॥
 ट का टि खप्ल फु शा

॥वासिष्ठानित्रीणि ॥

उदुत्येमा ।धूमक्तमागाइरास्तोमा ।साईरताए ।सात्राजाइतो ।धानासा
 ती क टि खी ण क भी खि शा खि

या ।क्षीतोतयोवाजायान्ताः ।रथा
 ण क टि खिण
 आइवा ॥२१ ॥
 खि त्रा

उदुत्येमधुमाक्तमाः ।गीरस्तोमासयार्दरा
 फी की दू टा

ताइ ।सत्राजितोधनासायाक्षितोतायो ।
 शा दू की टा

वाजयन्तोरथाआउवा ।ईवा ॥२२ ॥
 तू ति खश

हाउदुत्येमधूमाक्तमोहाइ ।गाइरस्तोमा
 त फू खा शा च टी

सया इ ।राते ।सत्राजितोधना
 खाणफूश खश कू

सायाक्षितोताया ।हावाजयन्तोरथाइवोहा
 की खा त फू खा

इ ।वाजयन्तोरथा ईवाओौहो
 शा की ताच्क ट ख

बा ।होइला ॥२३ ॥
 फु फु शा

॥वत्सस्यकाण्वस्य सामनीद्वे गौतमस्यवामनार्थे ॥

This is the current swara position ।

याथागौरोअपाकृताम् ।तृष्णन्येतीयावेराइणाम्

पि शु की टि ता

आपित्वेन प्रपित्वेतु यामागाही ।कण्वे

क षि ची टि त टच्

षूसूसा चाओहोवा ।पीबा ॥२४ ॥

क टाद्ख शि खश

ओवायोवायाथा ।गौरोआ

खि शि थाच

पाकृतामोहाहाइ ।तृष्णन्नेती

का खाङ्ग त श ची

यावाइरि णामोहाहायापी

चा शा खा ङ्ग खाण

त्वेनप्रपित्वेतूयामागहि ओहाहाइ ।

चूक च शाख ङ्ग त श

कण्वे षूसूसा चाओहोवा ।पिबा

टच्च२क टाद्ख शि ता

ई ॥२५ ॥

टख

तृतीय खण्डः

॥हारायणानि त्रीणि ॥

शग्ध्यूषु । शाचाइपाता ई न्द्रा ।

ति चीक ख श

विश्वा भीरुतीभाइर्भागम् । नहित्वायाशा

थाच की खाश ची

संवासुवाइद म् । आनूशूरा

चा काख शा टिक्ख

औहोवा । चरामसी ॥१ ॥

शि टा खा

शग्ध्यूषौहोशचीपताइ

फी कीश

आइन्द्रंविश्वाभीरुतीभीर्भगान्नाही । त्वायाशासं

षु दूत चा का

वासूहाइवाइदाम् । आनूशूरचराउवाका)ओबामासो । हाइ ॥२ ॥

टात टी षु प ष्ण शा

शग्ध्यूषुशाचीपताइशग्ध्यूषु । शाचाइपाता

फु खा शी टु

इहिमाहाइ । आइन्द्रंविश्वा भीरुतीभीराइहिमाहाइ । भागन्नहीत्वायाशासं

खिण श कुच का टि खिण श षी कीच

वासूवीदामाइहिमाहाइ । आनूशू

का टि खिण श चाय

राइहिमाहाइ । चारामासा इ । ओइला ॥३ ॥

ट खिण श टि खण्श प शा

॥वाम्बाणित्रीणि ॥

यायाहोइ न्द्रा । भूच)जाआभारा ।

ता खा श काय ट

सुवाहावंयासूरा इभायाः । स्तोता

ता चि का या ट टा

हा रामिन्मधवन्नस्यवार्धाया । याइचा

तच्क चू य टा टि

हाइ । त्वेवृक्ताबर्हाइषाः । ओइळा ॥४ ॥

त श च टि खाण प शा

याइन्द्रभुजाआभाराः । स्वर्व आसूरे

दू त त थाच्ट टा

भाया । हाहोहाइ स्तोता रामाइन्माघव न्नास्यवार्धायाहाहोहा

ख श खाण श थाच्क ची का टि ख श खाण

इयेचत्वाइवृहाहोहाइ ।

शक का ता खाण श

क्ताबर्हाइषाः । ओइळा ॥५ ॥

टि खाण प शा

याइन्द्रभुजआभरउहुवाहाइ । स्वर्व आ

षु दू त श थाच्ट

सुरे भ्याउहुवाहाइ स्तो

टाच टि त शक

तारमिन्मधवन्नस्यवार्धाया उहुवाहाइयेचत्वाइवृ उहुवाहाइ । क्ताबर्हाइषाः । ओइळा ॥६ ॥

षु यि टाच टि त शक टा ताच टि त श च टा खाण प शा

॥वरुणसामानित्रीणि ॥

प्रमित्रायप्राहाबु । आर्यम्नाइसचा

तु त श ट चा टि

हो धियौहुवार्तावसाबु । वरौहो

कथ टा टि चाश टाकथ

धीयौहूवाइ वरुणेष्ठान्दीयंवचाः । स्तोत्रां

टा यि कु चि टा

होइराजौहूवासू गायाताआउवा । ऊपा ॥७ ॥

टि ट कि टि टि ख श

प्रमित्रायप्रौहोवा ।अर्यम्णाबुहो औहोवा

तूत कुचक का

साचाथ्यमृतावासाबुहो औहोवावारूथ्येवरूणेछन्दीयंवाचाबुहो औहोवा

की चा किचक का चूक कि किचक का

स्तोत्रंरा जाबुहो औहोवा ।सूगायाताबु

क का किच क का

हो औहोवाः ।ओइळा ॥८ ॥

किचक पाण प शा

प्रमित्रायप्रार्यम्नोवाओवासाचाथ्यमृतावासाबु

वारूथाया ।इवरूणे

षी ति तात चा चा याट श ट त ट त कीच

छन्दायांहाइवचोआ ।स्तोत्रंरा

क ट त टि त क का

जसुगायतस्तोत्राम् ।राजसूगौहोओबायातो ।हाइ ॥९ ॥

चि टि त कचकट त प फ शा

॥वषद्वारनिधनश्च साकमध्यम् ॥

अभित्वापूर्वपीतये आभीत्वापूर्वपीतयाइ ।

षु फु खा फ्ली श

इन्द्रास्तोमै भिरायवोभीरायावाओमोवा ।समीचीनासात्रःभावासमास्वरान् सामास्वारानोमोवा ।रुद्रागृण न्तापूर्वया न्तापूर्वयामो

थीच्र का चा काय ट कि षी ची का टा चाय ट कि चा काच का टाच चाय ट

मोवाओहोवा ।ऊपा ॥१० ॥

काख शि ख श

॥बृहतश्चमारूतस्यसाम ॥

प्रवइन्द्रायब्रहतेप्रवाः ।इन्द्रा ।याबृहाते

षु तु थाच चाय ट

ओमोवा ।मरूतोब्रह्माआर्चाताओमो

कि ची काय ट

वा । वृत्तं हानातीवृत्र हाओमोवा ।
 कि टी चिट कि
 शाताक्रातु वर्जे । णशाहाहा । तपार्वणा । होइळा ॥११ ॥
 कीखण तातत प्ली प्ल शा

॥ संश्वसे वीश्वसे सत्यश्वसे श्रवस इतिवार्यानां सामानिचत्वारी सांशानानिवा ॥

सन्त्वाहिन्व न्तीधाइताइभीस्ताइभीः । बृहादिन्द्रा
 चा थाच् का या टा टी का थाच्
 यागायातायाता । मरूतोवृ त्राहान्तामा
 कायट टा ची कायट
 न्तामाम् । येनज्योतिरजनय वृतावार्धा
 टा चि कुच् कायट
 वार्धाः । देव न्देवा याजागृवीङ्ग्वीम् । सन्त्वाहिन्वन्तीधाइताइभीस्ताइभाऔहोवा ।
 टा का थाच् कायट टा चा था टी टि खा शि
 संश्वसे ॥ १२ ॥
 च खि

सन्त्वारिण न्तीधाइताइभीस्ताइभीः । बृहादिन्द्रा यागायातायाता । मरूतोवृ त्राहान्तामान्तामाम् । येनज्योतिरजनय वृतावार्धावार्धाः । देव न्देवा याजागृवीङ्ग्वीम् । स
 कीच् का या टा टी का थाच् कायट टा ची कायट टा चि कुच् कायट टा का थाच् कायट टा
 वीश्वसे ॥१३ ॥
 च खि

सन्त्वाताताक्षुर्धाइताइभीस्ताइभीः । बृहादिन्द्रा
 का चा का या टा टि का थाच्
 यागायातायाता । मरूतोवृ त्राहान्तामा
 कायट टा ची कायट
 न्तामाम् । येनज्योतिरजनय वृतावार्धावार्धाः । देव न्देवा याजागृवीङ्ग्वीम् । सन्त्वाताताक्षुर्धाइता इभीस्ताइभाऔहोवा । सत्याश्वसे ॥१४ ॥
 टा चि कुच् कायट टा का थाच् कायट टा चा टख टि खा शि चा टिख
 सन्त्वाशिश न्तीधाइताइभीस्ताइभीः । बृहादिन्द्रा यागायाता
 कीच् का या टा टी का थाच् कायट
 याता । मरूतोवृ त्राहान्तामान्तामाम् । येनज्योतिरजनय वृतावार्धावार्धाः । देव न्देवा याजागृवीङ्ग्वीम् । सन्त्वाशिश न्तीधाइताइभीस्ताइभाऔहोवा ।
 टा ची कायट टा चि कुच् कायट टा का थाच् कायट टा कीच् टी टि खा शि

श्रवसे ॥१५॥
टिख्

॥वासिष्ठानि त्रीणि भार्गवं वा तृतीयम् ॥

इन्द्राओहो ।क्रतु न्नाआभारा ।

मि त चा काय ट

पिताओहो ।पुत्रे भीयोयथा ।शिक्षा

मि त थाच् काय ट

औहो ।णोअस्मिन्पुरुहूतयामानी ।

मि त कू काय ट

जीवाज्योताओहोवा ।अशीमही ॥१६॥

टि ख शि खी

इन्द्रक्रतु न्नाभारा ।पितापुत्रे भीयोयथाशाइक्षाणोआ ।स्माइन्पुरुहूतया

फी की की षी टी त क कीच य

मानी ।ओहौहूवाओहोवा ।

टा ट ट कि त त

जीवाज्योयातीः ।अशीमाहाइ ।ओइळा ॥१७॥

टि त टि खण प षा

इन्द्रक्रतुन्नाभराउवोवा ।पितापुत्रे

फू खी श खा

भीयोयथा ।हापितापुत्रेभियोयथा ।

चा षा त चू क प

हाबुशाइक्षाणोआस्माइ न्पुरुहूतयामानीहाबुजीवाज्योतीः ।आशोवामाहो ।हाइ ॥१८॥

शू का कि चा पा शू क प षि शा

॥स्ववस आञ्जीकस्यसामनीद्वे ॥

मानइन्द्रा ।परावार्णाश)त् ।भावानस्साधमा

ती पि

यू

दीयाः ।त्वन्नऊतीस्त्वमिन्नआपीयाम्
 प श षी यु प श
 मानइन्द्रा परावृणाआउवा ।ऊपा ॥१९ ॥
 की कित टि ख श
 मानइन्द्रापारावृणान्मानइन्द्रा ।पारावा
 फू खा शी टि
 र्णात् ।भावानस्सधामादायाः ।त्वन्नऊती
 त कु ट ा त टी
 स्वामिन्नाआपियाम् ।मानाइन्द्रापारावा
 टि चि ता ता टि
 र्णाआत् ।ओइळा ॥२० ॥
 ख ण प शा

॥काण्वम् ॥

वयझ्वात्वासुतावन्ताः ।आपोनवृक्ताबार्हिषाउवा ।पावित्रस्याप्रस्त्रावाणाइ ।
 खि शु कु ट का ता ची चा श
 षूवृत्राहान् ।पारीस्तोतारआसाता
 टि ट त की प त्र
 इ ।आर्ष ॥२१ ॥
 श च श

॥वैष्टम्भेद्वे ॥

औहोवाइवयझ्वत्वासुतावन्तऔहोवा ।
 षू तू त
 औहोवायापोवृक्तबर्हिषःपवाइत्रास्या ।
 षे पी श
 प्रस्त्रवणेषुवात्राहान् ।औहोवा ।
 यु प श ता त

ॐौहोवाइपरिस्तोरआसते पराइस्तोता । रआसाताओौहोवा । होइला ॥२२ ॥

षे टी त का क टा ख प्ल षु शा

वयङ्गत्वोहाइसुतावन्तोवा । आपोनवृक्ताबाहार्हाइषाहोवाहाइ । पावित्रस्य

ती तु त कु च य टा त श की

प्रस्त्रवणे षूवात्राहान् । होवाहाइ ।

कीच् काय ट टा त श

पराइस्तोताहोवाहाइ । रआसा

चा य ट टा त श दिट्

ताओौहोवा । दीशाः ॥२३ ॥

ख शि ख श

॥ काण्वञ्चैव ॥

ॐौहोहा आइहिवायाम् । घात्वा ।

ता त तु त ख श

सूतावान्तो । आपोनावृक्ताबर्हि

खिश स्विणक

षाए । हायाइहि । पावित्रास्या ।

किक खा शा स्विश

प्रस्त्रवाणे । षूवृत्रहानैहायाइही ।

स्विण कि खि शा

पारीस्तोता । रआसाताइ । आभि ॥२४ ॥

स्विण स्वित्र श ख श

॥ श्रुष्टिगवञ्च ॥

ओहाइयदिन्द्रनाहुषीषू वा । ओजोनृम्णाञ्चाकृष्टिषु । ऐहीआइहीहोवा उउवोइ । यद्वापञ्चाक्षितीनामैही

त पू ति त य टा क चि ट शीक थच् चिश टा य टा श टा

ऐहीआइहीहोवा उउवोइ । द्युम्भमाभ

ट शीक थच् चिश

राएहीआइहीहोवा उउवोइ ।सात्रावाइथा नीपौंस्याएहीआइहीहो
कुट शीक थच चिश टा टिच का टि किक
वा उउवो याओहोवा ।ऊपा ॥२५ ॥
थच टिच शि खश

चतुर्थ खण्डः

॥इन्द्रस्यचवृष्टकम् ॥

सत्यमित्थावृषाइदसाइ । वृषजूतिनोर्विता
 तु ति शु टा
 वृषाहुग्राशाण्विषाइपरा वाताइ
 चा चाय टा कि चाश
 वृषोआर्वा । वाताइश्रुताः । ओइळा ॥१ ॥
 टि त टीख प शा

॥द्वैगतेच ॥

यच्छक्रासीपारावाती । यादर्वावा तीवा
 खी झी टीच का
 त्राहान् । अताऔहोवा । स्त्वागीर्भि
 यट ताट तत टि
 द्युगदिन्द्राकेशीभीः । सूतावंआआ
 कि या य चाटख
 औहोवा । एविवासती ॥१ ॥
 शि त या खा
 यच्छक्रासिपरावतियदोवा । अर्वा वाताइ
 षी तूत थाच का
 वात्राहान्तास्त्वगाइ । भाइद्युग
 या पा खा ता श क
 दिन्द्राकेशीभीः । सूतावं आओहोवा । विवासती ॥२ ॥
 कि या टा टट्ख शि दा खा

॥कार्तवेशञ्च ॥

आभीवोवीरमन्धसा । मदे षुगायागी
 षु ति काच्चक टाक
 रामाहावीचे तासम् । इन्द्रनामाश्रुत्यं
 टि काखण ती का
 शाकाइनामौहोवा ।
 टा खा शि
 वचो । ऊपा ॥३ ॥
 ता टख

॥इन्द्रस्यच शरणम् ॥

इन्द्रनिधातुशारणाम् । त्रीवरूथं स्वस्तया
 फी शी षी चि
 इष्ठर्दिर्याच्छा । माघवत्भ्याश्वामह्या
 टी त कीक टा
 ञ्चायावयादी । द्यूमे भ्याऔहो
 त क टात का टख
 बा । होइला ॥४ ॥
 छ छ शा

॥श्रायन्तीयञ्च ॥

श्रायन्तर्ईवसूओरायाम् । विश्वाइदिन्द्रा
 षू तात टा टि
 स्यभाक्षातावासूनिजातोजनिमा नीयो
 टा टा की कीच का
 जासा । प्रातीभागन्नादीधीमः प्राती ।
 यट कि कि टित

भागान्नादाहिम् ।धिमाओबा ।हे ॥५ ॥
पि शा ता प फु ख

॥आक्षीलन्चबाप्रंवा ॥

नसीमादेवायाहाहाइ ।पा
चिकफ़ुततशप
तत्पतोवा ।इषंहो ।इदीर्घाहोयोमा
शीटिभीचय
र्क्त्याः ।आइतग्वाची ।द्यायाइताशो
टीतकाकि
यूयोउवा ।ऊपा ।जाताआइन्द्रो
कीखशटाटि�
हारीयूयोजाजाताऔहोवा ।
टाच्कटखशि
उऊपा ॥६ ॥
खाश

॥शौक्तानि त्रीणि शुक्लानिवा आथानिवा ॥

आनएविश्वा ।सुहाओव्याम् ।आइन्द्रंसमात्सूभूषाताऊपा हाहाइ ।ब्रह्माणीसवनानीवृत्रहान्पारामाज्याः ।आर्चा
तु टाटाक्रु किखशफुततशकाचीचीकटातटा
हाइ ।षामाओहोबा ।होइळा ॥७ ॥
तशकटखफुशा
आनोविश्वासुहाहाव्याम् ।इन्द्रंसमात्सू
तूततककी
भूषाताऊपत्राहा ।णीसवनानीवृत्रहान्
किटितचीची
पारमाज्याः ।आर्चाहाइ ।षामा
कटातटातशक

औहोवाहोइला ॥८ ॥

टा खङ्गङ्ग शा

आनोविश्वासुहान्याम् । इन्द्रंसमात्सुभुषाता
तू त षु चि

ऊपाब्राह्मणीसवनानिवृत्रहान्पारा
काय ट षु चि का

माज्याः । ऋचिषामा । ओइला ॥९ ॥
य ट टिखण् प शा

॥प्रजापतेर्निधन कामम् ॥

तवेदिन्द्रा वमंवसू । त्वंपुष्यसिमाध्यामंसा
फी की कु

त्रावाइश्वा । स्यापरामस्यराजसी
टी ख णा क षु का

नकिष्ट्वागो । षूवृण्वाताइ । हो
खिण ट टा त श

वाहोइहोवा हा बु । बा ॥१० ॥
टा च टिच्कच्चश ख

॥गौतमस्यमनार्याणित्रीणि ॥

क्वेयथा । क्वेदसा औहोवा औहोओ
ति क टा कि कि

होवा । पुरुत्राचाइद्विते मना
खश का का कि टा

औहोवा औहोओहोवा आलार्षीयूधमा
कि कि खश का कि

खजक्रतूओहोवा औहोओहोवा । पुर
शि कि कि खश का

न्दराप्रगायात्राौहोवाौहोौहोवा
 की टा कि कि खश
 अगासाइषू औहोवा ।प्सूशंसाः ॥११ ॥
 ता ट खा शि टा ख
 कूवाकूवा ।ईयाथाके दसाउवाौहो ।
 ती की शा टि त
 पुरुत्राचाइद्विते मनाउवाौहो
 की कि का टि त
 आलर्षियूधमाखजकृतउवाौहो ।
 का कि शि टि त
 पुर न्दराप्रगायात्राउवाौहो ।अगा
 का की टा टि त ता
 साइषू औहोवा ।प्सूशंसाः ॥१२ ॥
 ट खा शि ट ट ख
 केयथा ।कूवाइदासी ।पुरुत्राचीद्वीता
 ति पीण ती चा
 इमानाः ।आलर्षियूधमाखजक्रद्वाउवा ।
 पाण कु टि ता
 पूरन्दारा ।प्रगायात्रा अगासा
 पि ण का टच् काट
 इषू औहोवा ।प्सू । ॥१३ ॥
 खा शि ख

॥वैरूपाणित्रीणि ॥

वयमेनाम् ।आइदाौहोवा ।हीयो
 ती ट खा शि ख श
 अपीपेहावज्ञिणन्तास्माऊआद्यसवना
 चा था कू टा षी
 इसूतांभारा ।आनूनांभू ।षाताश्रुताइ
 यि टा क टात का

लाभा ।ओइळा ॥१४ ॥

टी खण् प शा

वयमेनाम् ।इदाहायाः ।आपौहोइपे

ती टा टा कु

मौहोइहावज्ञिणांतस्माऊआद्यासवनाइसू

की चि था कि कु

तंभरा ।आनौहोनांभौहोषाताश्रूताआउ

शि कि कि कि

वा ।ऊपा ॥१५ ॥

टी ख श

वयमेनामिदाहीयाउवोवाइयाहाइ ।हुवेहोवा

फु खी शु की

यपिपेमेहावाज्ञीणां ।तस्माऊआद्यसवनाइसूतांभा

यू टा शु यू

राइया ।आनूनांभू षाताशू

टाटत क था तच् काप

ताइ ।श्रावासाइ ॥१६ ॥

त्र श च ट ख श

पञ्चम स्वण्डः

॥पौरुहन्मनञ्च ॥

योराजाचार्षणाइनाम् । यातारथे भीरा
 खी शी कीच का
 ध्राइगूः ध्राइगूः । वाइश्वासान्तारूता
 य ट टि टी टि
 तारूतापार्तानानाम् । ज्याइष्टायोवात्राहागार्णाइ । त्रहागृणाइ । होइला ॥१ ॥
 टि काखण टी किखण श श्ली श प्ल शा

॥प्राकर्षञ्च ॥

योराजाचक्रषणाइनाम् । यातारथे भीराधा
 तु खा शा की टि
 इगूः । विश्वासान्तरूतापृतनानाम् । ज्याइ
 ता षु टि ट ट
 ष्टाय्योवृत्राहाउवा । ओबागार्णो । हाइ । ॥२ ॥
 ता का की प ष्टि शा

॥इन्द्रस्यचाभयङ्करम् ॥

यतआन्द्रा भायामहाइ । तातोनो
 खी शी श कि
 अभायङ्कार्दधी । माघवन्शग्धितवत न्नाऊता
 टि त षु कि टि
 याइ । विद्वाइषोवी । मार्धो
 त श टी त का
 जहिइलाभा । ओइला ॥३ ॥
 टी खण् प शा

॥कावषेद्वे ॥

वास्तोष्पताइ । ध्रूवास्थूणाउवोवा ।
 ती श टी खा श
 अंसत्रं सोम्यानाम् । द्रप्सः पुरांभेक्ताशश्वता
 किच्चक टा षु टि
 इनामाइन्द्रा । मूनीनांआउवा । साखा ॥४ ॥
 खि णा कि टि ख श
 वास्तोष्पतेध्रूवास्थूणांसत्रंसोम्यानाम् ।
 फू त प ष्ठिड श
 द्रप्सः पुरांभेक्ताशश्वताइनाम् । आइन्द्राः ।
 षु टि ता ट ता
 मूनीना म् । साखा ॥५ ॥
 टा खणफ्लू ख श

॥सूर्यसामच ॥

बण्महं असिसूर्या । बालादित्यामाहं आ
 खि शी कीच काय
 साई । माहस्तेसातोमाहिमापा
 प ण णि फा फा ष्ठा
 नीष्टामा । मन्हादाइवा । माहो
 प त त टि ता क प
 बाआसो । हाइ ॥६ ॥
 षु षु शा

॥नैपातिथेद्वे वाशेवा ॥

यदिन्द्रप्रागपात् । ऊदान्यागवाहूयासेनृभाइः
 तू का कु टा श

सिमा पूरुनृष्टोअस्यानवे ।आसी
 टाच चा थि टी टा
 प्राशा द्वातोबार्वाशो ।हाइ ॥७ ॥
 टाचक प ष्ठ ष्ठा शा
 यदिन्द्रप्रागपागुदागे ।नायगवाहू यासाइनृभि
 षी ती त कीचक टी
 हर्बुहोहाइ ।सिमा पूरुनृष्टोअस्यानवे
 खिण श टाचक च थि टी
 हर्बुहोहाइ ।आसाइप्रा
 खिण श
 शाहर्बुहोहाइ ।द्वातू औहोवा ।
 दुच खिण श टट्ख शि
 वर्षे ॥८ ॥
 ख श

॥कौन्मुदेद्वेस्वर्जोतिषीवा ॥

कस्तमिन्द्रा ।तुवावासाबु ।आमर्क्त्योदर्धर्षताइ ।श्रद्धाहाइते माघव
 ती टा टा श षी ची श था टि कि
 न्पार्याइदाइवी ।वाजीवाजांसीषासा
 षी टा टा टा क टाद
 ताऔहोवा ।उऊपा ॥९ ॥
 ख शि खाश
 कस्तमिन्द्रात्वावसाबूआमत्योदर्धर्षताइ ।
 फु ता पा श्रु
 श्रद्धाहाइते माघव न्पार्याइदाइवाउवोवा
 था टि कि टू खाश
 वाजीवाजां सीषासा ताऔहोवा ।उऊपा ॥१० ॥
 था टाचक टाट्ख शि खाश

॥अनूपेद्वे ॥

अश्वीअश्वीरथी सूरुपायूः । गो

ती काच् काय ट क

मय्यदिन्द्राते साख्वाश्वात्राभाजावयसा

कि या टा या टा चि

सचातेसादा । चन्द्राइर्याती । साभाऊ

टि त भीत प श ख

पो । हाइ ॥ ११ ॥

हु शा

अश्वीरथीसुरुपायूः । गोमय्यदिन्द्रातेसखा

तू त कि कि की

उवाहाउवाहोवा

टा टि कथ

इया । श्वात्राभाजावय

चा षी

सासचातेसदाउवाहाउवाहोवाइया । चन्द्राइर्याती । साभाऊपाइल्लाभा । ओइल्ला ॥ १२ ॥

कि कु टा टि कथ चा चा यात का टी खण् प ष्णा

॥वैरूपञ्च ॥

यद्यावाइन्द्रतेशताम् । शातंभूमीरूतास्यूः ।

पि शु की टि

नत्वावग्रिन्साहसंसूर्याआनू । नाजातामा

षी कु टा या टाच्

ष्टारोबादासो । हाइ ॥ १३ ॥

कप हु ष्णा शा

॥वाचश्वसाम ॥

इन्द्राग्रीयपादियामे । पूर्वागात्पद्मादाइ
 षी ती ति ए चि
 भायाः । हित्वाशिरोजिह्वायारारापाश्चारात् ।
 या टि यु या
 त्रिंशत्पदान्याक्रमाओहोवा । उऊपा ॥१४ ॥
 क दु ख शि खा श

॥आक्षीलेद्वे ॥

इन्द्रनेदीयएदिहाइमितमेधा । भिरूतिभिराश
 ष ती तु षी
 न्तामा । शन्तमाभीराभिष्ठभिरास्वापे ।
 टा त कु डु त
 स्वाओहो । पिभिरो इळा । ॥१५ ॥
 पा श खि शा
 इन्द्रनेदीयएदिहाइमितमेधाभिरूतिभाइः ।
 षी तु षी ती श
 आशन्तमशन्तमाभाइराभीष्ठभीरास्वापाइ ।
 क दु षी चु श
 स्वाहा । पिभिरो इळा ॥१६ ॥
 पा श खि शा

षष्ठ खण्डः

॥गौरीवितेःप्रहितौद्वौ ॥

इतऊतीवोओजारामौहोवाऔहो
 ती त य य त य त
 वा ।प्रहेता रामप्राहीतामौहो
 त थिचक मि ट त
 वाऔहोवा ।आशुज्ञेतारंहाइतारामौ
 ट त त किथ टी य
 होवाऔहोवा ।राथाईतममतूर्तान्तू ।
 त ट त त मि दू त
 ग्रीयावार्धाऔहोवा ।स्तुषे ॥१ ॥
 ता ट ख शि ताच
 इतऊतिवोआजाराम् ।प्रहे तारमप्राहिता
 षी ति त का षु
 मुहुवाहोआशुन्जेतारं हेतारमुहुवाहोइ ।
 टि का षी दू च श
 रथितमामतूर्क्तान्तू ।ग्रीयावा
 का ट खिण ता ट
 र्धाऔहोवा ।स्तोषाइ ॥२ ॥
 ख शि त ख श

॥आत्रेद्वे ॥

मोषुत्वावाघाता श्वाना ।आरेअस्मि
 ती पाणफद्धुख श क
 न्निरीरमन्नाराक्ताद्वा ।साधमादान्नायग
 कच य टा टी कि
 ह्याइहवासान् ।ऊपाश्रूधीइल्लभा ।
 दु का का टा खण्

ओइळा ॥३ ॥

प शा

मोषुत्वावाधाताचनाए ।आरेअस्मिन्नीरमन्

शु ती षी टी

होवाउउवाऊ ।आराक्ताद्वा ।साधमादांहोवाउउवाऊनायागा

कथ इट चय य टी कथ इट खि

ही ।आइहवासन्नाउवोवा ।ऊपश्रू

ण कु खिण टि

धी ।ओइळा ॥४ ॥

खण् प शा

॥गौतमेद्वे ॥

सुनोतसोमपान्नाए ।सोममिन्द्रा होवा

उत की टा

हा यावञ्चाइणाइ ।पचता

तच्क टा ता श किच्

पक्ताइरवसे कृणूध्वामीद्वाइ ।

कूच् काय टत श

पृणान्नाइत्पृहाइ ।णाताइमा

चाय टा त श टी

याः ।ओइळा ॥५ ॥

खण् प शा

सुनोतसोमपान्नाउवोवाइयाहाइ ।सोममिन्द्राहुवेहुवेहोयावाञ्जिणाइ ।

फु खि शु टी टी यि टा श

पचतापक्ताइरवसे ।कृणूध्वामीद्वाइ ।पृणान्नाइत्पृहाइ ।णाताइमा

चि दू काय टत श चाय टा त श टी

याः ।ओइळा ॥६ ॥

खण् प शा

॥वामदेव्यञ्च ॥

यस्सत्राहाविचर्षणिरिद्रंतांहू माहेवयम् ।

षी फू खा श्ली

इन्द्रन्तंहू माहेवायाम् । साहस्रमन्योतुविन्
की टि त षु कि

म्णासत्पाताइ । भावासामात्सूनो

टि त श टि त चा

वृधाइळाभा । ओइळा ॥७ ॥

टी खण् प शा

॥अश्विनोश्वसाम ॥

शचीभिर्ननाशशचीवसू । दिवानक्तन्दिशस्यतम्मा)

फी की षी डु

वांरातिरुपदसात् । कादाचनास्माद्रातीःकदोबा । चाना ॥८ ॥

क क उ क शी पी फु ख श

॥वसिष्ठस्य वज्राणि त्रीणि ॥

यदाकदा । चामाऔहोवा । दूषे ।
ती टद्ख शि खश

स्तोताजरे तमार्कत्याआदीद्वन्दतवारूणां
की कि षी खी

विपागिरा । धर्क्तारंवि । त्राताऔहोवा । नाम् ॥९ ॥

खा ता या टद्ख शि ख

यदाकदाचमाहाबु । दूषाइस्तोताजराइ । तमार्कत्याः । आदीद्वन्दौहोहोहाहा
तू त श टा टि त ा श चि डु ट त त

इ । तवारूणम् । विपागिरा
श टा खण् का का

धर्क्तरंवियौहोहाहाइ । ब्रतानामिला

कु ट त त श का टि

भा । ओइला ॥ १० ॥

खण् प शा

यादाकादाचामीदूषाइस्तोता । जराइ । तामार्क्तायाः । आदीद्वन्द्वाईतवारू

णा णा फा खी ण ता श यि ट की टि ख

णम् । वीपागिरौवाउवोवा । धर्क्तरं

ण फा खु श कि

वियौवाउवोवा । ब्रतानां । होइला ॥ ११ ॥

खु श ष्ठि प्ल शा

॥ सौब्रवेद्वे ॥

पाहीगाया । न्धासामादाइ । आइन्द्रायमे
ती टि त श कुच्

धीयाताइथाइ । यस्सम्मिश्योहर्योर्योहाइ

क टा ता श टी

राण्यायाः । इन्द्रोवाञ्जि । हीरो

यू टा मितच् कप

बाण्यायोहाइ ॥ १२ ॥

प्ल ष्ठा शा

पाहेपाही । गायान्धासामादाइ ।

ती था ता ट त श

इन्द्रायमे धीयाताइथाइ । यस्सम्मि

कीचक टा ता श

श्योहर्योर्योहाइराण्यायाः । आइन्द्रोवाञ्जी

टी यू टा भीतच्

ही । रोबाण्यायो । हाइ ॥ १३ ॥

क प्ल ष्ठा शा

॥१४॥

उभयंश्रुणवचनाए ।आइन्द्रो अर्वा गी
षु ति त टिच् तच्चक
दंवचाहोवाहाइ ।सत्राच्यामा
कि टात श टा चाक
घवसोमापाहाइतायाइ ।धीयाशविष्टया
टु स्विण श टु
होइ ।गमादौहोबा ।होइला ॥१४ ॥
च श मि ष्ठा ष्ठ शा

॥इन्द्रस्यसहस्रायुतेद्वे प्रजापतेर्वा महोविशीये ॥

महेचनोवा ।त्वाद्राखा)इवाः ।पारा
ती त णा चा
शुल्कायादाइयासाइ ।नासाह
काच् का या प श ष्ठा
स्यायानायूतायावाग्राइवोनाशा
ता की काय पा ष्ठ
ताया ।शाता ।माघोहाइ ॥१५ ॥
ता प श ख ष्ठ शा
महेचनात्वाआद्रीवाः ।पारा शुल्काया
खी ष्ठी चा था
दाइयासाइ ।नासहस्रायानायूतायावा
का या ट श की यू
ज्रीवाः ।नाशाताया ।शातामाघोहोवा ।माहोवीशे ॥१६ ॥
य टि त टि ख शि टीच्

॥इन्द्राण्यास्साम ॥

वस्यंइन्द्रासिमेहाबुपितृः ।उताभ्रातृः ।
शू ती खि प्ल

आभुन्जातौवाउवोवा ।माताचामौ
की खिश कि
वाउवोवा ।छदयाथास्सामावासौवाउवो
खिश कु कि खि

वावासूत्वानौवाउवोवा ।यारो
श कि खिश क प
बाधासो ।हाइ ॥१८ ॥
प्ल प्ल शा

सप्तम खण्डः

॥सौभरञ्ज ॥

इमाइमइन्द्रायसुन्वाइराइ सोमासोदध्या
 खा पुड शि षु
 शिरा स्तं ।आमदायवज्रहस्तपीतायाइ ।
 का ख पी पुड शा
 हराइहोभ्याइयाओइहीओकाया
 टा टु कि टाट्ख
 औहोवा ।ऊपा ॥१ ॥
 शि ख श

॥गात्समदञ्ज ॥

इमइन्द्रा मदायताइ ।सोमाश्चिकित्रउक्थिनोमा
 फी कीश षु
 यी)धोःपापानाउपानोगिराः ।शार्णु
 ट य ट गु य टच
 रास्वास्तोत्रा ।यागिर्वाणाः ।ओ
 क ट ा त टि खण् प
 इळा ॥२ ॥
 शा

॥वाचश्चसाम ॥

आत्वाद्यासाबर्दुघाम् ।हूवेगायत्रवेपसम् ।
 ती ति कि कु
 आइन्द्रान्धनू ।सूदूधामानियामाइष म्
 टी त चि टि ख णा

ऊरुधारा । मारङ्गाकृतां । ओइला ॥३ ॥
 टि त टि खण् प शा

॥बाह्रदुवथञ्च ॥

नत्वाबृहन्तोअद्रियाः । वारन्तइ न्द्रावीलावाः ।
 तु ति की टि त
 याच्छिक्षासिस्तुवताइमावाते वासू ।
 च य टा दुच्च चा च
 नाकिष्टादा । मीनाताइता इ ।
 टि त टि खण् शा
 ओला ॥४ ॥
 प शा

॥नैपातिथञ्च ॥

कईवेदा । सूताइसाचा । पिबन्तःकद्वायो
 ती चा या ट यू
 दाधूः । आयंयःपुरोविभिनक्तायोजासा ।
 टा षु यु टा
 मन्दानाशशी । प्रायाऔहोवा ।
 क टा त ट ख शि
 न्धासा ॥५ ॥
 ख श

॥तौरश्रवसञ्च ॥

यादिन्द्राशासोवताम् । च्यावयासादसास्पा
 पि शी ची का

रौ वा । अस्माकामौवा । अंशुर्माघव न्पूरुषपहौवा । वासाव्यायौकी)वा ।
 का तत् की तत् चि का की तत् तत्
 धीबोबार्हायो । हाइ ॥६ ॥
 क प फ़ शा शा

॥त्वष्टार्याश्वसाम ॥

त्वष्टानोदैव्यंवचाः । पर्जन्योब्रं ह्याण
 खा शु की
 स्पातीः । पुतैर्मात्रमिरादीतिर्नूपातूनाः ।
 टि त षी की टि त
 दुष्टारान्त्रात्) । माणवाचाः । ओइला ॥७ ॥
 टि चिखण् प शा

॥अदितेश्वसाम ॥

कदाचनास्तारीरसाइ । नाइन्द्रंसाश्वा
 तु ति श खी श
 साइदाशूषाइ । उपोपेन्नुमघवन्भूयाइद्वो
 खीण श षी कु टा
 इनू ताइ । दानन्दाइवा । स्याप्रोबा
 खा शा खि णा पा फ़
 च्यातो । हाइ ॥८ ॥
 शा शा

॥आजीक्तञ्च ॥

आइहीआइहीहोइ । युंक्वाहिवृ त्राहन्ता
 टि टि च श खी कि

मा |हारीइन्द्रा पारा वाताअर्वाची
 फ कीच् काय प खा
 नाः |माघवन्सोमापाइतायाउग्रारिष्वा ।
 ता कि यीप चा ता
 भीरोबागाहोहाइ . ॥९ ॥
 प शा शा शा

॥माधुच्छन्दसञ्च ॥

त्वामीदा होइहियोनराए ।
 च क फाषु खी शि
 आपाइप्यन्वाज्ञाइन्भूर्णायाः |साइन्द्र
 षी की खण कथ
 स्तोमवाहासा |इ हश्चूधाऔहोवा
 टी चा क टि काफ
 हाइ |ऊपास्वासाऔहोवाहाइ ।
 ण श टी काफ ण श
 रामागाहा इ |ओइळा ॥११ ॥
 टि खण् श प शा

अष्टम खण्डः

॥उषसश्वसाम ॥

प्राताई हाईहावोदर्शीयायतीयायती । उच्छाई हाईहान्तीदूहीतादी
 टिच्यट का था टि टि टिच्यट का थ
 वाआदीवाः । आपाई हाईहामाहित्रणु
 टी टि टिच्यट
 तेचाक्षुषातमाआतमाः । ज्योताई
 चूच टी टि काटच
 हाईहाकृणोतीसूनारीओनारी ।
 यटच का टी पिण्
 ओइळा ॥१ ॥
 प शा

॥अश्विनोश्वसाम ॥

इमाउवान्दिविष्टयाएही । उक्षाहवन्तेअश्वि
 षी खु ला षु
 नाएही । अयंवामह्यवसेशचीवसूएही
 खि ला षु खु ला
 विशंविशंहीगच्छथाएही । होइळा ॥२ ॥
 षी खि ला षु शा

॥अश्विनोश्वसंयोजनम् ॥

कुष्ठःकोवामश्वीना । तापानोदे वामर्त्त्या ।
 षी ति की टी
 होवाहा । इघ्नतावामाअश्वायाहोवा
 काख खि ता टि का

हा इक्षपामाणः । अंशूनाहोवाहा
 ख खि ता टि काख
 इत्थामुवादुवान्यथा औहोवा । ऊपा ॥३ ॥
 खा ता टा खा शि खश

॥ अधिनोश्वैवसाम ॥

अयामयंवाम्धू माक्तामा: । सूतस्सोमो
 खा श्वी डा शी टी
 दिविष्टिषु । ओहा ओहातामाश्विनाषी)
 का टा ट ख ता
 पिबतन्तीरो अन्ह्यामोहा ओहाधर्तारा
 कू टा ख ता चाय
 लाओहा ओहा । नीदाशू षाओहोवा ।
 ट ट ख ता टिट्ख शि
 ऊपा ॥४ ॥
 ख श

॥ सोमसामच ॥

आत्वासोमा । स्यागादा याओहोवा । सदा
 ती टिट्ख शि टा
 याच न्नाहञ्ज्याभूर्णाउवोवा । मृग
 का कि टा खाश का
 न्नसवने षुचुक्रूर्धं कर्इशाना । न्नायाचिषादि
 ची कीच टि त चा
 लाभा । ओइला ॥५ ॥
 टी खण् प शा

॥आजामायवञ्च ॥

आध्वर्योऽद्रावयातुवाम् । सोमामिन्द्राः
 फु की चा था
 पीबासाती । ऊपोनू नंयुयुजे
 काय ट चिक किच
 वृषाणाहारी । आचाजागा । मावृ
 काय ट क टात चा
 त्राहाॐौहोबा । होइला ॥६ ॥
 क ट खफु फु शा

॥समुद्रस्यच प्रैयमेधस्य साम ॥

आभीषतस्तदाहाबु । भाराइन्द्राज्यायःकानी
 तु त श कु
 यासाः । पूरो वसुर्हिमघवन्बभूवाइथा ।
 टि त का क्रु टि ता
 भाराइभारे । चाहाव्याइल्लभा । ओइला ॥७ ॥
 टी त चा टि खण् प शा

॥वैरूपेच ॥

यादिन्द्रायावतस्त्वाम् । एतावदहमीशीयास्तोतारा
 पि क षी दू
 मीत् । दाधिषे रादावासाबु । नापा
 त किच्क टात श
 पात्वा । यारौ वाउवो बांसाइषो
 टि त का खिफु फ्लि
 हाइ ॥८ ॥
 शा

यादिन्द्रा यावतास्त्वम् ।आहतावादा
 कि खि श टि टा
 हमीशीयाओवा ।स्तोतारामीत्तदधिषे
 का था का टा टा चि
 रदावासाओवा ।नापापात्वाया
 का का का टा टाच्चक
 रोबांसाइषो ।हाइ ॥९ ॥
 प फु छि शा

॥वैथदेवञ्च ॥

त्वमिन्द्रो ।हाइप्रतूर्किष्वोवा ।आभिविशा
 ति तू त कीच्
 आसाइस्पार्धाः ।आशस्तिहाजनिता
 का या ट षी किच्
 वृत्रातूरासाइ ।तूवान्तूर्या ।तारूष्याताऔहोवा ।होइला ॥१० ॥
 का य टा श चाय ट चाक टा खफु फु शा

॥पुरीषञ्चार्थर्वणम् ॥

प्रयोरिरक्षओजसाए ।दीवास्सदो भ्यस्पारि
 षु ति त टीच्
 नत्वाविव्याऔहोवा ।चाराजाऔहोवा ।
 षु कि का की का
 इन्द्रापार्थिवामतिवाइश्वाम् ।वावाक्षिथाइ
 कु टि ता का
 लाभा ।ओइला ॥११ ॥
 टी खण् प शा

असाविपाठः

प्रथम खण्डः

॥प्राकर्ष्ण ॥

असौहोवाहावीदे ।वाङ्गोत्रुजीक
ता ता खाश की
मान्धा: ।नियौहोवाहास्मीनि ।
खाषु ता ता खा श
द्रोजानुषे मुवोचा ।बोधौहोवाहामा
की खाश ता ता खा
सि ।त्वाहारीयाश्वयाज्ञैः ।बोधौहोवा
श की खाषु ता ता
हनास्तो ।मामन्धासामादाइ ।षू ॥१ ॥
खा श कि ख खाश त्र

॥वसिष्ठस्यचनिन्हवम् ॥

आइहिआइहिएहियाउवाहाइ ।
टि टि खुष्ट त श
असाविदेवङ्गोत्रुजी कामन्धोअन्धोअन्धाउवोवाहाइ ।न्यस्मिन्निन्द्रोजनुषे मूवोचावोचावोचाउवोवा
चू किचक टा टा खुष्ट त श ची किचक टी टा टा खाषु
हाइ ।बोधामसित्वाहरिया श्वायाज्ञैःर्याज्ञैर्यज्ञाउवोवाहाइ ।बोधानस्तोमा
त श चु किचक टा टा खा श त श चु
मन्धासा मादाइषूदाइषूदेष्वाउवो
किचक टि टि टा खा
वाहाइ ।आइहिआइहिएहियाउवो
श त श टि टि खु
वाहाऔहोवा ई ॥२ ॥
षु ख शि ख

॥गृत्समदस्ययोनिनीद्वे ॥

योनीः । तआइन्द्रासादानायकारीतामा ।
 ता टी कि खा शि
 नृभाइः पूरुहू ताप्रयाहीआसाः । यथानोआवीतावृधाश्चिदादाः । वसूनिमीमदाश्वासो । माइः ॥३ ॥
 कू खि शि मि कि खा शि भी पा खा त्र श
 योनिष्टआइन्द्रसदनाइहोवा । आकाराइतमानृभिर्होवा । पूरुहू ताप्रयाहीहोवा ।
 च खि श्रु का ख श्रु का ख खि शि
 आसोयथानोविताहोवा । वार्धश्चाइत्तदोवसूहोवा । नाइमामादश्वसोमैर्होवा ।
 का खा शु क खा श्रु भु खा शि
 होइला ॥४ ॥
 प्ल शा

॥औरुक्षयेद्वे ॥

अदर्दरूत् । समसृजो वीखानित्वामर्णा
 ती कीचक का टि
 वान् । बल्बधानं आराम्णाः । माहान्तामि
 त चा था भि टि त
 न्द्रपर्वतं वीयाद्वासृजाद्वाराः । अवयद
 कीक का टि त
 दा नावान्हा । ओइला ॥५ ॥
 कुचक ट खण् प शा
 अदर्दरूत्समसृजाः । वीखानित्वमर्णवान्बल्बधानं
 तु षु कु
 आराम्णाः । माहान्तमिन्द्रपर्वतं वियाद्वाः ।
 टात ष की टात
 सृजाद्वारा । अवयददा नावोयाऔहो
 टि त कुचक ट ख
 वा । हान् ॥६ ॥
 शि ख

॥पाथद्वे ॥

सुष्वाणासाः । इन्द्रास्तुमसीत्वा । सनिष्यन्तश्चिक्षु
 ती खु श षु
 न्विनृम्णावाजम् । आनोभराउवोवा ।
 खु श ख श खीण
 सुवितय्यस्यकोनातानात्मना । सह्यामातूवो । ताः ॥७ ॥
 षु तू खि खा त्र
 ओहोहोइसूष्वा । णासाइन्द्रास्तुमसी
 त त खिण का खु
 त्वा । ओहोहोइसानी । ष्यन्ताश्ची
 श त त खिण भि
 तूवीनृम्णावाजम् । ओहोहोआनो ।
 खु श त त खा ण
 भरा सुवितय्यस्यकोना । ओहोहोइता
 का खु श त त खि
 ना । त्मनासह्यमातूवो ॥८ ॥
 ण का पि खा । ताः(त्र)

॥सौमित्रेद्वे ॥

जगृह्यातेदक्षिणमोहाओहाए । इन्द्रहास्ताम् ।
 ते त टित
 वसूयवोवासूपाताइवसूनांओहाए
 का यि पा शुत तत
 विद्याहित्वागोपातिंशूरगोनांओहाए ।
 यु पा शीत तत
 अस्माभ्यञ्चाइत्रांवार्षाणंरायिन्दाओहाए । रायाइन्दाउवा । ऊपा ।
 दू चा काफ श त त त दू ता ख श
 औहोओहोवाहाउवा । ई ॥९ ॥
 क का पा शि ख

जग्रह्णातेदक्षिणमौहोओहोवाहाइ ।इन्द्रहास्तम् ।वसूयवोवासूपाताइवसू
 षु तूतश क्विश का यि पा
 नौवाउवोवाहाइ ।विद्वाहित्वागोपातिंशूरगोनौवाउवोवाहाइ ।अस्मभ्यञ्चाइत्रांवार्षाणंरयिंदौवाउवोवाहा
 शु खिष्ठतश यु पा शी खिशतश टू चाक फा खीष्ठख
 औहोवा ।ई ॥ १० ॥
 शि ख

॥वात्सप्राणित्रीणि ॥

होये होये होये ।जगृह्णाते दक्षिणामि न्द्राहास्तांहास्तांहास्ताम् ।वसूयवोवसुप
 य टा टा थी कीच् क टा टा टा षी
 ते वासूनांसूनांसूनाम् ।विद्वाहित्वा गोपतिंशू रागोनांगोनांगोनाम् ।अस्मभ्यञ्चित्रंव्रषणं रायाइ
 कीच् क टा टा टा कीच् कीच् क टा टा टा कि कूच् क
 न्दाआइन्दाआइन्दाः ।होये होये होयावा
 टि टि टि टा टा टा ख
 औहोवा ।ई ॥ ११ ॥
 शि ख

हाबुहाबुहाबु ।ओहोहोवा ओहोहोवा ओहोहोवा ।जगृह्णाताइदा क्षीणामिन्द्रहस्तन्द्रहस्तन्द्रहस्तम् ।वसू
 तु श की की की कि किच् क ख शे का
 यवोवा सूपाताइवसूनांवसूनांवसूनाम् ।विद्वाहित्वागो पार्तीशूरगोनांरगोनाम् ।अस्मभ्यन्वाइत्रांवार्षाणंरयिन्दारयिन्दारयिन्दाःहाबुहाबुहाबु ।ओहोहोवा ओहोहोवा
 टिच् क ख शो कुच् क ख शे टूच् चाख शे तु श की की
 आबुहोआबुहोआबुहो ।वाऔहोऔ
 षु ति टा टा
 होवा ।जगृह्णाताइदा क्षीणामिन्द्रहस्तन्द्र
 त त कि किच् क ख
 हस्तन्द्रहस्तम् ।वसूयवोवा सूपाताइवसूनांवसूनांवसूनाम् ।विद्वाहित्वागो पार्तीशूरगोनांरगोनाम् ।अस्मभ्यन्वाइत्रावार्षाणंरयिन्दारयिन्दारयिन्दाः
 शे का किच् क ख शो कुच् क ख शे टू काख शे
 आबुहोआबुहोआबुहो ।वाऔहोऔहोवाऔहोवा ।ई ॥ १३ ॥
 षु ति टा टा टटख शि ख

॥वैदन्वतञ्च ॥

इन्द्रनारोनेमाधाइता । हावन्ताइयत्पा
 स्वि श स्वि णा टि
 रा यायुनाजान्ताइ । थियास्ताशूरोना
 स्वी श स्वि ण श टि स्वि
 षा । ताश्रावासा: । चाकामाइयागोमाति
 श स्वि ण टि स्वी श
 ब्रजाइभाजा । तूवन्नाउवा । एऊपा ॥१४ ॥

स्वी ण टि त त टाख्

॥सौपर्णञ्च ॥

वयोहाहाबु । सौपर्णउपसेदूराइन्द्रं ।
 ति त श षि चु का
 प्रियमेधान्त्रषायोनाधामानाः ।
 षी कि क टा त
 आपध्वान्तमूर्णूहिपू धीचाक्षुः । मू
 षी की टा त च
 मुग्धियोहोआस्मान्निधये वावा । दृधान् ॥१५ ॥

टि त टा पि खा त्र

॥यामञ्च ॥

आयामयायमौहोवाऊ । नाकेसुपर्णा
 की टा थाट षु
 मुपयात्पतन्तपत न्तमौहोवाऊ ।
 कु कि टा थाट
 आयामयायमौहोवाऊ । हृदावेनन्तो
 की टा थाट षु

अभ्याचाक्षतत्वाक्षतत्वौहोवाऊआयामयायमौहोवाऊ ।हिरण्यपक्षंवरुणास्य
 कि टि टि थाट की टा थाट शु
 दूतंस्यदूतमौहोवाऊआयामयायमौ
 कु कि टा थाट की टा
 होवाऊ ।यामस्ययोनौशकुनांभुरण्युभुर
 थाट शु कु कि
 ण्युमौहोवाऊ ।आयामयायमौहोवा
 टा थाट की टा था
 ऊ ।वा हाउवा ।एदिवमेदिवमेदि
 ट टच्य टा त कि कि
 वा म् ॥१६ ॥
 टाख्

॥ऋतुसामनिच ॥

ब्रह्माब्रह्मा ।जज्ञानं प्राथामं पुरास्तात् ।
 टि त चि कि भि
 वीसाइवाइसी ।मतस्सुरुचोवे नआवात् ।
 टि ता की था भि
 साबूसाबू ।धन्याउपामाआस्यवाइष्ठाः ।
 टि त चिकट भी
 सातास्साताः ।चयोनीमासाताश्ववाइवाः
 टि त चु कि पाण्
 ओइळा ॥१७ ॥
 प ला

हुवे हाइहुवे हाइहेषाया ।ब्रह्मजज्ञा
 टात टित टित की
 नांप्राथामं पुरा स्तात् ।वीसीमतास्सुरुचो
 ट कि खाश की
 वे नआवात् ।साबुधन्याउपमाआस्य
 कि खाश कु कि

वाइष्टा: | सातश्वयोनीमासातश्ववी
 खा प्ला कु का खि
 वा: | हुवे हाइवे हाइहेषाया
 प्ल टात टित टि ख
 औहोवा | एक्रतममृतमेक्रतममृतमे
 शि त कु कु
 क्रतममृता म् ॥१८ ॥
 दुख

॥इन्द्रस्यवारवन्तीयम् ॥

आपूर्व्यबुहोहोहाइ | पूरूतमानियास्मै ।
 तु त त श खू श
 माहेवीरायातावासाइतुरा या | विरप्शीना
 डु कि खि श खी
 इवज्ञिणेशान्तमानि | वाचांस्यास्माइस्थावीरा
 खु खा श टी की
 यताक्षुः | स्थविरायतक्षुस्थविरा याता
 खा प्ल षू खि खा
 क्षुः | स्थावीरा याताक्षुः ॥१९ ॥
 त्र कि क खा

द्वितीय खण्डः

॥इन्द्रस्यचक्षुरपविनीद्वे ॥

आवाद्राप्सोअंशूमातीम् ।आताष्टादीयानाःकाष्णोदाशाभीः ।साहा

खि श खि ण का ख खि श खि ण का

स्त्राइरा वार्कृतामीन्द्राशशाचीया ।धामान्तामापाखीहीतिनृमाणाः ।

ख श ख श खि ण का ख खि श खि ण

अधाद्राऔहोवा ।आधद्राः ॥१ ॥

टा ख शि च टा ख

अवद्रप्साए ।अंशुमतिष्ठादीयानाः ।कार्षणादाशाभीसाहस्राये ।आवक्तामीन्द्राशशाच्याधामन्ताम् ।अपाखीहीती नृमणा

ती त की टि चि चा कि टी ची क कट कुचक पा

अधाद्राः ।होइला ॥२ ॥

झि झ शा

॥सौरश्मेद्वे ॥

अवद्रप्सोअंशुमतीमौहोऔहो ।

षी चीट ख ता

आतीष्टादौहोऔहो ।इयानःकृष्णाओ

का टा ख ता चु ट

होऔहो ।दाशाभीस्साहस्रैरहोऔ

ख ता की थाट ख

हो ।आवाक्तामिन्द्रा औहोऔहो ।

ता चि चाट ख ता

शाच्याधामन्तामौहोऔहो ।अपाख्निहीतिनौ

चु ट ख ता चु ट

होऔहो ।नृमाणाओहोवा ।आ

ख ता टाट ख शि च

धद्राः ॥३ ॥

टा ख

अवद्रप्सोअंशुमतीमेओहोवा ।आता
 शी तु खात्र प
 इष्टात् ।इयानाःकृष्णोदाशाभीस्साहसै
 त्रा वि चा चि वि
 रावाक्तामाइन्द्रोशाचीयाधमा
 कच का टा कि खा
 न्तमपास्त्रिहीतिनृमाणाओवा ।अधद्राः ॥४ ॥
 षू शु तिच्

॥बृहतोमारूतस्यसामनीद्वे ॥

हाओहाओहा ह ।वृत्रस्य
 क टच् क च त तच् श
 त्वाश्वासथादीषमाणाः ।विश्वेदेवाआजाहुर्येसखायाः ।मारूत्भिराइन्द्रा
 की की खाषु टी का खी छु द्व
 साखीय न्तेस्तु ।आथेमावाइष्वाः ।पार्क्ताना
 कि ख श द्वु कि
 जयासि ।हाओहाओहा
 खाश क टच् क ट त
 हाओहोवा ।ओओहो ओहो ॥५ ॥
 ख शि का टच् ख
 होये हायायेहयाओहोवाहा
 टाच् काट चि क फ त
 ह ।वृत्रस्यत्वाश्वासथादीषमाणाः ।विश्वेदे
 श ची की खाषु
 वाआजाहुर्येसखायाः ।मारूत्भिराइन्द्रा
 टि की खाषु द्व
 साखीय न्तेस्तु ।आथेमावाइष्वाःपार्क्तानाज
 कि ख श द्वु कि
 यासि ।होये हायायेहयाओहोवाहाओहोवा ।ओओहो ॥६ ॥
 खाश टाच् काट चि क फ ख शि का ख

॥सोमसामनीद्वे ॥

वीधूम् ।दद्रादद्राणांसामानाइबहू नांयुवा ।
 ता डु कि खि शि
 नंसानंसान्तापालीतोजगारादेवा ।स्यपास्यपा
 डु कि खा शि
 इयाकावीय म्महीत्वाद्या ।ममाममारासह्यास्सामा ।ना ॥७ ॥
 डु कि खा शा डु पा खा त्र
 आआहाहाइवीधुन्दद्राणांसामाना
 त ख झ त शक टी कि
 इबहू नाम् ।यूवानंसान्तापालीतोजगा
 खि श डु कि खा
 रा ।देवस्यपाश्याकावीय म्महीत्वा
 श क टी कि खा श
 आआहाहात) ।अद्याममारासहीयास्सा
 त ख झ डु पि
 मा ।ना ॥८ ॥
 खा त्र

॥इन्द्रस्यवज्रेद्वे ॥

औहोइत्वम् ।हत्यास्सप्योजायमानाः ।
 ती चा कि कि ख
 औहोअशा ।त्रप्योअभावशशत्रूरिन्द्रा ।
 ती का का की ख
 औहोइगूढे ।द्यावाप्रथिवीअन्वविन्दाः ।
 तु कु कि ख
 औहोइविभू ।मत्भ्योभुवनेभ्योरणन्धाः ॥९ ॥
 तु का की का ख
 त्वोहोइहत्यौवाउत्वोवा ।सप्तभ्योजाय
 त शी खिण कि

मानाउवाओवाअशोहाइ ।

कि कि पा शा ड श

त्रभ्यौवाउवोवा | अभाव इशत्रूरि न्द्राउवाओ
खुण कि कि कि

वागूढे हाइ | द्यौवाउवोवा | पृथि

पा शा ड श खुण

वीअन्वविन्दाउवाओवाविभूहा

कि कि कि पा शा ड

इ | मत्भ्यौवाउवोवा | भुवने भ्याउवा

श खुण कि कि

ओवारणान्धाः | होङ्ग)इल्ला ॥१० ॥

पा षि शा

॥ भृष्टिमतस्यस्सौर्यवर्चस्यसामनीद्वे ॥

मेळीम् | नत्वावज्जिणंभृष्टीमान्ताम् | पूरु

ता कू टा त चा

धास्मानंवृषभंस्थीराप्सूनूम् | कारोष्यर्य

क कु टा ता चा

स्तरूषीर्दूवास्यूः | आइन्द्र न्दुक्षंवृत्राहा

टु टा त कि डु

णाऔहोवा | गृणीषे ॥११ ॥

ख शि का टख

मेळिन्नत्वावाओहो | ज्ञाइणंभृष्टाइमौ

खु ता की की

वान्तंपुरु औहो | धस्मानंवृषभंस्थाइरौवाप्सुनुम् | कारो औहो

त ख खा ता कू कि त ख श खा ता

ष्यर्यस्तरुषाइर्दूवौवास्यूः | इन्द्रा औहो

षु का ख प्ल खा ता

द्युक्षंवृत्राहा णाऔहोवा | गृणीषे ॥१२ ॥

डु ख शि शि

॥वसिष्ठस्यां कुशौद्धौ ॥

प्रवाः । माहे माहेवृथे भाराधूवाम् ।

ता काक चि भित

प्राचातसाइप्रासूमातीम् । कृणूध्वामीहा

षी किखण चि

वाइशाः । पूर्वीः । प्रचाराचा । र्षा

खि णा टत भित

णाइप्राऔहोबा । होइल्ला ॥१३ ॥

का टि ख प्लु शा

हाप्रवोमहाइमाहे । वृधा इभरा ध्वम्

ख खू श णाफ खि श

हाप्राचेतसाइप्रासू । माता इङ्गणु

ख खू श णाफ खि

ध्वम् । हाविशः पूर्वाइप्राचा । राचा र्षा

श ख खू श णाफ

णाइप्राः । हाबुहौहोवाहाउवा । ई. ॥१४ ॥

खा प्ला ख प्लु शा ख

॥भारद्वाजञ्च ॥

शुनंहुवे मघवानमिन्द्राम् । अस्मिन्भरे नृतमंवा

षी तू षी की

जसातौ । श्रणवन्तमुग्रमूतये सामात्सू ।

टा त षु कि टा त

घन्तांवार्तरा । होवाहाइ । नीस

भि त टा त श का

न्जीतन्धनानी । होवाहा इ । ओइल्ला ॥१५ ॥

कीत टा खण् श प शा

॥वासिष्ठच ॥

दीवयाहोवा औहोवा ।ऊदुब्रह्माणी
 कि काट त कथ् दू
 ऐरातश्रवास्या ।इन्द्रंसमार्ये माहाया
 खुश क टी कि
 वसीष्ठ ।आयोर्विश्वानीश्रावासातता
 खाश क टी कि खा
 ना ।दीवयाहोवा औहोवा ।
 श कि काट त कथ्
 ऊपश्रोतामाइवतोवाचां ।साइ ॥१६ ॥
 दु पि खा त्र श

॥पुरीषञ्चार्थवर्णम् ॥

चक्रंयदस्यप्सूआनिनिष्क्ताम् ।
 षु तु
 ऊतोतदस्मैमध्वीचच्छाद्यात् ।पृथिव्यामतिषीतं
 षु टी त षी कि
 यादूधाः ।पायोगेषू ।आदधाओषा
 टात टित टिच
 धीषूइळाभा ।ओइळा ॥१७ ॥
 था टि खण् प शा

तृतीय खण्डः

॥आदित्याः सामनीद्वे ताक्ष्यसामनिवा ॥

त्यमूषू वाजिनान्देवजू तम् । सहो
 खि खि खि खा श का
 वान न्तारुतारंरथानाम् । अरिष्टनाइर्मी
 था कि खि श खी शा
 पृतनाजमाशूम् । स्वस्तयाइताक्ष्मिहा
 खि खा श कु खि
 हूवाइ । माम् ॥१ ॥
 खा श त्र
 इयइयाहाइत्यमूषुवाजिनान्देवजू तम् ।
 ती षु खि खि खा श
 ईयाईयाआहाइ । सहोवान
 फा फाल त श का था
 न्तारुतारंरथानाम् । इयइयाआरिष्टनाइ
 कि खि श ती क
 मिंपार्तानाजमाशूम् । ईयाईयाआ
 दु कि खा श फा फाल
 हाइ । स्वस्तयाइताक्ष्मिहा हूवाइ । मा. ॥२ ॥
 त श कु खि खा श त्र

॥इन्द्रस्यचत्रातम् ॥

त्रातारमिन्द्र मवितारामीन्द्राम् । हवेहवेसू
 क पी कि टा त षु
 हावंशुरामीन्द्राम् । हूवाइनुशक्रंपुरुहू
 कि टा त षु कि
 तामीन्द्राम् । ईदं हावाइ माघवावाइतूवा
 टा त था चाश पी खि

इ न्दूराः ॥३ ॥
श त्र

॥वाक्तत्रुरम् ॥

यजामहोवा ।आइन्द्रंवाग्रादक्षाइणाम् ।
तीत की टि ता
हारीणं रथ्यावित्रतानाम् ।प्राशमाश्रुभिर्दौधूवादूर्ध्वाधाभूवात् ।वीसा
किच्च चा टित का डु किखण चा
इनाभिर्भयमानोवाइराधासो ।हाइ ॥४ ॥
कि भी प शाख फु शा

॥द्युतानस्य मारुतस्य सामनीद्वे ॥

सात्राहणाओहोवा ।दाधृषींतूमृमीन्दूरा
फा खा ण फु फु टि टी
उवोवा ।माहामपारंवृषाभं सूवज्ञा
खा श क कि की टि
हन्तायोवृ ।त्रंसनितोतावाजाम् ।
टा खण पी खा त्र
दाता माघानिमाघवा सूराधाः ॥५ ॥
थाच्क कि टाच्क का टख
सात्राहणन्दाधृषीइन्तूमृमीन्दूर म् ।मा
फा फि फा खी श क
हामपारंवृषाभं सूवज्ञाहन्तायोयो ।
कि कि चि टि खिण
त्रंसनितोतावाजाम् ।दाता माघानिमा
पी खा त्र थाच्क कि
घवा सूराधाः ॥६ ॥
टाच्क का टख

॥आत्रम् ॥

योनोवनुष्यन्नभिदातिमार्क्ताः । ऊगणावामन्यमानास्तुरोवा । क्षीधीयूधाशवसावातामाइन्द्राम् । आभाइष्यामावृषमाणास्तुवो
 षु खु पु षी दू त षी की टा ता भी त मि त या
 ताः । ओइळा ॥७ ॥
 खण् प ष्टा

॥गृत्समदस्यसमिधौदै ॥

हाबुयंवृत्रेषू । क्षितयस्पर्धमानाः । धामाना
 तु खु पु कि
 ईयाइ याहाबुयंयुक्तेषु । तुरयन्तोहवा
 ट टाख शु खु
 न्ताइ । हावान्ताईयाई याहाबुयंशूरसाः ।
 शा कि ट टाख शु
 तौयमपामुपाजमान् । ऊपाजमानीयाई या
 खु श कि ट टाख
 हाबुयंविप्रासाः । वाजयन्ताई सई न्द्राः ।
 शु कु खा पु
 साइन्द्रो ईयाई याहाउवा । ई ॥८ ॥
 कि ट टाख पु शा ख
 यय्यया । हाबुयंवृत्रेषू क्षितयस्पर्धमानाः ।
 ति तु खु पु
 धामानायै यय्यय्यया । यय्ययाहाबुयंयुक्तेषु ।
 कि टा चि ति तु
 तुरयन्तोहवान्ताइ । हावन्तायै । यय्यय्यया ।
 खु शा कि टा चि
 यय्ययाहाबुयंशूरसाः । तौयमपामुपाजमान् ।
 ति तु खु श
 ऊपाजमान्यैयय्ययैय्यया । यय्यया
 कि टा चि ति

हाबुयंविप्रासाः । वाजयन्ताई सई न्द्राः ।
 तू कु खा प्ल
 साइन्द्रोयै यथैयय्ययाहाउवा ।ई ॥९ ॥
 की टा ति ति ख

॥वैश्वामित्रम् ॥

इन्द्राहाबु । हाहोइपर्वताबृहतारथा
 तात श क षु टू
 इनाउवाऊपा । वामीर्हाबु ।
 का ता ख श तात श
 हाहोइष आवहतंसुवाइरा उवा ।ऊ
 क षि टू का ता ख
 पा । वीतांहाबु । हाहोइहव्यान्यध्वरेषुदा
 श तात श क षि टु
 इवाउवा । ऊपा । वर्धेहाबु । हा
 का ता ख श तात श क
 होथांगीर्भिरिळायामदान्ताहाउवा । ऊऊपा. ॥१० ॥

षि टु ती खा श

॥सावित्राणिषद्वैय्यमेधानिवा ॥

हाहाइ न्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गाः । आपःप्रैरायात्साग रस्यबू ध्रात् ।
 त था टू कि खा प्ल टू का खिश
 योआक्षेणाइवाचाक्रीयौशचीभिःवीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता । द्याम् ॥११ ॥
 टू कि खा प्ल टु पि खा त्र
 असावासाविन्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गाः ।
 ता क था टू कि खा प्ल
 आपःप्रैरायात्साग रस्यबू ध्रात् । योआक्षेणाइवाचाक्रीयौशचीभिःवीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता । द्याम् । ॥१२ ॥

टू का खिश टू कि खा प्ल टु पि खा त्र

कूवाकूवाइ न्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गः । आपःप्रैरायात्साग रस्यबू ध्रात् । योआक्षेणाइ
ता क था दू कि खा प्ल दू का खिश

वाचाक्रीयौशचीभिःवीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता । द्याम् ॥१३ ॥

दू कि खा प्ल दु पि खा त्र

अयामायामिथा)न्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गः ।

ता क दू कि खा प्ल

आपःप्रैरायात्साग रस्यबू ध्रात् । योआक्षेणाइवाचाक्रीयौशचीभिःवीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता । द्याम् ॥१४ ॥

दू का खिश दू कि खा प्ल दु पि खा त्र

अविदादविदविन्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गः । आपःप्रैरायात्साग रस्यबू ध्रात् । योआक्षेणाइवाचाक्रीयौशचीभिःवीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता । द्याम् ॥१५ ॥

कि की दू कि खा प्ल दू का खिश दू कि खा प्ल दु पि खा त्र

ईहाई हान्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गः । आपःप्रैरायात्साग रस्यबू ध्रात् ।

टखण दू कि खा प्ल दू का खिश

योआक्षेणाइवाचाक्रीयौशचीभिःवीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता । द्याम् ॥१६ ॥

दू कि खा प्ल दु पि खा त्र

॥कूतिवारस्यवैरुपस्यसाम ॥

आत्वासखायसख्यायववृत्यूः । तीरःपुरुचिदर्नवाजगम्याबुहोऔहोवा । पीतुर्नापातमादधीतवाइधाबुहोऔहोवा । अस्मिन्क्षये
षु तू षी दू चिक का षी दू चीक का षी

प्रतरान्दीदियानाबुहोऔहोवा । औहो

दू चिक का क

वा ईहा.. ॥१७ ॥

का टख

॥वामदेव्यम् ॥

कोअद्ययुक्तेधुरिगात्रतस्याए । शिमीवतोभामी

षु तू त षी

नोदु हृणायून् ।आसन्नेषामप्सुवाहोमा
 कि टात षी की
 योभून् ।याएषांभृत्यामृणाधात्साजाइ
 टात षु कि टा
 वाउवा ।ऊपा ॥१८ ॥
 का ता खश

चतुर्थ खण्डः

॥शैखण्डिनेद्वे ॥

गायाओन्तित्वाओगायात्राइणः ।

ता च ता प ष्णात ता

अर्चाओन्तियाओकर्मार्काइणः ।

ता च ता प ष्णात ता

ब्रह्माओणस्त्वाओशताक्राता

ता च ता प ष्णात त

बु ।उद्धाओंशमाओवयाइमिरा

श ता च ता प ष्णा ष्णि

इ ।होइळा ॥१ ॥

श ष्ण शा

गायान्तित्वोहाइगायात्रीणः ।अर्चन्त्यर्कमा

ती खु ण यु

र्कीणः ।अर्चन्तीयोहार्कमार्कीणः ।

प श खी श खि ण

ब्रह्माणस्त्वाशताक्राताबु ।ब्रह्माणस्तोहाइ

यू प शा खी शा

शताक्राताबु ।उद्दंशमीवयाइमीरे ।उद्दू

खि ण श यू प श

शमोहाइ ।वयाइमा इ ।राइ ॥२ ॥

खी ण श खीणफू श ख श

॥उद्दंशीयन्तृतीयम् ॥

गायान्तित्वागायात्रिणया ।अर्चन्त्यर्कमर्काइणः ।

षी तु दू ता

ब्रह्माणस्त्वाहोइ ।शताक्राताबु ।

टी च श टि त श

उद्धरामीवयाइमीरे ।उद्धंशामी ।वयाउ
 यू पा श वि ण ट
 वा ।उप्माइरो ।हाइ ॥३ ॥
 ता टा खा त्र श

॥शैखण्डिनीत्रीणि ॥

इन्द्रविश्वः ।अवीवृधान् ।सामुद्राव्या
 ती टा चा कि
 चा साङ्गिराः ।राथीतमाहाउवा रा
 टाच् चि का ता टिच्
 थाइनाम् ।वाजानांसात्पार्ती
 चा शा च टा त का
 पतिमिळाभा ।ओइला ॥४ ॥
 टी खण् प शा
 होइन्द्रंविश्वः ।अवीवृधान्सामू द्राव्या
 तु का थि टच्य ट
 चसंगिराः ।राथीतामांराथाइ
 का चा य टच्य टच् का
 नाम् ।वाजानांसात्पार्तींपा
 चा य च य टच् का ट
 ती म् ।ओइला ॥५ ॥
 खण् प शा
 इन्द्रंविश्वाअवीवृधन्समूद्राव्या ।चासाङ्गिराः ।
 षु खुण् क पा श
 राथी तामाऊहोवाऊराथा
 काथ्क ट ट था टच् चा
 इनाम् ।वाजानांसाऊहोवाऊ
 शा च था ट ट था ट
 त्पार्तींपाती म् ।ओइला ॥६ ॥
 का ट खण् प शा

॥आष्टादश्त्रेष्वे ॥

इन्द्रंविश्वाअवीवृधन्नय्याहाइ ।सामूद्राव्यांचा
षू ती त श चाय टच्क

साङ्गाइराअय्याहाइ ।रथाइतामांरथाइ
क य टा टा त श चा या टच्क

नामय्याहाइ ।वाजानांसात्पाताइम्पाती
की टा त श चाय टच्क का टा ट

मय्याहा इ ।ओइळाह ॥७ ॥
टा खण् प शा

इन्द्रंविश्वाअवीवृधन्नय्यादौहोवा ।समुद्रव्याच्चसंगाइराअय्यादौहोवा ।रथीतमांरथाइ
षू खू त्र क्ल दि टा टत त चीकक

नांअय्यादौहोवा ।वाजानांसात्पर्तीपातीमय्यदौहो
टा टा टत त च थ कि टा दि ट

वाः ।ओइळा ॥८ ॥
खण् प शा

॥महावैश्वामित्रेष्वे ॥

हयाइहयाओहाओहाहयाइहयाओहा
खु फा फा खु फा

ओहाहयाइहयाओहाओहा ।इन्द्रंविश्वा ।
फा खु फा फा ती

अवीवार्धान् ।समुद्रव्याच्चसङ्गाइराः ।
चा टा ती चा दि

रथीतमांरथाइनाम् ।वाजानांसात्पातीं
ती का टा ती चा

पातीम् ।हयाइहयाओहाओहाहयाइहया
टा खु फा फा खु

ओहाओहाहयाइहयाओहाओहा ।होइ
फा फा खु फा फा

लाह होइला होइला ॥९ ॥
 फि फिद्धख शा
 हायाये हायाये हयाहाआ । इन्द्रंवि
 टिच्क टा तातप
 श्वा अवीवृधानन् । सामुद्राव्याचस ज्ञि
 कीच का ता प णुफ
 राः । राथीतामरथी नाम् । वाजानांसात्पा
 ता प णुफ्त प
 तीं पताइ । हायाये हायाये हया
 णुफ ता श टिच्क टा ता
 हाआ । होइला होइला होइला ॥१० ॥
 तप फि फिद्धख शा

॥गृत्समदस्यर्वांकानिचत्वारिवसिष्ठस्यवाप्रियाणी ॥

इममाइन्द्रा । सूतांपा इबा औहोवा ।
 पि णा टिद खा शि
 ज्येष्ठाममात्तर्यम्मदं शुक्रास्यत्वाभी
 टी कि ता था क
 याक्षारा औहोवा । धारात्रङ्गितस्यसादा
 टाद्धख शि कट दु
 ने ॥११ ॥
 ख
 इममी न्द्रसुतांपिबा । ज्येष्ठाममा
 णिफ खि शा क कि
 त्तर्यम्मदं । शुक्राउवोवा । स्यत्वा
 टि खीश का
 भ्यक्षरन्धाराउवोवा । ऋताउवोवा । स्यसाद
 षु खा श खी श
 नाइ । होइला ॥१२ ॥
 छी श प्ल शा

इममिन्द्रा सुतम्पीबा । ज्येष्ठामार्मकृत्या
 फी णि फ च का का
 माम्मादामौहौहुवाओहोवा ।
 य टा ट ट कि त त
 शुक्रास्यत्वाभायाक्षारानौहौहुवाओहौ
 ची कयटटट कि
 होवा । धाराक्रताओहौहुवाओहौ
 त त था टा ट ट कि
 होवा । स्यासादाना इ । ओइळा ॥१३ ॥
 त त टि खण् श प शा
 इममिन्द्रसुतंपिबज्येष्ठाम् । आमर्कताया
 पि शृ च काय
 म्मादाम् । शुक्रासियात्वाभियाक्षारन् । धा
 टा की टि खण
 राउवोवा । आर्कताउवोवा ।
 टा खाश टा खाश
 स्यसादनाइ । होइळा ॥१४ ॥
 ष्टीश प शा

॥ वसिष्ठस्यर्वांकानिचत्वारिन्द्रस्यवापियाणि आकूपाराणिवा ॥

यदिन्द्रोहाइ । चीत्रामाईहना
 ति त श च चाट पा
 अस्तित्वादा होइ । तामद्राइवोरा
 फीष्टूत श चि टा प
 धस्तन्नोवीदा होइ । वासाउभयाहस्ति
 णि फाष्टूत श ड
 याउवा । भारोहाइ ॥१५ ॥
 कि ता ष्टा शा
 यदिन्द्रचित्रमौहोवाइहाना । अस्तित्वादातमा
 षू त खिश षी

उवाआउवाद्राइवाःराधस्तन्नोविदाउवा
 की किख श्ला षी की
 आउवाद्वासो ।उभयाहस्तयाउवाआउवा
 किख श्ला षू का कि
 भारो ।हाइ ॥१६ ॥
 श्ला षु श्ला

यादिन्द्रचित्रामाइहा नाअस्ताइत्वादाकि)
 पि श्ला खिण टा
 तामद्राइवोराधस्तन्नोवीदद्वसाबु ।ऊभा
 चुथ टिच चिश चा
 याहास्तायाभारो ।हाइ ॥१७ ॥
 टाप श्लव्ल श्ला
 यदिन्द्रचित्रमाई हनास्ति ।त्वादातमद्रिवोराध
 षू फा ख्लाश षू
 स्तान्नो ।वीवीदद्वसाबु ।ऊभायाहा
 द्रु त टा चिश चा टा
 स्तायाभारा ।ओइळा ॥१८ ॥
 टा ट ख्ल प श्ला

॥तिरश्वेराङ्गिरसस्यसामनीद्वेदेवानांवादेवपुरे ॥

श्रुधीहावांहावान्तीरश्व्याः ।इन्द्रया
 का टा टा चि क टा
 स्त्रवसपाहार्यातीया ।सुवीर्यस्यगोमतो
 त टा त टा त षी
 रायास्पूर्दधी ।महंयसिया ।ओइळा ॥१९ ॥
 की टा त टा ख्लिण प श्ला
 श्रुधीहावान्तीरश्व्याः ।इन्द्रायस्त्वासपर्याताएटा)
 ख्ल ष्लि क कू
 सुवीर्यस्यगो ।माताःरायास्पूर्दधीहाहा
 ख्ली ण टा टी त त

इ |महंयसी |होइला ॥२० ॥
श श्ली पु शा

॥वैश्वामित्रम् ॥

असाविसोमइन्द्राते शवाइष्टाधृ ।ष्णावागाहि ।आत्वापृणाहात्कूवीन्द्रायम् ।
चू फा खीश त पा श टी त टा खण
राजस्सूर्यौवाउवोवा ।नराश्मिभीः ।
की खिश श्ली
होइला ॥२१ ॥
पु शा

॥काण्वेष्टे ॥

एन्द्रयाहीहरीभाइः ।उपाकण्वास्यासूष्टु तिम् ।देवाअमूष्या
खिश श्ली श ता ता च खण ता ता
शासाताः ।दाइव ययाआउवा ।
का खण कि ता टि
दाइवावासो ।हाइ ॥२२ ॥
ख शा ख पु शा
एन्द्रयाहीहरिभीरुहुवाहाइ ।ऊपाकण्वा
षी तू त श का
स्यासुष्टुतिमुहुवाहाइ ।देवाअमूष्या
कि दू त श कि
शासाताः ।दाइवय्ययाउवा ।दी
का खण कु शा ख
वा ।वसोहा ।होइला ॥२३ ॥
श श्ली पु शा

॥वैश्वामित्रञ्च ॥

आत्वागाइरोराथीरीवा । अस्तुस्सुते षुगिर्वा
 खु श्ली चीकय
 णा । ओवा ओवा । अभित्वा सा
 टा ख शद्धखण किच
 मानूषाताओवा ओवा
 काय टा ख शद्धखण
 गावोवात्सान्नाधोबानावो । हाइ ॥२४ ॥
 मितचकपफ्लशा

॥इन्द्रस्यशुद्धाशुद्धीयेद्वे ॥

एतोन्विन्द्रंस्तवामा । शुद्धंशुद्धे नासाम्ना ।
 तूत की टात
 शुद्धैरुकथैर्वृद्धवांसाम् । शुद्धैराशी ।
 कु टात टित
 वान्ममाऔहोवा । तू ॥२५ ॥
 च खा शि ख
 एतोन्विन्द्रंस्तवामा । शुद्धंशुद्धे नासाओ
 तूत कीचक
 म्ना । शुद्धाइरुकथाइर्वृद्धवांसम् ।
 टा भीत च खाण
 शुद्धैराशी । वान्ममातूइळाभा । ओइळा ॥२६ ॥
 टित च चा टिखण प शा

॥गौतमस्यरयिष्ठेद्वे ॥

योरयिंवोरयाहाबु । तामाः ।
 कुतश्लफ्ल

योद्युम्नैद्युम्नवाक्तमासोमसुतस्सायाहोइन्द्रता
 पि कु टू टी
 इ |आस्तिस्वधापाताइहोये |मदोइला ||२७ ||

योरयिंवोरयिन्तमोहाइ |योद्युम्नैद्युम्नवाक्तमोहाइ |सोमसुतस्सइन्द्रतोहाइ |
 फू खा शा फू खा शा फू खा शा

अस्तिस्वाधापातेमदोहा |होइला ||२८ ||

चीक फ खा फू शा

पञ्चम खण्डः

॥कौलमलबर्हिषेद्वे ॥

प्रत्यस्मैपीवाहानु ।ओइषताइइ ।

तु त श ति त श

वाइश्वानी वाइदूषे हाइभारा ।आ

कि चक टीत ता त

रा झमायाजाहा ।गमायायपाश्चा

टाच का यात था टिट्

हाऔहोवा ।घ्वनेनरा: ॥१ ॥

ख शि टा खा

प्रत्यस्मैपीपीषताइ ।वाइश्वा नीवाइदूषे

ती ति श कि चक टि

भारा ।आरा झमायजग्मायायपश्चाद्घ्वना

या टाचक षू टू

होइ ।नाराऔहोबा ।होइला ॥२ ॥

च श टि ख प्ल प्ल शा

॥नानदन्तृतीयम् ॥

प्रत्यस्मैपीपीषताइवाइश्वानिविदुषेभा

फु ता पा षुड

रा ।अरझमायाजग्मयोहायापाश्चाहाः ।घ्वा

श फु खा डु क

नोबानारो ।हाइ । ॥३ ॥

प्ल प्ल शा

॥शाकपूतञ्च ॥

आनोवयोवयशशायाम् । माहान्तङ्गहराइष्टाम् ।
 षी ति त खु शा
 माहान्तं पूर्वीनाइष्टाम् । उग्रं वाचो अपावा । धीः ॥४ ॥
 खु णा टि खी त्र

॥कौलमलबहिषेद्वे ॥

आत्वारथं यथौ होवा । तायाइ सूमा ।
 षी ति त का खाण
 यावर्त्यामसीतुविकूर्मी मार्क्ती । षहां
 षू टु टच्ख ण का
 माइन्द्रं शावी । षासात्पार्ती । ओइळा ॥५ ॥
 कि खण टि खण् प शा
 आत्वारथं यथोताया आत्वारथाम् । याथोताया
 फू खा शी टी
 औहोवा । ईहा । सुम्नायावा
 खा श खश चिक
 त्तर्यामसीयौ होयौ होवा । ईहा
 कुच्य ट खश खश
 तुविकुर्मी मृताइषहमौ होयौ होवा ।
 चीक कुच्य ट खश
 इन्द्रं शावीष्टासात्पतिमौ होयौ होवा ।
 ची कुच्य ट खश
 ईहा ॥६ ॥
 खश

॥मधुश्चनिधनञ्च प्राजापत्यम् ॥

सपूर्व्योमहोनामे |वेनाःक्रातूभाइरानाजे
 तू त चि क ड
 हाहाौहोवाआइही |यस्याद्वारा
 त ट त ट ता का था
 मानूःपीताहाहाौहोवाआइही |दा
 टी त ट त ट ता
 इवाइषूहाहाौहोवाआइही |धीया
 टु त ट त ट ता का
 आना जाऔहोवा |मधूश्यूताः ॥७ ॥
 टाख शि ता टाख

॥उषसश्वसाम ॥

यदीवहन्त्याशवोयद्येयादी |ओइवहन्तायाशावाः ।
 षु तु यु टा
 ओइब्राजमानारथाइषूवा |ओइपिबन्तोमदीराम्मा
 षु बेट षु यी
 धू |ओइतत्रश्रावांसिक्राउवाओबाण्वातोफ्ल
 ट षु कीप फ्ल
 |हाइ ॥८ ॥
 शा

॥गौतमम् ॥

त्यमुवोअप्राहाणम् |गृणीषेशवासस्पाताइमिन्द्रावाइश्वा |साहं होये |नारमोइ |शचाइष्टांवी |श्वाहोबादासां |हाइ ॥९ ॥
 षि खीण का कि टु ख णा का पा ति श पी ण टाखफ्ल फ्ल शा

॥अग्नेशदधिक्रम् ॥

ओहाइदधिक्राविणोअकार्षमोहाइ ।
 त षू तू त श
 ओहाइजिष्णोरश्वस्यवाजिनाओहाइ ।
 त षी दू चाश
 सुरा भीनोमुखाकारात् ।प्रणा होआ
 का का टि त टाच्चय
 यूंहोषीताराइषा त् ।ओइला ॥१० ॥
 टाय टि खाण् प शा

॥मारूतंवैश्वामित्रंवा आङ्गीरसानांवा साम मैथातिथंवा ॥

पूरांभिन्दुर्युवाकविः ।आमीतौजाआजा
 फा खी शा की
 याता ।आइन्द्रोविश्वास्याकर्मणाः ।
 टि त उ काख ण
 धर्त्तर्वाच्रौवाउवोवा ।पुरुष्टुताः ।
 की स्विश ह्लिश
 होइला ॥११ ॥
 ष्ठ शा

षष्ठ खण्डः

॥वामदेव्यञ्च ॥

प्रप्रवस्त्रुभमिषमोहाओहाए । वन्दद्वीरा
 षु तूत का थाच
 याआइन्दवा । ओहाओहाए ।
 का टि टतटत
 धीयावोमेधसाताये ओहाओहाए ।
 यूपशट तटतत
 पुरान्धीया । वीवोबासातो । हाइ । ॥१ ॥
 मि त कपझ षा शा

॥काश्यपञ्च ॥

कश्यपस्यस्वर्विदाए । याआहुस्सायूजा
 षी ति त ची का
 वाइतीयायोर्विश्वा । मापीत्रताइ ।
 य पा फा फा ता श
 यज्ञान्धीरो । नीचाया याओहोवा । ऊपा ॥२ ॥
 मि त टिक्ख शि ख श

॥अग्नेवंश्वानरस्यसामनीद्वे ॥

विश्वानरा । स्यवास्पातीम् । आनानतस्या
 ती दा टा कु
 शावासाः । एवैश्वर्चर्षणा ईनाम् ।
 च य ट क च टीच चा
 ऊतीहूवाइरथानाम् । हाइ ॥३ ॥
 का का पि झ शा

विश्वानरस्यवौहोस्पातिम् ।आनानता
 खा पूड श टी
 हा ।स्याशावासाः ।एवैश्चर्चर्षणा
 त का खण कच पी
 इनाम् ।ऊतीहूवाइरथानाम् ।हाइ ॥४ ॥
 ना का का पि पू शा

॥शाकपूतेद्वे ॥

साधायास्ताए ।दिवोनाराए ।धियामार्क्ताए
 टी त टीत टीत
 स्याशाम्र्माताए ।ऊताइसाबृए ।हातोदीवा
 टी त दुत टी
 ए ।द्विषोअंहाए ।नातारातिइलाभा ।
 त टीत चि टि खण
 ओइला ॥५ ॥
 प प्ला

सधायस्ताइ ।दीवोनरोधियोमार्क्तास्या
 टी श का की टा
 शम्र्माताः ।ऊतीसाबृहातोदिवाः ।
 का चा था टा का चा
 द्विषोअंहो ।नातारातिइलाभा ।ओ
 का टा चि टि खण प
 इला ॥६ ॥
 प्ला

॥प्रैय्यमेधञ्च ॥

अर्चतप्रार्चतानाराः ।
 पू ख प्ल

प्रियमेधासोआर्चाता । अर्चन्तुपू त्राका
 खी चा फा खी चा
 ऊता । पूरमिद्वाष्णुवार्चा । ताः ॥७ ॥
 क फ क टि खि त्र

॥बाह्दुकथञ्च ॥

उकथमिन्द्रा । याशंसायाम् । वार्धनं
 ती टि त कि
 पुरुषनिष्ठाइधाइ । शक्रोयाथा । सूते
 टी ता श भि त का
 षूनाः । रारणात्सा । खीया
 खण क टा त का
 इषूचा । ओइळा ॥८ ॥
 टा खण प शा

॥वरूणान्याश्वसाम ॥

विभोष्टइ न्द्राधासाः । विभवीरातिशशतोकृतो
 षि ति त टी कु
 शताक्रताबु । आथानोविश्वचर्षणे
 टा चा श का चू
 श्वचार्षणाइ । द्युम्नंसूदत्रमंहयत्रमांहा । या ॥९ ॥
 टा चा श कु खु त्र

॥उषसश्वसाम ॥

वयश्वाइक्तेपतत्रिणाः । द्विपाश्वतूष्पदर्जू
 खि शू षी कि

नायेउषःप्रारान् ।ऋतूं रनूदिवोआन्ते ।
 पा शी का की टा
 भायास्पारो ।हाइ ॥१० ॥
 प श ख ष शा

॥देवानाञ्चरुचिरोचनंवा ॥

आमियेदेवास्थना ।मध्येयेरोचनेदिवाःका
 षि ती षी चु
 द्वाक्षताङ्कादमार्क्ता ।काप्रत्वावाआहू
 की टि कि टि
 तीः ।ओइळा ॥११ ॥
 खण् प शा

॥ऋक्सामयोस्सामनीद्वे ॥

ऋचंसामयजा ।महाइयाभ्याङ्कर्णीकृण्वा
 तु षु कि टि
 ताइ ।वीतेसद सिरजाताः ।यज्ञान्दाइ
 त श की टि त टि
 वे ।षूवाक्षताइळाभा ।ओइळा ॥१२ ॥
 ता का का टा खण् प ष्ठा
 ऋचंसामायाजामहाइ ।याभ्यांकर्मा
 खी ष्ठीश चा थाच्
 णीकाणवाताइणवताइ ।वाइतेसद सी
 का य ट टि श कुच्
 रा जातोजाताः ।यज्ञान्दाइवे षू
 का य ट य का य टा
 वाक्षताइळाभा ।ओइळा ॥१३ ॥
 का का टा खण् प शा

ऐन्द्रपाठः

प्रथम खण्डः

॥त्रैशोकम् ॥

विश्वोहाइ । पार्कनाआभिभूतर न्नाराः ।

ता त श टि कि काच्चक च

साजूस्तातक्षुराइन्द्र न्जजनुश्वरा जासोहाइ । क्रत्वौहोइवारौहोइस्थेमन्यामू

च चि कि का चि पाणश कु की टाख

रीम् । उतोहाइ । उग्रामोजिष्ठन्तारा सम् । ओइतरा स्वीनमोवा । ओइजीवा ॥१ ॥

ण ता त श पि श खि ण खि शि खि श

॥शैखण्डिनेद्वे ॥

श्रक्तेहोशा) । दधाहो । मिप्रथमायमान्यावा

ता त या त टी काय ट

इन्यावाइ । अह न्होइ । यददाहो । स्युन्नर्यविवे रापाआपाः । उभेहोइ । यत्वाहो । रोदसीधावतामानूआनू । भ्यसा

श टा श ता त श टि त टि चाय ट टा ता त श टा त टि किय ट टा ता

द्वोइ । तेशुहो ष्मात् । पृथिवीचीदाद्रीवोद्रीवाः

त श काथच्चक टि चाय ट टा

द्री । वाऔहोवा । हाहाउवा । ई ॥२ ॥

टद ख शि क ति ख

श्रक्ताइ । दधा मिप्रथमायमान्यावाइ न्यावाइ । अह व्यददा स्युन्नर्यविवे रापाआपाः । उभाइ । यत्वारोदसीधावतामानु

ता श थाच्च टी काय ट श टा श का थिच्च टि काय ट टा ता श था टि किय ट

आनु । भ्यसाक्तेशु ष्मातपृथिवीचीदाद्रीवोद्रीवाः । द्रीवाए हियाहा । होइला ॥३ ॥

टा ता थाच्चक टि चाय ट टा काख प्लाश प्ल शा

॥अत्रेविवक्तोद्वौ ॥

आयोवाआयायोवा । श्राक्ताइ । दाधा । मिप्रथमायमान्यावाइ न्यावाइ । आयोवाआयायोवा ।

चाट चिट प शा खण टी काय ट श टा श चाट चिट

आहन्याददा ।स्युन्नर्यविवे रापाआपाःआयोवाआयायोवा ।ऊभाइ यात्वा ।रोदसीधावतामानुआनूआयोवाआयायोवा ।भ्यासाक्ताइशू ।ष्मात्पृथिवीचीदा
प श ख ण टि चाय ट टा चाट चिट प शाख ण टि किय ट टा चाट चिट प श ख ण क टि चा
द्रीवोद्रीवाःद्रीवाऔहोवा ।हाहाउवा ।द्रिवअौ
य ट टा टटख शि त ति चि
होह म् ॥४ ॥

ट तच
ईयोवाईयायोवा ।श्रा
चाट चिट प

क्ताइ ।दाधा ।मिप्रथमायमान्यावाइ न्यावाइ ईयोवाईयायोवा ।आहन्याददा ।स्युन्नर्यवीवे रापाआपाः ।ईयोवाईयायोवा ।ऊभाइ या
श ख ण टि काय ट श टा श चाट चिट प श ख ण टि चाय ट टा चाट चिट प श ख
त्वारोदसीधावतामानुआनूईयोवाईयायोवा ।भ्यासाक्ताइशूष्मात्पृथिवीचीदा(द्रीवोद्रीवाःद्रीख)औहोवा ।हाहाउवा ।द्रिवईयोह म् ॥५ ॥

॥महासावेदसेष्ठे ॥

आयाम् ।श्राक्ताइ ।दाधा ।
त त प श ख ण

मिप्रथमायमान्यावाइ
टि काय ट श

न्यावाइ ।आयाम् ।आहन्याददा ।स्युन्नर्यवीवे रापाआपाःआयाम् ।ऊभाइ यात्वारोदसीधावतामानुआनूआयाम् । ।भ्यासाक्ताइशूष्मात्पृथिवीचीदा(द्रीवोद्रीवाःद्रीख)औहोवा
टा श त त प श ख ण टि चाय ट टा त त प श ख ण टि किय ट टा त त प श ख ण क टि चाय ट टा टट

द्रिवोद्रीवाः
चाट ख

अयय्याः ।श्रक्ताइ ।दधा ।
ति चा शा थाच्

मिप्रथमायमान्यावाइ
टि काय ट श

न्यावाइ अयय्याः ।अहन्याददास्युन्नर्यवीवे रापाआपाःअयय्याः ।
टा श ति चा थि टि चाय ट टा ति

उभाइ यत्वारोदसी
चा श थाच् टि

धावतामानूअयथ्या: |भ्यसाक्तेशु ष्मात्पृथिवीचीदाद्रीवोद्रीवाःद्रीखः)

कि य ट ति चा थाच्क टि चाय ट टा टद्

औहोवा |हाहाउवा |द्रीवाई ॥७ ॥

शि त ति टाख

॥शैरीषेद्वे ॥

औहोहोहाइ |श्राक्ताइ |दाधामिप्रथामा

ता त त श ख शा फा फी

यमन्यावे यमन्यावाइ |अह श्याददास्युन्नर्य

खि श खि ण श णा फि फि

वीवेरा पोवीवेरा पा: |उभाइयात्वारोदसीधावतामानूवतामानू |भ्यसाक्ताइ

खि श खि ण णा फि फी खि श खि ण णा

शूष्मात्पृथीवीचीदाद्रीवोचिद्राइवाः |द्रीवा

फि फी खि श खि ण णा टद्ख

औहोवा |हाहाउवा |एद्रीवाईहा ॥८ ॥

शि क ति त काटख

श्रक्ताओहोहोहाइ |

टि त त त श

दधा मिप्रथमायमान्यावाइन्यावाइ |अहाौहोहोहाइ |यददा स्युन्नर्यवीवे रापाआपाः |उभाऔहोहोहाइ |

थाच् टी काय ट श टा श टि त त त श थिच् टि चाय ट ट टि त त त श

यत्वारोदसीधावतामानूआनूभ्यसाऔहोहोहा

थाच् टि कि य ट टा टि त त त

इ |ताइशु ष्मात्पृथीवी

श थिच् क टि

चीदाद्रीवोद्रीवाः |द्रीवाौहोवा |हाहाउवा |द्रीवए द्रीवाः ॥९ ॥

चाय ट टा टद्ख शि क ति चि टाख

॥इन्द्रस्येन्द्रियाणीत्रिणि ॥

समोहाइ ।आइतविश्वाओजसापतिमोइदिवाहाहाइ ।यआइकाईत् ।भूरातिथिर्जनानांहाहाइ ।सापूर्व्योनूतानमाजिगाइषान्हाहाइ ।

ता त श षु कि कि पि ष्ट ड श चा या ट च चा टि ख ष्ट ड श टी का चा टा खा ष्ट ड श

तंवार्क्तानी रानुवा

क या टच्क टा

वृतआएक्याउवा ।

चि ट का ता

वृधे ॥१० ॥

ताच्

समेतविश्वाओजसापतिमेपातीम् ।दिवयाहौहौहोवाई या ।यआईकाईत्भूरातीथिर्जनानांहौहौहोवाई या ।सापूर्व्योनूतानमाजिगा

षु तु कि ट ट त टा त त या ट ट था टि क ट ट त टा त टि का चा चा

इषान्हौहौहौहोवाई या ।तंवार्क्तानी रा

काट ट ट त टा त क या टच्क

रुवावृताआयेक्या

टा चाच ट का

उवा ।महे ॥११ ॥

ता ताच्

समेतविश्वाओजसापतिमेपातीम् ।दाइवायाऔहौहो

षु तु यि ट ट ट त

वाओमोवा ।यआइकाई ।त्भूरातीथिर्जनानाऔहौहोवाओमोवा ।सापूर्व्योनूतानमाजिगाइषान्हौहौहोवाओमोवा ।तंवार्क्तानी रानुवावृत

चि श चा या ट च चा टि टा ट त चि श चाय ट का चा टा टि ट त चि श का य टच्क टा

आएक्याउवा ।धर्माणे ॥१२ ॥

चि ट का ता टा ख

॥वैरूपाणित्रिणि ॥

इमेतया ।न्द्रातेवयम्पुरुषूता ।येत्वारभ्यचरामसिप्रभूवासाबु ।नाहित्वादन्योगिर्वणोगिरा

ती दू टा षी दू टा श षु दु

स्साधात् ।क्षोणीरिव प्रतितद्वय

टा क षि

नोवाचावचाउवोवा ।होइला ॥१३ ॥

दू पा मु ष शा

इमेतया ।न्द्राते वयम्पुरुष्टायाइत्वा ।राभ्या ।चारामसीप्रभूवासाबु ।नाही त्वादा न्योगिर्वणोगिरा स्साधात् ।क्षोणीराइत्वाप्रातीतद्वरीयानोवाचा ।ओइला ॥१४ ॥

ती का कूय टाच यटच कू टाश यटचय टच ची का चा यटचय टाच का कि टिखण प झा
इमेताइन्द्रतेवयं)पुरुष्टूतोवा ।येत्वाराभ्याचरामसीप्राभूवासाबु ।नाहित्वादा

पि षु ष्ठिड श टी खी चा फा श टी
न्योगिर्वणोगीरा साधात् ।क्षोणीराइवा प्रातीतद्वार्यनोवाचाः ।होइला ॥१५ ॥

खी चा फा टुच टी झी झु शा

॥बार्हदुकथञ्च ॥

चर्षणीधृतांहाबु ।माघवानामुकथायाम् ।इन्द्रज्ञीरोदृहतीरा भ्यानूषाता ।वावृधाना

तु त श कि टि त षु की टि त टी

म्पूरुष्टू तांसुवात्काइभीः ।आमा र्तीयाजरमाणान्दाइवे ।दाइवोहाइ ॥१६ ॥

टिच टिख णा टाच का टी प शा ख झा शा

॥त्रासदस्यवेच ॥

अच्छावइन्द्रम्मतयस्वर्यूवाए ।सद्गीचीर्विश्वशतीरनूषाता ।पारीष्वजन्तजनयोयथापातिं ।मर्यन्नाशू ।न्धूर्म्मघवानमू औहोवा ।तया ई ॥१७ ॥

षु तू त षु कु टा षु कु टा टि त टी खा शि ताच ख

आच्छावइन्द्रम्मातयाः ।सूवार्यूवा साध्रीचीर्विश्वाऊ

प मु डा क टिप मु

शतीः ।आनूषतापारिष्वजन्ताजनयाः ।या

डा क टिप मु डा क

थापताए मार्यन्नशुन्द्युर्म्माघवा ।नामूतायाबु ।बा ॥१८ ॥

भीप मु डा क काच श टख

॥सौमरेद्वे ॥

अभित्याम्मेषम्पूरुहू ।तामृग्मायाम् ।ईन्द्राङ्गीर्भाईर्मदतावस्वोर्णावामोहाहाइ ।यस्यद्यावोनविचर न्तीमानूषामोहाहाइ ।

खि प्लि डि श चा टा ता चू का पाफ़त श ची कीच श किप फ़त श

भुजेमंहिष्ठमभिविप्रमर्चतादुरातिनाौहोवा ।ऊपा ॥१९ ॥

षू कू टा खा शि ख श

त्यंसूमेषम्माहयासूवर्वाइदाम् ।शतांयस्यसूभुवस्साकामाइराताइ ।अत्यन्नवाजंहावानस्यादांराथां ।आइन्द्रं ववृ

खा प्लि डा टि ता ता चि चि का याट श षू चा का चयट किच का

त्यामवसाइसूवृौहोवा ।क्तीभीः ॥२० ॥

टूट ख शि ख श

॥वरूणसामनीद्वे द्यावापृथिव्योर्वासामनी ॥

घृतवतीभुवनानामभाइश्रिया ।

षू ती ति

उर्वापृथ्वीमधुदुघेसुपेशासाद्यावापृथिवीवरूणास्याधर्मणा ।वाइष्कभीतायाजरे भूरिराईतसाउवा ।इन्दुस्समुद्रमूर्वीयाविभाती ॥२१ ॥

षु कू च पू की चि कीच कि टि कि ता का कु कि ख

घृतावाताइभुवनानामभाइश्रियाउर्वापृथ्वीमधुदुघेसुपेशाहोइ ।द्यावापृथ्वीवरूणास्याधर्मणाहोइविष्काभाइते ।आजरे

णा फा खी शू पू टू च श षी की टि च श टि ता कि

भूरिराईतसाउवा ।एइन्दुसामुद्रमूर्वीयावीभाती ॥२२ ॥

चि कि ता का कु कि ख

॥इन्द्रस्यचश्येनः ॥

उभेयदिन्द्ररोदसाइ ।आपाप्राथाइषाआउवाईवा ।माहान्तन्तवामहाइनाम् ।सम्राऔहो ।जञ्चऋषणाआउवाए ।नामा ।देवीजनत्रयाजीजानात् ।भद्राऔहो ।जानित्रयज

तू ता श टा का ता टि ख श टी टी पि श कि ता भी त ख क यू टा पि श टि त

आउवा ।एजनादा ॥२३ ॥

टि त का ख

॥वैरूपम् ॥

प्रमन्दाइनाइ । पितुर्मदार्चातावाचाः । याः कुओवा । षणागभीराह ब्रृजाइश्वानाअवस्थावाः । वृषाणं वाज्रादक्षा

खि शि खी चा फा टाखण चि कि टु खि ण कि का खा

इणम् । मारौ वाउवोवा ।

णा का खि श

त्वन्तं सख्याय उहुवाइ महाबु । वा ॥२४ ॥

षु ष्ठि ष्ठि श श

द्वितीय खण्डः

॥यामम् ॥

स्वादोरित्थाविषूवतोमाधोःपिबन्तिगौर्याः ।
 फू ता प श्रु
 याइन्द्रेणासायावारी ।वृष्णामद् न्तीशोभा
 की टि त चा काच्क टा
 था ।वस्वाइरानू ।स्वारा ज्यामिळाभा ।ओइळा ॥१ ॥
 त चा याट का टि खण् प शा

॥गृत्समदस्यमदौद्वौ ॥

इत्थाहिसो ।माइम्मादाः ।ब्रह्माचाकारावर्द्धानाम् ।शाविष्ठवज्ञिनोजासा ।पृथिव्यानिशशाआहीमर्च्चान्नानू ।स्वारौहोवा ।जीयमोइळा ॥२ ॥
 ती टि त की च टात कु यत कि कि का चाय टच्च चिकच क प्ला शा
 इत्थाहिसोमइम्मदाः ।ब्रह्माचाकारावर्धानाम् ।शवाइष्ठावाज्ञिनोजासावपृथिव्यानिशशा
 फी की की टि ख खीश खिण कि कि
 आहीमर्च्चान्होइनोहोइस्वारा ज्यामिळाभा ओइळा ॥३ ॥
 क कि टि की टि खण् प शा

॥आभीशवेद्वे ॥

न्द्रोमदा ।यवावाद्वाइ ।शवसेवृत्रहानृ भीः ।तमिन्महत्स्वाजा
 ती खि शा की खिप्ल खु
 इषू ।ऊतिमर्भेहवामाहाइसावा ।जाइषुप्रनोबावाइषाद्वाइ ॥४ ॥
 शा षी खि शी पु प्ल प्ल शा
 इन्द्रोमदायवावृधाइ ।शवसेवृत्राहानृभीस्तामिन्माहात्साहाबुजाइषु ।ऊतिमर्भेहवा मा
 फी की श की कायप षु शु क टुच्चख
 हाइसावा ।जाइषुप्रनोबावाइषा ।द्वाइ ॥५ ॥
 शी पु प्ल प्ल शा

॥आभीकेद्वे ॥

इन्द्रोमदायवावृधाइ । शवसेवृत्राहानृभीराौहोौहोवाहा । तामिन्महत्स्वा
 फी कीश किच टा काश टिच्कट ख ड

जिषु आौहोौहोवाहा । ऊतिमर्भेैहवामाहाौहोौहोवाहा
 काश टिच्कट ख क कि टा काश टिच्कट ख

सावाजेषु प्रानोैवाइषाैद्वाइ ॥६ ॥
 यीप श ख छाै शाै

इन्द्रोमदायवावृधेशवसेवृत्राहानृभीः । तामिन्महत्सुआजिषुैऊतीमार्भाइ । हवामा
 षु तू चायट का टि टि काखणश टा

हाइ । सावाजेषु प्रानोैवाइषाैद्वाइ ॥७ ॥
 चाश यीप श ख छाै शाै

॥बार्हगिराणित्रीणी ॥

इन्द्रोैमदायवावृधेशवासाइवृै । त्राहाौहोवाौहोवानृभाइःै । तामिन्महत्स्वाजिषुैतिमार्भाइ । हवावाौहोवाौहोवामहाइ । सावाजेषुप्रनाऽौहोवाौहोवाइषाै
 ताप त दूखणा य तात्द ख शी की दूतश टा तात्द ख शी दू तात्द खाछ छि

इन्द्रोैमदायवावार्द्धाइ । शवसेवृत्राहानृभीःै । हाबुहौहोवाै । तामिन्महत्सुवाजिषुैऊतिमर्भेैहवामाहेै । हाबुहौ
 खाै छीड शाै की कायप फित ट कुट पाक कि कायप फि

होवाै । सावाजेषु प्रानोैवाइषाैद्वाइ ॥९ ॥
 त त यीप श ख छाै शाै

ओहाइन्द्रोैमदायवावार्द्धाइै शवसेवृत्राहानृभीःै ।
 फाै खाै छीड शाै कीच कायप

आबुौहोवाै । तामिन्महत्सु
 फि त त कु

वाजिषुै । आबुौहोवाै । ऊतिमर्भाइहवौहोवामाहेै । सावाजेषु प्रानोैवीषादौहोवाै
 ट पाै फि त त क कु थाै टाै यप श पिै छाै
 होइलाै ॥१० ॥
 छ शाै

॥इन्द्रस्यचस्वाराज्यम् ॥

इन्द्रतुभ्यमिददीवाए ।आनुक्तंवज्रि न्वीर्यय यद्गात्याम्मा ।याइनमृगा न्तावात्याम्मा ।यायावधी रच्चान्नानूस्वारा ज्यामिलाभा ।ओइळा ॥११ ॥

षी तीत कुच का काय ट कुच काय ट कीच का काय ट का टि खण् प शा

॥कश्यपस्यचधृष्णुम् ॥

प्राइहि आभिहिधृष्णुहाओहो ।नाता इवज्ञेनियंसताओहो ।आइन्द्रो नृमणंहितेशवाओहोहानो वृत्रन्जयाअपाओहो ।आर्चचान्नानूस्वारा ज्यामिलाभा ।ओइळा ॥१२ ॥

टिच्क कुट त टाच् षि दु त टिच् षी टि त टाच् षी टि त टा टा का टि खण् प शा

॥वैदन्वतम् ॥

यदुदीरा तआजयाः ।धृष्णवेधी याताइधानम् ।युज्ञामदच्युताहारी ।कंहनःकंवसा

फी शा का कीच का याट क दु खण क दु

बुदाधाः ।अस्मिन्दूरा

खाण ता ता

वासौदाधाः ।ओइळा ॥१३ ॥

टि खण् प शा

॥यामेद्वे ॥

अक्षन्नामीमादन्तहीयावप्नियाधुषता ।आस्तोषतस्वभानवोविप्रान्नावीष्टायामतीयोजानू

चीक फ ता प शु का क्र मि त की टि

वा ।इन्द्रा ताओहोवा ।हारी ॥१४ ॥

त टाट्ख शि ख श

उपोषुश्रुणुहीगिरए औहोवा ।माघवन्मातथाइवाकदा

षु ति खात्र क टि ष्टा ख

नस्सु ।नार्क्तावतःकरा इदर्था

ता का की चि

यासाई द्योजान्वाइन्द्राताओहोवा ।हारी ॥१५ ॥
 य पा खा ता टा ख शि ख श

॥त्रैतानित्रीणि ॥

चन्द्रमायाउवा प्सूआन्ताराउवा ।सुपर्णोर्धाउवा ।वातेदिविनवोहाइरा उवा ।ण्यानाइमायाउवा ।पादंविन्दाउवा न्ति
 क कुचक कु कुच क षु किच का क कुच कुच
 विद्युतोविक्तम्मायाउवास्यारोदासा इ ।ओइला ॥१६ ॥

चन्द्रमाया ।प्सूआन्तारा ।सुपर्णोर्धा वाताइदीविया ।नवो हिर ण्यने मयःपादंविन्दन्तिविद्युतोहाइ ।विक्तंहोइमायाहो स्यारोदासा इ ।ओ
 ती त पा श कीचकट चा ता टाच का का कु पी ण श टू कथ टि खण् श प
 इला ॥१७ ॥

चन्द्रमायाप्सूअन्तरा ।सुपर्णोर्धा वाताइदाइवि ।नवो हीर ण्यने मयःपादंविन्दन्तिविद्युताः ।विक्तंहोइमायाहो स्यारोदासा इ ।ओइला ॥१८ ॥

॥सौपर्णेष्वे ॥

चन्द्रमायप्सुआ ।न्तारासुपर्णोर्धा
 तु कुच
 वातेदाइवी ।नवोहोइ ।
 टि ता टाच श

हिर ण्यने मयःपादंविन्दन्तिविद्युताः ।विक्तंहोइमायाहो स्यारोदासाओहोवा ।उऊपा ॥१९ ॥

चन्द्रौहोमायप्सुअन्तराओवा ।सुप णोर्धावातेदाइवाएहोवाहो
 षु तु का का टू काख
 इहुवोइ ।नावोहोइरण्यनाइमायाहोवाहोइहुवोइ ।
 ति श षु टी काख ति श
 पादंविन्दन्तिवाइद्युताहोवाहो
 षु टी काख

इहुवोइ । विक्तम्मेअस्यरोदासाए होवाहोइहुवोवा । उऊपा ॥२० ॥
 ति श षू टि काख खित्र खाश

॥लौशम् ॥

प्रातिप्रयतमंरथाम् । वार्षण्वासूवाहानाम् । स्तोतावामाश्चिनावार्षीः । स्तोमाभीः
 प मुडश क कि टि ति भित टाखण भी
 भूषातिप्राती । मध्वाइमामा । श्रूतां । हाआवांहाइ ॥२१ ॥
 का खाण भी त प श ख छा शा

तृतीय खण्डः

॥इन्द्रस्यसञ्चयेद्दे सेनुदेवा वामदेव्येवा ॥

आतेअग्निधीमाहाइ ।द्यूमन्तन्दे वाआजरामा ।

प शु ड श तीच् क ट च ता

यद्ग्न्यास्याताइ ।पानीयासी ।सामीद्विद् यताइद्याविया ।ईषंस्तोतृभ्याया ।भारो ।हाइ ॥१ ॥

मि त श का ख ण की टा चा ता टि त प श ख प्ल शा

आतेअग्निधीमाहाइद्युमन्तान्देवाआजर म् ।यद्ग्न्यातेपनीयसीसमिद्विद्यताइ ।हिंहिन्द्यावी ।इषंस्तोतृभ्याया ।हिंहिंभारो ।हाइ ॥२ ॥

फू खा फ्ली ख फ्ली षु तू श ट खाण टि श प श प श ख प्ल शा

॥अङ्गिरसान्निवेष्टौद्वौ ॥

आबुओहोवा ।अग्निन्द्रस्ववृक्तिभीः आबुओहोवा

फि त त षी कि ख फि त त

होतारन्त्वावृणीमहे आबुओहोवा ।शीरम्पावा

षी की ख फि त त क थाच् क

काशोचिषं विवोमादाइ आबुओहोवा ।यज्ञाइषुस्ती

की खि ण श फि त त कु

र्णाबर्हिषां आबुओहोवा ।विवक्षसे ॥३ ॥

की ख फि त त च खि

अग्निन्द्रस्ववृक्तिभिः ।इहइहाहाइ ।होतारन्त्वावृणीमहे इहइहाहाइ ।शीरम्पावाकाशोचिषं इहइहाहा

का कु तीत श षी का का तीत श क थाच् क की तीत

इ ।विवोमादाइ ।इहइहाहाइ ।यज्ञाइषुस्तीर्णा

श खि ण श तीत श षु

बर्हिषं इहइहाहाइ ।वाइवा औहोवा ।क्षासे ॥४ ॥

की तीत श ट खा षि ख श

॥सत्यश्रवसोर्वार्यश्चसाम ॥

महाइमहोनोअद्यबोधाया ।ऊषोराये दिवित्माती ।यथाचीन्नो ।आबोधायाः ।सत्याश्रावासिवाय्याइ ।सुजाते आ ।श्वासु ।
 खा षी ष्टिङ श कीचक टा त भि त काखण भि त टाखण श भि त प श
 नार्कृतो ।हाइ ॥५ ॥
 ख फु शा

॥उषसश्चसाम ॥

भद्रन्नोअपिवातया ।मानोदक्षामूताक्रातूम् ।आथाते सख्येअन्धासावीवोमादाइरणागावे
 पि शु टा कीखण च था का टि खिण श टा टाच
 नायवसाइवाइवा औहोवा ।क्षासे ॥६ ॥
 क टुट खा शि ख श

॥लौशञ्च ॥

कृत्वामहं अनुष्वाधाए ।भीमाआवा वृताइशावाः ।श्रीयाक्रष्वाऊपाकायोः ।नीशिप्रीहारीवान्दाधाइ ।हस्तायोर्वा ज्ञामोबायासां ।हाइ ॥७ ॥
 षी ती त चा थाच का या ट ता ता काखण ची काय ट श भि तच्चक प फु ष्टा शा

॥यामञ्च ॥

सघातंवृषणं रथा औहोवा ।आधीतिष्ठ
 फा फी खाण फ श क चि
 तीगोवाइदाम् ।यःपात्रं हारियोजानम् ।पूर्णामिन्द्राचिकेताती ।योजानूवा ।इन्द्रा ता
 काय टा कि टि खण क कुखण भि त टाट्ख
 औहोवा ।हारि ॥८ ॥
 शि ख श

॥अङ्गिरसाञ्चैवनिवेष्टः ॥

अग्निन्तम्मान्येयोवासुः । अस्तंयद्यान्तीधेनावाः । अस्तामर्वान्तायाशावाः । अस्तान्नित्यासोवाजाइनाः । इषंस्तोत्रहाहो
 स्ती श्ली टी टाखण टी टाखण टी टाखणा टी खा
 हाइ । भ्यायाभारो । हाइ ॥९ ॥

ण श प श ख फ शा

॥गौरयश्वाङ्गिरसस्यसाम ॥

नतमंहेनदुरितमियइयाहाइ । दाइवासोअष्टामार्कत्यामियइयाहाइ । साजोषसो
 षू तू त श की कु टि त श की
 यमर्यामाइयइयाहाइ । माइत्रोनायान्तिवारूणाः । आतिद्वीषाः ॥१० ॥

की टी त श की टि ख न थ टाख

चतुर्थ खण्डः

॥वसिष्ठस्यसङ्गमौद्वौसौहविषाणित्रीणि सर्वाणिवासौहविषाणि ॥

परिप्रधवन्वा |इन्द्रायसोमास्वा
तु यू

दूर्हाइ |मित्रायापू
पणश चिक

ष्णेभाहाइ |गायो ।
पाणश पङ्क
हाइ ॥१ ॥
शा

परिप्रधन्वाइन्द्रायसोमाओहाओहाइ |स्वादुर्मित्राया
तु दू त ट त श दू

ओहाओहाइ |पूष्णा
ट त ट त श खा

औहोवा |भगाया ॥२ ॥
शि ता ख

परीहोइ |प्रधान्वा ।
ताच श खाश

इन्द्राहोयसोमा ।
ताच खाश

स्वादूर्होइमित्राया |पूष्णेहोइभगाया ।
ताच श खाश ताच श खाश

पूष्णेभगायपूष्णेहोइभगाया |एस्वर्वाते ॥३ ॥
षु ट ा ख चित्र त खि

हाहाइपारीप्राधन्वाए
त ची टि ख

हियाहाहाइ |हाहाइ न्द्रायसोमाए
झात त श त ककथ किट ख

हियाहाहाइ |हा
झात त श त

हाइस्वादूर्मित्रायाए हियाहाहाइ । हाहाहाइ पूष्णे भागायाए हियाहाहा इ । ओइला ॥४ ॥
 कि थच् काट ख स्नात त श त त का थाच् काट ख स्नात खण् श प शा
 पर्येपारीप्राधन्वाहोवाहोइ न्द्रायसोमाहोवा । होइस्वादुर्मित्रायाहोवाहोये । पूष्णौवाउवो
 ती कु का कु कि कू टा का खि
 वा । भगायाबु । वा ॥५ ॥
 श स्लि श श

॥वाकानित्रीणि ॥

पर्यूषुप्रधन्वावा । जसाताया । ओइपारी ओइवृत्रा णीसक्षणीद्वाइषास्तारा । धीयाक्रणायाना । ईरासाआइरासा इ । ओइला ॥६ ॥
 पि ती की की टीचक यू टा टा भि क भि ट खिण् श प स्ना
 पर्यूषू । प्राधान्वावाजसातायाइ । परिवृत्राणिसाक्षाणिद्विषास्तारा । धियाक्रणायानाई हिं । रासो । हाइ ॥७ ॥
 ति टी का खण् श बु चा कि प श चा या पा शच खफ्ल शा
 पर्येपारी । ऊषुप्रधन्वावाजसातये
 ती षे
 परिवृत्राणिसाक्षाणिद्वाइषास्तारा । धीयक्रणया
 क्ल टि ताट त बु
 नयाउवाओबारासो । हाइ ॥८ ॥
 की प स्लि शा

॥प्रजापतेर्धर्मविधर्माणिचत्वारि ॥

पवस्वसोमा । माहान्सामूद्राः । पीतादेवानां
 तु चक कि
 वाइश्वाऔहोवा ।
 दू खा शि
 भीधामा ॥९ ॥
 टा ख
 औहोवा औहोवा औहोवा औहोवा । पावास्वसोममाहा
 कु था ट ख शि ची चि

न्सामुद्राः पीतादेवानां
चि का टि

विश्वा भिधामा औहोवा औहोवा औहोवा | एधर्मा ॥१० ॥

काच्कटख कु थाटख शि तटख

ओहोवा ओहोवा ओहोवा ओहोवा पावस्वसोमामाहेदक्षायाश्वोनानिक्तोवा
कु थाटख शि कू चि का चि ट

जीधनाया | ओहोवा ओहोवा ओहोवा औहोवा ।
कि ख कु थाटख शि

एविधर्मा ॥११ ॥

त काख

पवस्वसोमा | माहेदक्षायाआश्वोननिक्तोवाजा
तु कथ टि कु ख
औहोवा | धनाया ॥१२ ॥
शि ता ख

॥भागञ्च ॥

इन्दुःपविष्टा | चारूर्मादायाअपामुपास्थाइ ।
तु ट कि कि टात श

कावा औहोवा | भगाया ॥१३ ॥
टटख शि ता टख

॥वाजिनाञ्चसाम ॥

अन्वनू | हाइत्वासूतं सोमामदामसिमदा | मासाएमहाइसामा | रीयाराज्येवाजं आभीपवमानपवमानाः | प्रागा हासा औहोबा | होइला ॥१४ ॥
ति कि कि चि कीच् का ट खीण चा टा टाच्क षु कि च टाच्क टा खङ्ग षु शा

॥प्रजापतेर्हिकनिकविकानित्रीणि ॥

कईव्यक्ताः । नारस्सानाइला रूद्रस्यमर्याथा औहोवा । स्वश्वः ॥१५ ॥
 ती ची टाच् दूदख शि त टख्

काई वियाक्ताः ।

णाफ् खा ष्ठ

नारा स्सानाइलाःरूद्रस्य

णाफ् ख ष्ठि

मर्याथा औहोवा ।

दूदख शि

सुवाश्वः ॥१६ ॥

ता ख

काई वियाओवाक्तानाराः । सनाओवा

था टाक ख शि टाक ख

इलारूद्रा । स्यमाओवार्याथा । सुवाओवा

शी टाक ख शि टाक ख

श्वः । होइला ॥ १७ ॥

षु षु शा

॥आश्वेद्दे ॥

अग्नेतमद्या । अश्वन्नस्तोमाइःकृतू न्नाभाद्राम् ।

तु था कूचक टा

हार्द्दिस्पृशामृद्ध्या माओहोवा । ताओहैः ॥१८ ॥

टा क च टाट्ख शि टा ख

आग्ने होइतमाद्या । अश्वन्नस्तोमाइःकृतु न्ना

फाफ खिश था कूचक

भाद्रां । हार्द्दाओइ । स्पृशामृद्ध्या मा

टा थाच श चा टाट्ख

औहोवा । ए ताओहैः ॥१९ ॥

शि तच्चक ट ख

॥वाजिनाञ्चसाम ॥

आविर्मार्याः । आवाजंवाजिनोगमान्देवा । स्यसवीतुस्सावाइ । स्वर्गार्वान्ताः । जयता ॥२० ॥

क पा ण षि दु च दु त श टा खा त्र क टाख्

॥आदित्यानाञ्चपवित्रम् ॥

पवस्वसोमा । द्युम्नी सूधाराः । माहीनामानूपूर्वीयो इळा ॥२१ ॥

तु णाफ् खाष्ट टि टि खाष्ट शा

पञ्चम स्वण्डः

॥इन्द्रस्यक्रोशानुक्रोशेद्वे ॥

इन्द्रा ।सुतेषुसोमेषूहोयेहू होइक्रतुंपुनिषउकथ्यां ।वीदाइवार्दधास्या ।दक्षास्यामहंहिषाः ।ओइला ॥१ ॥
 ता कु टि सद् षी चु चा या टत पा श टा खाण् प शा

इन्द्राहोइहवे होइ ।सुतेषुसोमेषुक्रतुंपुनीषउकथ्याम् ।वीदाइवार्दधास्या
 ता की च श षु चू चा या टक
 दक्षस्यामाहंही ।षाः ॥२ ॥
 चि फि ख

॥कौत्सन्तृतीयम् ॥

इन्द्रसुतेषुसोमेषू ।क्रातूंपूनाइषाउकथ्यांवीदे
 षु तात टा की चा का
 वार्दधास्यादक्षस्या ।महंहाइषाः ।महंहिषाः ।ओइला ॥३ ॥
 टा क चि टु टा खाण् प शा

॥प्रहितोःसंयोजनेद्वे ॥

तामूआभिप्रगायता ।पुरुहूतंपूरुषूताम् ।इन्द्रा झाइर्भीस्ताविषामा ।वीवा
 ण फ खी शा दू टा टाच कि टि त
 साताओहोवा ।ओकाः ॥४ ॥
 टि ख शि ख प्ल

तामूआभिप्रगायतेदाम् ।पुरुहूताम्पुरुषूताम् ।आइन्द्रझीर्भीस्तविषमा वीवासाताआइन्द्रा झाइर्भीस्ताविषामा ।वाइवा औहोवा ।सतए ॥५ ॥
 ण फ ची शि दू टा टीच कुच काय ट कि ख ताच क टा त ट खा शि खि

॥दैवोदासेद्वे ॥

हाबुतमूअभी । प्रगायताहाबु । पुरुहू तम् । पुरुष्टुतांहाविन्द्राज्ञाइर्भी
तु का भि श खि ण का भि खि ताच्

स्ताविषामाहाबु । विवासाता । दीवि ॥६ ॥

क पा फण श खि त्र ख श

तामू अभी होइप्रगा

फा णाफङ्ग खी

यताए । पुरुहू ताम् । पुरुष्टु ताम् । पुरुष्टु तम् । इन्द्रा
ष्ठि भित भित टा खण

ज्ञीर्भा इस्तवाइषामा । वीवासा । विवा

भि तच्च श भीत भित टा

साता । आइन्द्रज्ञीर्भा इस्तविषमाविवावाहा
खण की तच्च टृ त त

सताउवोवा । ऊ ॥७ ॥

टा खा श ख

॥हारिवर्णानिचत्वारि ॥

तन्तेमदङ्गणिमासी । वृषाणंपृक्षुसा
दू चा दूच

साहाइम् । ऊलोकाकृत्तुमद्राइवोहारी । श्राया म् । ओइळा ॥८ ॥

क च श सु टा ता ट त ट खण प शा

तन्तेमदङ्गणीमसीए । वृषाऔहोणंपृक्षुसासहीम् । ऊलोऔहोककृत्तुमद्रिवाः ।

षी ती त कि ख यी शा कि ख शु

हारोबाश्रायां । हाइ ॥९ ॥

क प फङ्ग षा शा

तान्ते होइमदांगृणीमसीए । वृषाहो

ण फङ्ग खी फु टि

पंपृक्षुसासाहिं । ऊलोककृत्तुमद्रिवोहा
यी टा शु यी

री श्रीयामौहोवा ।होइला ॥१० ॥

टचक पा ष्ण फु शा

तन्देमदांगृणीमसाइ ।वार्षाणंप्रक्षुसासा
फी की श कु टा

हींहोवाहाइ ।उलोकाकृहोवाहाइ ।

त टा त श टि त टा त श

त्वुमाद्रा इवा औहोवा ।हारिश्रीया म् ॥११ ॥

टिद खा शि च टिख

॥त्रैतानिचत्वारि ॥

औहोयौहोवा ।यत्सोममीन्द्रावीष्णावाइ औहोयौहोवा ।यद्वाघत्रीतायासीयाइ औहोयौहोवा ।

च य ट ख श खी कि फ श च य ट ख श खी कि फ श च य ट ख श

यद्वामरूत्सूमन्दसाइ ।औहोयौ

खी कि फ श च य ट

होवा ।सामिन्दुभीः ॥१२ ॥

ख त्र टि ख

हायोहायत्सोममान्द्रा वाऔहोवा ।ष्णावे ।

षु ता टद्ख शि ख श

यद्वाघत्रीतआसीये ।यद्वामरूत्सूमाहोन्दसाइ ।

टा का चा का दू टि श

समाहोये ।न्दुभिरो

टा टा खि

इला ॥१३ ॥

शा

यत्सोममिन्द्रविष्णावाइ ।यद्वाघत्रीतआसायाइ ।

षु ता त श षी ची श

यद्वामरूत्सूमन्दसोहाइ ।सामाऔहोवा ।

चू पाण श टद्ख शि

एन्दुभीः ॥१४ ॥

त टाख

यत्सोममाइन्द्रवीष्णवाइ । यद्वाघत्रीताआसे । यद्वामारूत् । सूमान्दासाइ । सामाऔहोवा । न्दुभिः ॥१५ ॥
 फी कु श टा च चा का टि त टा ख ण श तट ख शि ख प्ल

॥सराधसःप्राधस्यश्वाङ्गिरसयोस्सामानित्रीणि ॥

एदू माधोर्मदाइन्तार म् । सिञ्चाध्वर्योअन्धसाधासा । एवाहिवीरास्तवताइवाताइ । सदावार्धाः ॥१६ ॥
 फा फा खा खा श क टू खण क षी टि खाण श खित्र

एदुमधौहोर्मदिन्तरा म् । सिञ्चाहोअध्वर्योअन्धासाआइवाहिवीरास्तवताइ । सदा वृधाऔहोवा ।
 पु की भि टि भि यि टा च चिश टाच्वृ टा ख प्ल
 होइला ॥१७ ॥

एन्दुमिन्द्रायसीञ्चता । पिबातसोम्यम्माधू प्राराधांसी । चोदयतामा
 फि फा खा शा टा चा कि टि त यी प

ही । त्वानाऔहोवा । होइला ॥१८ ॥
 श टि ख प्ल फ शा

॥वैश्वमनसम् ॥

एतोन्विन्द्रस्तवामा । साखा यस्तोम्या
 तू त काच टा खणफ्ल

नारमाकृष्टीयोर्विशा । आभियास्त्याइकाई त् । आऔहोवा । ऊ ॥१९ ॥
 षु चि टी टि ख शि ख

॥सौमित्राणित्रीणि ॥

इन्द्रायसा । मागायतावाइप्रायाबृहाते बृहात् । ब्रह्माकृते वीपाश्वाइताऔहोवा । पानस्यवे ॥२० ॥
 ती कि चि टा का चा टीच्क टाट खा शि च टिख
 इन्द्रा यसामगायाता । वाइप्रा याबृहता
 खा फ्ली ड श किच टा खाणफ्ल

इबृहात् । ब्रह्माकृते वीपाश्चिते ओहोपा ना
शखश थ टिच् टी टिद्ख

औहोवा । स्यावे ॥२१ ॥

शि ख श

औहोओहोओहोवा । इन्द्रा यासामगायाताविप्रायाबृहातेबृहात् । ब्रह्माकृते वीपाश्चिते । औहोओहोओहोवा ।
क की खत्र टाच्क टिक टि चाक काश थ टिची टि क की खत्र
एपानस्यवे ॥२२ ॥

तच् टिख्

॥त्रैककूभानित्रीणि ॥

याएकाइद्वीदयाताइ । वासुमर्क्ताहाया
खफ्ख खीण श च टित

दाशूषाइ । आइशानोअप्राताहाइष्कृताः ।
काखण श कि टी खिण

आइन्द्रो अङ्गायाओहोवा । ईन्द्राः ॥२३ ॥

कि टाद्ख शि ख फ्ल

यएकइदिहाहाइ । वीदयताइवसुमर्क्तायादा
तूत श षु टि तच् चा

शूषाइ । ईशानोअप्रातिष्कृताआउवा । ईन्द्राः । अङ्गाओहोवा । होइला ॥२४ ॥

शि भित कि टि ख फ्ल क टाखफ्ल फ्ल शा

यएकइद्विदयाताइ । वासुमर्क्तायादाहिंशूषाइ । आइशानोअप्रताइ । ष्कृताः । आइन्द्रो अङ्गायाओहोवा । ईन्द्राः ॥२५ ॥

षी तित श पु शात त श यी चिश त त कि टाद्ख शि ख फ्ल

॥ओक्षोरन्धराणित्रीणि ओक्षोनिधनानिवा ॥

सखाययाहाबु । शिषामहेहाबु । ब्रह्माइन्द्राहाबु । यावज्ञणास्तुतऊषुहाइ । वोनृतमाहा याधार्षणा वाओहोवा । ऊपा ॥२६ ॥

तीत श खा शी खा शी

टूत श टी तच्क टाद्ख शि ख श

सखाययाशिषामहेब्रह्मेन्द्रायवज्ञिणोवा ।आइतिवाहोवाहाइ ।स्तुषऊषुवोहोहाइ ।नार्क्तामाहोवाहायाधार्षणावा
 षे तू त टि त टात श चिप प्लाड श मात टात च टाट ख
 औहोवा ।ई ॥२७ ॥

शि ख

साखाययाशिषामाहाइ ब्रह्मेन्द्रायवज्ञिणो
 फ णि किख श प्लू ट

हाइ ।स्तुषऊषुवोनार्क्तामायाधृहाहाइवोनार्क्तामायाधृहाहाइष्णावाऔहोओ
 ड श चि का किख प्लू त च का किख प्लू त च टि त
 होवाहा धृष्णावाऔहोओहोवाहाहा

तात कथ टि ता तात त ख

औहोवा ।उऊपा ॥२८ ॥

शि खाश

षष्ठ स्वण्डः

॥इन्द्राण्यास्सामनीद्वैइन्द्रस्यवासांवर्के संवर्तस्यवाङ्गीरसस्य ॥

एन्द्रनाः । गधिप्राया । सात्राजिता । गोहायागिराइर्वाइ । शताःपात्रूःपा ताऽहोवा । दीवाः ॥१ ॥
 ति क टाख की टाख ति श ति टाट ख शि ख प्ल

॥दैवोदासानिचत्वारि ॥

यस्याओत्याच्छाओंबर म्मादाइ । दिवोओदासा
 ता प ता प छात त श ता क ता
 ओयर न्धायायान् । अयाओंससोओमइन्द्राताइ ।
 प छात त श ता क ता प छ ता त श
 सुताःओःपिबाओबा । ऊपा ॥३ ॥
 ता क ता प छ ख श

यस्यात्यच्छांबरम्मादाइ । दीवोदासायरन्धायन्ना
 फी की शी
 यां सासोमइन्द्राताइ । सूताऽहोवा ।
 कूच्चक ख तित श ट ख शि
 पीबा ॥४ ॥
 ख श

यस्यात्याच्छांबरम्मादाइ दीवो दासायर न्धयन्नयां सासोमइन्द्राताइ । सूताओःपा इबा औहोवा । ईति ॥५ ॥
 खी ष्णी श टाच्चक षि कीच्चक ख तित श का टाट खा शि ख श
 यास्यात्याच्छद्वैइशंबराम्मदाए दीवोदासायरन्धय न्नयांसासोमइन्द्राताऽहोवा । सूताःपिबो । इला ॥६ ॥
 फ ष्ण खु ष्णि षी ची भि ख खी शि ख प्ल खा शा

॥रेवञ्च ॥

हाबुगृणाइ । तदाइन्द्रो ताइ । शवाओवा
 ती श खीण श टा का

उपामान्दे । वातातयाइयद्वंसाइवात्रमोजसाशाची । पाताऔौहोवाहा औहोवा । द्यूभीः ॥७ ॥
 स्विण षु टि खा शू टा ट खि शि खफ़

॥आक्षारञ्ज ॥

गृणेतदा औहोइन्द्रते शवाः । उपामान्देवातातायाइयद्वंसिवात्रमोजसाशाचीपा । ताइ ॥८ ॥
 स्वी खा चि णा चा था काट ख चि ता का चा चाफ ख श

॥रेवञ्जैव ॥

गृणेतदौहोइन्द्रते शवाः । उपामान्दे वातातायउपामान्दे वातातायाइ । यद्वंसी
 फु शि का चा टाच् का चीट थच् काट त श कि
 वृत्रमोजसाउवा । शाचीपाताइहोइला ॥९ ॥
 टि का ता खफ़ ख चि शा

॥आक्षारञ्जैव ॥

याइन्द्रसो । मापातामाः । मादशशवाइष्ठचेतताइ । याइनाहांसी । नीयत्रिणान्तामीमा । हाइ ॥१० ॥
 ती टाखण षी कि चाश टि खण की च क फ ख श

॥यामम् ॥

तुचेतुनायतात्सूनाः । द्राघीयआयूः । जीवा
 षी चि ण का खाण चा
 साआदित्यासास्सम्महसाः । कृणोता । ना ॥११ ॥
 टि टा टी चि त्र

॥भारद्वाजस्यशुन्ध्य ॥

वेत्थाहिनित्रितीनां । वाग्रहास्तापारी व्रजामाहारा
 षि ती की का कि का
 हाशुन्ध्युःपारी पदा । माइवा ॥१२ ॥
 का कि टा ख त्रा

॥आदित्यानाञ्चापामीवम् ॥

अपामीवामपा । स्त्रीधामपसे
 तु षु
 धतादुर्मातीम् । आदीत्यासो यूयोतनानाआउवा । ओबांहासो ।
 का टा त टा टाच्क षी कि प षु ष्णा
 हाइ ॥१३ ॥
 षु ष्णा

॥वसिष्ठस्यचैराजे ॥

पीबा । सोममिन्द्रमन्दतुत्वा ।
 ता षु दि
 यन्तेसुषावहर्याश्वाद्रीः ।
 क क्रुट त
 सोत) बर्हुभीयाम् । सूया ताऔहोवा । ए नार्वा ॥१४ ॥
 ट टि त टाख शि तच्च टाख
 हाबुपिवा । सोमामिन्द्रमन्दतुत्वादतुत्वा । य
 ती षु कि चि क
 न्तेसुषावहर्याश्वाद्रीश्वाद्रीः ।
 यु टा टा
 सोतुर्बाहुभ्यांसूयतास्सूयतोनार्वा औहोवा । ई ॥१५ ॥
 क की कि किट्ख शि ख

सप्तम स्वण्डः

॥इन्द्रस्याभ्रातृव्यम् ॥

आभ्रातृव्यो अनातुवाम् । आनापिराइन्द्रा जनुषा
 की की कूचक टा
 सना दासी यूधे दापित्वामिच्छसे । युधा ॥१ ॥

खाणफङ्ग श चाक कु ताच्

॥शार्करेद्वे ॥

योनोहाबु । ईदामिदम्पूराहाबु । प्रावाप्रवस्ययाहाइ । नीनानीनायतमुवो
 तात श दूत श दूत श शी टी
 हाबु । स्तुषाइ सखाययाहाइ । न्द्रामूताया इ । श) । ओइला ॥२ ॥

त श षि टी त श टि खण प शा

योना इदमिदाम्पूरा । योनइदमिदाम्पूरा ।

णाफ् खी शा यूप श

प्रावस्ययानीनायतामूवास्तुषाइ । नीनायता
 कू खा कि फ श च खि
 मूवास्तुषाइ इ । साखायायाइन्द्रमूतायाइ ॥३ ॥

कि फ श टि ट खी त्र श

॥बृहत्कम् ॥

आगन्ता । मारीषण्या
 ति तच्क टा

ता । प्रस्थावानोमापा
 त का का चा

स्थातासामान्यवाः । द्रढाश्रीद्या । मयोवा
 था च य टा भि त षि

ष्णावो । हाइ ॥४ ॥
स्ना शा

॥ सौयवसानिचत्वारिपुनरीळवातृतीयम् ॥

आयाही । आयमिन्दवेश्वपाताइ । गोपाताउर्वारापाताइसोमाम् । सोमापा ताऔहोवा । पीबा ॥५ ॥

ति षी टित श कि काय पा ति टिख शि खश

अयाहिया । यामाइन्दावे । आश्वपते गोपताउर्वराहाइपाताइ । सोमंहाइ । सोमपते हाइपाईबाए हियाहा । होइळा ॥ ६ ॥

ती त पि श कि कि टि खिण श प णा श टीत पा ड्हि शि फ्ल श

आयाह्यमिन्दावाइ ।

तु त श

अश्वापाताइगोपाता

चायट ची

उर्वरापाताइ । सोमंसोमाओपाताइपीबाओबा । ऊपा ऊपा ॥७ ॥

टिखण श कि का कीप फ्ल ख शफ्ल खण

त्वयाहस्वीत् । यूजावयं प्रातीश्वासान्तंवृषाभ ब्रूवीमाहाइसंस्थाइ । जानास्यगोबा । माताः ॥८ ॥

ती कि या टा का का पा ति श पी फ्ल ख फ्ल

॥ मरुताञ्चसंवेशीयंकूभंवा ॥

गावश्चित्यासामन्यवाः । सजात्येनमरूतस्सबन्ध

तु ति षु

वाहोइ । रीहते काकुभो । मीथाौहोवा । होइळा ॥९ ॥

टू च श कि पा श टि खफ्ल फ्ल श

॥ इन्द्रस्याभरद्वे ॥

त्वन्नई । न्द्राभारा । ओजोनृमणांशताक्रातो

ति दात चा था टीच

वीचर्षाणाइ ।आवीरांपृहाइ ।ताना
क खाण श क भित श ट ख
औहोवा ।साहाम् ॥१० ॥

शि ख श

त्वन्नइन्द्रा ।आभारा ।ओजोनृम्णांशाताक्रातो
ती टात चा था टी
वीचर्षाणाइ ।आवीरांपार्क्ताना साहामौ
खिण श क टात काच्चक पा
होबा ।होइला ॥११ ॥

फु फु शा

॥ऐषिराणित्रीणि ॥

अथाहिया ।न्द्रागिर्वाणः ।उपत्वाकामाई मा
ती टित कि तच्च काट
हाइ ।सासृगमाहाइ ।ऊदे वाग्मान्ताः ।
तश क टात श क टात
उदाभिरिल्लाहभीः ।
पा फु
होइला ॥१२ ॥

अधाहीन्द्रगिर्वाणः ।ऊपत्वाकामाई माहाइसासृगमाहाइ ।ऊदेवाग्मान्ताओबादाभो ।हाइ ॥१३ ॥

तू त की या टा चाय टाश चय टाच्चक प फु फ्ला शा

अधाहीन्द्र गिर्वणाए ।ऊपत्वाकामाई माहाइसासृगमाहाइ ।उदौहोइवाहाग्मान्ताओहोवा ।ऊद भिरे ॥१४ ॥

षी ति त चियट टि चा खाण श टात टात ख शि चा टाख

॥प्रजापतेस्सीदन्तीयेद्वे ॥

साईदन्तस्तेवयोयाथा ।गोश्राइस्तेमधो मूमादिरोवाईवाक्षणः ।आभीत्वामाइन्द्रानोनूमाः ॥१६ ॥

प फु डश क कि काच्चक पि फ्ला ता ची किफख

॥पथस्यसौभरस्यसामनीद्वे ॥

वाया मुत्वामापू र्विया ।स्थुरन्नकश्चीत्भरा ताआवास्यावाः ।वज्रिंश्चित्रां ।हावामाहो ।हाइ ॥१७ ॥

णाफ् खी शा क कूच का य पा ती प श प्व प्ला शा
वयमुत्वमपूर्व्यस्थूरन्नकश्चित्भरन्तओवा ।हाहाअवास्यावाः ।हाहाइवज्रिंश्चित्राम् ।हा
यो तू त त विष श त द्व त
हाइहवामाहाउहुवाहाबु ।बा ॥१८ ॥

चीप सु श श

अष्टम खण्डः

॥वसिष्ठस्याभरेद्वे ॥

विश्वतोहाबु ।दावन्विश्वतोनया ।हाओहा ।
 ति त श क थ कि ता खा ण
 आभरा भारा ।यन्त्वाशवीष्टामाइ ।माहा
 कि ट त टा का चा श टा
 औहोओहोवा ।ऐहीऐही ॥ १ ॥
 खी श तीच्
 विश्वतोदावन्विश्वतोनया ।भरा भारा ।यन्त्वाशवी
 पु तु काट त टा का
 ष्टामाइ ।माहाओहोबा ।होइला ॥२ ॥
 चा श टि ख प्लु प्लु शा

॥वासुमन्देद्वे ॥

एषाः ।ब्रह्माययाआउवा ।एत्वियाया ।आइन्द्रानामश्रूताआउवा ।एगृणाया ॥३ ॥
 ता का ता टि त ता ख ट ता क ति टि त ता ख
 एषाएषाः ।ब्रह्मा ब्रह्मा यात्रत्वियाउवाआउवा ।आइन्द्रोआइन्द्रोनामश्रूता
 ती टाच् टाच्क कू कि टि टिक कि
 उवाआउवा ।गृणाओहो
 का कि टि ख
 बा ।होइला ॥४ ॥
 प्लु प्लु शा

॥कावर्षणित्रीणि ॥

एषाओवा ।ब्रह्माया
 ती का ट

ऋत्वियाः | आइन्द्रोहोहाइ ।

चि टि त श

नामा | श्रूतो | गुणाओहोबाहोहोइळा ॥५ ॥

त त प श टि ख फ फ शा

ओहोओहा | ए

ट ख ख ण क

षब्रह्मायाऋत्वियाः ओहोओहा | इ

पि श खि ट ख ख ण क

न्द्रोनामाश्रूतोगृणाइ

पि श खि श

ओहोओहा | ए

ट ख ख ण त

स्वर्वते ॥६ ॥

टि ख

एषब्रह्मौहोयाऋत्वियाः ।

थ कु चि

इन्द्रोनामौहोश्रूतोगर्णाआउवा | ऊपा ॥७ ॥

था की कि टि ख श

॥प्रजापतेःश्योकानुश्योकानित्रीणि ॥

हाबुस्वरता | ब्रह्माणाओवा | इन्द्रम्माहयान्तोर्केः । आवा धर्यान्नहयेह न्तावाऊ | श्योकाः ॥८ ॥

तु टि का कि टा ख ण टाच् चा की खात्र ख फ

हावभिस्वरता | ब्रह्माणआइन्द्रा माहयान्तोर्केः ।

तु टूचक टा ख ण

आवर्धयान्नहयेह न्तावाऊ | श्योकायताः ॥९ ॥

चि टि की पात्र तच्चक टा ख

हाबुस्वरता | स्वारातस्वाराता | आनावस्तेरथमश्यायाताक्षुर्हाबुस्वरता ।

तु चा टि ति की की च य प शु

स्वारातस्वारातात्वष्टा

चा टि त का

वज्रम्पुरुहू ताद्युमान्तांहाबुस्वरता ।स्वारातस्वारा
 का कि पी शु चा टि
 ताओहोवा ।शि) ।स्वाराता ॥१० ॥
 ख चाटख्

॥वाचस्सामनीद्वे ॥

औहोइशम्पादम् ।माघंरायाओईषीणाइ ।
 चीक फ कीप ति श
 नाकाममब्रतोहिनोतिनस्पृशा ।द्रयिमोइळा ॥११ ॥
 षु कू खि शा
 सादागावशुचयोविश्वाधायासास्सादान् ।दाइवा
 ता कु टी खा त्र टि
 अरोबा ।पासाः ॥१२ ॥
 पाषु खषु

॥मरुताञ्चसाम् ॥

आयाही ।वनासासहा ।गावस्सचन्तावार्तानीम् ।यादू ।धभिरोइळा ॥१३ ॥
 ति टाच शा कीच य टा खि शा

॥वैश्वामित्रञ्च ॥

ओवाउपप्रक्षेमधुमतिक्षियन्तओवा ।ओवाइपुष्ये
 षे तीत षु
 मरइन्धीमहेताआइन्द्रा ।ओवायाउवाओवा हाउवा ।ऊपा ॥१४ ॥
 कू टा ता कु टाच्य टा खश

॥मारुतश्वैव ॥

अर्चन्तिया ।र्कम्मरुतास्सूवार्काः ।आस्तोभाताइ ।श्रूतोयुवासआइन्द्राउवा ।ऊपा ॥१५ ॥
 ती की टात टा चाश क कु का ता खश

॥उद्बुंशपुत्रश्व ॥

प्रवाःआइन्द्रायवृत्रहान्तमा
 ता षी ड
 या ।विप्रायगाथाङ्गायता ।यज्ञजोउवा ।उपषातो ।हाइ ॥१६ ॥
 त यूपश कि कि टिख त्रश

नवम खण्डः

॥धुरशशम्येद्वे ॥

अचेती । अग्निश्चीकाइतीर्हव्यावाण्णाौहोवा । सूमाद्राथाः ॥१ ॥

ति टी ता ट त टद्ख शि टि ख

अचेतिया । ग्नाइश्चाइकाइतीर्हौहोौहो । हव्यावा ण्णाौहोवा । ए सूमाद्राथाः ॥२ ॥

ती षि टी टि त टिद्ख शि तच्च टि ख

॥प्रजापतेर्गूर्दः ॥

ओग्राइ । त्वनोयाहिम्मान्तामाः । ऊतत्राता

त त श पा श खि ष्ठ

शिवोभूवाः । शिवोभुवावारोबाथायो । हाइ ॥३ ॥

कू खा पी ष्ठा हि शा

॥विश्वमित्रस्यचार्दः ॥

अग्नौहोइत्वौहोइ । न्नोआन्तामाआउवा ।

तू श त कि टि

ऊतत्राताउवोवा । शिवोभूवाः ॥४ ॥

ख श खीण टीख

॥प्रजापतेश्वैवगूर्दः ॥

अग्नेतूवान्नोअन्तामाः । ऊतत्राताशिवोभुवोवराबुहौहोबाथायो । हाइ ॥५ ॥

खी ष्ठी षी की की खा ष्ठा ष्ठा शा

॥विश्वामित्रस्यचैवात्यर्दः ॥

अग्नेहोइतूवान्नोअन्तामाः ।उताहोवाऔहोइत्राताशिवो भूवाः ॥६ ॥
 खू सु टा था टच्च य टि खाणफङ् खङ्

॥प्रजापतेस्सन्तनीकेद्वे ॥

भागाः ।नाचित्रोअग्निर्महोनान्दाधाऔहोवा ।
 ता षि टी त टद् ख शि
 तीरात्नाम् ॥७ ॥
 टाख

भगोनचित्राः ।अग्निर्महोनान्दाधाऔहोवा ।ए
 तु टी त टद् ख शि तच्च
 तीरात्नाम् ॥८ ॥
 टाख

॥प्रजापतेर्धनधर्मेद्वे ॥

विश्वस्या ।प्रस्तोभापुरोवासान्यदिवे हानूना मा औहोवा ।धानम् ॥९ ॥
 ति कि टी तिक टाद् ख शि खश
 औहोइविश्वस्या ।प्रस्तोभापुरोहोवाहाइ ।वासा न्यादिवे हानूना मा
 तु टि ती त श टाच्चक का टिट् ख
 औहोवा ।धार्मा ॥११ ॥
 शि खश

॥उषसश्वसाम ॥

उषाअपा ।स्वासुष्टामाः ।संवार्क्तायतिवार्क्तानीम् ।सूजा औहोवा ।एताता ॥११ ॥
 ती क खाण टा क टि खण टद् ख शि तट ख

॥वैश्वामित्रञ्च ॥

इमानूकम्भूवनासीषधाईमाउवा ।ई हा ।इन्द्राश्ववाइ उवाई हाचदे वाया
 तु ताक टा का ता खश थ कु ताखश काटदख

औहोवा ।वीशाः ॥१२ ॥
 शि खफ़

॥भारद्वाजञ्च ॥

ऊर्जा ।मित्रोवारूणःपिन्वातआइला ।पिबारीमिषद्गुण्हीनआइन्द्राउवा ।ऊपा ॥१३ ॥
 ता कु टि ता षु खु ता खश

॥इन्द्रस्यचरातिः ॥

विस्तुविस्तु ।तायास्ताया
 ती टा य
 यथापाथाः ।आइन्द्रा
 का चा टि
 त्वाद्या न्तूरोबातायो ।हाइ ॥१४ ॥
 टाच्चक प फ़ फ़ा शा

॥भारद्वाजञ्चैव ॥

अयावाजाम् ।दाइवा हीतं ।सने मा ।मादेमा
 ती किच चा खाश कि
 शशाताहिम्माशशाताहा इमाऔहोवा ।सूवीराः ॥१५ ॥
 चा टा क टाद खा शि काटख

॥इन्द्रस्यचैराजे ॥

इन्द्रो विश्वस्यरा जतीहोइळा ॥१६ ॥

खा पूर्णि शाख शा

इन्द्रो होइवाइश्वास्यारा जतीहोवा होइळा ॥१७ ॥

टाच्य टा चा काच्च ती ख शा

दशम खण्डः

॥प्रजापतेर्वाजसनी ॥

ओई त्रीकादूकाइषू माहिषोयाव शीर न्तूवी

चाक फ टी चि काक फ

शूष्मा: । ओइत्रं पात् । सोमामपीबद्धीष्णूनासूतंयाथावाशं । ओइसाईम् । ममाद् माहिक

क फ खि ण क्रु चाक फ चाक फ खि ण चि कि

मर्माकार्कृतावेमाहामूरूम् । ओइसाइन म् । सश्वादेवोदेवाम् । सत्यइन्दूसत्यामिन्द्राबु

चा क फ कि फ खि ण टि काच दू क थ श

बा ॥१ ॥

ख

॥गौराङ्गीरसस्यसामनीद्वे ॥

अयंसहोहाइ । स्वमानावाः । दृशाःकवीनाम्मति

तीत श खि ण की

जर्जतिर्वीधार्मा । ब्रह्मस्समाइचीरूषासस्सामा

की खि श दू का चि

इरायात् । अराओवापासस्सचेतसाः । स्वास

याट ता काख ष्ठि ता

रे मन्युमान्ताः । चितायाऔहोवा । गोः ॥२ ॥

कि टि त खि शि ख

अयंसहस्रमानावाः । दृशाःकवीनाम्मतिजर्जतिर्वि

षु तात षी की

धार्मा । ब्रह्मस्समाइचीरूषासस्सामाइरायात् ।

टि त दू चा चि याट

ओवाअरे पासस्सचेतस्स्वासरे मन्युमान्ताः ।

का टाक कि कु टि त

ओवाचितागोराौहोवा । वो ॥३ ॥

का का टद्ध षि ख

॥प्रयस्वच्छप्राजापत्यम् ॥

एन्द्रयाह्युपनाः परावाताः नायमच्छावीदथा
 तू टखण की
 नाइवासत्पाताइः अस्ताराजेवासत्पा
 कू खा ण श मित क खा
 ताइः हावामहेत्वाप्रयस्वन्ताः सूताइषूआ
 ण श षु ती टीकथ
 पुत्रासोनापीतरंवाजासातायाइ मंहाइष्ठांवा जासातायोहाइ ॥४ ॥
 की कू खण श मित प श ख षु शा

॥अक्षय्यञ्चरेवत् ॥

तमिन्द्रन्जोहवीमीमाघवानाम् ऊग्रम् सत्राहोइदधानामप्राताईष्ठृतम् श्रवांसाइभूरिम् मंहिष्ठोगीर्भिरचायाज्ञायाः वावर्कृतारायेहोइनोविश्वासुपाथा कृणोत्तुवाओहो
 षु तु खश षु टी खा ण टाट खा श षु टि खण किट की खीश ता ट ख

॥सवितुश्वसाम ॥

अभित्यन्देवंसवितारमौहोओहोवाहाइ ओणायोः काविक्रातूम् औहोओहो
 षु तू त श पाण पिण क का
 होवाहाइ अर्चामीसात्यासावांरा ल्नाधामाभीप्रीयम्मातीम् औहोओहोवाहाबु ऊर्ध्वा
 पा शा खिश खिण पिण पि ण क का पा शा
 यास्या आमातीर्भाः आदीद्यूतात् सावीमानी औहोओहोवाहाइ हीराण्यापाणीरा
 खिण खिण पिण पि ण क का पा शा खिश
 मीमी तासुक्रातः औहोओहोहाउवा ए कृपास्वाः ॥६ ॥

॥वाक्रतुरञ्ज ॥

तावत्यन्नार्थनृताबु ।आपाआइन्द्रा प्राथम
 प श स्त्रि डि श टुचक
 म्पूर्वीयं दीवीप्रवाच्यकृतम् ।योदेवास्या
 पि चाक फ चिक फ टीच
 स्याशावसाप्रारीणायासूरीणान्नापाः ।भूवो
 क पि चाक फ चाक फ
 विश्वामाभ्यदाइवमोजसा ।वीदे दूर्जशता
 टु पा चिक फ चाक फ
 क्रताबु ।विदाइदिषाबु ।बा ॥७ ॥
 स्त्रिण श स्तु श श

॥ऐषञ्ज ॥

अस्तुश्रौषाद् ।पूरोअग्निन्धीयादधे होअौ
 ति त पी की का
 होवा ।अनुत्यच्छधों दिव्यंवृणाहाइमाहाइ ।इन्द्रांवायूवृणीमाहाइ ।यद्वाक्राणाविवास्वाताइ ।नाभासन्दायानाव्यासाइ ।अधप्रनूनमुपयन्तीधीतायोहोअौहोवा ।दाइवंअच्च
 त त कुचक टि स्त्रिण श भित टाखण श टूखण श क टूखण श षी कू टा कात टि :

॥यामम्मरूताञ्जसाम ॥

प्रावोमहेमतयोयन्तुविष्णावोहाइ ।मरूत्वताइगिरिजाहाहाए वयामारूत् ।प्राशाद्वायाप्रायाज्यावाइ ।सूखादायाइ ।तवासेभन्ददिष्टये धुनाइव्राता ।याशाओहोवा ।वासे
 प षु स्त्रि ड श ती टी त था स्त्रिण च य टाच य टा श का खण श का था की भी त टूख शि ख श

॥भारद्वाजस्यविषमाणित्रीणि इन्वकंवातृतीयम् ॥

आया ।रुचाहारिण्यापुनानाः ।विश्वाद्वेषांसितरतीसायुगवाभिः ।सूरोनासायूअौहोवा ।ग्वाभिः ॥१० ॥
 ता कु खा श षी पी कि ष्ठ का टाट्ख शि ख ष्ठ

आयारूचाहारी ण्या ।पुनानोविश्वाद्वाइषाम् ।साइतरत्यौहोवाहाइ ।सायूग्वाभीः ।सूरोनासयूग्वाभाइः ॥११ ॥

फा खीश का टी ता कु तात श टाख ण टा खी त्र श

अयारूचाहारीण्यापूनानोविश्वाद्वेषाम् ।साई तारा तीसायूग्वाभीः ।सूरो नासायूग्वाभिर्धारापृष्ठा ।

की थि प शू चा का काय टा का टाख शू

स्यारो चाताइ ।

टाच्क च श

पुनानोआरूषोहारिर्विश्वायद्रू ।पापरियासायाक्षाभीः ।सप्तासीये ।भाइराक्षाभोहाइ ॥१२ ॥

टी काख शू क कि यि ट भि त प शाख फ्ल शा

॥पारूच्छेपेद्वे ॥

अग्निंहोता ।र मन्ये

ती क था

दास्वन्तमोवा ।वासो

क तात का

स्सूनुम् ।सहासाजातावेदासाम् ।विप्रान्नजा

खण का थाच्य टा ती

ओवा ।तावेदासम् ।याऊर्ध्वयासूआध्वाराः ।

त त टाखण चीक भि

देवोदेवाओवा ।चीयाकृपा ।घृतोओवा ।

तीत त चाखण तात त

स्याविभ्राष्टिमनुशुक्रशाओवा ।चीषआजुहाना

टि तूत त दू

स्यसाओवा ।र्पाइषा औहोवा ।ऊपा ॥१३ ॥

तात त ट ख शि ख श

अग्निंहोतारं मन्येदास्वन्तंवसोस्सूनुम् ।सहासाजातावेदासाम् ।विप्रन्नजातावेदासाम् ।याऊर्ध्वयासूआध्वाराः ।देवोदेवाचायाकृपा ।घृतास्यविभ्राष्टीमानूशुक्राशो

कु थाच शू का थाच्य टा चीच्य टा ची भी का थाच्य टा ता चू काय

चिषाः ।आजुहानास्यासार्पाइषो हाइ ॥१४ ॥

दा टि त प शाख फ्ल शा

॥बार्हस्पत्येद्वैअग्नेर्वाराक्षोद्धै ॥

अहावोहावोअहावोहावोअहावोहावाः । अग्निष्टापाती प्रतिदहा त्यग्निंहोतारम्मान्येदास्वन्तम् । वासोस्सूनुंसहसाजातावे दसम् । याऊर्ध्वयासूआध्वाराः । देवोदेवाचीयाकृ
 खी प्लु खी प्लु खीण दुच्च कीख की ख चाक फ की की ख चाक फ चा ख चाक फ क ख चाक
 शोचीषाः । आजुह्वान्वास्यासार्पीषाः ।
 चाक फ कि ख चाक फ
 अहावोहावोअहावोहावोअहावोहावाः । अग्निष्टापाती प्रतीदहा आताइ । एविश्वंसमत्रीणन्दहा । एविश्वंसमत्रीणन्दहा । एविश्वंसमत्रीणन्दहा ॥१५ ॥
 खी प्लु खी प्लु खीण दुच्च कीख त्राश त का खूत का खूत का खू
 त्यग्नाइःप्रतिदहातीहाबुहोहाबु । अग्निंहोता
 खा शा फि प्लु खि शा की
 रम्मान्येदास्वन्तम् । वासोस्सूनुंसहसाजातावे दसम् । याऊर्ध्वयासूआध्वाराः । देवोदेवाचीयाकृपा । घृतास्याविभ्राष्टिमनुशू
 खा चाक फ की की ख चाक फ चा ख चाक फ क ख चाक फ का कि खी
 त्राशोचीषाः । आजुह्वान्वास्यासार्पीषाः । त्यग्नाइःप्रतिदहातीहाबुहोहाउवा । एविश्वंसमत्रीणन्दहा । एविश्वंसमत्रीणन्दहा ।
 चाक फ कि ख चाक फ खा शा फि प्लु खि शि त का कूख त का कूख
 एविश्वंसमत्रीणन्दहा ॥१६ ॥
 त का कूख

पवमानपाठः

प्रथम खण्डः

॥आजीकञ्च ॥

उच्चा ।तेजातामान्धासा ।
 ता था च य टा
 दिविसत्भूम्याददाउग्रंशार्म्मा ।माहा
 षु का टि त टद्ध
 औहोवा ।उप्शरा वाः ॥१ ॥
 शि खालु

॥आभीकञ्च ॥

उच्चातेजा ।तामान्धासा ।दिवाइसा
 पि ण पि ण पी
 त्भू ।मियाददाउग्रंशार्म्मा ।माहाइश्रा
 ण चा शा पि ण टीट्
 वा औहोवा ।वाइ ॥२ ॥
 ख शि ख श

॥ऋषभरूपपवमानः ॥

हाहाउच्चातेजा ।हाहाइतमान्धासा ।
 तू त त टि ख ण
 दिविसत्भूमियादादे ।उग्रंशार्म्मा ।ओं
 यू प श स्वि ण च
 ओंमहोबाश्रावोहाइ ॥३ ॥
 ट खालु ष्टा शा

॥आभीकञ्चैव ॥

उच्चातेजा तमौहोन्धासा ।दिविसत्भूमि
 प शिष्ठ डी श
 यादादे ।उग्रंशार्ममा ।महाउवाइश्रा
 युपश खिण टा खी
 वोहाइ ॥४ ॥
 प्ल शा

॥बाब्रवेद्वे ॥

उच्चातेजा ।तामन्धासाओमोवा ।दिविसत्भू
 ती टी कि कुच्
 मियादादेओमोवा ।उग्रंशार्ममा ।
 कायट कि चायट
 ओमोवा ।माहाौहोवा ।श्रवाई ॥५ ॥
 कि टट्ख शि ताट्ख
 उच्चातेजा ।तामन्धासा ।दिविसत्भूमीयादा
 ती टित की टि
 दाइ ।ऊग्रंहाइशर्ममोहाइ ।
 तश टात टितश
 महाहोइश्रा वाऔहोवा ।ग्वाभीः ॥६ ॥
 का टिट्ख शि ख प्ल

॥इन्द्राण्यास्साम ॥

उच्चातेजातमा ।न्धासाओमोवा ।दिविसत्भू
 तु टा कि कु
 मियादादेओमोवा ।उग्रंशकर्ममा
 कायट कि चायट

ओमोवा । महाइश्रावाओौहोवा । उऊ
 कि टीट्ख शि खा
 पा ॥७ ॥
 श

॥४८॥

उच्चातेजातमन्धासा । दिविसत्भूम्याददाउग्रं
 षी ति त षु का
 शार्म्मा । महाइश्रावाः ॥८ ॥
 पि ण खी त्र
 उच्चातेजातमन्धासा । दिविसत्भूम्यादादा
 षी ति त टु था
 उग्रंशार्म्मा । महाहोवाौहोइश्रवा
 टि त टा थाट्चय टि
 होवा । ओहोइया होइयोवा । ऊ ॥९ ॥
 था ट्च्य टच्क खात्र ख

॥४९॥

उच्चाओौहो । तेजातमा । न्धासा
 खा ता टा खाणफङ्गु ख श
 दिविसत्भूम्याददे आउग्रंशार्म्मा । माही
 षु काथ टि त चा
 श्रावाौहोबा । होइला ॥१० ॥
 काट खङ्गु फु शा
 उच्चातेजातमन्धसादोहाइदोहाए ।
 षी तु तितत
 दिविसत्भूम्याददे दोहाइदोहाए ।
 षु काट त यातत

उग्रंशार्ममादोहाइदोहाए ।माहि
 टि तटत यातत
 श्रावाः ।ओइळा ॥११ ॥
 टि खण् प शा

॥इन्द्राण्याश्वैवसाम ॥

उच्चातेजा तमान्धासा ।दीवाइसा
 णा णाफ् खा शा पी
 त्मू ।म्याददाओवाओवाउवउवा
 ण ट यट तट त टी
 होइ ।उग्रंशार्ममाओवाओवा
 च श टि तट तट त
 उवउवाहोइ ।माहीश्रावो याऔहो
 टी च श चा टाट ख
 वा ।ययुरे ॥१२ ॥
 शि खि

॥आमहीयवञ्च ॥

उच्चाताइजातमन्धसा ।दीवाइसात्भूमि
 कि शु चा याट
 याददाइ ।उग्रं शर्म्ममा ।माहा
 टा ताश चाक च कट
 इश्रवाउवा ।स्तौषे ॥१३ ॥
 कि खा त ख

॥आजीकञ्च ॥

स्वादाइष्टायामादाइष्टाया ।पावास्वसोमाधारा
कु कु की टि
या ।इन्द्रायापातावाइसूताः ।ओइळा ॥१४ ॥
त की टीखण् प शा

॥सूरुपेद्वे ॥

स्वादिष्टयाइयाइयामदिष्टाया ।पा
थ टि टा की टा च
वास्वसोइयाइयामधाराया ।इन्द्रायपा
टि टा की टा थ टा
इयाइया ।तावाइसूताः ।ओइळा ॥१५ ॥
य चा टीखण् प शा
स्वादिष्टयौहोवाइयामदिष्टाया ।पावस्वसौ
थ कु का टी च
होवाइयामधाराया ।इन्द्रायपौहोवा
कु की टा चा की
इया ।तावाइसूताः ।ओइळा ॥१६ ॥
चा टीखण् प शा

॥जमदग्नेशिरल्पेद्वे ॥

ओइस्वादी ।ष्टयामादिष्टायाउवो
खि ण का था टा खा
वा ।पावास्वसो माधारायाओई न्द्रा ।
श कीच का टा खा श
यापाऔहो ।तवेसुताः ॥१७ ॥
ट ख वाशि तीच्

उहुवाइस्वादी ।ष्ठयामादीष्ठायाौहो
 खु ण का या टा खा
 वा ।पावास्वसोमधारयाृहुवाइन्द्रायापा ।
 श की चा खा शु
 तावाौहोवासूताः ॥१८ ॥
 टट्ख शि खङ्

॥संहितश्च ॥

स्वादाइष्ठायामदिष्ठाया ।पावास्वसो
 ता ति ती टा ख श
 मधारया ।आइन्द्रा यापाहाबु ।तवा
 ती क खा शी प्ला
 इसुताबु ।बा ॥१९ ॥
 ष्ठि श श

॥वसिष्ठस्यशकूनः ॥

स्वादिष्ठयामदिष्ठयापवस्वसोमधारयाइन्द्रायपा ।
 षे तू ता
 तावाऊतावाऊतवाऊहोवा ।
 टा टचकट खी शि
 सूताः ॥२० ॥
 खङ्

॥जमदग्नेश्वरम् ॥

औहोहिंभाएहियाहाहाइ ।स्वादाइष्ठया
 कु ता त त श कु

मादीओइमादी । औहोहिंभाए
 ख श खि ण कु
 हियाहाहाइ । ष्ठायापवास्वासो ।
 ता त त श क कि ख श
 ओस्वासोओहोहिंभाएहियाहाहाइ ।
 खा ण कु ता त त श
 माधारयाई न्दूरा । ओई न्दूरा औहोहिंभाए
 क कि ख श खा ण कु
 हियाहाहाइ । यापातवाइसूता ।
 ता त त श क कि खा श
 ओइसूताः । औहोहिंभाएहियाहाहा
 खि ण कु ता त ख
 औहोवा । ई ॥२१ ॥
 शि ख

॥संहितञ्चैव ॥

स्वादिष्ठयामदाइष्ठया । पावास्वासोम
 तु ति टाट त
 धाराया । आइन्द्रायापातवा
 टाचश ट ताट टि
 हाउवा । सूताः ॥२२ ॥
 ति खफ़

॥सोमसामनीद्वे ॥

वृषापवा । स्वधाराया मारू
 ती का टाच्कट
 त्वाताइचामत्साराः । वाइश्वादा धाऔहोवा ।
 दू त टीट्ख शि

नाओजासा ॥२३ ॥

वृषाहाबु । पावास्वधारा या ।
ता त श ख श खि ण

मारूत्वाताइचामत्साराः । वाइ
ख प्लु ख श खी ण

श्वा दधाना ओ औ हो वा । जासा ॥२४ ॥
किच् का टट ख शि ख श

॥आशुभार्गवंतुतीयम् ॥

वृषापवस्वधाराया । मारूत्वाताइचा
शु तात टी चा

मत्साराः । विश्वादाधान ओ जा
खा ण चा य ट ता प
सोहाइ ॥२५ ॥
प्लु शा

॥वैश्वदेवद्वे ॥

आइवृषा । पावाई हा औ हो स्वधारा
ती टिच्य ट थ टि

या । मारूत्वते हाइ चामात्सारा
त टी त श चा य प

हाइ विश्वादधाहाबु न ओ जसाहाबु । ओ वा ओ वा ओ
शौ णाफ्ल ख

वा । अस्मेरायाउताश्रवाः ॥२६ ॥
शि की टा खा

वृषापावए हिया । स्वधाराया औ हो
खु णा टा खा क

वा | मारूऽौहोवा | त्वातेचामात्सा
 शा पा क था यी प
 राः | औहोयेऔहोवा | विश्वाद्
 श टच्यट खात्र चा
 धा नाओजासा ॥२७ ॥
 काच्क टा ख

॥इन्द्रसामनीद्वे ॥

वृषापावाहौहोओहोस्वाधारायाहौहोओहो ।
 टी टि त टी टि त
 मारूत्वातेहौहोओहोचामात्साराहौहोओहो ।
 टी टि त टी टि त
 विश्वादाधाहौहोओहो | नाओजासाहौहोओ
 टी टि त टी टि
 हो | ओइळा ॥२८ ॥
 खण् प शा

वृषापावाहौहोओहोवा | स्वाधाराया
 टी खीश टी
 औहोओहोवा | मारूत्वाताहौहोओहोवा ।
 खीश टी खीश
 चामात्साराहौहोओहोवा | विश्वादाधा
 टी खीश टी
 औहोओहोवा | नाओजासाहौहोओहोबा ।
 खीश टी चीङ्ग
 होइळा ॥२९ ॥
 ङ्ग शा

॥यौक्ताश्वेदे ॥

ओहोहोहाइवृषा ।पावस्वधाराया ।

ता त ती क ड

मारूत्वाताइ ।ओइचामाचा

च क ख ण श टि क

मत्सारः ।ओहोहोहाइविश्वादधा

खा ण ता त ति टा

नाओजासाओहोवा ।ओइज्वरा ॥३० ॥

ख श खा शि खी

वृषाबुहोहोहाइ ।पावस्वधाराया ।मारू

तीत त श क ड टा

त्वाताइ ।चमा ओचामत्सारः ।

ख ण श ताव् का खा ण

विश्वाबुहोहोहाइ ।दधानाओ

तीत त श टा ख श

जासाओहोवा ।ओइजूवा ॥३१ ॥

ट ख शि खि श

॥भासञ्च ॥

यस्ताइ ।मादोवाराउवोवाणीया

ता श टी खा श ख

स्ताइनाउवोवा ।पावास्वाआउवोवा ।

शी खा श टी खा श

न्धासादाइवा ।वाइराघशाउवोवा ।सा

ख शी डु खा श ख

हा ॥३२ ॥

श

॥सोमसामच ॥

यस्तेमदा: ।वराइणीयास्ताइनापावास्वा
 ती ता ति टु
 आन्धसा ।दाइवावाइरा हाबु ।
 ता ता की खा शा
 घशांसहा ।होइला ॥३३ ॥
 छा शा छु शा

॥प्रजापतेश्वसहोरयिष्ठीयम् ॥

यस्ताओइमादा: ।वाराइणायाउवो
 ता खिण टु खा
 वाहाउवोवाहाइ ।ताइनापावास्वा
 श खिशत श की का
 आन्धासाउवोवाहाउवोवाहाइ ।
 टि खाश खिशत श
 दाइवावाइराउवोवाहाउवोवाहाइ ।
 टु खाश खिशत श
 घाशाऔहोवा ।सहोरयिष्ठाः ॥३४ ॥
 टट्ख शि ताच टाख

॥मादिलम् ॥

यस्तेमादोवाइया ।राइणायाः ।ताइ
 खीश छा यिट
 नापावास्वाऔहोवाहान्धासा ।दाइ
 की का टाक था टा
 वावाइरा औहोवा ।घशांसहा ॥३५ ॥
 चिट खा शि तीच्

॥सोमसामचैव ॥

यस्ताइमादोवरेणीयाः ।ताइनापावास्वा
पी शु कीच

आन्धासा ।दाइवावाइराघाशो
काय ट टि टिक प
बांसाहो ।हाइ ॥३६ ॥
हु छा शा

॥प्रजपतेश्वैवसहोरयिष्ठीयंसोमसामवा ॥

यस्तेमदोवरेणियाए ।तेनापव स्वान्धसा
तू त क षि

दे वावीराहाइ ।घाशाउवासा
की पिण श का का
हाउवा ।उऊपा. ॥३७ ॥
का का खाश

॥वैष्टम्भेद्वे ॥

तिस्रोवाचाः ।उदाउदाआउवाए रातेगावोमिमा ।तीधाइतिधाआउवाए ।नावोहरिरेतिकनाइकनाआउवा ।क्रादात् ॥३९ ॥
ती चा ता भीख शु का ति भी ख शु चा ति ट ख श

तिस्रोवाचाः ।उदाइराते ।गावोमिमान्तिधाइनावाः ।हारिरेत्योहाइ ।कानाऔहोवा ।
ती पीश यु पा श खी ण श टट ख शि
क्रादात् ॥ ३९ ॥
ख श

॥पाष्ठौहेदे ॥

तिस्रोवाचोहाउदीरताइ गावोमिमाहान्तीधे नवोहर राइतोहाइ । कानाइक्रादाौहोवा । अस्माभ्यङ्गातुविक्तमाम् ॥ ४० ॥

था प्लाच का चाश था प्लाच का का शा पिणश टीटख शि कि त स्वी

तिस्रोवाचाउदीरतोवाहाइ । गावोमिमान्तीधे नावोहरिरेति । कानाऔहोवा । क्रादात् ॥ ४१ ॥

षी तु त श ती काख शु टटख शि ख श

॥वैष्टमञ्जैव ॥

तिस्रोवाचा उदीरताइ । गावोमिमा न्तीधाइनावाहोवाहाइ हाराइराइतीहोवाहाइ ।

ण णाफ खा शि कीच का याट टात श चा या टा टात श

कानाइक्रादाौहोवा । दीशाः ॥ ४२ ॥

टीटख श ख प्ला

॥पाष्ठौहञ्जैव ॥

तिस्रोवाचाउदीरताइ । गावोमिम न्तीधेनवोहरिराइती । कानौ हूवाएहोवा । क्रादा

फी कीश क कि षी टि ता टाच् काट का टटख

औहोवा । हाओवाओवा ॥ ४३ ॥

शि त टा टाख

॥इषोवृधीयञ्च ॥

इन्द्रायेन्दाबु । मारूत्वताइपावस्वमाधुमक्तमाः । आर्कास्यायो नीमासा दाऔहोवा ।

ती श का का डु ची थ टिच टिटख शि

इषोवृधे ॥ ४४ ॥

टीच्

॥इन्द्रसाम ॥

आइन्द्रा याइन्दोमारूत्वाताइ ।पावा स्वामा ।धूमक्तामाः ।आर्कास्यायो ।नीमासादाः ॥ ४५ ॥
 ख शाश्वत् ण कि ख श ख शाश्वत् ण कि ख ख शाश्वत् ण कि ख

॥वैश्वदेवेच ॥

इन्द्रा येन्दोहोऔहोवा ।मारूत्वतेहोऔहोवा ।पावास्वमा ।होऔहोवा ।धूमक्तमाहोऔहोवा ।आर्कास्यायोहोऔहोवा ।निमासदाहोऔहोवा ।ओइळा ॥ ४६ ॥
 का का क त त क क त त च टि का त त च टि का त त थ टि का त त का टा का त खण् प शा
 इन्द्रायेन्दोएमरू ।त्वाताइ पवास्वमधूमक्तामा ।हूवाएहोवा ।आर्कास्यायो हूवाएहोवा ।
 तु ता षा कु टा तच् कटत त टि तच् कटत त
 नीमासादाः ।ओइळा ॥ ४७ ॥
 टि खण् प शा

॥इन्द्रसामचैव ॥

इन्द्रायेन्दोमरूत्वतओहाइ ।पवास्वमधूमक्तमाओहाओहा ।आर्कास्यायोनाइमाओहो
 षी तु त श कि कु ट ख ख ण था टा ट खा
 वा ।उप्सादाः ॥ ४८ ॥
 शि खा फु

॥आग्रेयानित्रीणि ॥

इन्द्रायेन्दोहाबु ।मारूत्वतेहाबु ।पावास्वमाहाबु ।धूमक्तमाहाबु ।आर्कास्य
 ती त श टीत श की त श टी त श
 योहाबु ।निमाहोबासादोहाइ ॥ ४९ ॥
 टी त श टा ख फु फ्ला शा

इन्द्रायेन्दोवाओवा ।मारूत्वताउवाआउवा ।पावास्वमाउवाआउवा ।धूमक्तमाउवाआउवा ।अर्काहाबुस्ययोहाबु ।नीमाउवाहोबासादो ।हाइ ॥ ५० ॥
 ती त ा त का कि का कि का कि का कि खि शृ कीप फु फ्ला शा

इन्द्रायेन्दोमरुत्वाताइ । पवास्वम धूमाक्ता
 षि ति त श की शच य
 मार्कस्य योनिमाहाबु । सादो । हाइ ॥ ५१ ॥
 प शृ ष्ठा शा

॥आश्वानिचत्वारि ॥

आसा । व्यंशुर्माआउवा । दायाप्सुदक्षाः । गिराआउवाएष्टाः । ख)श्येनोनायो । निमा
 ता क ता टि ख शी ता भी काट त ता
 आउवासादात् ॥ ५२ ॥

टि ख श

असावियाशुर्मदा याप्सुदक्षोगाइरिष्टाः । श्याइनोनायो । नीमोबासादात् । हाइ ॥ ५३ ॥

ती टिच्क षि की यि टाच्कप फ्ल ष्ठा शा

असाव्याउवोवा । शुर्मदाया । उवोवा । आप्साउवोवा ।

फा खिश क टि खाश टा खाश

दक्षोगिराइष्टाउवोवा । श्येनोनयोनिमासा । दात् ॥ ५४ ॥

टू खाश क टू ख

असाव्यौवाउवोवा । शुर्मदायौवाउवोवा आप्सुदक्षोवाउवोवा । गीराइष्टौवाउवोवा । श्येनोनयौवाउवोवा । नीमासादौवाउवोबाहोइल्ल ॥ ५५ ॥

फा खीश क कि खिश फा खुश की खिश फा खुश की खिफ्ल फ्ल शा

॥च्यावनानिचत्वारि ॥

असाव्युहुवाहाइ । अंशुर्मदायाप्सुदक्षोगिरिष्टाउहुवाहोइ । श्याइनोनायोऔहोवा । नीमासादात् ॥ ५६ ॥

तु त श क षु टू च श क ताट ख शि टि च

असाव्यंशुरौहोवाहाइ । मदा याप्सुदक्षोगिरिष्टाः । श्याइनोनायोनाइमाौहोवा ।

षि ति त श टाच्क षि कि यि टाट खा शि

उप्सादात् ॥ ५७ ॥

खा श

इहाौवाइहा असाव्यंशुर्मदायेहा । आप्सुदक्षोगिरिष्टाः । ई हा । श्येनोनयोनिमाखाणफ्ल । ई हा । आसदा त् । ई हा ॥ ५८ ॥

ता पा षु शु

क्रूखणफ्ल खश क टि

खश ट खाणफ्ल खश

असाव्यंशुर्मदायाहाबु ।आप्सुदाक्षाः ॥गिराइषोहाइ ।श्याइनोनायो ।नाइमाहा इ ।सादात् ।हाइ ॥ ५९ ॥
 खा प्ला खा शि खि ण पी ण श भी त टि खण् श प प्ल शा

॥प्राजापत्येद्वे ॥

पवास्वादौहो औहोवाहाइ ।क्षासा धाना औहो
 फि फा फात त श थाच्क ट ता
 औहोवाहाइ ।देवे
 ता त त श कथ
 भ्यः पाइतये हारा ।औहो
 कुच्क ट ता
 औहोवाहाइ ।मारूत्भ्योवा ।औहो औहोवाहाइ श
 ता त त श चिट ता ता त त
 यावा औहोवा ।मादाः ॥ ६० ॥
 टट्ख शि ख प्ल
 पवस्वदक्षसाधनओवा ।देवेभ्यः पीतयाहोइहराइ ।मारूत्भ्योवाऊयवोबामादो ।
 षू ती त क टु टीश चिट प प्ला शि
 हाइ ॥ ६१ ॥
 शा

॥वैदन्वतानिचत्वारि ऋषभोवावैदन्वतश्चतुर्थः ॥

पारी ।स्वानोगीरिष्ठाः ।पवाइत्रे सोमो अक्षारात् ।मदाइषू साई या ।र्वाधो बाआसो ।हाइ ॥ ६२ ॥
 ता चु टा खा कथ टि की टात क प प्ल शा शा
 पर्येपारी ।स्वानोगीरिष्ठाः ।पवाइत्रे
 ती चु टा खा
 सोमो अक्षारात् ।मदाइषू साहा ।र्वाधो औहोवा ।एआसी ॥ ६३ ॥
 कथ टि टु त टट्ख शि त टाख
 पारी स्वानोगाइरिष्ठाः ।पावित्रे सोमो
 फा फाख शि चाक का

अक्षरात् । पावित्रे सोमोऽक्षरातत् । ओइमदौवाओवाषुवा । सार्वधायसाइमादाऔहोवा । ए षुसार्वधायासी ॥ ६४ ॥
 कि कि टा खा ण कीख ख शि थ दूटख शि तच्च का टि ख
 औहोइहाहा हाहोयौहोवा । पराइस्वानोगीरा इष्टाः । पवाइत्रे सो । मोअक्षा
 ट चिक्च काट ख श खी श खा ण खी श खि
 रात् । मदाइषूखी)साश)र्वाधायासी । औहोइहाहा हाहोयौहोवा । एऊपा ॥ ६५ ॥
 ण खिण ट चिक्च काट ख त्र त टाख

॥रजेराङ्गीरसस्यपदस्तोभौद्वौ ॥

पर्येस्वानाः । गाइरिष्टाःइया हाहाउवाहोइ । पावित्रे सोमोअक्षरात् । इया हाहाउवाहोइ । मदाइषू सा । हाहाउवाहोर्वाधोबाआसो । हाइ ॥ ६६ ॥
 ती ट चि टाच्च था टाचश कि टा चि टाच्च था टाचश टा काच था टाटकप ष्ठि शा
 पयौहोवाहाइस्वानाः । गाइरिष्टा
 षू ता ट चि
 इया ओहा हाइ । हाहाओवाओवा । पावित्रे
 टाच्च शद्गत श था का का कि
 सोमोअक्षरात् । ओहाशप्द्ध)हाइ । हाहाओवाओवा । मदाइषू सा । ओहा हाइ । हाहाओवाओवा । र्वाधोबाआसो । हाइ ॥ ६७ ॥
 टा चि ख तश था का का टा काच ख शद्गत श था का का कप ष्ठि शा

॥और्णायवेद्वे ॥

परिप्रियादिवःकावीःवायांसिनस्योर्हितास्वानैर्याती । आयाउवाइया । ईया । कावीःक्रातो याऔहोवा । ई ॥ ६८ ॥
 षी ती षु कि टात का शी टत चा टाटख शि ख
 परिप्रियादिवःकवाइः । वया हाउवांसिनस्योवार्हीताः । स्वानैर्याती । हुवा
 फी शा काश टाचक कि कीच क टात का
 होवाहोवाहुवाईया । कावीःक्रातो याऔहोवा ।
 का का टाटत चा टाटख शि
 ईया म् ॥ ६९ ॥
 तटख

द्वितीय खण्डः

॥सौभरेद्वे ॥

प्रसोमासाः । मदच्यूताऔहोवा । त)इश्रवासाइनाः । ओइमघोनाम् । सूतावा इदा औहोवा । थेअक्रमूः ॥ १ ॥

खि ण चि ट त टि ख ण टु टि खा शि खी

प्रसोमासाः । वाइपाश्चीताआ
ती की श च

पोनायान्ताऊर्मयोवानानिमा । ओऔहो । हिषाई वाइलाभा । ओइला ॥२ ॥

य ट की च य ट का त चि टि खण् प शा

॥इन्द्रस्यवृषकाणित्रिणि ॥

पवस्वेन्दोवृषासुताः । कृधीनोयशसोजनाएवाइश्वायापा । द्वाइषा औहोवा । जाहि ॥३ ॥

फि शा का षु पि शु ट खा शि खश

वृषाहिया । ती)सिभानूना । द्युमन्तत्वाहवामाहाइपावा । मानासुवोओबा । श)दशम् ॥ ४ ॥

भित यू पा ति टीप खश

वृषाहियासिभानुना । द्युमन्तन्तवाहवामहे । की)होवा औहोवा । पावमानासुवदशंहोवा औहोवा । हूवोइला ॥ ५ ॥

फि की टी काट का टि च टी काट का खा छा

॥ब्रोःकुम्भस्यसामानित्रीणि ॥

इन्दूरौहोवाहाइपावी । ष्टचाईतनोहाइ । हाहोएहोवा । प्रीयाःकवीनाम्मतिरोहाइ हाहोएहोवा । सृजादश्वांहाइ । हाहोएहोवा । राथाऔहोवा । ई वा ॥ ५ ॥

खा शृ ट खि ण श क टाट त की पीण श क टाट त ट ख शि खश

इन्दुःपविष्टचेतनःप्रियःकवाइ हिंहिन्नाम्मातीः । सृजदाश्वाम् । हिंहिंरा थाऔहोवा । ई वा ॥ ७ ॥

षू तू शट खि ण पि श ट त ट ख शि खश

इन्दुःपविष्टचेतनःप्रियःकविनाम्मतिंसृजादश्वां । ओवाओवारा थाऔहोवा । ई वा ॥ ८ ॥

षो तु ता का काट ख शि खश

॥ब्रोःकार्तवेशानित्रीणि ॥

असृक्षताप्रावाजीनाः । गव्यासोमासोआश्या । शुक्रासोवीरया शावओइळा ॥ ९ ॥
 खीश ष्ठि टा टात चि टा टा काच्क पा शा

असृक्षताप्रावाजीनाः । गव्यासोमासोआश्याहोइ । शुक्रासोवाहोइ । रायाशाटाट)वाओहोवा । गवाभीः ॥ १० ॥
 तु ति षु टिच्श ता टाच्श क ख शि ख श

असृक्षतप्रवाजिनए गव्यासोमा । सोआश्याया । शुक्रासोवी । रायोबाशावो । हाइ ॥ ११ ॥
 षी खु शी त पा श टा खण कप फ्ल फ्ल शा

॥शार्मदे द्वे ॥

पावास्वादे । वयावाया
 ती ताट ख

औहोवा । यूषागाइन्द्रज्ञच्छा । तुताइतुताऔहोवा । मादाः । वायूं होआरोहधाहाधाऔहोवा । मूमाणा ॥ १२ ॥
 शि ख शु ता टाख शि खफ्ल टच्यट त ताट ख शि खश

पवस्वदेवाएहिएहीया । आयुषागैहीएहीया । इन्द्रज्ञच्छन्तुतेमदाए । हीएहीया । वायूमारो ओहाधोबार्माणोहाइ ॥ १३
 फु खीश टी टाट त षी टु टाट त की काप फ्ल फ्ल शा

॥वसिष्ठस्यजनित्रेद्वे ॥

पावा । मानोअजीजानात् । दीवाश्चित्रान्यतान्यतूम् । ज्योतीर्वै शानाराऔहोवा । बृहात् ॥ १४ ॥
 ता कीख ण चा चा शी कि टाख शि खश

पवमानाः । अजाइजानात् । दीवाश्चित्रांहाहाइ । नात न्यातूम् । ज्योतीर्वाइश्वा । नरोबाबृहात् । हाइ ॥ १५ ॥
 ती पीश चा टात त श काख ण ख श ख णा फ्ल ष्ठि शा

॥मरुताम्प्रकीलास्त्रयःसङ्कीलावानिकिलावा ॥

पारी । स्वानासइन्दवोमदायाबर्हणगिरा मधोअर्षाम् । तीधोबारायो । हाइ ॥ १६ ॥
 ता षु चि टि खा खा ता कप फ्ल फ्ल शा

पर्येपारी । स्वानासइन्दवाउवाहाउवाहोवाइया । मदायबर्हणागिराउ
 ती षु य टि कथ चा षु
 वाहाउवाहोवाइया । माधोअर्षन्तिधारयाउवाहाउवाहोवाइयो याओहोवा । ऊपा ॥ १७ ॥
 टी टि कथ चा षु डु टि कथ टाद्ख शि ख श
 पारी स्वाना साइन्दवाः । मदायाबर्हणागीरामधोआर्षान् । ऊम्रिरिवाईया । तिधा रा
 फा णाद्ख शि टाच चिक टी त टी टत काच्चक
 याओहोबाहोइळा ॥ १८ ॥
 टा खफ्ल फ्ल शा

॥ औशनम् ॥

परिप्रासीष्यादत्कावीः । सिन्धोरूर्म्मावाधीश्रीताः । कारूर्म्बाइभ्राओहोवा । पूरुस्पृहा म् ॥ १९ ॥
 ती चि ट यू टा टि द खा शि ता टाख

तृतीय खण्डः

॥यामानित्रीणि ॥

इहा इहा ।उपोषुजातमा सूरामिहा ।इहा इहा
 टाच्क श दूच्क च शा टाच्क श
 गोभिर्भज्म्परा इष्कृतामिहा ।इहा टाच्क इन्दुन्देवाअया सीषूःइहा ॥ १ ॥
 दूच्क का च शा कश दूच्क च कश
 आउपोषुजातमा सूरामुपा ।गोभाइहों इ ।भज्म्परा इष्कृतामुपा ।इन्दुं होइदेवाअया सिषुरा आउवा ।उऊपा ॥ २ ॥
 ष दूच्क च शा टा काच्क टी चि शा टाच्क डु ति टि खा श
 उपोष्वौहोइजाताम् ।आसूरा
 षु ता टात
 मौहोवाइगोभिर्भागम् ।ओइपारीष्कृताम् ।इन्दून्देवा औहोवा ।अयासिषूः ॥ ३ ॥
 टात चा खा ण वी या टा खा शि खी

॥अङ्क्तेवैररूपस्यसाम ॥

पुनानोया ।क्रामीदाभीः ।विश्वामार्दधोवीचर्षणाइः ।शुभ्मान्तावी ।प्रान्धाऔहोवा ।
 ती खिण टा ख श खिण श टा ख ण टद्ख शि
 तीभीः ॥ ४ ॥
 ख प्ल

॥औशनेच ॥

आविशन्कालाशंसुताः ।वाइश्वार्षन्नाभाइश्रायाओहोवाओहो ।इन्दूरा इन्दूरा औहोवायधीयते ॥ ५ ॥
 तु ति कि कथक टी ट त टा ख ण टिद खा शि खी
 आवीशङ्कालशं सुतोवाइश्वा ।अर्ष न्नाभाइश्रायाओहोओहोवा ।ओहोओहो इन्दू
 फा फा फाहु खि णा थाच्क टी खी श ट तिच्च का
 राइन्दूरा ।याधीया ताओहोवा ।उऊपा ॥ ६ ॥
 य टा टिद्ख शि ख श

॥सोमसामच ॥

असर्जिरा ।थियोयाथा ।पावित्रे चामुवोस्सूताः ।कार्ष्मन्त्रवाजी ।नियाक्रामाइदौहोवा ।होइळा ॥ ७ ॥

ती पि श चि टि ख ण क दात चाक पि ष्ठा ष्ठ शा

॥कार्ष्मच ॥

प्रयद्धाबु ।गावो नाभूर्णायास्त्वेषा ।अयासोअक्रामुम्नान्ताःकार्षणाम् ।आपात्वचमौहोहाऔहोवा ।उऊपा ॥ ८ ॥

ति श थाच काय प ता कु चा टा त कु टद्ख शि खाश

प्रयत्गावोनभूर्णायाः ।त्वाइषाअयासोअक्रमुम्नातोहाइ ।कार्षणाओहोवा ।आपत्वा ।चाम् ॥ ९ ॥

कि ख शी चि काट किप णाश टद्ख शि थ द ख

॥भारद्वाजञ्च ॥

अपघ्नहोइपावा ।साइमार्धाः ।क्रतूवित्सोमामात्साराः ।नुदस्वादाओहोवा

षु ता च या ट कीच्र काय ट टिद्ख शि

वयु न्जना म् ॥ १० ॥

का टाख

॥वैश्वामित्रञ्च ॥

एआयापवा ।स्वधाराया हाउवा ऊपा ।यायासूर्यमरोचाया हाउवा ऊपा ।हिन्वानोमानुषाइहों ।यापयाआउवा ।उऊपा ॥ ११ ॥

तु का टाच्य टाच्ख श कि कि टाच्य टाच्ख श दू काच क ता टि खाश

॥इन्द्रस्यवात्रम् ॥

सहोइपवस्वायायावीथाइ न्द्रवृत्रायाह न्तावाइ ।ओवाओवा ।वब्रीवांसांमाहीरापाओहोवा ।होइळा ॥ १२ ॥

ता शी टाक था टि काख ण श टाख ण टि त काक टा खष्ठ ष्ठ शा

॥सोमसामानित्रीणि ॥

अयावीती । परिस्वायस्ताइन्दोमादाइषुवा अवाहान्ना । वातोबानावो । हाइ ॥ १३ ॥

ती कु की टि भित तप फ़ स्ल शा

अयावीता औहोवा । औहो औहोवा औहोवा । परिस्वायस्ताइन्दो औहोवा औहो औहोवा औहोवा । मदे षुवा अवाहान्ना औहोवा । औहो औहोवा औहोवा ।
कि था टा थाच्क टट्ख शि का का कीच्क टा थाच्क टट्ख शि टाच्क का का काच्क टा थाच्क टट्ख शि
वर्तीनवा ॥ १४ ॥

टीख्

आयावीता इपारिस्वा । यास्ताइन्दोमादाइषुवा । अवाहान्ना । वर्तीनूनावा औहोवा । होइला ॥ १५ ॥

णा णाफ़ खा शि चा थाच्क का याट भित का क टा खफ़ फ़ शा

॥भारद्वाजञ्चैव ॥

परिद्युक्षाम् । ओइसनद्रायीम् । ओइभरद्वाजाम् । ओइनोअन्धसास्वानोर्षा । वावोबात्रायो । हाइ ॥ १६ ॥

ती दू दू पू खा ता कप फ़ स्ल शा

चतुर्थ खण्डः

॥वार्षाहरम् ॥

अचिक्रदादाची

ती काच्

क्रादाचिक्रदादे वृषाहराइ

क ख शु तीश

वार्षा हाराइवृषाहराए महान्मित्रोमाहान्मित्रोमहान्मित्राए नदर्शतानाद शर्ता

काच् क ख शु ती काक खा शु ती काक ख

नदर्शताए संसूर्याइसंसूर्याए णदिद्युताइणादी घूताइणादा

शु ती श काच् क ख शु ती श काच् क ख शि

इद्युताबू बा ॥ १ ॥

शु शि

॥वार्षानित्रीणि ॥

आतेदक्षाम् मयोभूवाम् वन्हिमद्यावृणीमहाइ पान्तामाईया पूरुस्पृहाऔहोवा उऊपा ॥ २ ॥

ती भित दूखणश का टात टिक्ख शि खा श

आतेदाक्षांमायोभूवम् वन्हिमद्यावृणीमहोहाइ पान्तामाईया पूरुहाऔहोवा ।

खिश खिण फु खा शा टातटत टद्ख शि

स्पृहम् ॥ ३ ॥

ख श

आतेदक्षम्योभुवांहाइ वन्हिमद्यावृणीमहोहाइ पान्तामाट)पूरुका)स्पृहामीळाभा ओइळा ॥ ५ ॥

फु खा शा फु खा शा या टी खण् प शा

॥वैरूपेचदेवानांवाञ्जसायिनी ॥

अध्वर्योआ द्विभाइस्सूताम् सोमं पावी त्राआनाया पुनाहीन्द्रा औहोवा यापातावे ॥ ५ ॥

पि ण भी त काखण या टा टा खा शि टि ख

अध्वर्योौहोअद्रीभीः । सूतमौहोवाइ । सोमं पावी । ओइत्रायानाया । पुनाहा इन्द्रा औहोवा यापातावे ॥ ६ ॥
 षि तु च टा त त श का खण यी टा टिद् खा शि । एतच्क टा ख

॥तरन्तस्यचैददश्वेस्साम ॥

तरत्समान्दीधावाताइ । धारासूता । स्यान्धासाऔहोवा । तारत्समन्दीधावती ॥ ७ ॥
 ती त या ट श टा खण टाद् ख शि कु खी

॥सोमसामच ॥

आपवस्वा । साहस्रिणांहुवाइहुवाहोइ । रयिंसोमासुवीर्याहुवाइहुवाहोइ । अस्मैश्रवांसिधारायाहुवाइहुवाहोयाऔहोवा । ऊपा ॥ ८ ॥
 ती च टि या टि च श का का टि या टि च श था की या टा टि टद् ख शि ख श

॥सूर्यसामच ॥

आनुप्रत्लासआयावाः । पादन्नवीयोअक्रमूः । रुचेजनान्तासू । हिम्माए । रीयम् ॥ ९ ॥
 षी ति त षी ची पु श मि ख श

॥दाढ्यच्युतानित्रीणि ॥

आर्षाइहा । सोमाद्युमक्तामाइहा । आभाइहा । द्रोणानिरो रूवादिहा । सीदानिहा । योनौवना इ । षूवाइहा ॥ १० ॥
 चा शा यी चा शा चा श चा टीच्क च शा क च शा टीच्श चा शा

आर्षाहाबु । सोमद्युमक्तमोअभिद्रोणा । निरोओहो । रूवात्सीदाउवायोनौवानेहिम्माए । षूवा ॥ ११ ॥
 का त श षू टि त मि त या ती पि श मि ख श

अर्षासोमाद्युमक्तमोअर्षासोमा । द्युमक्तमोअभिद्रोणाहाहाइ । नीरोरूवत्साइदन्योनौहाहाइ । वानाइषु वा । ओइला ॥ १२ ॥
 फु खा शी की कि ट त त श चा कि टी त त श टी खण प शा

॥इन्द्रस्यचृष्टकम् ॥

वृषासोमा । द्यूमं आसाइ । वृषादाइवोहाइ । वार्षात्रातः वृषाधर्माइया । णाइद द्रिषाइल्लाभा । ओइल्ला ॥ १३ ॥

ती चाय ट श दु त श का ख ण की ट त कि टी ख ण प शा

॥ऐषञ्च ॥

इषेपवा । स्वधारयौहोवाहा औहोवा । मृज्यमानोमनीषीभीः । इन्दोरुचाभिगाऔहोवाहा औहोवा ही ॥ १४ ॥

ती की खि शि की टीख चाकफ शि खि शि । उपई(किख

॥श्यावाश्च ॥

मन्द्रयासो । माधारयावृषपावा । स्वादाइवायूः । अव्यावा रा औहोवा । भिरस्मयूः ॥ १५ ॥

ती षी टि तच् क टि त टिख शि तीच्

॥सोमसामच ॥

आया सोमसूक्त्यया । माहान्सन्नाभ्यवार्द्धाथाः । मान्दानाईद्वृषायासा । इ ॥ १६ ॥

णाफ़ख शु दु खण य ट य ट खि त्र श

॥आग्नेयञ्च ॥

आबुहौहोवाहा अयाविचा । र्षणाइर्हा
ख षु शी टी

इताः । आबुहौहोवाहाइपवमानाः । साचाइताताइ । आबुहौहोवाहा
ख ख षु शु टी ख श ख षु
इहिन्वानया । पियोहौहोवाहावृहात् । हाइ ॥ १७ ॥

शु ट खिल्ल ष्टा शा

॥आयास्येच ॥

प्रणइन्दोऐहीऐहीया ।माहेतुनऐहीऐहीया ।ऊर्मिन्नबिभ्रदर्षसीऐटू)ऐहीऐहीया ।आभाइदा इवं औहोवा ।आयास्याः ॥ १८ ॥

फी खीश दु टटत क षी खीश टीद् खा शि टा ख

प्रणइन्दोइयाई या ।माहेतुनइयाईया ।ऊर्मिन्नबिभ्रदर्षसीयाईया ।आभाइदाइवं

फी खालश दू टत क षी टीटत टी खा

औहोवा ।ए आया ।स्याः ॥ १९ ॥

शि तच्कट ख

॥भारद्वाजञ्च ॥

होई याहोई याईयाहाइ ।अपग्नान्पाहोई याहोई याईयाहाइ ।वाताइमा दृधा औहोवा ।अपसोमोअराविण्णाःहोई याहोई याईयाहाइ ।गच्छन्नाइन्द्रा होई याहोई याईयाहाइ

खापु खा शु टि ख खापु खा शु टीद् ख शि कि टि खा खापु खा शु टि ख खापु खा

२० ॥

पञ्चम खण्डः

॥आयास्यञ्च ॥

पुनानस्सो माधाऔहोवा राया । आपोवसानोर्षस्यारात्लाधाः । योनाइमार्कतास्यासाऔहोवा । दासी । उत्सो
 ती टद्ख शि खश ती कथ टी त टी तट्ख शि खश
 दे वोहाइरा औहोवा । ण्याया ॥ १ ॥
 मित ट खा शि ख श

॥वसिष्ठस्यचापदासे ॥

पुनानस्सोमधारया । आपोवसानोर्षस्योहाओहाइ । अरात्नाधायोनिमृतस्यासीदस्योहाओहाइ । उत्सोदाइवाओहाओहाइ । हिरण्याया । ओइळा ॥ २ ॥
 षु तू की कथ टा तट तश का कि ची थ टा तट तश चाय टाट तट तश टि खण् प शा
 पुनानस्सोमधारया । की) आपोवासानोर्षसी । अरात्नाधायोनीमार्कतास्यासीदसी । ऊत्सोदाइवो हीरण्याया । ओइळा ॥ ४ ॥
 फी टा टा त चि टा टा था टा त चि टा टि चक टा खण् प शा

॥माण्डवञ्च ॥

पुनानस्सोमधारयापोवसोवा । नोर्ष
 षु तू त कि
 स्यारात्नाधाउवाओहाइ । योनिमृतास्यसीदस्युत्सोदेवाउवाओहात)इ । हीरण्याया । ओइळा ॥ ४ ॥
 का कीट त श च ची थ टी कीट श टि खण् प शा

॥उद्भव ॥

पुनानस्सोमधाहोरया । आपोवसानायाहोर्षसी । आरत्नधायोनिमृतास्यासाहोइदासी । ऊत्सोहोइदाइवो हीरोबा
 षी ति ता की टि टा षु कि टि टि टाच्य टा ता कप्पु
 ण्यायो हाइ ॥ ५ ॥
 ष्टा शा

॥माण्डवञ्चैव ॥

इयार्द्या । पुनानस्सोमधारा या । आपोवसानोर्षसी । आरत्नधायोनिमृतास्यासिदासी । उत्सोदे वोहा इरा औहोवा ।
 टा टत टी खिण की टित षु कि टित क था टाट खा शि
 ण्याया ॥ ६ ॥
 त टख

॥प्रजापतेश्वसदोविशीयम् ॥

पुनानस्सोमधारयाओहाओहा । एओहोओहोवा । आपोवसानोर्षस्योहाओहाएओहोओहोवा । आरात्नाधायो
 षु तू य य तत कीकथ य तट त य य तत का कि
 निमृतास्यासीदस्योहाओहाएओहोओहोवा । उत्सोदाइवाओहाओहाएओहोओहोवा । हीरण्यायाओहोवा । सदोवीशः ॥ ७ ॥
 ची थ य तट त य य तत चाय टितट त य य तत टिद ख शि ताट ख

॥जमग्नेस्सवासिनी द्वे ॥

ओहोवाओओहोवाओओहो वाओवाओवा
 ट य य ट य य ट कच्चक काटट ख
 औहोवा । पुनानस्सोमधारया । आपोवसानोर्षस्यारात्नाधायोनिमृतस्यासीदस्युत्सोदेवाः ओहोवाओओहोवाओओहो वाओवाओवाओहोवा । एहिर ण्यया ॥ ८ ॥
 शि की की कीकथ टि कि का चाथ टीच ट य य ट य य ट कच्चक काटट ख शि त का टाख
 ओहोवाओवाओवा औहोवा । पुनानस्सोमाधारयापोवसानोर्षस्यारा
 तच्चक काटट ख शि की की कीकथ कि
 त्नाधायोनिमृतास्यसीदसी । ओहोवाओवाओवा औहोवा । उत्सोदे वोहिरण्यया
 कि का चि खा तच्चक काटट ख शि कि कु
 इलाभा । ओइला ॥ ९ ॥
 टा खण् प शा

॥आयास्येद्वेषोमसामनीवा ॥

आयिपुना । नास्सोमाधारया अपोवासा ओनो अर्षसी । आरत्नाधा ओयोनि मृतस्यासी दसी । उत्सोदाइवा ओइ । हीरण्याया । ओइला ॥ १० ॥
 ती कि कू का चि की कू चि कुचश टि खण प शा

पुनानस्सोमधाहाबुहोवा । रायापोवसानया । अर्षसी । अरा औहोवाल्नाधायोनि मृतास्यसा इ । दासी । उत्सो औहोवा । दाइवोहिरा । एण्याया ॥ ११ ॥
 षी तु त पा टि खाणफू खश पाक था कि टि खाणफू श खश पाक था टि खाणफू खश

॥कण्वरथन्तरम् ॥

पुनानस्सोमधारया आपोवसानो अर्षसी । आरत्नधायोनि मृतस्यसी दसा ऐही । उत्सोदाइवोहिरा आउवा । एण्याया ॥ १२ ॥
 षु ति कु पाश षू तु ता टि ता ता टि त ताख

॥आयास्यञ्च ॥

पुनानस्सोमधारया ए औहोवा । आपोवसानया षासी । आरत्नधायोनि मृतास्यासा ओ औहो । दासी । उत्सो औहोदाइवो
 षु तु खात्र का टा खाणफू त टख षु की पाश त टख पि श चि
 हिरा । एण्याया ॥ १३ ॥
 खाणफू त टख

॥रौरवम् ॥

पुनानस्सोमधारया । आपोवसानो अर्ष
 तु पाण
 स्यारत्नधायोनि मृतास्यसा इ दसा
 षौ दू ति
 ओहाउवा । उत्सो देवोहिरा हाओहाउवा । एण्याया औहोबाहोइला ॥ १४ ॥
 पा शा टू त पा शा क टा खफू शा

॥यौधाजयञ्च ॥

पूनानासोमाधारा या ।आपोवसानया ।र्षासी ।आरात्नाधायोनिमृतास्य
 च य प श ष्टु खाण का का ट खणफ्ष्टु ख श का कि टि
 सा इ ।दासी ।उत्सोदाइवोहिरा ।ण्याया ॥ १५ ॥
 खणफ्ष्टु श ख श टा टि खणफ्ष्टु ख श

॥वसिष्ठस्यचप्लवम् ॥

हाउवाहाउवाहाहाउवाहाइ ।पूनानास्सोमधारा या ।आपोवासानोआर्षासी ।
 ति ति ति खिष्टु त श खिश खिण खिश खिण
 आरात्नाधायोनाइमार्क्ता ।स्यासिदासी ।उत्सोदाइवोहाइराण्याया ।हाउवाहाउवा ।
 खिश खी श खिण खिश खी ण ति ति
 हाहउवोवाहाऔहोवा ।एआतिविश्वानीदूरीतातरे मा ॥ १६ ॥
 त खीष्टु ख शि त का कि किख

॥अच्छिद्रञ्च ॥

परीतोषी ।ञ्चताआउवा ।सूतम् ।सोमोयऊक्तमांहावीः ।सोमोयऊक्तमांआउवा ।हावीः ।दध न्वायोनर्यो अप्स्वन्तरा ।दधन्वायाः ।नर्यो आप्सुआआउवा ।न्तारा ।स
 ती ता टि खश टा चा चा चा ती ता खश का टीच ची ती टाच च ता टि ख श
 द्राइभीः ॥ १७ ॥
 ख ष्टु

॥रथिष्ठञ्च ॥

परितोषी ।ञ्चतासूतामौहोवाौहोवायीयायीयाहाउवासोमोयऊक्तमांहावीः ।सोमोयऊक्तमांहावीरौहोवाौहोवायीयायीयाहाउवा ।दध न्वायोनर्यो अप्सन्तरा ।दधन्वा
 ती भि टात टात टात टख्ष्टु ति टा चा चा चा ती भि टात टात टात टख्ष्टु ति का टीच चा चा

॥भारद्वाजेद्वे ॥

औहोइ परितोषी । ज्ञता सूतमौ । होऔहो वाऔहोवा । सोमोयउक्तामं हाविराहोऔहो वाऔहोवा । दध न्वायोनर्यो
 षि ती तच्च टि तिच्चक क खश टा चा का टी तिच्चक क खश का टीच्
 अप्सन्ताराऔहोऔहो वाऔहोवा । सूषावसोमामा
 कि टा तिच्चक क खश चा ची
 द्रिभिराहोऔहो वाऔहोवाउहुवाहाबु । बा ॥ १९ ॥
 टि तिच्चक प श्लीश श
 पर्येपरी । तोषिञ्चता सूतमाउवाहाबुहाबुहोवा । सोमोयउक्तामं हाविराउवाहाबुहाबुहोवा । दध न्वायोनर्यो
 ती क टिच्च फु ति कि टा चा चा फु ति कि का टीच्
 अप्सन्ताराउवाहाबुहाबुहोवा । सूषावासो । हाबुहाबुहोवा ।
 कि टि ति कि टित ति कि
 मामद्राइभिरूहुवाहाबु । बा ॥ २० ॥
 च फु फु शा श

॥आभिशवेद्वे ॥

परितोषिञ्चतासुतं ए । सोमोयाउक्तामं हाविर्दधाहाइ । न्वायोनर्यो अप्सु आन्तारा सूषाहाइ । वासोमामो बाद्राइ भो । हाइ ॥ २१ ॥
 षु ति चाक की खाफ्त श दू कि खफ्त श का पाफ्त ष्णि शा
 परितोषिञ्चतासुतं ए । सोमोयाउक्तामं हाइ । न्वायोनर्यो अप्सु आन्तारा सूषाहाइ । वासोमामो बाद्राइ भो । हाइ ॥ २२ ॥
 षु ति चाक ती
 खाफ्त त श दू कि खफ्त त श का पाफ्त ष्णि शा

॥अङ्गिरसामधीवासपरीवासौद्वौ ॥

परितोषिञ्चतासुतं इहाती) । सोमोयउक्तामं हावीरिहा । दध
 षु षि टी ति का
 न्वायोनर्यो अप्सन्ताराईहा । सूषावासोइहा । मामाद्रा इभा औहोवा । ईहा ॥ २३ ॥
 षि टि ति टि ति टिद खा शि खश

इहापरीतोषिञ्चतासुतंहा ।सोमोयउक्तम्

षू तू षि

हावीरिहाउवा ।ऊपा ।दध न्वायोनर्योअप्सन्ताराइहाउवा ।उपा ।सूषावासोइहाउवा ।ऊपा ।मामद्राइभीरिहाउवा ।उऊपा ॥ २४ ॥

टी कि शा खश का षी टि कि शा खश षि टि कि शा खश च टा की शा खश

॥माण्डवेद्वे ॥

परीतोषिञ्चतासुताम् ।सोमोयाउक्तामं हावाइर्दधाउवोवा ।ऊपा ।न्वायोनर्योअप्सन्तारा ।सूषावासो ।मामाद्रिभिरिल्लाभा ।ओइळा ॥ २५ ॥

षू ता कक कीच् का टि खाश खश षी टि त टि त का टी खण् प शा

परीतोषिञ्चतासुतंओवा ।सोमोयउक्तामं हाविर्दधान्वायोहाहाइ ।नर्यो अप्स्वन्तारा

षू ति त टि च च चीय टत तश टाच् च चा

सूषावासोहाहाइ ।मामाद्रिभीरिल्लाभा ।ओइळा ॥ २६ ॥

चाय टत तश का टी खण् प शा

॥वैनसोमकृतवेद्वे ॥

परीतोषिङ्गतासुताम् ।सोमोयउक्तमांहावीः ।दध न्वायोनर्योअप्सान्तारा ।सूषावासो ।मामोबाद्राइभो ।हाइ ॥ २७ ॥

तू ता दूद टा का दूद टा टि त कप ष्ठ ष्ठि शा

पारीतोषाइञ्चतासुतामैहि ।ऐहीऐहिहोवाउवाईया ।सोमोयउक्तमांहावीरैही ।ऐहीऐहिहोवाउवाईया ।दध न्वायोनर्यो अप्स्वन्तारा

टी भु य टाच थि टाट टाच का भी य टाच थि टाट टा का टीच् भी

ऐहि ।ऐहीऐहिहोवाउवाईया ।सूषावसोमामद्रीभीरैहीऐही ।ऐहीऐहिहोवाउवाईया ।ओइळा ॥ २८ ॥

टा टाच थि टाट टी क भि य टा टाच थि टाट खण् प ष्ठा

॥प्रजापतेर्गूदौद्वौ गौतमस्यवाप्रतोद्वौ ॥

ऊपाऊपाउपाओऊपाऊपा ।परीतोषिञ्चतासुतमूपा ।ऊपाउपाओऊपाऊपा ।

चाच फ ताप चाक फ षू ची चफ ताप चाक फ

सोमोयउक्तमंहविरूपाऊपाओऊपाऊपा ।दधन्वायोनर्योअप्स्वन्तराऊपा ।ऊपाउपाओऊपाऊपा ।सुषावसोममद्रिभिरूपाऊपा ।उपाओउपऊपा ।ऊपा ॥ २९ ॥

षू चीच फ ताप चाक फ षू चू चफ ताप चाक फ षू चीक फ ताप खित्र खश

हाबुहाबुहाउवा ।पारितोषिञ्चता

षी ति कूच्

सूतामुपा हाबुहाबुहाउवा ।सोमोयउक्तमं हाविरूपा हाबुहाबुहाउवा ।दधन्वायोनर्योअप्स्व न्ताराउपा हाबुहाबुहाउवा ।सुषावसोमाद्री भिरूपा ॥ ३० ॥

॥मरुताङ्गोष्ठापुंसिनिद्वे ॥

हाबुहाबुहाउवा ।पारितोषिञ्चता

षी ति कू

सूतामिहाउपा हाबुहाबुहाउवा ।सोमोयउक्तमंहविरिहाउपा हाबुहाबुहाउवा ।दधायोनर्योअप्स्वन्तरा इहाउपा हाबुहाबुहाउवासुषावसोममाद्रीभिरिहाउपा ॥ ३१ ॥

हाबुहाबुहाउवा ।पारीतोषिञ्चता

षी ति कि टिच्

सूतं श्रवो बृहदुपा हाबुहाबुहाउवा ।सोमोयाउक्तमं हाविश्रवो बृहदुपा हाबुहाबुहाउवा ।दधन्वायोनर्योअप्स्व न्ताराश्रवो बृहदुपा हाबुहाबुहाउवा ।सुषावसोममा द्री
का टाच् टीख् षी ति कि किच्क टिच् टीख् षी ति कू टाच्क टिच् टीख् षी ति कि टिच्क
३२ ॥

॥महारौरवञ्च ॥

हाबुहाबुहाउवा ।पारीतोषिञ्चता सूतंसोमो यऊक्तामं हाविर्दध न्वायोनर्यो अप्स्व न्तारासूषावसो ।हाबुहाबुहाउवा ।

षी ति कूच्क किच्क का का की टीच् चा चा टीख् षी ति

ए मामाद्राइभीः ॥ ३३ ॥

तच् टि खा

॥महायौधाजयञ्च ॥

हाउवोवाहाउवोवा हाओवाहाउवा ।पारितोषिञ्चता सूतंसोमो यऊक्तामं हाविर्दध न्वायोनर्योअप्सन्तारा ।सूषावसोममाहाउवोवाहाउवोवा हाओवाहाउवा ।द्राइभीः ।

खिश खिशशूत प फु ति कूच्क किच्क का का की टी ची ची खा खिश खिशशूत प फु ति त टाख्

३४ ॥

॥आश्वानिचत्वारि ॥

आसो । मास्वानो अद्राइभा
खण क था टी

उवोवा । तिरोवाराणि । अव्ययाजानानापाउवोवा । रिचामुवोर्विशाद्वरीस्सादाउवोवाश ।
खाश टीच टि य टा खाश टीच टि य टा खा
वानाउवोवा । षुदाद्विषाइ । होइला ॥ ३५ ॥
टा खाश ष्टीश प शा

हावासोमस्वा । नोअद्राइभिस्तीरोवारा । णियाआउवा । व्याया । जनोनापूरीचामू वोः । विशाआउवा । दर्धारिस्सादावाने । षुदाआउवा । ग्रिषे ॥ ३६ ॥
तु खि शा खिण ता टि ख श खिश खिण ता टि ख श खिण ता टि ख श

आसोमस्वानो अद्रिभाइः । तीरोवाराणियाव्याया । जनोनपूरिचामू वोर्विशार्द्धारीः । सदा वानाइषुद्विषो । इला ॥ ३७ ॥
तु ति श षी यि ट षी यि ट का यट टाच टी खिष्ट शा

आसोमस्वानो अद्रिभिस्तिरोवारा णीयव्यया । जनोनपुरिचम्वोर्विशाद्वरीरौ । हूवाए होवा । सादावने षूदौ हूवाए होवा
षु फु खा ष्टी षी कु टिच टि च की टाच टि चा । द्विषाओ(टि
होबा । होइला ॥ ३८ ॥
खफ फु शा

॥आग्नेयञ्च ॥

प्रसोमदा । इवावीत याइ ।
ती खीण श

सिन्धुर्नपाइप्ययाआउवा । र्णसा । अंशोःपाया । सामदाइरो नजाआउवा । ग्रवीराच्छाकोशम् । मधाआउवा । शूतम् ॥ ३९ ॥
क कि ति टि ख श खिण क की ता टि ख श खिण ता टि च श

॥सोमसामच ॥

प्रसोमदेववीतयोहाइ । सिन्धुर्नपिष्येआ
फु खा शा फु

र्णसोहाइ । आंशाउवोवा । पायाउवोवा । सामदिरो नजाग्रवीहाइ । आच्छाउवोवा । कोशाउवोवा ।
खा शा टा खाश टा खाश फ णि फा खाण श टा खाश टा खाश

मधूशूता । होइला ॥ ४० ॥
स्त्री फु शा

॥द्विहङ्कारञ्चवामदेव्यम् ॥

प्रासोमादेववीतयाइ । साइन्धूर्नापिष्य

पि शु

अर्णासाअंशोःपयसामदिरोनजौहोहिम्मा । ग्रवीराच्छाकोशंमधौहो

षौ कू त य टत कू त

हिम्मा । शूतामौहोबा । होइला ॥ ४१ ॥

टा पि फ्ल फु शा

॥अङ्गिरसामुत्सेधनिषेधौ द्वौ ॥

प्रसोमदेववीतयेसिन्धूर्नपा औहोवा । प्येर्णासा हाउवा । ऊपा । अंशोःपयाओहोवाहाइ । सामदिरोनजागृ विर्हाउवा ।

षु फु खाण फ्ल क टिच्य टा खश श्रु क कि कि या टा

ऊपा । अच्छाकोशंओहोवाहाइ ।

खश श्रु

मधूशूताम् । ऊ ॥ ४२ ॥

खित्र ख

प्रसोमदाइवावीतयाइ । सिन्धूर्नपाइप्येर्णासाइहा । आंशोःपाया । हाहोहाइ

तु तिश चूथ टा ता टा खश खाण श

सामदिरोनजागृवीरिहा । आच्छाकोशाम् । हाहोहाइ । मधूशूताम् । हे ॥ ४३ ॥

क कि टा ती टा खश खाण श खित्र ख

॥सोमसामानिषट् ॥

हाबुसोमाः । उष्वाणस्सोतृभीः । आधिष्णुभीरावाइनाम् । आश्वाओहो । येवहरितायाताइधारया । मन्द्रायायाहोवा । तीधारया ॥ ४४ ॥

ती थाच यिट कीचय टा टाटत षु यि टा किख शि टिख

सोमउष्वाणस्सोतृभाइः । आधीष्णुभीरवीनामाश्वयेवा । हारितायातिधाराया । मन्द्रायायाताइधा । रायाऔहोवा । होइला ॥ ४५ ॥

खी श्ली श कीक था पिण यूपश स्विश ख णा टि खफ्ल फ्ल शा

सोमउष्वाणस्सोतृभिरे अधी । ष्णुभिरआउवा । वीनाम् । आश्वयेवहरितायातिधाआउवा ।
षु ती ता ति टि खश टत कू ता टि

राया । मान्द्रायायातिधा । आउवा । राया ॥ ४६ ॥

खश टत का ता टि खश

सोमउष्वाणस्सोतृभिरे अधी ।
षु ती ता

ष्णुभिरवीनामाश्वये वाहरितायाताइधारयामन्द्रायौवा । तिधा । रायाऔहोवा । होइला ॥ ४७ ॥

की की कु कु शु खश टि खफ्ल फ्ल शा

सोमउष्वाणस्सोतृभाइःरधिष्णुभिरवीनाम् ।
षै तू

आधिष्णुभिरवीनामाश्वयेवाहरितायाताइधा । रयाआउवा । मान्द्रा । यायातीधा । रायाऔहो
षु कू पी शा ता टि खश स्विण णाचक
वा । होइला ॥ ४८ ॥

फ फ्ल शा

सोमउष्वाणस्सोतृभिरौहोआधिष्णुभीरवीनाम् । आश्वयेवाहरिताया तीधारायौवाउवोवा । मान्द्रायायातीधाहिं । रयोहाइ ॥ ४९ ॥

षु चा टातप शु क की थिच्क कि झिश क पीश च खफ्ल शा

॥विष्णोररणीद्वे ॥

तवाहंसोमरा राणारणा । सच्यइन्दोदिवा इ । दिवाइदिवे । पूरुषिबभ्रोनिचरन्तिमामावाअवा । परीर्धीरतितंइहा इहा औहोवा । ऊउपा ॥ ५० ॥

ती टच चा शा दूचश चा शि षु टी चा शा कू टद खा शि खा श

तवातवा । आहंसोमरारणसख्याइन्दो । दिवाऔहोदाइवे पूरुषिबभ्रोनिचरन्तिमामावा । पराऔहो । धाइंरतीतोवा ।
ती पी दूत भि त टि षु यीप श भि त कीप फ्ल

आइहो । हाइ ॥ ५१ ॥

झि शा

॥आङ्गिरसानित्रीणि ॥

तवाहंसोमाररणा ।सख्याइ न्दोदीवेदाइवे ।पुरूषिब्रोनिचरन्तिमामावाहाइपरिधाइंरा ।तीतोबाआइहो ।हाइ ॥ ५२ ॥

तु ति खि शि णि षू चि प श्रु तप फ्लि शा

तवाहंसोमरौहोरणा ।साख्याइन्दोदिवा इ ।दीवे ।पूरूषाइबाभ्रोनिचरन्तिमा ।मावा ।पारीधाइंरातिं आइहि ॥ ५३ ॥

तु ता च टि खाणफ्लश खश टा टि टी खाणफ्ल खश टा टि खाणफ्लख शा

तवाहंसोमरारणसाख्याइन्दोदिदेदिवाइ ।सखयइन्दोदिवेदाइवे ।पुरूषिब्रोनिचर न्तिमामावा ।पाराइधाइंरातीतं आइहा इ ।ओइला ॥ ५४ ॥

षी फु खा शु की टि ता षू का टि त टी ता टा ट खाणश प शा

॥औक्षणोरन्धाणित्रीणि ॥

मृज्यमानाः ।सुहस्तियासामूद्राइवा ।चमिन्वसाइ ।रायींपाइशाम् ।गम्बहुलाम् ।

ती ती टाख शा ती श टाख शा ती

पूरूस्पृहम् ।पावमानाऔहो ।भीयोबार्षासोहाइ ॥ ५५ ॥

टाखण चि पा श कप फ्ल ष्ला शा

मृज्यमानाः ।सुहस्ताया ।समुद्रेवाचामिन्वसाइरयाइंपिशांगम्बहुलम्ूरूस्पृहाम् ।

ती चि ट चा था या पा खि ति की च्य टा

पावामा नाऔहोवा ।भ्यर्षासी ॥ ५६ ॥

टिर्ख शि टाख

मृज्यमानाः ।सुहस्तियासामूद्राइवाचमीन्वसाइ ।राइं पाइशांगम्बहुलं ।पूरू

ती च चिय टच्य टा का चाश य टच्य टा क चि

स्पृहाम् ।पावा मानाभायाऔहोवा ।र्षासि ॥ ५७ ॥

ची य टच्य ट ट ख शि खश

॥औक्षणोनिधनानित्रीणि ॥

मृज्याए ।मानस्सुहस्तियाऔहो ।सामुद्रेवाचमिन्वसाऔहो ।रायिंपिशांगंबहुलम् ।पूरूस्पृहाऔहो ।पावमाना ।भीयोबा

ता त षूट त कू भि त कीक कि भु त टि त कप फ्ल

र्षासोहाइ ॥ ५८ ॥

ष्ला शा

मृज्यमानस्सुहस्तेयावाहाइ । सामुद्राइ वाचमिन्वासी । रायाइंपिशांगंबहुलम् । पूरु
 षी तूत श षी टि ख ण खा ति क कि या
 स्पृहा । पावामाना । भीयोबार्षासो । हाइ ॥ ५९ ॥

मृज्यमानास्सुह स्तिया । समूद्रेवाचमाइन्वासी । रायिंपिशांगम्बहुलम् । पूरुस्पृहाओहो । पावमाना । भीयोबार्षासो
 फी शा का टा टा टि की की भुत टि त कप ल ला
 हाइ ॥ ६० ॥

शा

॥वाजजिचा ॥

मृज्यमानस्सुहा । स्तियासमू होद्रेवाहोचामिन्वासाइ । रया होइंपीशाहोगं बहुलांपूरुस्पृहाम् । पवा होमानाहोभी । अर्षासाआउवा । वाजीजीगीवा ॥ ६१ ॥

तू टा टाच्य टा था चिश टाच्य टि था की चि टाच्य टा था कि टि क कितच

॥द्वैभ्यासञ्चसौहविषंवसिष्ठस्यवापिप्पलि ॥

मृज्यमानस्सुहस्त्यासमुद्रेवोवा । चामिन्वसीरायिंपिशाहाहाहाहांगंबहुलं पूरुस्पृह म् । पावमानाहाहाइ । भ्यर्षासा इ । ओइळा ॥ ६२ ॥

षू तुत की टीटत त की कीच का टात त श टाखण श प शा

॥वैश्वदेवेच ॥

हाहाअभीसोमा साआयावाः । हाहाइपवन्तेमादीयाम्मादांहाहाइसमुद्रस्याधिविष्टपे
 त कि थाच्य काय ट त चू काय ट त षू ची
 मा नाइषाइणाः हाहाइमत्सारासो मादा
 कच्चक या टा त की थाच्य का
 च्यूताः । हाहा इ ।
 य ट त खण श
 ओइळा ॥ ६३ ॥

प शा

अभिसोमासआयवाः । पवन्तेमद्यम्मदामा औहोआओहो ।

कि ख की कि दूत यात

सामुद्रस्याधिविष्टपे मणीषिणा औहोआओहो । मात्सारासोमदच्युता औहोआओहो ।

की की भुत यात थ कि भुत याखण्

ओइळा ॥६४ ॥

प शा

॥इन्द्रसामच ॥

अभिसोमा । सयाआउवा । यावाः पवभाइमा । दीयाआउवामादं सामूद्रास्या । धिविष्टपे मना ।

ती ता टि ख शू ता टि ख शू की का

आउवाए । षीणोमात्सारासाः । मदाआउवा । च्यूताः ॥ ६५ ॥

टि भ ख शू ता टि ख फ़

॥वैश्वदेवञ्जैव ॥

अभिसोमासआहोयवाः । पवन्तेमद्यम्मदं पवन्तेमदियां होइमादाम् । सामुद्रस्याधिविष्टपेमनी षिणोमना होषाइणाः । मात्सारासोमदच्युतोमदा होच्यूताः । ओइळा ॥

षु ता ता कि पी दूच्य यात की श कुच् का टाच्य ट ता थ श कु श टाच्य ट खण् प शा
६६ ॥

॥इन्द्रसामानित्रीणि ॥

औहोवाअभिसोमासआयवऔहोवा ।

षु तु त

पवान्तेमावा । द्यम्मदं समूद्रस्यावा । धीविष्टपेमनी षिणा औहोइमत्सारासोवा । मदाच्यूताः ॥ ६७ ॥

ट खात्र क टी खात्र च कुच् क टच्य टि खात्र ता टाख्

अभिसोमासआयावाः । पवान्तेमावा । द्यम्मदं समूद्रस्यावा । धिविष्टपेमनी षीणोमत्सारासोवा । मदाच्यूताः ॥ ६८ ॥

षु ता त ट खात्र क टी खात्र कि कु ट खात्र ता टाख्

अभिसोमासआयवाः ।पव न्ताइमादियम्मादम् ।सामुद्रस्याधिविष्टपाइमनाइषाइणाः ।मात्सारा सोमा दाऔहोवा ।च्यूताः ॥ ६९ ॥
 षु ता त का दुख ण की षु टा खा णा कि टाद्ख शि ख प्ल

॥स्वःपृष्ठमाङ्गिरसम् ॥

अभाइसोमाऔहोसआयवाः ।पवान्तेमाऔहोद्यम्मद म् ।समूद्रस्याऔहोधिविष्टपाइ ।ओइमा नाऔहोवाषीणाः ।ऊपा ऊपा ।मात्सारा सोमा दाऔहोवा ।च्यूताः ॥
 टा खि खा फा का टा खा खाक का टा खा खा फा का श टिद्ख शि ख प्ल ख शद्ख ख ण कि टाद्ख शि ख प्ल
 ७० ॥

॥सोमसामच ॥

पुनानसोमजाजागृविरव्याः ।वारैःपारीप्रीयाः ।त्वंविप्रोअभवोगाइरास्तमाःमाध्वायज्ञाणम्माइमाऔहोवा ।क्षाणाः ॥ ७१ ॥
 षू ती यी टा षू पि ता काच् का टद् खा शि ख प्ल

॥आदित्यानाञ्चपवित्रम् ॥

पवमान असृक्षतपवाइ त्रामतिधारयामरूत्वन्तोमत्सराइन्द्रीया हायामाइधाम् ।अभाइप्रा याऔहोवा ।सीचा ॥ ७२ ॥
 षी तू श षे दु तच टि ता टीद्ख शि ख श

॥सोमसामनीद्वे ॥

पवस्ववाजसाइहा ।तामाः ।आभिविश्वा नीनवार्यास्त्वंसामू औहोवा ।द्राःप्रथामेवीर्धर्मन्दाइवाइभ्यास्सोऔहोवा ।ममत्सराः ॥ ७३ ॥
 षु ता ख प्ल कीच्क टीद्ख शि कि च थि दु ख शि तीच
 इन्द्रायापा ।वाताइमादाः ।सोमोमरूत्वताइसूताः ।साहस्रधारोअत्यब्यमार्षाती ।तमा
 ती टा टि दू टि षु डु टा टा
 इमार्जा न्तीयायावाः ।ओइला ॥ ७४ ॥
 टिच्क टा खण् प श्ला

॥स्वःपृष्ठञ्चैवाङ्गिरसम् ॥

इन्द्रायपा | वते मदास्सोमोमारू त्वातेहोइसूताः | साहस्राधारोअत्यव्यमार्षाता
 ती का चा था टाच्क टा टि षु दू
 उवोवा | ऊपा | तामीहोइमार्जा न्तियायावाः | ओइळा || ७५ ||
 खा श ख श टि टिच्क टा खण प शा

॥सोमसामचैव ॥

इन्द्रायपा वाताइमादाः सोमोमरूत्वताइसू ताः | साहस्राधारोअत्यव्यमार्षाती | तमा
 खी षु दू खाण कीश टी खण
 औहोइमार्जाम् | तायाऔहोवा | यावाः || ७६ ||
 कि खिण टट्ख शि ख प्ल

षष्ठ खण्डः

॥३४॥

ओई प्रातू इहाओद्रवापारीकोशान्नीषीदा । ओई नृभीरिहाओपुनानोआभीवाजमार्ष ।

चा फा ता कू स्विश चा फा का की कि खा श

ओआश्वाइहाओनत्वावाजीनम्मार्जयान्ताइ । ओआच्छाइहाओब हर्द्दिराशनाभाइन्नाया । न्ताइ ॥१॥

चा फा ता टी कि खा शा चा फा ता का कि पि स्वि त्र श

हाओहाउहुवाओहा । प्रातुद्रवापारीकोशान्नीषीदा । नृभिःपुनानोआभीवाजमार्षा ।

का फ खि ण षी कि स्विश टु कि खा श

अश्वन्नत्वावाजीनम्मार्जयान्ताइ हा ओहाउहुवाओहा अच्छाब हर्द्दिराशनाभाइन्नाया ।

टु कि खा शा का फ खि ण कि कि पि स्वि

न्ताइ ॥२॥

त्र श

प्रातू । द्रावापरिकोशान्नीषीदा । नृभिःपुनानोआभीवाजमार्षा । अश्वन्नत्वावाजिनम्मार्जयान्ताइ ।

ता षु टिथ टु कि खाण षी टू त श

अच्छाब हर्द्दिराशनाभाइन्नाया । न्ताइ ॥३॥

कि कि पि स्वि त्र श

॥३५॥

प्रत्वेप्रतु । द्रावाद्रवापारीकोशान्नीषीदा । नृभिरे नृभीःपूनापुनानो

का ता षी कि स्विश ति ता टु

आभीवाजमार्षा । अश्वमे अश्वा'म् । नत्वानत्वावाजीनम्मार्जयान्ताइ ।

कि खा श ति ता टु कि खा शा

अच्छये अच्छा । बर्हाब हर्द्दिराशनाभाइन्नाया । न्ताइ ॥४॥

ति ता कि कि पि स्वि त्र श

प्रतूद्रा । वापरिकोशान्नीषीदा । साइदा । बुहो औहोवा । नृभिःपुनानो

ति षी टू त कि काच्क का षु

अभीवाजमार्षा आर्षबुहो औहोवा । अश्वन्नत्वावाजिनम्मार्जयान्ताइ ।

टू त का काच्क का षु टू त श

यन्ताबुहो औहोवा ।अच्छाब हाइरा शनाभिर्नायाए हियाहाउवा ।
 का काच्क का कि कि टि काख प्लि शा
 न्ताइ ॥ ५ ॥
 ख श

॥प्रजापतेर्वाजसनिनीद्वे वाजजितौद्वौ वाराहाणिवा ॥

प्राकाव्यामूशनेवाब्रूवाणाः ।देवोदेवानान्जनिमा विवाक्ती ।माहित्राता शुच्छीबान्धूःपावाकाः ।
 क टाच भी टात टी टीच टात टीच भी टात
 पादावाराहोअभियाइतिरा औहोवा ।भान् ॥ ६ ॥

प्रकाव्यामूशनेवाब्रूवाणाः ।देवोदेवानान्जनिमा विवाक्ति ।माहित्राताश्शुचिबान्धूःपावाकाः ।
 टिच भी टि टी टीच टि टी भी टि
 पादावाराहोभियाऔहोवा ।तीरे भान् ॥ ७ ॥

प्रकाव्यामुशनेवाब्रूवाणोदेवो ।देवानान्जनिमावीवाक्तिमाही ।वृतश्शुचिबन्धूःपवाकाःपादा ।वराहोअन्येतिराहाउवा ।भान् । ॥ ८ ॥

चू शा का ख श चि चाक कि ख श थू कि ख श चि का टा ति ख
 हाबुहाबूहु ।प्राकाव्यामूशनेवाब्रू

ति चा कि की
 वाणाः ।देवोदेवानान्जनीमाविवाक्ति ।
 खाप्ल क टी कि खा श

माहित्राताश्शुचिबान्धूःपावाकाःहाबुहाबूहु ।पादावराहोअभियाइतिरा इ ।भान् ॥ ९ ॥

॥अङ्गिरसांसङ्गोशास्त्रयःदेवानांवा सामसुरसे द्वे ॥

होये होवाहाहोइ ।तिस्रोवाचाईरायातिप्रवान्हीः ।ओहा होहा ओहा ।
 टा टात त श टु का खि प्ल णाफ ख शि
 त्रःतस्यधाइतींब्राह्मणोमानीषाम् ।आहाहोइआहाहा हाहोइ ।
 टू कि खा श का कि काच्क च श

गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः । इहाहोइई हाहा हाहोइ ।

क टु कि खाप्ल का कि काच्कचश

सोमयन्ताइमातयोवावाशा ।नाः ॥ १० ॥

क कु पि खा त्र

होइयाहोइ ।तिसोवाचाईरायातिप्रवान्हीः ।ओहा होहाओहा ।

टि च श टु का खि प्ल णाफ्ख शि

ऋतस्यधाइतींब्राह्मणोमानीषाम् ।आहाहोइआहाहा हाहोइ ।

टू कि खाश का कि काच्कचश

गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः ।इहाहोइई हाहा हाहोइ ।

क टु कि खाप्ल का कि काच्कचश

सोमयन्ताइमातयोवावाशा ।नाः ॥ ११ ॥

क कु पि खा त्र

हाहोइयाहोइ ।तिसोवाचाईरायातिप्रवान्हीः ।ओहा होहाओहा ।

क टि कच्श टु का खि प्ल णाफ्ख शि

ऋतस्यधाइतींब्राह्मणोमानीषाम् ।आहाहोइआहाहा हाहोइ ।

टू कि खाश का कि काच्कचश

गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः ।इहाहोइई हाहा हाहोइ ।

क टु कि खाप्ल का कि काच्कचश

सोमयन्ताइमातयोवावाशा ।नाः ॥ १२ ॥

क कु पि खा त्र

॥वेणोर्विशालेद्वे ॥

होइयाई होइयाओहोइया ।तिसोवाचाईरायातिप्रवान्हीः ।ओहा होहाओहा ।

की टी किच टु का खि प्ल णाफ्ख शि

ऋतस्यधाइतींब्राह्मणोमानीषाम् ।आहाहोइआहाहा हाहोइ ।गावोयन्ताइगो

टू कि खाश का कि काच्कचश क टु

पातिम्पाच्छामानाः ।इहाहोइई हाहा हाहोइ ।

कि खाप्ल का कि काच्कचश

सोमयन्ताइमातयोवावाशा ।नाः ॥ १३ ॥

क कु पि खा त्र

होइहाई होइहा औहोइहा । तिस्रोवाचार्द्दरायातिप्रवान्हीः ।
 की टी किच् डु का खिलु
 ओहा होहाओहा । ऋतस्यधाइतींब्राह्मणोमानीषाम् ।
 णाफ़ ख शि दू कि खाश
 आहाहोइआहाहा हाहोइ । गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामा
 का कि काच्चक चश क डु कि खा
 नाः । इहाहोइई हाहा हाहोइ । सोमथ्यन्ताइमातयोवावाशा । नाः ॥ १४ ॥
 लु का कि काच्चक चश क उ पि खा त्र

॥गौतमस्यतन्त्रातन्त्रेद्वे ॥

ईहोईहाइहोइहा । होवा होइहा । तिस्रोवाचार्द्दरायातिप्रवान्हीः ।
 चा फा ती काच् फण डु का खिलु
 ओहा होहाओहा । ऋतस्यधाइतींब्राह्मणोमानीषाम् ।
 णाफ़ ख शि दू कि खाश
 आहाहोइआहाहा हाहोइ । गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः ।
 का कि काच्चक चश क डु कि खालु
 इहाहोइई हाहा हाहोइ । सोमथ्यन्ताइमातयोवावाशा । नाः ॥ १५ ॥
 का कि काच्चक चश क उ पि खा त्र
 इहाउवाइ हाइहा । तिस्रोवाचार्द्दरायातिप्रवान्हीः ।
 टी ख षिड् डु का खिलु
 ओहा होहाओहा । ऋतस्यधाइतींब्राह्मणोमानीषाम् ।
 णाफ़ ख शि दू कि खाश
 आहाहोइआहाहा हाहोइ । गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः ।
 का कि काच्चक चश क डु कि खालु
 इहाहोइई हाहा हाहोइ । सोमथ्यन्ताइमातयोवावाशा । नाः ॥ १६ ॥
 का कि काच्चक चश क उ पि खा त्र

॥अगस्तयस्ययमिकेद्वे ॥

इहाउवाइहाउवाइहाउवाई हाई हा । | तिस्रोवाचार्द्दरायातिप्रवाखि)न्हीः ।

का ता टी का त्र ख प्लड टु का प्ल

ओहा होहाओहा |ऋतस्यधाइतींब्राह्मणोमानीषाम् |आहाहोइआहाहा हाहोइ ।

णाफ़ख शि टू कि खा श का कि काच्चक च श

गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः |इहाहोइई हाहा हाहोइ ।

क टु कि खा प्ल का कि काच्चक च श

सोमयन्ताइमातयोवावाशा |नाः ॥१७ ॥

क कु पि खा त्र

ई हाहाई हा |तिस्रोवाचार्द्दरायातिप्रवान्हीः |ओहा होहाओहा ।

ख प्लड टु का खि प्ल णाफ़ख शि

ऋतस्यधाइतींब्राह्मणोमानीषाम् |आहाहोइआहाहा हाहोइ ।

टू कि खा श का कि काच्चक च श

गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः |इहाहोइई हाहा हाहोइ ।

क टु कि खा प्ल का कि काच्चक च श

सोमयन्ताइमातयोवावाशा |नाः ॥ १८ ॥

क कु पि खा त्र

॥मरुताङ्गालकाक्रन्तौ ॥

ओओहोओहोवाहा । | तिस्रोवाचार्द्दरायातिप्रवान्हीः |ओहा होहाओहा ।

का ख फात तच टु का खि प्ल णाफ़ख शि

ऋतस्यधाइतींब्राह्मणोमानीषाम् |आहाहोइआहाहा हाहोइ ।

टू कि खा श का कि काच्चक च श

गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः |इहाहोइई हाहा हाहोइ ।

क टु कि खा प्ल का कि काच्चक च श

सोमयन्ताइमातयोवावाशा |नाः ॥ १९ ॥

क कु पि खा त्र

ओओहो ओहोओहोओहोवाहा इ । | तिस्रोवाचार्द्दरायातिप्रवान्हीः ।

टिच्चक ख फा फात तच श टु का खि प्ल

ओहा होहाओहा ।ऋतस्यधाइतींब्राह्मणोमानीषाम् ।

णाफ़ ख शि दू कि खा श

आहाहोइआहाहा हाहोणइ ।गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः ।

का कि काच्कच श क डु कि खाफ़

इहाहोई हाहा हाहोइ ।सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा ।नाः ॥ २० ॥

का कि काच्कच श क कु पि खा त्र

॥वासिष्ठानिषट् ॥

अस्याऔहोवाप्रेषाहे मानापू यमानाः ।देवोऔहोवा

खा क था टि कि खाफ़ खा क था

देवाइभीस्सामापृ त्तरा सम् ।सुताौहोवा ।पवाइत्रांपारीये तिरे भन् ।

टी कि खा श खा क था टी कि खा श

मिताौहोवा ।वसाद्वापाशुम न्तिहोता ।पशुमान्तिहो ।ता ॥ २१ ॥

खा क था मि कि खा श पि खा त्र

उहुवायस्याऔहोवाप्रेषाहे मानापू यमानाः ।उहुवादेवोौहोवादेवाइभी

खु क था टि कि खाफ़ खु क था टी

स्सामापृ त्तरा सम् ।उहुवासुताौहोवा ।पवाइत्रांपारीये तिरे भन् ।

कि खा श खु क था टी कि खा श

उहुवामिताौहोवा ।वसाद्वापाशुम न्तिहोता ।पशुमान्तिहो ।ता ॥ २२ ॥

खु क था मि कि खा श पि खा त्र

हाउहुवायस्याऔहोवा ।प्रेषाहे मानापू यमानाः ।हाउहुवादेवोौ

खु क था टि कि खाफ़ खु क

होवादेवाइभीस्सामापृ त्तरा सम् ।हाउहुवासुताौहोवा ।पवाइत्रांपारीये

था टी कि खा श खु क था टी कि

तिरे भन् ।हाउहुवामिताौहोवा ।वसाद्वापाशुम न्तिहोता ।पशुमान्तिहो ।ता ॥ २३ ॥

खा श खु क था मि कि खा श पि खा त्र

हायौहोवायस्याऔहोवा ।प्रेषाहे मानापू यमानाः ।हायौहोवाइदेवोखा)

खु क था टि कि खाफ़ शु

औहोवादेवाइभीस्सामापृ क्तरा सम् । हायौहोवाइसुता औहोवा ।
 क था टी कि खाश षु खाक था
 पवाइत्रांपारीये तिरे भन् । हायौहोवाइमिता औहोवा ।
 टी कि खाश षु खाक था
 वसाद्वापाशुम न्तिहोता । पशुमान्तिहो । ता ॥ २४ ॥
 मि कि खाश पि खा त्र
 हाहायौहोवायस्याऔहोवा । प्रेषाहे मानापू यमानाः ।
 षु खाक था टि कि खापू
 हाहायौहोवाइदेवोखा) औहोवादेवाइभीस्सामापृ क्तरा सम् ।
 षु क थ टी कि खाश
 हाहायौहोवाइसुता औहोवा । पवाइत्रांपारीये तिरे भन् ।
 षु खाक था टी कि खाश
 हाहायौहोवाइमिता औहोवा । वसाद्वापाशुम न्तिहोता ।
 षु खाक था मि कि खाश
 पशुमान्तिहो । ता ॥ २५ ॥
 पि खा त्र
 औहोवहाहोई हा । अस्यप्रेषाहे मानापू यमानाः ।
 टक था टाकथ दु कि खापू
 देवोदेवाइभीस्सामापृ क्तरा सम् । सूतः पवाइत्रांपारीये तीरे भन् ।
 दु कि खाश दु कि खाश
 औहोवहाहोई हा । मीतेवसाद्वापाशुमान्तिहो । ता ॥ २६ ॥
 टक था टाकथ दु पि खा त्र

॥आश्वच्छ ॥

होहोअक्रान्सामुद्राः । प्रथामे विधर्म्मान् । होहोइ जनय न्प्राजाभुवनस्यगोपाः ।
 टी च चा चि शि कि कि का कुच
 होहोइवृषा पावित्रे आधिसानोअव्याइ । होहोइ बृहत्सोमोवावृ
 दुच टिच भि चा श कि दुक
 धेस्वानोअद्रायौहोवाहाउवा । ए स्वानोअद्रीः ॥ २७ ॥
 था टिट ता ति तच्क टिख

॥सोमसामनीद्वे ॥

कानी । क्रन्तीक्रन्तीहरी रासृज्यमानासाइद् न् । वानावाना
 ता टा टा का थे टि खा णा टा टा
 स्यजठरे पूनानोनृ भीः । यातायाताः कृणु तेनिर्निर्जांगमाताः ।
 की टा खा ण टा टा का था टा खा ण
 मातिमातिन्जन यतास्वाधा औहोवा । भीः ॥ २८ ॥
 टा टा का टि ख शि ख
 कनिक्रन्तीहाहोइहरिरासृज्यमानाः । हाहोइसीदन्वनस्यजठरे पूनानाः ।
 फू त फू खा फू त षु कि टा त
 हाहोइनृभिर्यतः कृणु ते निर्निर्जाङ्गा । हाहोअतोमता
 त षु कि टि त त
 इजनयतास्वाधा औहोवा । भीः ॥ २९ ॥
 षु डु ख शि ख

॥ऐषच्छ ॥

एषाएषाः । स्यताओइमधूमिन्द्रसोमोवृषावृषाए । वृष्णाओः परिपवित्रेअक्षास्सहासहाए । स्नदाओशतदाभूरिदावाशश्च्छश्चादे । तमाओंबर्हिरावाज्येहियाहाउवास्थात्
 ती ता प षु तू त ता प षु तू त ता प षु तू त ता प षु फ़ि शा ख
 ३० ॥

॥माधुच्छन्दसम् ॥

हाओहाइहाओपावस्वसोमामाधूमं ऋतावा । आपोवसानोआधीसानोअव्याइ । आवद्रोणानीघार्त्ताव न्तीरो हा । हाओहा । इहाओमदिन्तमोमात्सरयाइन्द्रापा । नाः ॥
 खा ण ता च क टी कि खा श डु कि ख शि डु कि खा श खा ण ता च क टी पि खि त्र
 ३१ ॥

॥सोमसामानिचत्वारि ॥

सोमः पवते जनिता माताइनाम् । जनितादीवोजनीता पृथाइव्याः । जनिताग्रे जनितासूरीयायास्या । जनिते न्द्रास्याजनितोतावाइ । ष्णोः ॥ ३२ ॥

चु किच् का टा ति चा किच् का टा षी की टात कि टा पि खाश त्र
सोमः पवते जनिताए औहोवा । माताइनाम् । जनितादीवोजनीताप्रथिव्याः । जनाइताग्रेः । जनितासूरीयास्या । जनिते न्द्रास्यजनितोतविष्णोः ॥ ३३ ॥
षु ती खात्र पश्च त्र कि का कि चि टा खाण षी खात्र कि कु टिख
हाबुजनद्धाबुजनद्धाबुजन ज्ञनद्धाबुजन
षो

द्धाबुजनद्धाबु । होइजनद्धोइजनद्धोइजनात् । सोमः पवाते जानीतो
तोश षू चू कटी कि

मतीनाम् । जनितादाइवोजानीतापृथीव्याः । जनिताग्राइर्जनितासूर्यास्या । हाबुजनद्धाबुजनद्धाबुजन ज्ञनद्धाबुजनद्धाबु । होइजनद्धोइजनद्धोइजनात् । जनिते
खाश कि टि कि खाप्ल कि कि किखश षो तोश षू चू कि
न्द्रास्याजानीतोतावाइ । ष्णोः ॥ ३४ ॥

टा पि खाश त्र
जनद्धाबुजनद्धाबुजनद्धाबु । जनदाबुजनदाबु
षौ

जनदाबु । जनद्धोइजनद्धोइजनद्धोइ । सोमः पवाते जानीतामतीनाम् । जनितादाइवोजानीतापृथीव्याः । जनिताग्राइर्जनितासूर्यास्या । जनद्धाबुजनद्धाबुजनद्धाबु । जनदाबुजन
तोश षू चू शकटी कि खाश कि टि कि खाप्ल कि कि किखश षौ

३५ ॥

॥मरुतांत्रोपोहस्सम्पद्वा ॥

ओहाओहाओहाइयाओहाए । आभित्रिप्राष्ठांवार्षाणं वयोधाम् । अङ्गोषीणामावावाशन्तवाणीः । वानावसानोवारूणोनसीन्धूः । ओहाओहाओहाइयाओहाए । वीरत्नधादयते
कटाकटाटतत टु कि खाश च कि कि खाप्ल टु कि खाप्ल कटाकटाटतत कि
३६ ॥

सप्तम स्वण्डः

॥कूत्सस्याधिरथ्यानित्रीणि ॥

होवाउहुवाहोवा । प्रासेनानाइशशूरोअग्राइरथानाम् । गव्यन्नेताइहर्षतेआस्यसे ना । भाद्रान्कृणवन्निन्द्राहावान्साखीभ्याः ।

ख श स्वि ण कि टि खु श कि डु स्वि श कि की स्वि प्ल

आसोमोवास्तरारभसानिदाक्ताइ । होवाउहुवाहोवाहाबु । बा ॥१ ॥

कि टा कि खात्र श ख श खी छाश श

औहोओवा । प्रासेनानाइशशूरोअग्राइरथानाम् । गव्यन्नेताइहर्षतेआस्यसे ना । भाद्रान्कृणवन्निन्द्राहावान्साखीभ्याः औहोओवा । आसोमोवास्तरारभसा

फात त कि टी खु श कि डु स्वि श कि की स्वि प्ल फात त कि टा पि

निदाक्ताइ ॥ २ ॥

खात्र श

ओहोओवा । प्रासेनानाइशशूरोअग्राइरथानाम् । गव्यन्नेताइहर्षतेआस्यसे नाभाद्रान्कृणवन्निन्द्राहावान्साखीओहोओ

फात त क था टी खु श क था डु स्वि क था टी स्वि फात

वा । आसोमोवास्तरारभसानिदा । क्ताइ ॥ ३ ॥

त क था टा पि खाणफ्ल ख श

॥वैश्वज्योतिषाणित्रीणि ॥

हाबुहोहाइ प्रतेधारामाधूमा

ति शा भु चक

ताइरसृग्रान् । हाबुहोहाइवारं यत्पूतोआतीयाइषीयाव्याम । हाबुहो

टु ति षी चु डु ति

हाइ पवमानपावसे धामगोनाम् ।

शा चु का टी

हाबुहोहाइ जनयन्सूर्यमापाइन्वोअर्काइः । हाबुहोहाबु । बा ॥ ४ ॥

ति शा चु क टु स्वि प्ल श श

प्रागायताभ्यार्च्चामदे वान् । सोमंहिनोतामाहाते धनाया । स्वादुःपवातामातीवारमा

टी का खाश क टी कि खाश क टी कि खा

व्यम् । आसीदतू कालशान्दाइवायाइ । न्दूः ॥ ५ ॥

श क कि पी स्वि श त्र

हाबुहोहाइ प्रहिन्वानोजनितारो द
ति शा षी स्वी

सीयोः । हाबुहोहाइ रथेनवाजंसनिषान्नयासीत् । हाबुहोहाइ
खाङ्ग ति शा षु खि खाश ति शा
इन्द्रज्ञच्छन्नायुधासांशिशानाः । हाबुहोहाइ विश्वावसुहस्तयोरा दधानाः । दधानाबु । बा ॥ ६ ॥

॥ वाचस्सामनीद्वे ॥

ताक्षाद्यादीहोइमनासावेनतोवाक् । ज्येष्ठास्याधाहोर्ममद्युक्षोरनीकाइ । आदीमा
फा फाफ णि फीफ फा फाफ ण फीफ श फा

यान्होइवरा मावावशानाः । जूष्टं पार्तीहोइङ्गलशेगावइन्दाबु । बा ॥ ७ ॥

तक्षाद्यादाओइमनासावेनतोवाक् । ज्येष्ठास्याधाओर्ममद्युक्षोरनीकाइ । आदाइमाया
कीप णि फीत कीप ण फीत श क की

ओन्वरा मावावशानाः । जुष्टम्पाताओइङ्गलशेगावइन्दाबु । बा ॥ ८ ॥

प णा फीत कीप षु शी श

॥ दाशस्पत्यानिषट् ॥

साकाम् । उक्षोमर्जयन्तस्वासाराः । दाशाधीरस्यधीतयोधानूत्रीः । हारीपर्यद्रवज्जास्सूर्यास्या । द्रोणा न्नानक्षेअत्येनवाहाउवा ।
ता षा कु ट त टा कू ट ा ट टा कु ट ा ट टा चक द्व ति
जी ॥ ९ ॥

साकमुक्षाए । एएमर्जयन्तस्वासारोदशधीराए । एएस्यधीतयोधनुत्रिहरिःपर्याए । एए
ती त तप षु तू त तप षी तू त तप
द्रवज्जस्सूर्यस्यद्रोणन्नाए । एएक्षेअत्येनवाहाउवा । जी ॥ १० ॥

इन्दूर्वाजी पावतेगोन्योद्या इन्द्राइस्सोमाः । सहइन्वन्मदाया हन्ताइराक्षाः । बाधते परियरातिं वाराइपाःकृ । णवान्वृजनास्यारा
था टाच्क कूच्क दि त षी किच्क टित षि कुच्क ती थ टि या

जौवाउवोवा ।होइला ॥ ११ ॥

षु टु श

इन्दुर्वाजीपवतौहोऔहोवाहाइगोन्योघौवाउवोवा ।इन्द्रे स्सोमस्साहाइन्वन्मदायौवाउवोवा ।न्तीरक्षोबाधते परियरातौवाउवोवा ।वरिवःकृण्वन्वृजनास्यारा,जौवाउवा
षु तु श कि खि श कि कु खि श ।हक टूच कु खि श कि टी प
१२ ॥

इन्दुर्वाजीपवतेगोन्योघाः ।इन्द्रेस्सोमस्सहइन्वन्मदाया ।हन्तिरक्षोबाधतेपर्यरातिम् ।वरिवःकृण्वन्वृजनस्यराजाराजाऔहोवा ।एस्यारा ।जा ॥ १३ ॥

षी तु त षी तु श षु तु श षु तु खि शि त टा ख
इन्दुरौहोवाहाई या ।वाजाउवा
षु तात ती

हाउवा ।पवातेगोन्योघाउवाहाउवा ।इन्द्राइसोमास्सहइन्वन् ।उवाहाउवा ।मादाऔहोवा ।याहन्ताइ ।रक्षोबाधाताइपाउवाहाउवा ।रीया रा औहोवा ।तीम् ।
ति का था का ता ति क की की ता ति टट्ख शि खकच श थि की ता ति टट्ख शि ख

वाराइवःकृण्वन्वृजानाउवाहाउवा ।स्याराौहोवा ।जा ॥ १४ ॥
चा कि की ता ति टट्ख शि ख

॥कश्यपस्यचशोभनम् ॥

अधीयदा ।ती)स्माइन्वाजिनी वाशुभाः ।स्पार्धन्ते धीयास्सूराईनविशाः ।आपोपृणानःपवताइकवी
टि काच चि क थाच कि ख शी षु टू

या न्वाजन्नपाशुवार्धनायामान्मा ॥ १५ ॥
कथ टु पि खात्र

॥आत्रम् ॥

महत्तसोमोमहिषाश्चाकारा ।अपांयत्गर्भोवृणी तादाईवान् ।आदधादिन्द्रे पवमानाओजोअजनायत्सूर्योज्योतिरिन्दा
षु चि टि ता चि काच का टा ति का चि का ट कि का टक टाक
उवा ।एअजनायत्सूर्योज्योतिरिन्दूः ॥ १६ ॥
ता त कि कि खी

॥अपांसाम ॥

अपामीवेदूमयस्तौहोऔहोवाहाइ ।तुराणाहा हाहाइ ।प्रामनीषाई रतेसोमामाच्छाहाइ ।नामस्यन्ताइरूपचायन्तीसञ्चाहाहाआचविशन्तुशातीरूशन्तांहाहाऔहोवा ।वाह
 शु तु त श स्वि शङ्कु त त श चि पा णि फ फङ्कु त श शु टि का फत त त क चू क फत त ख शि त ट
 १७ ॥

॥श्रौषाणित्रीणि ॥

औहोहाअयोहाइ ।पावापवस्वैना
 तु त श कु

वासूनी ।औहोइहाईया ।मा श्वत्वइन्दोसरसीप्रधान्वान्वा ।औहोइहाईया ।
 टात ट च काटत कथ षी कि टात ट च काटत

बृद्धश्विद्यस्यवातो
 शु का

नाजूतीम् ।औहोइहाईया ।पुरुमेधश्विक्तकवेनारा
 टात ट च काटत षा कु टा

न्धात् ।औहोइहाई याऔहोवा ।एदीदिही ॥ १८ ॥
 त ट च काटद्व शि त तिच

अयोहाइपवोहाइ ।पावस्वैनावासूनी ।
 ता तीत श ती टात

इहोइहाईया ।मांश्वत्वइन्दोसरसीप्रधान्वाइहोइहाईया ।बृद्धश्विद्यस्यवातोनजूतीम् ।इहोइहाईया ।पुरुमेधश्विक्तकवेनारान्धात् ।इहोइहाई याऔहोवा ।एदीदिया ॥
 का काटत शु कि टात का काटत शु का टात का काटत षि कु टात का काटद्व शि त तिच
 १९ ॥

हाउवोवाहाउवोवाहाओवाहाउवा ।आयापावापवस्वैनावसूनीहो इहियाईहोइहा ।मांश्वत्वइन्दोसरसीप्रधान्वाइहोइहियाइहोइहा ।बृद्धश्विद्यास्यवातोनजूतिमिहो इहिया
 स्वि श स्वि शत प श ति चा चा कि कि काच्क टा टा टाख कथ कि कु चा टि टा खा चा चा कि कुच्च टि

॥वासिष्ठम् ॥

असा औहो । जीवाक्तारथ्याइयाथा । जाबु । धिया औहो । मानोता प्राधमामानीषा । दशा औहो । स्वासारो धिसानोआ । व्याइ । मुजाऔहोन्तिवान्हींसादनाइषूवच्छाबु । ब
भि त क टा पी श ख श भि त टिच्क पि श ख भि त टिच् पि श ख श भि त टिच्क पी शि र
२१ ॥

अष्टम खण्डः

॥नकूलस्यवामदेवस्यप्रेङ्गौद्धौ ॥

पुरोजिती | वोअन्धासाः | सूतायमादयाआउवाए | त्नावे | आपश्वानं श्वथाआउवाए | ष्टाना | साखायोदीर्घजाआउवा | ह्वीयम् ॥ १ ॥
 ती खि ण टी ता मि ख श टी ता मि ख श टी ता टि ख श

पूरोजिती | वोअन्धासाः | सूता यामाऊहोवाऊ | दायाइत्नावे | आपश्वानाऊहोवाऊ |
 ती त पा श काच्कट थाट त पि श च थाट थाट

श्वाथाइष्टाना | साखायोदा | ऊहोवाऊ | र्घाजाओहोवा | एह्वीया म् ॥ २ ॥
 त पि श च थाट ट थाट टद्ख शि त टाख

॥महाकार्त्तवेशञ्च ॥

पुरोहा | हाबुजाइती | वोआओहोअन्धासाः | सूताओहोयामाहाओवा | दाइत्नावाऊपा | आपश्वानं श्वथाइष्टाना | साखाओहोयोदाहाओवा | र्घाजिह्व्यमूपा ॥ ३ ॥
 ति खि णा त का खि ण चाक ख शु च किक ख यू पा श चाक ख शु क टि ख

॥और्ध्वसद्धनञ्च ॥

पुरोजितीवोअन्धसउवाहाइ | सूतायमादइत्नवउवाहोआपश्वानं श्वथिष्ठनउवाहोइ | साखायोदाइर्घाजिह्वायाम् | सूबृक्तिभी चृमादनंभरे | षुवा ॥ ४ ॥
 शु तु त श षु दू च षी दू च श च थ कि खात्र कीच्क दु ताच्च

॥श्यावाशञ्च ॥

पूरोजीतीवोअन्धासए हिया | सूतायमादाइत्नवाएहिया | आपश्वानं श्वथीष्टाना | एहाएहिया | साखायोदाइर्घजीह्वायाम् | हाइ ॥ ५ ॥
 चाय प षु खी णा कु टि टि कि पा श त त कट टि का पी श ख षु शा

॥आन्धीगवञ्च ॥

पुरोजितीवयाओन्धासाः । सूतायमादाया । हिमा त्वं वे आपश्वानं श्रद्धिष्ठना । साखाउवा । योदीर्घाजी । ह्वीया औहोवा ।
 षी तू त पु श टाद टाच की ती पा शा ट टात क टाखङ्ग
 होइळा ॥ ६ ॥
 पु शा

॥क्रौञ्चानित्रीणि ॥

अयं पूषौहोइरयिर्भगः । सोमः पुना
 का कु चि ती
 नोआर्षताइ । पातिर्विश्वौहोस्याभूमनाः । व्यख्यद्रोदासी । ऊभाइ ॥ ७ ॥
 टा ख त्र श का की च शा ति टा ख त्र श
 अयंपूषा अयंपूषा । रायिर्भगास्सोमाः पूनानोअर्षताइ । पातिर्वाइश्वाओस्याभूमनाः । ओइव्यख्याद्रोदासीऊभाइळाभा । ओइळा ॥ ८ ॥
 षी तू क चि था टाकथ चाश चि या यि या टी त का टी खण् प शा
 आयं पूषा होइरयिर्भगाए । सोमः पुनानया र्षाति । पातिर्विश्वस्यभूमनाः । व्यख्याद्रो दासीउभा । ओइळा ॥ ९ ॥
 चाकफङ्ग खी ष्ठि त टि खाणफङ्ग ख श चि दुख टा त टि खण् प शा

॥गृत्समदस्यसूत्राणि चत्वारि ॥

आहाआवा । रीयातायधृष्णवे धनू ओवा । ष्टन्व न्तीपौस्यम् । शुक्राओवा । वियन्त्यसुरायनिर्निजे । विपांओवा । अग्रे महीयुवा: ॥ १० ॥
 था प ण का क टी का प ण का च कि ता प ण ड चा टा ता प ण चा टा टाख
 हाहाआहर्यातायाधृ हाहाऔहोवाष्णावे । हाहाइधानुष्टान्वन्तीपौः हाहाऔहोवा । सीयम् ।
 त त की ख शङ्ग त ख शि ख श त त कु ख शङ्ग त ख शि ख श
 हाहाइशुक्रावियन्तायसुरायानी हाहाऔहोवार्ननीजे । हाहाइवीपामाग्राइमाही हाहाऔहोवा ।
 त त कु टी ख शङ्ग त ख शि ख श त त कि टा खा शङ्ग त ख शि
 यूवा: ॥ ११ ॥
 खङ्ग
 आहर्यतायधृष्णवाया । धानूष्टान्वातीपापुंसायां । शुक्रावियन्तायसुरायानीर्ननाइजाइ । वीपामाग्राइ । ओइमाही । यूवो । हाइ ॥ १२ ॥
 षु तु चाय ट का या ट की की का ख णा श चाय ट श पि श खङ्ग शा

आहरी यातायाधृ ष्णावे धनूष्टन्वान् । तिपापुंस्यंशुक्रविय न्तायसुरा यनाउवार्नीजे ।
 फ ण ष्ण फ खा शी ता था की की शी ख श
 वाइवांहाआग्रेहाइ । माहीयूवाः । ओइळा
 टि त टात श चाट खण् प शा

॥आकुपारम् ॥

परित्यंहर्यतंहर्मिका) । पारित्यंओहोर्यतंहराइम् । बभ्रंपुनन्तिवारेथच्)
 चू प ष्णी डीश कू
 णावाअभ्रंपुनौहौन्तीवारे णा । योदेवान्विश्वंइत्पारीयो
 पा पु डिश षु चाकप
 देवान्वौहोइश्वंइत्पराइ । मदेनसहगच्छातीमादेनसौहोहगच्छातो । हाइ ॥ १४ ॥

ष्णी डुश षि ची कप ष्णी ष्णी शा

॥त्वाष्ट्रीसामनीद्वे ॥

सुतासोमाधूमाक्तमाः । सोमाइन्द्रायमाएन्दिनाया । पवाइ । त्रिवान्तयाएक्षर न्ना । दाइवान्गच्छान्तुवाएमदाया ॥ १५ ॥
 ती ता ता कि त तात ताख चाश ता तात काख चि ता तात ताख
 सुतासोमधुमक्तमाः । सोमाइन्द्रा । यमा । न्दीनाः । पावित्रिवान्तोअक्षरन्देवान् । गच्छान्तुवोमादाः । ओइळा ॥ १६ ॥
 षी ती टा टा खाणफ्ल ख ष्ण टी तू चा टि खण् प शा

॥सोमसामानिचत्वारि वासिष्ठानिवा मदाईनिधनानिवा त्वाष्ट्रीसामानी ॥

सुतासोमाधूमाक्तमाः । सोमाइन्द्रायमन्दीनाः । पावाउवोवा । त्रिवन्तोअक्षरन्देवान् । गच्छान्तुवोमादाः । ओइळा ॥ १७ ॥
 खा ष्णी कु का टा खाश षु ता चा टि खण् प शा
 सुतासोमधूमक्तमस्सोमाइन्द्रा । यमन्दीनाःपावीत्रावान्तोअक्षरन्दाइवान्गच्छाउवा । तूवाः । मदाओहोबाहोइळा ॥ १८ ॥
 षु तू यु टच्यट कु की शा खफ्ल टि खफ्ल शा
 सुतासोमधुमक्तमस्सोमाहाबु । इन्द्रायामान्दिनाः । इन्द्राहोयमान्दाइनाः । पावित्रिवान्तोअक्षारान् । त्रिवाहोन्तोअक्षार न् । देवान्गच्छन्तुवोमादाः । देवान्होइगच्छोहाइ
 षी तू त श थाच य टा था टि ख णा कीट मि ता टा खाण ची क य टा था खी ण शा

तू वाौहोवा ।मदाया ॥ १९ ॥

ट् ख् शि ता ट् ख्

सुतासोमधुमक्तमाए ।सोमाइन्द्रायामान्दिनादाइनाः ।पावित्रवान्तोअक्षरान्क्षारा ।

षि तु त चीक य टा टि कीट टि य

देवान्गच्छन्तुवोमादामादाः ।देवान्होइगच्छोहाइ ।तू वाौहोवा ।मादाई ॥ २० ॥

ची क य य टा था पी ण श ट् ख् शि ता ट् ख्

॥त्वाष्ट्रीसामनीचैव ॥

सुतासोमाहाधु मक्तमाः ।सोमाइन्द्राहायमान्दाइनाः ।पावित्रवाहान्तोअक्षारान्देवान्गच्छाहान्तुवोहोबामादोहाइ ॥ २१ ॥

टी चा टि टी चि टि टीकथ टि टी त ष्णापङ्ग ष्णा शा

सूतासोमा हाहाधू मक्तमाः ।सोमाइन्द्रा हाहायम न्दाइनाः ।पावीत्रावा हाहा

णा च कफ्त चा पि फा फाप्त चि पि णा फाप्त त

न्तोअक्षरा ।न्देवान्गच्छाहाहान्तुवोहोबामादो ।हाइ ॥ २२ ॥

थ पि फा फाप्त त ष्णाखङ्ग ष्णा शा

॥क्रौञ्चेद्वेशार्मदेवा ॥

हाबुसोमाः ।पव न्दाइन्दावा ।

ती काट मि

उवाहाउवा ।अस्माभ्यङ्गातुविक्तामाउवाहाउवा ।मित्रास्वानाआरेपासाउवाहाउवा ।स्वाधियास्सूवार्वाइदो

ता ति का था भी ता ति का थाट मि ता ति फ ताप शख ष्णा

हाइ ॥ २३ ॥

शा

सोमाःपवन्तर्ई न्दवाः ।अस्माभ्यङ्गातुविक्तामाः ।

फा खी शा की कि ख

माइत्राउवोवा ।स्वानाअरे पसाः ।स्वाधियाःसूवर्वा

टि खाश क कि टाख् तच् चा टि

इदाः ।ओइला ॥ २४ ॥

खाण् प शा

॥सोमसामानि त्रीणि ॥

अभिनोवा । जासाऔहोवा । तामम् । रयिमार्षशातस्पृहामिन्दोसहस्रभाहोर्णसाम् । तुविद्युम्नंविभाहोए । सहमोइळा ॥ २५ ॥

ती टद्ख शि खश टि का कि दू टि दू टा खि शा

अभिनोवा । जासातमं रायीमर्षाउवाओहाइ ।

ती की चा का काट तश

शतस्पृहामिन्दोसाहाउवाओहाइ । सभर्णसन्तुवाइद्यु म्नाऔहोवा । विभासाहाम् ॥ २६ ॥

चि टिच्क टि टतश षी टेट्ख शि ताट्ख

अभीहोइनोवाजासाहोतामम् । रयिंहोअर्षशाताहोस्पृहम् । इन्दोहोइसहस्रभाहोर्णसाम् । तुवाहोइद्यु म्नंविभाहोसाहाम् ॥ २७ ॥

टा कि शि खाश टाकच खाश टाचश खिश खाश टा कि खुत्र

॥क्रौञ्चञ्चैव उद्धद्वा ॥

आभिनोवाओजसातमाम् । रयिमर्षाओशतास्पृहाम् । इन्दोसहाओस्भार्णसाम् ।

कीप छा ता कीप छा ता क किप छा ता

तूवाइद्युम्नाओंविभासहा । बु । बा ॥ २८ ॥

कुप छी श श

॥सोमसामचैव ॥

अभिनोवौहोजसातमाम् । रयिमर्षौहोशतस्पृहाम् । इन्दोसहौहोस्भर्णसाम् । तुविद्युम्नौहोविभासहाम् । सहन्तुविद्युम्नंविभाहाउवा । साहामे ॥ २९ ॥

तु ती तु ती कु ती कु ती षू ष्ठि शा चाट्ख

॥प्रैय्यमेधानि त्रीणि ॥

आभी । ओइनवन्तायाद्हा: । ओइप्रियमिन्द्रस्यकामामायाम् । ओइवत्सन्नपूर्वआयूनी । ओइजातंरिहन्तिमोबा । ताराः ॥ ३० ॥

खण षा युट षी युट षु यीट षी पीफु खफु

आभीनवन्तयाद्हा: । प्रीयामिन्द्रास्याकामायाम् ।

फा खी शा ता ता का खण

वत्सन्नपूर्वायूनी । जातं होइरिहाहो न्तीमाताराः । ओइळा ॥ ३१ ॥

ती का खण का कीकथू टि खण प शा

अभिनवन्तअद्रुहःओहाइ प्रियमिन्द्रस्यकामियमोहाइवत्सन्नपूर्वायुन्यौहोवाहाइ । जातंरिहाउवा । न्तीमा । ताराओहोबाहोइळा ॥ ३२ ॥

षु ती शा पू ति तु तश की शा ख श टि खफ्फु शा

॥ औशनंवैरूपम् ॥

प्रासुन्वानायआन्धासाः । मार्क्तो

पि शु

था)नवाष्टतद्वाचाः । आपथ्वानमराधासाम् । हातामाघन्नभ्रज्ञावाः ॥ ३३ ॥

टा ख्विण पि तीत टि ख्वीत्र

नवम खण्डः

॥कावम् ॥

आभीप्रीयाणीपावाताइ ।चानोहितोनामानीयाद्वोआधीये ।षुवर्धताए आसूरीया ।स्याबृहाताः ।बृहन्नधाए रथांवाइश्वाम् ।चामारुहात् ।विचाआउवा ।क्षाणाः ॥
 खि श खि ण श क टि खि श खि ण क भि खि श खि ण क भी खि शा खि ण ता टि ख प्ल
 १ ॥

॥प्रजापतेर्वाजसनिनीद्वे ॥

एआभीप्रीयाओणीपावाताए ।चनोहीताए नामानीया ।ओद्वोअधीयाए ।षुवर्धताए ।आसूरीयाओस्यबृहाताए ।बृहा
 त चाकफत चिता चिता चाकफत चिता चिता चाकफत चिता चा
 न्नाधी ।एराथांवीष्वा ।ओन्नमारुहादे ।
 कफत चाकफत चिता
 विचक्षणाःहोइला ॥ २ ॥

हु लु शा
 अभ्यौहोवाहाइप्रियाणी ।पावाता
 षु ति कि
 इचानो ।हितोनामानियद्वोअधियाइष्वार्धताइ ।
 खाण टि की ति श चा चा श
 आसूरियास्यबृहातोबृह न्नाधाइ ।राथांवाइष्वाञ्चामरुहाद्विचाआउवा ।क्षाणाः ॥ ३ ॥

॥वाजिजितौद्वौ ॥

आभिप्रयाणि पावताइ होइहोवाहोए ।चनोहिताहाइहोवाहाइ ।नामानियाद्वो आधियाइ होइहोवाहोए षुवर्धताहाइहोवाइ ।
 क कीच शी की पा शै था किच शी की पा शे
 आसूरियास्यबृहतोहोइहोवाहोए बृहन्नधीहाइहोवाहाइ ।राथं विष्वाञ्चा मारुहाद्वोइ
 था चि शि की पा शै का किच कि
 होवाहोए ।विचक्षणाःहाइहोवा
 टी पा शी श्ली

हाउवा । वाजीजीगीवा ॥ ४ ॥

शि क क तच्

आभिप्रियाणीपवताइचानोहिता । होवाहोइ । नामानियाहोअधियाइषु वर्द्धताइहोवाहोइ होइहोवाहोए । आसूरियास्याबृहतो
क की कु शि काचश था कि कु कूचश की पा था कि
बृहन्नधीहोइहोवाहोए । राथं विष्वाञ्चामरुहाद्वीचक्षणाहोवाहो वाऔहोवा । वाजीजीगीवाविश्वाधनानी ॥ ५ ॥

की शि की पा का कि की की टाट्ख शि कि कि टाख

॥ कावञ्चैव ॥

अभ्योवा । प्रीयाणिपवताइचनोहाइताः । नामानियहोअधियाइषु वर्द्धताइ । आसूर्यस्यबृहतोबृहन्नधी । राथांवाइष्वाञ्चमा
ता त षि कू टि षु कु टि षि कु टा खि शा ता
रुहाद्वाइचाक्षा । णाः ॥ ६ ॥

ट टि ख त्र

॥ सामराजानित्रीणि विशालानिवा उद्भन्तिवा सम्पद्वा तृतीयम् ॥

अचोदासोनो धानुवान्तुइन्दवाः । प्रस्वानासोबृहद्वाइवे षूहारयाः । वीचीदाशना इषयोआरातयाः । अर्योनास्सान्तुसानाइषान्तुनोधीया बु । बा ॥ ७ ॥

का टा कथ्च टात चि था टा चि टात चि चिट कथ् टित चि था टा चा टित किचश टख्

आचोदासोनोधन्वान्तुविन्दवाः । प्रस्वानासोबृहदेवा इषूहरयाः । वाइचीदशना
का खु शी का चूख शु चुकच्

इषयोआरातयाः । आर्योनस्सन्तुसनीषन्तुनो
खि शी का षि की फ

धीयाबु । बा ॥ ८ ॥

प्लाश श

हाबुहोहाअचोदासोनोनुवान्तुइन्दवाः । हाबुहोहाइप्रस्वानासोबृहदेवा इषु हरयाः । हाबुहोहाइविचिदशनाइषयोआरातयाः । हाबुहोहाअर्योनस्सन्तुसानिषान्तुनो
ति की था खाश चि ति की थाचक काख शा खि ति चूक खिक खि ति चि काचक च खा
धियाबु । बा ॥ ९ ॥

शु ख

॥आङ्गीरसानित्रीणि ॥

अचौहाइ ।दासोनोधनुवान्तुविन्दावाः ।प्रस्वानासोबृहदे
 ता त श षि कु टा षी कि

वाइषू हरयाः ।विचो
 कि टि खा

हाइ दश्मोहाइ ।नाइषयोअरोहाइ ।तायाअर्योहाइ नस्सोहान्तुसानीषाम् ।
 शा खा शा खूण श का खा शा खा श खिण

तुनाउवा ।धीयाः ॥ १० ॥
 या ता ख प्ल

अचौहोञ्जवा ।दासोनोधनुवान्तुविन्दावाः ।प्रस्वनासोबृहदेवाइषुहारायाः ।वाइचीदाश्नानाइषायो ।होअरातायाः ।होआर्यो
 ति त षि का ट षी कु टि टि ख श खिश खीण त टा

नास्सान्तुसानीषा ।होन्तुनोधायाः ॥ ११ ॥
 ख श खिण खीत्र

अचौहोवाहाइ ।दासोनोधनुवान्तुविन्दावाः ।प्रस्वानासोबृहदेवाइषूहारायाः ।वा
 ती त श षि कु टा षी कु टि ट
 इचीदाश्नानाइषयोअरातायाः ।आर्योनास्सान्तूसनीषान्तुनोधा ।याः ॥ १२ ॥
 ता ट ख ण फु त त ट त ट ख ण फि खि त्र

॥औशनम् ॥

एषप्रकोशे माधूमं अचाइक्रादात् ।इन्द्रास्यवाञ्छोवापूषांवपुष्टामाः ।
 क टीचक टा खीण दुचक टा खिण

अभाइमृतास्यांसूदूघाघृताश्वृताः ।वाश्राअर्षान्तीपायसाच्छाइना ।वाः ॥ १३ ॥
 दुचक टा खिण क टी क टा खी त्र

॥प्रवत्भार्गवम् ॥

प्रोअयासाइदिन्दूरिन्द्रास्यानिष्कृताम् ।सखा
 त चि फा टी चि का

सर्व्युर्ब्रप्रमिनाताइसङ्गिराम् । मर्याइवायुवा ॥ तिभाइस्सामर्षताइ । सोमःकलाशेशतया
 का भु ची था का शा भी चिश थ की
 मानापाथाबु ॥१४॥
 भी चाच श टख्

॥विरूपस्यचतन्ते ॥

प्रोअयासाइदिन्दूरिन्द्रास्यानिष्कृताम् । साखा
 त चि था टी पि चा
 सार्व्युर्ब्रप्रमिनातिसङ्गाइर म् । मर्याइवा
 क फ चाक फ खि शा था का
 युवातिभाइस्सामर्षताए सोमाःकालाशेशतयामनापा था ॥ १५ ॥
 शा भी पी चा क फ चाक फ खि त्र
 प्रोअयासीत् । इन्दुरिन्द्रास्यानिष्कृत । साखासार्व्युर्ब्रप्रमिनातीसङ्गीर म् । मर्याईवायुवातिभाएसा । मर्षताइ । सोमाःकालाशेशतयामनापा । था ॥ १६ ॥
 खिण पीश का फ चाक फ पुश का फ चाक फ पुश का फ श चाक फ टी खि त्र

॥भार्गवञ्चैव ॥

प्रोअयासीदिन्दूरिन्द्रास्यनिष्कृतांकृताम्
 षू तू खा
 सखाओसर्व्युर्ब्रप्रमिना
 ता पण् षू
 तिसङ्गिरांगिरा म् । मर्याओ
 ती खा ता पण्
 इवयुवतिभिस्समर्षताइषताइ । सोमाओकलशेशतयामनापा ।
 षू ती खि श ता पण् षू खि
 था ॥ १७ ॥
 त्र

॥यामम् ॥

ओवाइया । प्रोअयासीदिन्दुरिन्द्रा
 था चा षू पा
 स्यानीष्टताम् । साखासर्व्युर्नप्रमिनातीसङ्गीर म् । मर्यइव युवति
 चा फा षु पि चाक फ षी
 भाएसाम षांताइ । ओवाइया । सोमः कलाशेशतयामनापा । था ॥ १८ ॥
 पु चाक फ श था चा षु टि खि त्र

॥दार्शशीर्षद्वे ॥

धर्त्तदाइवाअवाए । पवते कृक)त्वियोरा साअवाए । दक्षोदा
 कि खा डि चि कि ख डि कि
 इवाअवाए । नामनुमा दियोनृ भाइ अवाए । हाराइस्सार्जाअवाए । नोअत्यो नासाक्षाभाअवाए । वृथापाजाअवाए । सिकृणुषाइनादाइषू वाअवाए । होइला ॥ १९ ॥
 खा डि च किच कि ख श डि कि ख डि कि ख डि कि ख डि ती का कि ख डि षु शा
 धर्त्तबुहोहोहाइ । दीवः पवताइकृ औहोहाहाइ । त्वियोरा सोदक्षोदाइवाऔहोहाहा
 तीत त श चु थाट त त त श चा चा चाथ टि त त त
 इ । नामानुमादीयोनृभाइहरा
 श की की चि
 इस्सार्जाऔहोहाहाइ । नोअत्यो नासक्षाभाइवृथा
 चा थ ट त त त श कि की चि
 पाजाऔहोहाहाइ । सिकृणुषाऔहोहाहाइ । नदीषू वाऔहोहाहाऔहोवा । ए नादीषूवा ॥ २० ॥
 थ टा त त त श चाथ टा त त त श कि कट त त ख शि तच का टाख

॥सैन्धुक्षितानित्रीणि ॥

वृषामातीना म्पावताए । वीचक्षणाए । सोमोअन्हा
 का टा कथ टि त चि क ख था टा
 म्पाताराइताए । उषसान्दीवा
 चा टि त ची क

ए प्राणासाइन्धूनां कालाशंए | अचिक्रादादे | इन्द्रास्याहार्द्यावाइशान् ए | मनीषीभीरे | ओइळा || २१ ||

ख था टि कथ् टि त चिक ख थ टा ट यी त चिक खण् प शा

वृषामतीर्नाम्पवतेवीचक्षणाः | सोमोअन्हाम्पतरीतोषासान्दाइवाः | प्राणासाइन्धनाङ्गलशं | आचिक्रादात् | आइन्द्रास्याहार्द्याविशन्मानीषाइभा इः | ओइळा ||
टा टा कु टि त टा टा की टि ता टा टि की टि टा कि टि खाण्श प शा

२२ ||

वृषामतीनांपवताइवाइचा

कु कि या पा

क्षणाः | सोमोअन्हाम्पतरी तोषासान्दिवाः | प्राणासिन्धू नाङ्गलशं अचाइकृदात् | आइन्द्रास्याहार्द्याविशन्मानाइषीभाबु | बा || २३ ||

ता का का कि या प का क किच्क टि पा ति की कीय प शाण श ख

॥यामानित्रीणि ॥

असाविसोमो आरूषोवृषाहराइः | राजेवदास्मोआभीगाचीकृदात् | पुनानोवारा मातिधाएषीयाव्ययाम् | श्येनोनयोनी छृतवान्तमासदात् | होइळा || २४ ||

का किच्क पा श ता श किच्क पाष्ठ का का किच्क पि ष्ठा ता था किच्क पा ष्ठी ष्ठ शा

आसावीसोमोआरूषाः | वार्षाहराए | राजेवदास्मोआभीगा | आचिक्रदात् | पूनानोवारामातीये | षीअव्ययांश्येनोनायोनीछ्वा
खिश खिण क भी खिश खिण क टि खिश खिण क टि खिश

र्कृतावां | तमासादाऔहोवा | देदीवी || २५ ||

खिण ता टद्ख शि त टाख

असाविसोमोअरूषोवृषाहराइः | राजेवदस्मोअभिगाअचिक्रदा | पुनानोवारमत्यष्यव्ययाम् | शेयनोनयोनिंछृतवान्तमा | सादाऔहोवा | एदीवी || २६ ||

षु तू श पू तू षु तु षु ति ता टद्ख शि त टाख

॥मरुतान्धेनुनीद्वे ॥

प्रादे | वामच्छामधुम न्ताआइ न्दावाः | आसिष्या

ता कूच्क ट कथ् टा च खा

दन्तागावआनाधा इनावाः | बर्हिषादाः | वाचानावान्ताऊ धाभाइःपारिष्ठूतम् | उस्त्रियानिर्णिजन्धाइराएधाइरा औहोवाधाइरा इ || २७ ||

कथ टिच्क टच चि खिण चा टीच्क कि खाण षु टी खि शित टाख श

त्राइरस्मैसप्तदेनवोदुदौहोहाइराइ | सत्यामाशीरम्परमेव्योमानी | चत्वार्यन्याभुवननिर्णिजाइ | चारूणाइचाक्रेअद्रुताइ | रावार्द्धता || २८ ||

प षु षु ड शि पु की टा षी कु टि श खि णाक टि श टा ख त्र

॥वसिष्ठस्यापामीवेद्वे वायोर्वाभिकृन्दौ ॥

इन्द्रायसोमसुषुतः । पारीस्वावा । आपामीवाभवतुराक्षासासाहा । माताइरसस्यमत्सतद्वायावीनाः । नद्रावाइणस्वन्तइह
की खी चाक फ कि खु चाक फ का शी खि चाक फ चाश षु
सन्त्वाइन्दा । वा: ॥ २९ ॥

खू त्र

इन्द्रायसोमसुषुतः पर्याहोइस्वावा ।
षृ त्रुत

आपामीवाभवतुरक्षसासाहा । मातेरसस्यमत्सतद्वायावीनाः । द्रा
षी यूपश पु युपश ख
वीणास्वा । न्ताई हसाहोन्तुवाइन्दा । वा: ॥ ३० ॥

फुखण का टाट खी त्र

॥अञ्जतेव्यञ्जतेस्समञ्जतइति काक्षीवतानांसामानि त्रीणि शार्ङ्गणिवा ॥

अञ्जताइव्यञ्जताइसमञ्जताइ । क्रतुं रिहान्तीमध्वाभ्यञ्जताइ । सिन्धोरूच्छासे पतया
क का षु टीश का कि कि टा श था कि कि
न्तामुक्षाणाम् । हिरण्यपावाः । पशुमप्सूगृणाताबु । वा ॥ ३१ ॥

टी का कि की चिश टख

अञ्जाहोतयाहोइव्यञ्जते सामञ्जताइ । क्रतुं होइ । रिहाहोन्तिमध्वाभीय ञ्जताइ । सिन्धोर्होउच्छ्वाहोसे पतयान्तामूक्षाणाम् । हिराहोण्यपाहोवाः । पशुमप्सुगृणाता । इ ॥
ता च ता कि चा चाक फ श ता च श ता ट खि चाक फ श ता च ता का खि चाक फ ता च ता का खू त्र श
३२ ॥
हावञ्जा । ताइव्यञ्जते समञ्जताए हियाएहियाहाबुक्रातुम् । राइह न्तिमध्वाभ्यञ्जताए हियाएहियाहाबुसाइन्धोः । ऊच्छ्वासे पतयन्तमुक्षाणामेहियाएहियाहाबुहाइरा । ण्यापाव
ति प श णि चि टा ता ट खा शी प णा चु टा ता ट खा षु प णा चू टा ता ट खा षु प ण
३३ ॥

॥आदित्यस्यार्कपुष्पे देवानांवा ॥

पावित्रन्तेविततं ब्रह्मणस्पते । हुवे हुवे होवाहाहाइश) । प्राभुर्गत्रा णीपर्यं षीविश्वताहुवे हुवे होवाहाहाइ । अतस्तनूर्नतदामो अश्रुते हुवे हुवे होवा
की कि कु टा टा टात ट टीच्क ट ची टा टा टात श कु कि की टा टा टा

हा हाइ । श्रतास इद्धह न्तस्सन्तदाशता । हुवे हुवे हो वा हा हा औ हो वा । अर्को देवानां
 त त श का की कू टा टा त ख शि टि टा
 परामे व्योमान् ॥ ३४ ॥

चिट ख

पावित्रन्तेविततं ब्रह्मणस्पते । हूवा औ हो वा । प्राभुर्गात्राणीपर्यं षीविश्वतो हूवा औ हो वा ।
 की कि कीच काट टा की कि कीच काट टा

अतस्तत्त्वु न्तदामो अश्वते
 कु कि कीच

हूवा औ हो वा । श्रतास इद्धह न्तस्सन्तदाशता । हूवा औ हो वा औ हो वा । अर्कस्य देवाः परामे व्योमान् ॥ ३५ ॥

काट टा कू कू टि ट ख शि कि कीच चिट ख

दशम स्वण्डः

॥वसिष्ठस्यपदेद्वे ॥

इन्द्रमच्छा । सूताईमाउवोवा । वृषाणय्यन्तुहारयाउवोवा । श्रृष्टाइ । जातासइ
ती टी खाश का था टच्क टा खाश चाश

न्दावाः । सूवर्वाइदाः । ओइला ॥ १ ॥
चू टि खाण् प शा

इन्द्रमच्छा । सूताईमाइताईमाइ । वृषाणय्यन्तुहारयाहारायाः । श्रुष्टे जातासाइन्दवाआइन्दवावाः । सुवरा औहोवाविदोवीदाः ॥ २ ॥
ती टी टित श का थाच क टाक टत का थाट टि ती टिख् शि ताट ख

॥वसिष्ठस्यानुपदेद्वे ॥

इन्द्रमिन्दरा । आच्छासूताइमेआइमे । वृषानय्यन्तुहारयारायाः । श्रुष्टे जातासाइन्दवादावाःसुवरा औहोवा । विदोवीदाः ॥ ४ ॥
ती च क या टा टि का था का टा टा का थाट टि टा किख् शि ताट ख

इन्द्रमच्छसुताइमेवृषणय्यन्तुहाहो
षु फू त

रयायाः । श्रुष्टाउवाजाता
ता ख का का का

उवासइन्दवास्सूवा हो । विर्दोइला ॥ ४ ॥
का चीक फूत खा शा

॥पौष्कलम् ॥

इन्द्रमाच्छास्सूताई माइ । वृषाणय्यन्तुहारयाः । श्रृष्टाइ जातासइ न्दावाः ।
क पा ष्टा खाण श चा कीखण चाश टीख त्र
सुवार्विदाः ॥ ५ ॥
ता टाख्

॥ऐषिरणिपञ्च ॥

प्रध न्वासौ । होओहोवा । मजाग्रवीःइन्द्रायेन्दौ । होओहोवा । परीस्तावाद्युम न्तांशौ । होओहोवा । ष्ममाभारासुव विंदौहोओहोवा । ऊपा ॥ ६ ॥

का शा का चण का टा था शा का खण चा टा का शा का खण का टा का की खत्र खश

प्रध न्वासौहोवाहोमजाग्रवीः । इन्द्रायेन्दौहोवाहोइपरीस्तावा । द्युम न्तांशौहोवाहोष्ममा

का की कि टा था की की टा का की कि

भारा । सुव विंदौहोवाहोवाहोवा । ऊपा ॥ ७ ॥

टा का किट्टख शि खश

औहोओहोइ प्रध न्वासो । औहोओहोमजाग्रवीः औहोओहोइ । इन्द्रायाइन्दोओहोओहोइपरीस्तावा औहोओहोइ । द्युम न्तांशू औहोओहोष्ममाभारा औहोओहोइसूवा

क चिश का टा क कु टा क चिश थ टिच्क कु टा क चिश का टाच्क कु टा क चिकात

र्वाइदा औहोवा । ऊपा ॥ ८ ॥

तट खा शि खश

हुवाइहुवाहोइ । प्रध न्वासोमजाग्रवीःइन्द्रायाइन्दोपरीस्तावा । द्युम न्तांशू

टा टि शा का टा का था टि चा टा का टा

ष्ममाभारा । हुवाइहुवा

का टा टा टि

होइ सूवार्वाइदा

शाक त ट खा

औहोवा । ऊपा ॥ ९ ॥

शि खश

प्राधन्वासोमजाग्रवीःइन्द्रायाइन्दो । ओइपाराइस्तावा । द्युमान्तांशू । ओष्ममाभारा । सूवार्वादाम् ॥ १० ॥

पि शु टाखण टि पि श टाखण टि खत्र ताट ख

॥शौक्तानिपञ्च ॥

सखायाया नीषीदतपुनाना

का टाच्क टृ

या प्रागायता । शिशुन्नयाज्ञै पाराइभू षाताश्राया इ । ओइळा ॥ ११ ॥

तच्च चा शा टि त कथ टीच्क टा खण्श प शा

साखायाया । नीषीदाता । पूनानायप्रागाहोवा । याता । शिशुन्नयाज्ञैःपरी भूषा ताहोवा । श्रिये ॥ १२ ॥

ती खिण टाखण टट्ख शि खश चु का टाट्ख शि ताच्क

सखाययानीषीदाता ।पुनानायप्रगायताशिशुन्नायाज्ञःपरा
 षी टि त का षे टी
 इभूषातानाया इ ।ओइला ॥१३ ॥

टि ट खण्श प शा
 ओहाइसखाययानीषीदाता ।पुनानौहोइपुनानौहोए ।याप्रायाप्रा ।गायतौहोइ गा
 त षु ति त का कु पि शी क शीक
 यतौहोए शाइशूंशाइशूम् ।नायज्ञौहोइ नायज्ञौहोए ।पारीपारा औहोवा ।ए भूषतश्रिये ॥ १४ ॥

पी षु तीश पु ता खा शि तच्च तुच्च
 सखाययाउवोवा ।नीषाइदाताउवोवा ।पुनानायप्रगायताशाइशाउवोवा ।नायज्ञःपारिभूषाताउवोवा ।श्रिये ॥ १५ ॥

॥कार्णश्रवसानित्रीणिगौलोमानिवा ॥

तांवा स्साखा ।योमदाया ।पूनानामभीगाया ता ।शाइशून्नाहव्यैस्वदयान्तगूर्क्तभा इ ।ओइला ॥ १६ ॥

ख श्छ ख ण क टात कु टटत की का टि खीण्श प शा
 ओइतंवस्सखा ।योमदायाउवोवापूनानमभिगाउवोवा
 तु क भि खाश का टी खाश

यताउवोवाशिशुन्नाहव्यैस्वदयाउवोवा
 शा खाश कि का टि खाश

न्तगाउवोवा ।र्क्तीभीः ॥ १७ ॥

शा खाश ख छ
 तंवस्सखायोमदाया ।पूनानमभिगायाताशाइशू न्नाहाव्यैस्वदयान्तागूर्क्ताइभो ।हाइ ॥ १८ ॥

॥वैश्वदेवेद्वे ॥

प्राणाशाइशू र्म्महाइनाम् ।हिन्वान्नार्क्ता ।
 ता ख श्छ ख ण ट ख ण
 स्थादाइधीतिम् ।वाइश्वापरिप्रियाभुवादधद्विता ।ओइला ॥ १९ ॥

त पि श कि की ट खीण प शा

प्राणाप्राणा । शाइशूरशाइशूर्महा आउवाए नाम् । हिन्वन्नार्कतास्यदा आउवाए धीतिम् । विश्वापरिप्रिया आउवा । भूवात् । अधौहौहुवाइद्वा इता औहोवा । उऊपा ॥ २० ॥
 ती टि टि ता भीख कि ता भीख श का ती टि खश टाट टीट खा शि खा श

॥इन्द्रसामनीद्वे ॥

प्राणाशिशूः । महाइनमौहोवा । हिन्वन्नृतस्यदीधितिं । वाइश्वाउवापारा उवा । प्रियाभुवदधाउवा । एद्विता ॥ २१ ॥
 ती टा खीत्र क शी कि कि का का टा की ता त ताच्

प्राणाहोइयाहाइ । शाइशूर्महाइनामाबुहो औहोवा । हिन्वन्नृतस्यदीधिताइमाबुहो औहोवा । विश्वावारा । बुहो औहोवा । प्रीयाभूवा औहोवा । आधाद्विता ॥ २२ ॥
 खि शी टिच् टीच काक का षी डुकाक का टी काक का टिट्ख शि च तिच्

॥मरुताम्प्रेष्ठः वसिष्ठस्यवा ॥

प्राणाहोइशाइशूर्होइ । माहीनांहोवा
 फा प्लु खि शप्लु ताश क टा का
 होए हिन्वान्नहोयार्क्ता हाहोइ । स्यादीधिता
 पा प्लु खी शप्लु ताश चा का
 इंहोवाहोए । वीश्वाहोइपारी हाहोइ । प्रीयाभुवाद्वोवाहोए । आधाद्वाइतो । हाइ ॥ २३ ॥
 कि पा फा प्लु खि शप्लु तिश चा टाकक पा प शख प्लु शा

॥आग्नेयञ्च ॥

पावास्वदाइवावीतायाइ । इन्दोधाराभीरोजासा ।
 टी खीण श टी खि ण
 आकलशम्माधूमान्सो । मानए मानाः सदाए । होइला ॥ २४ ॥
 कूख ण चि पा ष्ठि प्लु शा

॥सोमसामच ॥

पवस्वदा इवावीतयाइन्दोधाराभिरोजसाए ।आकाहालाशाम्माधुहोमान्सो
 तीच् षु का क ख सु टा त य टा त टाच्
 मानोबा ।स्वादोहाइ ॥ २५ ॥
 क प झ छा शा

॥सुज्ञानेद्वे ॥

सोमःपुना ।नऊर्मिणाब्यंवारांविधावताइ ।अग्रेवाचाःपावमा नाऔहोवा ।कनीकृददेऊपा ॥ २६ ॥
 ती का चाथ टा का चाश था टाच् क टाट् ख शि का तिट् ख

सोमःपूना ।नऊर्मिणा
 ती का का

उवाओवाओहोवा ।अब्यंवारांविधावत्यग्राउवा
 काट् ख शि दू ति का
 ओवाओहोवा ।वाचःपवमानःकनाउवाओवा
 ट् ख शि कष चू काट् ख
 औहोवा ।क्रादात् ॥ २७ ॥
 शि ख श

॥द्यौतेद्वे ॥

सोमःपुनानऊ ।र्मिणाब्यंवारांवीधावाती ।अग्रेवाचाः ।पावमानाः ।कानीक्रादात् ॥२८ ॥
 तू कु टि त ची ची काफ् ख

सोमःपुनानऊर्मिणाएही ।अब्यंवारां विधावताएही ।अग्रेवाचःपवमानाएही ।कानीक्रददेहियाहोइला ॥ २९ ॥
 षी खु छा कीच् का खा छा षी खी छा ता सु लु शा

॥आतीषातीयेद्वे ॥

सोमः पुनानऊर्मीणा । अव्यंवारं वीधावत्यग्राओइवाचाः । पवाओमानाः । कनाइक्रा । दात् ॥ ३० ॥

षि खिण कीच् का टि खिण टा खा ण खीणफङ् ख

सोमाः पूना ओनऊर्मिणाए । अव्यंवारं विधावाती । अग्रेवा चाः पावमानाः । काना
च कफङ् खि छि यूपश खिणफङ् तच् क टा त टद्ख
औहोवा । क्रददे ॥ ३१ ॥

शि खि

॥सोमसामानिचत्वारि ॥

प्रापुनानायवेधसाइ । होइहोइ सोमायावाचाउच्याताइ । भृतिन्नभरामातिभाइर्जूजोषाता इ । ओइळा ॥ ३२ ॥

पि शू षि डु मिश कु कि टीखण्श प शा

प्रपुनानौहोयवेधसाइ । सो
फु कीश क

माऔहोयवचउच्यताइ । भृता
का ख श्रु

औहोइन्नभरामातिभा
कि ख ष्टी डि
इः । जुजोआउवा । षाते ॥ ३३ ॥

श ता टि खश

गोमन्नो होइन्दोअश्ववादे । सूतः सुदक्षधकनीवाः । शुचिञ्चवा र्णमधिगोऔहो । षुधारायाऔहोवा । होइळा ॥ ३४ ॥

फिष्टु खि छिश यूश खीणफङ् खी ता काक टा खङ् ष्टु शा

हावास्मा । भ्यान्त्वा । वासुवाइद म् । अभाइवाणीरनाउवोवा । षाता । गोभिष्टे वर्णा माभिवासयामसि । होइळा ॥ ३५ ॥

ति ख श खि णा टा खा श खी श ख श चि थच् टि शी ख ष्टा

॥सोमस्ययशांसित्रीणि ॥

पवतेहरीयातोहरिरौ । होयौहोवा । आतिहरां सीरंहीया औहोयौहोवा । अभ्यर्षस्तोतृभ्योवाऔहोयौहोवा । रावाऔहोवा । यशोयाशाः ॥ ३६ ॥

ती चाट किच् यट खश टीच् क किच् श यट खश क्रु काच् यट खश टद्ख शि ताच् क टख

पवापवतेहा ।रीयातोहरिरौ होयौहोअौहो ।आतिह्वरां ।सीरंह्वाओहोयौहोअौहो ।अभ्यर्षस्तोतृभ्योवाओहोयौहोअौहो ।रा वाओहोवा ।यशो याशः ॥ ३७ ॥
 खा शी चाट किच्यट खि टीच् क का श य ट खि का की का य ट खि टद्ध शि ताच्छ ख
 पवतेहर्यतोहरीरातीह्वरांसीरंह्वा ।अभ्यर्षास्तोतृ भ्योवा ।इरा राओहोवा ।याशः ॥ ३८ ॥
 फू ताप झि डि पि झा ता टद्ध शि ख फ़

॥ौशनंवासिष्ठंवा ॥

परीकोशंमधुशूतं ।सोमःपुनानोर्षतीहोए ।अभिवा णीर्क्षीणाम् ससानाउवोवा ।षाता ॥ ३९ ॥
 खि शु की दू खिणफ़ूत च था टि खाश ख श

एकादश खण्डः

॥वासिष्ठेद्वे ॥

पावास्वामाधुमात्कामाउवोवा ।ईन्द्रा ।यसोमाक्रातूविक्तामामादाओइमाहाउवोवा ।द्युक्षातमोमादाः ॥ १ ॥
 ता रू खा श ख श कि क क भि टा टी खा श चा ता टा

पवस्वमाए ।धुमात्कमाइ न्द्रायसोओओहोवामाक्रातूवीत्ताओओहोतमोमादाःमहाइद्यु क्षाओहोवा ।तमोमादाः ॥ ३ ॥
 तु का कि ति का तत टीत का ख ख ता टीट्ख शि ता ट ख

॥सभानित्रीणि ॥

पवस्वमधुमाइहा ।क्तामाइन्द्रायसोमःक्रतुवीक्तमोमादाइहा ।महाइद्युक्षाइहा ।तामोमादाः ।ओइळा ॥ ३ ॥
 षू ता षु कु टि ति टी ति टि खण प शा

पावस्वमधुमात्कामाः ।आइन्द्रायसोमाक्रातुवाइत्तामोमादाःमाहिद्युक्षातामोमादो ।हाइ ॥ ४ ॥
 ख मुड श टूक पी श त त पु श ख षु शा

पावास्वामधुमत्कामाः ।इन्द्रायसोमाक्रातुवाइत्तामोमादाः ।महाइद्युक्षातामोमादो ।हाइ ॥ ५ ॥
 पि ष्णा ख ण टुचक पी श त त पु श ख षु शा

॥ऐषिराणिचत्वारिच्यावनानिवा ॥

अभाइद्युम्बृहाद्याशाः ।
 की ख कि फ

इळास्पते दिदीहिदे वा ।देवायूम् ।वीकोशमद्यमां ।
 की खी श का फ कि कि

यूवा ॥ ६ ॥
 ख त्र

अभ्येद्यूम्बाम् ।बृहाद्याशाः ।इळास्पताइदिदीहिदे वादाइवायुम् ।विकौवाउवोवा ।शर्माद्यमांआउवा ।यूवा ॥ ७ ॥
 ती चाय ट षी कि ख श खी श खु ण का ता टि ख श

अभिद्युम्बृहिद्वा ।याशाइळास्पतेदिदीहिदे
 षी ती षू की

वादेवायूम् । विकौहोवाहाइ । शर्मा द्वयामं यूवाइल्लभा । ओइला ॥ ८ ॥

टि त ती त श टाच्र का का खिण् प शा

अभिद्युम्भृहद्यशाः । ईलास्खताइदिदीहिदाइवादेवयूम् । वीकोशम्मद्वयमां होयूवाएहियाहा । होइला ॥ ९ ॥

तु ति क कू की वि दूच्रय प झी श झ शा

॥शौक्तानित्रीणि ॥

आसोतापा । राइषा औहोवा । आता । अश्वन्नस्तोममसूरं रजस्तुरमोए वना

ती ट खा शि ख श था का की कि भि ता

ओए प्रक्षाओहोवा । उदाप्रूताम् ॥ १० ॥

या खा शि ता ट ख

आसोतापा । रिषिञ्चता । ऊहोवाऊ ।

ती का टा ट कथ ट

अश्वन्नस्तोममसुराऊहोवाऊ । राजस्तुराऊहोवाऊ ।

था का टीट कथ ट च टिट कथ ट

वानप्राक्षाऊहोवाऊ । उदाप्रूताओहोवा ।

चि ट कथ ट ता ट ख शि

उऊपा ॥ ११ ॥

खा श

आसोतापा । रिषाइञ्चताअश्वन्नस्तोममासूर म् । रजस्तूरं वनोहाबु । प्राक्षामूदाहिम्माए । प्रूतम् ॥ १२ ॥

टि त टु कू खशि शु पि शि भि खशि

॥वाचस्सामानित्रीणि ॥

आसोतापा । रिषिञ्चताआश्वाओहोवा । नस्तोममसूर म् । रजस्तुरं होइवनाओहोवा । प्रक्षामूदाप्रूताम् ॥ १३ ॥

ती ती टा खा श का की री टी खा श का ता ट ख

आसोओहोतापाराइषीञ्चता । आश्वन्नस्तोममासूर म् । रजस्तूरं वनोहाबु । प्राक्षामूदाआउवा । प्रूतम् ॥ १४ ॥

खा ता यु टा कू खशि शु का ता टि खशि

आसोतापा होरिषीञ्चताए । आश्वन्नस्तो

णा च फ्लू खि झि चा थाच्र

मामासूर म् । राजस्तूरं वानाप्राक्षां । ऊदां
 च य टा की च य टा प श
 प्रूतां । हाइ ॥ १५ ॥
 ख छ शा

॥ कौन्मलबर्हिषाणिपञ्च शंकुतृतीयं सीदन्तीयं वा तृतीयेतराणिपञ्चा त्यर्थः ॥

एताम् । उत्यम्मदाश्वूतम् । साहासधारं वार्षाभांटी) दीवोदूहम् । विश्वाहोइहोइवासू ।
 ता टी खण की टा खण टा टुत

नाइबा औहोवा । भ्रातम् ॥ १६ ॥
 ट खा शि खश

एतमूत्यम् । मदाआउवाच्यूतम् । साहासधारं वृषाभन्दिवोदूहां वाइश्वावसू ।
 ती ता टि खश की कि टिकख शु

निबाआउवाए । भ्रातम् ॥ १७ ॥
 का भी खश

एतमुत्यमेमदा । च्यूतांसहसधारं वृषाभ न्दीवोदूहाम् । वाइश्वावासु नीबोबाभ्रातां । हाइ ॥ १८ ॥
 कु ता षु की टित टि टाच्चकप छ शा

एतमुत्यमोहाइ मदच्युतमोहाइ । साहासधारं वार्षाभम् । दीवोदूहमोहाइ । विश्वाहोइवासू । नाइबा
 कु षा तु तश खिश खिण खुण श टा टित ट खा
 औहोवा । भ्रातम् ॥ १९ ॥
 शि खश

एतामुत्यम्मदाच्युतम् । साहासधारं वृषाभन्दीवो
 फा खी शा की टी टाच्च

दूहमोइ । विश्वावसूनिबा हो इभ्रातमाआउवा ।
 खिश दूच्चक्च का ता टि

उऊपा ॥ २० ॥
 खा श

एतामुत्यम्मदाच्युतम् । साहासधारं वृषाभन्दिवो
 खा छी शा टी चि टि
 ओवा । दूहाम् । विश्वावसूनिबाआए । भ्रातमेहियाहा । होइला ॥ २१ ॥
 का पश दू टा प छी श छ शा

॥दीर्घद्वे ॥

सासू । न्वेयोवासूनाम् । योरायामाने तायाइळा
 त का टात टा चिथ टि
 नाम् । सोमाः । यास्सूक्षीताआइनां । हाइ ॥ २२ ॥
 त ट त का पा फ्लि शा
 ससुहाबु । न्वेयोवासूनांहाबु । योरायामाने तायाइळानांहाबु । सोमोयास्सू
 ति श दु त श चा चिथ टी त श टी
 हाबु । क्षितीनामौहोवा । होइळा ॥ २३ ॥
 त श का पा फ्ला फ्ल शा

॥सोमसामानित्रिणि ॥

सस्वेसासू । न्वेयोवासाआउवा । नांयोरायामाने तायाइळानांसोमौवाउवोवा । यास्सूक्षिताआउवाए । नाम् ॥ २४ ॥
 ती का ता टि ख टा चिथ टी खुण का ता भि ख
 ससून्वेयाएवासू । नायोरायामाने तायाइळानाम् । सोमाः । यास्सूक्षिता इ । नाम् ॥ २५ ॥
 शु ता क यप काथ टि ख ता का खणफ्लूश ख
 सासून्वेयोवसूनाम् । योरायामाने तायाइळानाम् । सोमोयस्सूक्षितीनाम् । सोमाः ॥ २६ ॥
 पि शी क यप काथ पि त्र टा कीख ट ख

॥शैतेष्याणिचत्वारि ॥

त्वंहियाम् । गदाइव्यपवमानजनि
 ति शी चू
 मा निद्यु मात्कामाः । आमार्क्तात्वायाघोबाषाया । न्हाइ ॥ २७ ॥
 कच काट टा टा कप फ्ल शा
 त्वंहियाम् । गदाइव्यपवमानहोवाहाइ । जनिमानीद्युमार्क्तामाः । आमार्क्ता त्वाऔहोवा । यघोषाया न् ॥ २८ ॥
 ति शी किक टात श टि ख पा त टि द ख शि का टाख
 त्वंह्यंगदा । इव्यपवमानजनिमानिद्युमात्कामाः । आमार्क्तात्वायाघोबाषाया । न्हाइ ॥ २९ ॥
 ती शू कि टि ता टि तच्च कप फ्ल शा

त्वंहायांगादाइव्याम् । पावमाना जनिमा नायेद्यूमात्कामाः । आमार्क्तात्वा । याघोबाषाया । न्हाइ ॥ ३० ॥
 सि फ्लि टि कथ टिच्कप पात त भित्त्र कप फ्लि शा शा

॥सोमसामानित्रीणि ॥

एषस्यधारयासूताः । अव्यावाराइभाइः पवतेमदिन्तामाः । क्रीलान्नूर्म्माइः । आपा
 क यु टा थाच्क षी कु चा टि त श प श
 माइवो । हाइ ॥ ३१ ॥

एषास्यधारयासूताः । अव्याहोइवारेभिः पवतेमदीन्तामाः । क्रीलान्होउर्म्मीः । अपामीवाओहोवा । होइला ॥ ३२ ॥

एषस्यधारयासूताः । अव्यावाराइभिः पवाताइमदीन्तामाः । क्रीलान्नूर्म्मीरपाउवाओबामाइवो । हाइ ॥ ३३ ॥

॥गायत्रपार्श्व ॥

एषाः । स्यधारयाआउवासूताः । अव्यावारे भिः पवते मादिन्तामाः ।
 ता का ता टि खफ्लि षी कीच्क टा ख
 क्रीलान्नूर्म्मीरपाहिंवा । माइपा ॥ ३४ ॥

॥सन्तनिच ॥

एषाहाबु । स्यधारयाआउवा । सूताः अव्यावारे भिः पवते मादिन्तामाः । क्रीलान्हाबु ।
 ता त श का ता टि खफ्लि षी कीच्क भि ता त श
 ऊर्म्मीवाआउवा । मीवा । याउस्त्रियाअपियाआ
 का ता टि खश षी किच
 न्तारश्मानी । निर्गाहाबु । आक्रन्तदोआउवाजासाआभिवृजन्तन्तीषे
 खी ता त श का ता टि खश षी की

गव्यमश्चिया म् । वर्मीहाबु । वाधृ ष्णवाआउवा । रुजा ॥ ३५ ॥

दुख ता त श का ता टि ख श